



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 10]

नई दिल्ली, शनिवार, मार्च 6, 1971 (फाल्गुन 15, 1892)

No. 10]

NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 6, 1971 (PHALGUNA 15, 1892)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

नोटिस

(NOTICE)

नीचे लिखे भारत के असाधारण राजपत्र 15 जनवरी 1971 तक प्रकाशित किये गये हैं :—

The undermentioned *Gazettes of India Extraordinary* were published up to 15th January 1971 :—

अंक (Issue No.)	संख्या और तिथि (No. and Date)	द्वारा जारी किया गया (Issued by)	विषय (Subject)
--------------------	----------------------------------	-------------------------------------	-------------------

—शून्य—

—Nil—

ऊपर लिखे असाधारण राजपत्रों की प्रतियां प्रकाशन प्रबन्धक, सिविल लाइन्स, दिल्ली के नाम मांग-पत्र भेजने पर भेज दी जाएंगी।
मांग-पत्र प्रबन्धक के पास इन राजपत्रों के जारी होने की तिथि से दस दिन के भीतर पहुंच जाने चाहिए।

Copies of the *Gazette Extraordinary* mentioned above will be supplied on indent to the Manager of Publications, Civil Lines, Delhi. Indents should be submitted so as to reach the Manager within ten days of the date of issue of these *Gazettes*.

भाग I—खंड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	पृष्ठ 267	विषय-सूची	
भाग I—खंड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अफसरो की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	337	भाग II—खंड 3—उप-खंड (ii)— रक्षा मन्त्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मन्त्रालयों और (संघ-राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए आदेश और अधिसूचनाएं	पृष्ठ 1049
भाग I—खंड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	—	भाग II—खंड 4— रक्षा मंत्रालय द्वारा अधिसूचित विधिक नियम और आदेश	197
भाग I—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई अफसरो की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	207	भाग III—खंड 1—महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल प्रशासन, उच्च न्यायालयों और भारत सरकार के संलग्न तथा अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	327
भाग—II खंड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम	—	भाग III—खंड 2—एकस्व कार्यालय, कलकत्ता द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं और नोटिसें	81
भाग II—खंड 2—विधायक और विधायकों संबंधी प्रवर समितियों की रिपोर्टें	—	भाग II—खंड 3—मुख्य आयुक्तों द्वारा या उनके प्राधिकार से जारी की गई अधिसूचनाएं	19
भाग II—खंड 3—उप-खंड (i)—(रक्षा मन्त्रालय को छोड़ कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ-राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारी द्वारा जारी किए गए विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए साधारण नियम (जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उप-नियम आदि सम्मिलित हैं)	651	भाग III—खंड 4—विधिक निकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिनमें अधिक सूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिसें शामिल हैं	691
		भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी संस्थाओं के विज्ञापन तथा नोटिसें	53
		पूरक संख्या—10	
		13 फरवरी 1971 को समाप्त होने वाले सप्ताह की महामारी सम्बन्धी साप्ताहिक रिपोर्ट	369
		23 फरवरी 1971 को समाप्त होने वाले सप्ताह के दौरान भारत में 30,000 तथा उससे अधिक आबादी के शहरों में जन्म तथा बड़ी बीमारियों से हुई मृत्यु से सम्बन्धित आंकड़े	377
PART I—SECTION. 1.—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	267	PART II—SECTION 3.—SUB-SEC. (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)	1049
PART I—SECTION 2.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	337	PART II—SECTION 4.—Statutory Rules and Orders notified by the Ministry of Defence	197
PART I—SECTION 3.—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministry of Defence	—	PART III—SECTION 1.—Notifications issued by the Auditor General, Union Public Service Commission, Railways Administration, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India	327
PART I—SECTION 4.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Officers issued by the Ministry of Defence	207	PART III—SECTION 2.—Notifications and Notices issued by the Patent Offices, Calcutta	81
PART II—SECTION 1.—Acts, Ordinances and Regulations	—	PART III—SECTION 3.—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	19
PART II—SECTION 2.—Bills and Reports of Select Committees on Bills	—	PART III—SECTION 4.—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	691
PART II—SECTION 3.—SUB-SEC. (i)—General Statutory Rules (including orders, bye-laws etc., of general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)	651	PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies	53
		SUPPLEMENT No. 10	
		Weekly Epidemiological Reports for weeks ending 27th February 1971	369
		Births and Deaths from Principal diseases in towns with a population of 30,000 and over in India during week ending 6th February 1971	377

भाग I खण्ड 1

PART I SECTION 1

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 20 फरवरी 1971

सं० 18-प्रेज/71—राष्ट्रपति केन्द्रीय आरक्षित पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिए राष्ट्रपति का पुलिस तथा अग्नि शमन सेवा पदक प्रदान करते हैं:—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री राम सिंह बलोत,
पुलिस उप अधीक्षक,
8 वीं बटालियन,
केन्द्रीय आरक्षित पुलिस

(स्वर्गीय)

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया ।

श्री राम सिंह बलोत को मणिपुर के माओ-मरन सब-डिवीजन के माओ क्षेत्र में सामान्य स्थिति लाने के लिए प्रतिनियुक्ति की गयी केन्द्रीय आरक्षित पुलिस कम्पनी के कार्यभारी पुलिस उपाध्यक्ष के रूप में 12 सितम्बर, 1968 को तैनात किया गया। कार्यभार संभालने के बाद श्री बलोत ने इस क्षेत्र में शान्ति और अमन स्थापित करने के लिए कई कार्यवाहियों की जैसे कि तीव्रगति से गश्त लगाना, छापे मारना और घात लाना। इन कार्यवाहियों से विरोधी निरुत्साह तो हो गये परन्तु श्री बलोत के प्रति शत्रुता पैदा हो गयी। 8 अगस्त, 1969 को कोई 6 बजे सांय जब श्री बलोत एक असिस्टेंट सेन्ट्रल इन्टेलिजेन्स अफसर के साथ माओ बाजार के मुख्य मार्ग पर घूम रहे थे तो एक विरोधी ने बहुत समीप आकर उनकी पीठ में रिवाल्वर से गोली मार दी जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गये। घातक चोट लगने पर भी श्री बलोत पीछे मुड़े और आक्रमणकारी के साथ गुत्थमगुत्था हो गये और उसे 5 मिनट तक भूमि पर डाले रखा। आक्रमणकारी ने श्री बलोत की भारी हुई पिस्तोल को हथियाना चाहा परन्तु ए० सी० आई० ओ० ने यह प्रयास सफल न होने दिया। फिर ए० सी० आई० ओ० सहायता लेने के लिए समीप की चौकी को दौड़े और श्री बलोत अपनी घातक चोट और रक्तस्राव की परवाह न करते हुए विरोधी से संघर्ष करते रहे और उसे अपने काबू में रखा। बाद में घाय के कारण श्री बलोत की अस्पताल में मृत्यु हो गई। श्री राम सिंह बलोत ने अपनी सूझबूझ और उत्कृष्ट साहस का परिचय दिया तथा अपना कर्तव्य पालन करते हुये अपनी जान दे दी।

2. यह पदक राष्ट्रपति के पुलिस तथा अग्निशमन सेवा पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिये दिया जा रहा है।

नागेन्द्र सिंह, राष्ट्रपति के सचिव

मंत्रिमंडल

(कामिक विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 6 मार्च 1971

नियम

सं० 20/1/71-अ० भा० से० (1)—निम्नलिखित सेवाओं में रिक्तियों को भरने के लिए, अक्टूबर/नवम्बर 1971 में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा ली जाने वाली प्रतियोगिता परीक्षा के नियम, संबंधित मन्त्रालयों की और भारतीय लेखा-परीक्षा और लेखा सेवा के सम्बन्ध में भारत के नियन्त्रक और महालेखा परीक्षक की सहमति से, आम जानकारी के लिए प्रकाशित किए जा रहे हैं :

वर्ग I

- (i) भारतीय प्रशासन सेवा, और
- (ii) भारतीय विदेश सेवा

वर्ग II

- (क) क्लास I की सेवाएं :
 - (1) भारतीय लेखा-परीक्षा और लेखा सेवा,
 - (2) भारतीय सीमा शुल्क और केन्द्रीय उत्पादन शुल्क सेवा,
 - (3) भारतीय रक्षा लेखा सेवा,
 - (4) भारतीय आयकर सेवा (क्लास I),
 - (5) भारतीय सेवा, श्रेणी I (सहायक प्रबन्ध-अतकनीकी),
 - (6) भारतीय डाक सेवा,
 - (7) भारतीय रेलवे लेखा सेवा,
 - (8) भारतीय यातायात सेवा, और
 - (9) सैन्य भूमि तथा सैन्य छावनी सेवा, क्लास I,
- (ख) क्लास II की सेवाएं :
 - (1) केन्द्रीय सचिवालय सेवा, अनुभाग अधिकारी ग्रेड, क्लास II,
 - (2) रेलवे बोर्ड सचिवालय सेवा, क्लास II,
 - (3) सशस्त्र सेना मुख्यालय सिविल सेवा अधीक्षकों का ग्रेड, क्लास II,
 - (4) सीमा शुल्क मूल्य निरूपक (एग्जेकर) सेवा क्लास II,
 - (5) दिल्ली तथा अंडमान और निकोबार द्वीप सिविल सेवा, क्लास-II,

- (6) त्रिपुरा सिविल, क्लास II,
- (7) गोआ, दमन तथा दीव सिविल सेवा, क्लास II,
- (8) पांडिचेरी सिविल सेवा, क्लास II, तथा
- (9) सैन्य भूमि तथा सैन्य छावनी सेवा, क्लास II ।

उम्मीदवार उपर्युक्त सेवा संवर्गों में से किसी एक या अधिक के लिए परीक्षा में बैठने के लिए आवेदन कर सकता है। (देखिए नियम 4) उसे संबंधित वर्ग/वर्गों के अन्तर्गत आनेवाली उन सभी सेवा का, जिनके लिए वह विचार किए जाने का इच्छुक है, अपने आवेदन पत्र में उल्लेख कर देना चाहिए।

परीक्षा के अन्तिम परिणाम की घोषणा होने के 10 दिन के भीतर किसी उम्मीदवार द्वारा वर्ग/वर्गों के अन्तर्गत आनेवाली सेवाओं के संबंध में, जिन के लिए वह प्रतियोगिता में भाग ले रहा है, दी गई तरजीह को बदलने के लिए उसकी याचना मंत्रिमंडल सचिवालय (कार्मिक विभाग) में प्राप्त न हो जाए तो उसकी इस प्रकार की तरजीह बदलने की याचना पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।

यदि कोई उम्मीदवार परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम स्वरूप भारतीय प्रशासन सेवा/भारतीय पुलिस सेवा के लिए व्यक्तिगत जांच के लिए अर्हता प्राप्त कर लेता है उसे अलग से मंत्रिमंडल सचिवालय (कार्मिक विभाग) को लिखने के लिए कहा जाएगा कि वह अपनी तरजीह के क्रम में विभिन्न राज्यों में आवंटन के लिए किस राज्य के लिए विचार किया जाए।

2. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भर्ती की जानेवाली रिक्तियों की संख्या का उल्लेख आयोग के द्वारा प्रकाशित नोटिस में किया जाएगा। अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवार के लिए रिक्तियों का आरक्षण भारत सरकार के द्वारा निर्धारित विधि से किया जाएगा।

अनुसूचित जातियों/आदिम जातियों से अभिप्राय निम्नांकित में उल्लिखित जातियों/आदिम जातियों में से किसी एक से है : संविधान (अनुसूचित जातियाँ) आदेश, 1950, संविधान (अनुसूचित जातियाँ) भाग "ग" राज्य आदेश, 1951, संविधान (अनुसूचित आदिम जातियाँ) आदेश, 1950, तथा संविधान (अनुसूचित आदिम जातियाँ) (भाग "ग" राज्य) आदेश, 1951, अनुसूचित जातियों/अनुसूचित आदिम जातियों की सूचियों (आशोधन) आदेश, 1956 द्वारा यथा संशोधित, बम्बई पुनर्गठन अधिनियम, 1960 और पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966 के साथ पठित, संविधान (जम्मू और कश्मीर) अनुसूचित जाति आदेश, 1956, संविधान (अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह) अनुसूचित आदिम जाति आदेश, 1959, संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जाति आदेश, 1962, संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित आदिम जाति आदेश, 1962, संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जाति आदेश, 1964, तथा संविधान (अनुसूचित आदिम जातियों) उत्तर प्रदेश, आदेश, 1967। संविधान (गोआ दमन और दीव) अनुसूचित जाति आदेश, 1968 और संविधान (गोआ, दमन और दीव) आदिम जाति आदेश, 1968 तथा संविधान (नागालैण्ड) अनुसूचित आदिम जातियाँ आदेश, 1970।

3. संघ लोक सेवा आयोग यह परीक्षा नियमों के परिशिष्ट II में निर्धारित विधि से लेगा।

परीक्षा की तारीख और स्थान आयोग द्वारा निर्धारित किए जाएंगे।

4. भारतीय प्रशासन सेवा आदि में भर्ती के लिए ली जाने वाली सम्मिलित प्रतियोगिता-परीक्षा को इन तीन वर्गों की सेवाओं को, यानी,

- (i) भारतीय प्रशासन सेवा और भारतीय विदेश सेवा,
- (ii) भारतीय पुलिस सेवा, दिल्ली तथा अंडमान और निकोबार द्वीप समूह पुलिस सेवा और त्रिपुरा पुलिस सेवा, और (iii) केन्द्रीय सेवाएं, दिल्ली तथा अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह सिविल सेवा, त्रिपुरा सिविल सेवा, गोआ, दमन तथा दीव सिविल सेवा तथा पांडिचेरी सिविल सेवा के लिए अलग-अलग तीन परीक्षाएं समझा जाएगा।

5. जो उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति का न हो या संघ राज्य क्षेत्र गोवा, दमन, दीव का निवासी न हो या कीन्या, उगांडा, संयुक्त गणराज्य टेंजानिया (भूतपूर्व टेंगानिका और जंजीबार) से न आया हो तो उसे ऊपर नियम 4 में उल्लिखित तीन वर्गों में से प्रत्येक की सेवाओं के लिए प्रतियोगिता-परीक्षा में अधिक से अधिक दो बार सम्मिलित होने दिया जाएगा, परन्तु यह प्रतिबन्ध 1961 की परीक्षा से लागू है।

नोट :—यदि कोई उम्मीदवार किसी एक या एक से अधिक विषयों की परीक्षा देता है तो उसे उन सेवा संवर्गों की परीक्षा में बैठा हुआ मान लिया जाएगा जिनके लिए आयोग ने उसे प्रवेश दिया था।

(i) भारतीय प्रशासन सेवा और भारतीय पुलिस सेवा का उम्मीदवार भारत का नागरिक अवश्य हो।

(ii) अन्य सेवा के उम्मीदवार को या तो

(क) भारत का नागरिक होना चाहिए, या

(ख) सिकिम की प्रजा, या

(ग) नेपल की प्रजा, या

(घ) भूटान की प्रजा, या

(ङ) ऐसा तिब्बती शरणार्थी जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से 1 जनवरी, 1962 से पहले भारत आ गया हो, या

(च) मूल रूप से ऐसा भारतीय व्यक्ति हो, जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से पाकिस्तान, बर्मा, लंका और पूर्वी अफ्रीका के कोनिया, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य टेंजानिया (भूतपूर्व टेंगानिका और जंजीबार देशों से आया हो।

परन्तु ऊपर की (ग), (घ) (ङ) और (च) कोटियों के अंतर्गत आने वाले उम्मीदवार के पास भारत सरकार द्वारा दिया गया पत्रता (एलिजबिलिटी) प्रमाण-पत्र होना चाहिए।

एक और शर्त यह भी है कि उपर्युक्त (ग), (घ) और (ङ) कोटियों के उम्मीदवार भारतीय विदेश सेवा में नियुक्ति के पात्र नहीं माने जाएंगे।

परीक्षा में उस उम्मीदवार को भी बैठन दिया जा सकता है जिसके लिए पात्रता-प्रमाण-पत्र आवश्यक हो और उसे सरकार द्वारा आवश्यक प्रमाण-पत्र दिए जाने की शर्त के साथ, अनन्तिम (प्रोविजनल) रूप से नियुक्त भी किया जा सकता है।

7. (क) (i) भारतीय प्रशासनिक सेवा, भारतीय विदेश सेवा और बाकी सभी सेवाओं के लिए सिवाय ऊपर के पैरा (i) में उल्लिखित भारतीय पुलिस सेवा, दिल्ली तथा अंडमान और निकोबार द्वीप समूह पुलिस सेवा और त्रिपुरा पुलिस सेवा, को छोड़ कर बाकी सभी सेवाओं में उम्मीदवार के लिए यह आवश्यक है कि उसकी आयु 1 अगस्त 1971 को 21 वर्ष पूरी हो गयी हो किन्तु 24 वर्ष की न हुई हो अर्थात् उसकी जन्म 2 अगस्त, 1947 से पहले और 1 अगस्त 1950 के बाद नहीं हुआ हो।

(ii) भारतीय पुलिस सेवा, दिल्ली तथा अंडमान और निकोबार द्वीप समूह पुलिस सेवा और त्रिपुरा पुलिस सेवा के उम्मीदवार के लिए यह आवश्यक है कि उसकी आयु 1 अगस्त, 1971 को पूरे 20 साल की हो गई हो किन्तु 24 साल न हुई हो, अर्थात् उसका जन्म 2 अगस्त 1947 से पहले और 1 अगस्त 1951 के बाद न हुआ हो।

(ख) ऊपर निर्धारित ऊपरी आयु में और छूट दी जा सकती है :-

(i) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति का हो तो अधिक-से-अधिक पांच वर्ष,

(ii) यदि उम्मीदवार पूर्वी पाकिस्तान से 1 जनवरी, 1964 को या उसके बाद भारत में आया वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो तो अधिक-से-अधिक तीन वर्ष,

(iii) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित आदिम जाति का हो और वह 1 जनवरी, 1964 को या उसके बाद पूर्वी पाकिस्तान से आया वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो तो अधिक-से-अधिक आठ वर्ष,

(iv) यदि उम्मीदवार संघ राज्य क्षेत्र पांडिचेरी का निवासी हो तथा उसने कभी फ्रांसीसी के माध्यम से शिक्षा प्राप्त की हो तो अधिक-से-अधिक तीन वर्ष,

(v) यदि उम्मीदवार अक्टूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद, श्रीलंका से वास्तव में प्रत्यावर्तित होकर भारत में आया हुआ मूल रूप से भारतीय व्यक्ति हो, तो अधिक-से-अधिक तीन वर्ष,

(vi) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति तथा अथवा अनुसूचित आदिम जाति का हो और साथ ही अक्टूबर, 1964 से भारत-श्रीलंका समझौते के अधीन, 1 नवम्बर 1964 को या उसके बाद श्रीलंका से वास्तविक रूप से भारतीय व्यक्ति भी हो, तो अधिक-से-अधिक आठ वर्ष,

(vii) यदि उम्मीदवार गोआ, दमन और दीव के संघ राज्य क्षेत्र का निवासी हो, तो अधिक-से-अधिक तीन वर्ष,

(viii) यदि उम्मीदवार कीनिया, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य टंजानिया (भूतपूर्व टंगानिका तथा जंजीबार) से आया हुआ मूल रूप से भारतीय व्यक्ति हो, तो अधिक-से-अधिक तीन वर्ष,

(ix) यदि उम्मीदवार 1 जून 1963 या उसके बाद, बर्मा से वास्तव में प्रत्यावर्तित होकर, भारत में आया हुआ मूल रूप से भारतीय व्यक्ति हो, तो अधिक-से-अधिक तीन वर्ष,

(x) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित आदिम जाति का हो और साथ ही, 1 जून 1963 को या उसके बाद, बर्मा से प्रत्यावर्तित होकर, भारत में आया हुआ मूल रूप से भारतीय व्यक्ति हो, तो अधिक-से-अधिक आठ वर्ष,

(xi) रक्षा सेवाओं के उन कर्मचारियों के मामले में अधिकतम तीन वर्ष तक जो किसी विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में अथवा अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए तथा उसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए, तथा

(xii) रक्षा सेवाओं के उन कर्मचारियों के मामले में अधिकतम आठ वर्ष तक जो किसी विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में अथवा अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए तथा उसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए और अनुसूचित जातियों या अनुसूचित आदिम जातियों के हैं।

उपर्युक्त परिस्थितियों को छोड़कर निर्धारित आयु-सीमा में किसी में छूट नहीं दी जाएगी।

8. उम्मीदवार के पास परिशिष्ट 1 में उल्लिखित विद्यालयों में से किसी एक की कोई उपाधि होनी चाहिए अथवा उसके पास परिशिष्ट 1-क में उल्लिखित अर्हताओं में से कोई एक अर्हता होनी चाहिए।

नोट 1 : यदि कोई उम्मीदवार किसी ऐसी परीक्षा में बैठ चुका हो जिसे उत्तीर्ण कर लेने पर वह इस परीक्षा में बैठ सकता है, पर अभी उसे परीक्षा के परिणाम की सूचना न मिली हो तो ऐसी स्थिति में वह इस परीक्षा में बैठने के लिए आवेदन कर सकता है। जो उम्मीदवार इस प्रकार की अर्हता परीक्षा (क्वालीफाइंग एक्जामिनेशन) में बैठना चाहता हो, वह भी आवेदन कर सकता है बशर्ते कि वह अर्हता परीक्षा इस परीक्षा के आरम्भ होने से पहले समाप्त हो जाये। ऐसे उम्मीदवार को, यदि वह अन्य शर्तें पूरी करता हों, तो इस परीक्षा में बैठने दिया जाएगा। परन्तु परीक्षा में बैठने की ऐसी अनुमति अनन्तिम मानी जाएगी और यदि वह अर्हता परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण जल्दी-से-जल्दी और हर हालत में इस परीक्षा के प्रारम्भ होने की तारीख से अधिक-से-अधिक दो महीने के भीतर प्रस्तुत नहीं करता, तो यह अनुमति रद्द की जा सकती है।

नोट 2 : विशेष परिस्थितियों में, संघ लोक सेवा आयोग ऐसे किसी उम्मीदवार को भी परीक्षा में प्रवेश का पात्र मान सकता है जिसके पास उपर्युक्त अर्हताओं में से कोई भी अर्हता न हो बशर्ते कि उस उम्मीदवार ने अन्य संस्थाओं द्वारा संचालित कोई ऐसी परीक्षाएं पास की हो जिनके स्तर को देखते हुए आयोग उसको परीक्षा में प्रवेश देना उचित समझे।

नोट 3 : यदि कोई उम्मीदवार अन्यथा परीक्षा में प्रवेश का पात्र हो किन्तु उसने ऐसे विदेशी विश्वविद्यालय से उपाधि ली हो जो परिशिष्ट 1 में सम्मिलित न हो तो वह भी आयोग को आवेदन कर सकता है और आयोग, यदि उचित समझे तो, उसे परीक्षा में प्रवेश दे सकता है।

9. यदि किसी पिछली परीक्षा के परिणाम के आधार पर किसी उम्मीदवार की नियुक्ति वर्ग 1 (भारतीय प्रशासन सेवा या भारतीय विदेश सेवा) की किसी सेवा में हो जाती है तो वह इस परीक्षा में बैठने का पात्र नहीं होगा।

यदि किसी पिछली परीक्षा के परिणाम के आधार पर किसी उम्मीदवार की नियुक्ति नीचे स्तम्भ (ii) में उल्लिखित किसी सेवा में हो जाती है तो वह केवल उन्हीं सेवाओं के लिए इस परीक्षा में बैठने का पात्र होगा जो उक्त सेवा के सामने नीचे स्तम्भ, (iii) में उल्लिखित है :—

क्रम सं० जिस सेवा में नियुक्ति हुई	जिन सेवाओं के लिए परीक्षा में बैठने का पात्र है
1	2
1. भारतीय पुलिस सेवा	(i) वर्ग I (भारतीय प्रशासन सेवा और भारतीय विदेश सेवा)। (ii) वर्ग III में, केन्द्रीय सेवाएं, क्लास-I,
2. केन्द्रीय सेवाएं, क्लास I,	(i) वर्ग (भारतीय प्रशासन सेवा और भारतीय विदेश सेवा)। (ii) वर्ग II में भारतीय पुलिस सेवा।
3. केन्द्रीय सेवाएं, क्लास II दिल्ली तथा अंडमान और निकोबार द्वीप-समूह सिविल सेवा, त्रिपुरा सिविल सेवा गोआ, दमन तथा दीव सिविल सेवा, तथा पांडिचेरी सिविल सेवा दिल्ली तथा अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह पुलिस सेवा और त्रिपुरा पुलिस सेवा।	(i) वर्ग I (भारतीय प्रशासन सेवा और भारतीय विदेश सेवा)। (ii) वर्ग II में भारतीय पुलिस सेवा, (iii) वर्ग III में केन्द्रीय सेवाएं क्लास-I,

10. उम्मीदवारों को आयोग के नोटिस के परिशिष्ट 1 में निर्धारित फीस अवश्य देनी होगी।

11. जो उम्मीदवार स्थायी या अस्थायी रूप में पहले से ही सरकारी सेवा करता हो, उसे इस परीक्षा में बैठने से पहले अपने विभाग के अध्यक्ष की अनुमति अवश्य लेनी होगी।

12. परीक्षा में बैठने के लिए उम्मीदवार की पात्रता या अपात्रता के बारे में आयोग का निर्णय अन्तिम होगा।

13. किसी उम्मीदवार को परीक्षा में तब तक नहीं बैठने दिया जाएगा, जब तक कि उसके पास आयोग का प्रवेश-प्रमाण-पत्र (सर्टिफिकेट आफ एडमिशन) नहीं होगा।

14. यदि कोई उम्मीदवार किसी भी प्रकार से अपनी उम्मीद-बारी के लिए पैरवी करने की कोई कोशिश करेगा तो उसे परीक्षा में बैठने के लिए अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा।

15. यदि किसी उम्मीदवार को आयोग ने किसी दूसरे व्यक्ति से परीक्षा दिलवाने अथवा जाली या फेर-बदल किए हुए प्रमाण-पत्र पेश करने अथवा गलत या झूठा तथ्य प्रस्तुत करने अथवा किसी तथ्य को छिपाने या परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए कोई अन्य अनियमित या अनुचित उपाय अपनाने, परीक्षा भवन में कोई अनुचित उपाय अपनाने या अपनाने की चेष्टा करने अथवा परीक्षा भवन में किसी तरह का अनुचित आचरण करने के फलस्वरूप अपराधी घोषित किया है तो उसके विरुद्ध दंडिक अभियोजन के अतिरिक्त निम्नलिखित कार्रवाई की जा सकती है :—

(क) सदा के लिए अथवा किसी विशेष अवधि के लिए परीक्षा वारित किया जाना:

(i) आयोग द्वारा उम्मीदवारों के लिए आयोजित किसी परीक्षा में सम्मिलित होने अथवा किसी साक्षात्कार में उपस्थित होने से।

(ii) केन्द्रीय सरकार द्वारा सरकार के अन्तर्गत नौकरियों के लिए।

(ख) यदि वह पहले से ही सरकार की सेवा में हो तो उचित नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्रवाई की जा सकती है।

16. जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में उतने न्यूनतम अर्हता अंक (Qualifying marks) प्राप्त कर लेगा जितने आयोग अपने निर्णय से निश्चित करे, तो उसे आयोग व्यक्तित्व परीक्षा (Personality test) के इंटरव्यू के लिए बुलाएगा।

17. परीक्षा के बाद, आयोग उम्मीदवारों के द्वारा प्राप्त कुल अंकों के आधार पर योग्यता क्रम से उनकी सूची बनाएगा और उसी क्रम से उन उम्मीदवारों में से जितने लोगों को आयोग परीक्षा के आधार पर योग्य समझेगा, उनकी इन रिक्तियों पर नियुक्ति करने के लिए सिफारिश की जाएगी। यह भर्ती आरक्षित रूप में न होकर इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर होगी।

लेकिन शर्त यह है कि आयोग अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों के किसी ऐसे उम्मीदवार को, जो किसी सेवा के लिये आयोग द्वारा निर्धारित स्तर के अनुसार योग्य सिद्ध

न हो प्रशासन की कुशलता को ध्यान में रखते हुए उस सेवा पर नियुक्ति के लिए उपर्युक्त घोषित कर दे तो उसकी उस सेवा में यथास्थिति अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रिक्तियों पर नियुक्ति के लिए आयोग सफारिश करेगा।

18. प्रत्येक उम्मीदवार को परीक्षाफल की सूचना किस रूप में और किस प्रकार दी जाए, इसका निर्णय आयोग स्वयं करेगा। आयोग परीक्षाफल के बारे में किसी भी उम्मीदवार से पत्राचार नहीं करेगा।

19. उम्मीदवार द्वारा अपने आवेदन-पत्र के समय, विभिन्न सेवाओं के लिए दी गई तरजीह पर परीक्षाफल के आधार पर नियुक्तियां करते समय उचित ध्यान दिया जाएगा।

लेकिन शर्त यह है कि यदि किसी उम्मीदवार को किसी पिछली परीक्षा के आधार पर वर्ग I (भा० प्र० से० अथवा भा० वि० से०) के अन्तर्गत आने वाली किसी सेवा में नियुक्त किया गया है, इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर किसी अन्य सेवा में उसकी नियुक्ति पर विचार नहीं किया जाएगा।

एक अन्य शर्त यह है कि यदि किसी उम्मीदवार को किसी पिछली परीक्षा के परिणाम के आधार पर नीचे के कालम (ii) में उल्लिखित किसी एक सेवा में नियुक्त किया गया है तो इस परीक्षा परिणाम के आधार पर उसकी नियुक्ति केवल उन्हीं सेवाओं में की जा सकेगी, जो उक्त सेवा के सामने कालम (iii) में दी गई है :—

क्रम सं०	सेवा जिसमें नियुक्ति की गई	सेवा जिसमें नियुक्ति के लिए विचार किया जा सकेगा
1	2	3
1. भारतीय पुलिस सेवा	(i) वर्ग I (भा० प्र० से० तथा भा० वि० से०) (ii) वर्ग III में दी गई क्लास I की केन्द्रीय सेवाएं	
2. केन्द्रीय सेवाएं, क्लास I	(i) वर्ग I (भा० प्र० से० तथा भा० वि० से०), (ii) वर्ग II में दी गई भारतीय पुलिस सेवा	
3. केन्द्रीय सेवाएं, क्लास II दिल्ली तथा अंडमान और निकोबार द्वीप-समूह सिविल सेवा, त्रिपुरा सिविल सेवा, क्लास II, गोआ, दमन तथा दीव सिविल सेवा, क्लास II, तथा पांडि-चेरी सिविल सेवा, क्लास II दिल्ली तथा अंडमान और निकोबार द्वीप-समूह पुलिस सेवा और त्रिपुरा पुलिस सेवा।	(i) वर्ग I (भा० प्र० से० तथा भा० वि० से०) (ii) वर्ग II में दी गई भारतीय पुलिस सेवा (iii) वर्ग III में दी गई क्लास I की केन्द्रीय सेवाएं।	

20. परीक्षा में पास हो जाने से नियुक्ति का अधिकार तब तक नहीं मिलता, जब तक कि सरकार आवश्यक जांच के बाद संतुष्ट न हो जाए कि उम्मीदवार इसमें नियुक्ति के लिए हर प्रकार से योग्य है।

21. उम्मीदवार को मानसिक और शारीरिक दृष्टि से स्वस्थ होना चाहिए, और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष नहीं होना चाहिए जिससे वह सम्बन्धित सेवा के अधिकारी के रूप में अपने कर्तव्यों को कुशलतापूर्वक न निभा सके। यदि सरकार या सक्षम प्राधिकार द्वारा निर्धारित डाक्टरी परीक्षा के बीच किसी उम्मीदवार के बारे में यह ज्ञात हो कि वह इन आवश्यकताओं को पूरा नहीं कर सकता है तो उसकी नियुक्ति नहीं की जाएगी। आयोग द्वारा व्यक्तित्व परीक्षा के लिए बुलाए गए उम्मीदवार की डाक्टरी परीक्षा कार्रवाई जो सकती है। डाक्टरी परीक्षा के लिए उम्मीदवार द्वारा चिकित्सा बोर्ड को कोई फीस नहीं दी जाएगी।

नोट :—बाद में निराश न होना पड़े इसलिए उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन पत्र भेजने से पहले सिविल सर्जन के स्तर के सरकारी चिकित्सा अधिकारी से अपनी जांच करवाले। नियुक्ति से पहले उम्मीदवारों को किस प्रकार की डाक्टरी जांच होगी और उसके लिए स्वास्थ्य का स्तर किस प्रकार का होना चाहिए, इसके ब्यौरे इन नियमों के परिशिष्ट 4 में दिए गए।

रक्षा सेवाओं के भूतपूर्व विनलांग सैनिकों को सेवा(ओं) की आवश्यकताओं के अनुरूप डाक्टरी जांच के स्तर में छूट दी जाएगी।

22. (क) जिसने ऐसी महिला/ऐसे पुरुष से विवाह करने का करार किया हो अथवा विवाह कर लिया हो जिसका पति/जिसकी पत्नी जीवित हो, अथवा

(ख) जिसने जीवित पत्नी/पति के होते हुए किसी अन्य व्यक्ति के साथ विवाह करने का करार किया हो अथवा विवाह कर लिया हो वह उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा/होगी।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से संतुष्ट हो कि ऐसा विवाह उस व्यक्ति पर अथवा जिससे विवाह किया गया हो उस पर लागू होने वाले वैयक्तिक कानून के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के अन्य कारण हैं तो ऐसे व्यक्ति को ऐसे कानून से छूट दे सकती है।

23. भारत सरकार को इस बात की स्वतन्त्रता होगी कि वह किसी ऐसी महिला उम्मीदवार को जो विवाहित है भारतीय प्रशासनिक सेवा/भारतीय पुलिस सेवा, में नियुक्ति न करे अथवा नियुक्ति के बाद अगर वह विवाह कर ले तो उससे त्याग-पत्र मांग ले, यदि ऐसा करना सेवा की कुशलता बनाए रखने की दृष्टि से आवश्यक हो।

24. भारतीय विदेश सेवा के लिए तो कोई महिला उम्मीदवार तथा पात्र हो सकती है जबकि वह अविवाहित हो अथवा विधवा हो और उस पर कोई भार (इम्कम्बरन्स) न हो। यदि कोई महिला उम्मीदवार चुनी गई तो उसे इस स्पष्ट शर्त पर नियुक्त किया जाएगा।

25. उम्मीदवारों को सूचित किया जाता है कि सेवा में भर्ती होने से पहले ही हिन्दी का कुछ ज्ञान होना उन विभागीय परीक्षाओं में उत्तीर्ण होने की दृष्टि से लाभदायक होगा जो उम्मीदवारों को सेवा में भर्ती होने के बाद देनी पड़ती है।

26. इस परीक्षा के आधार पर जिन सेवाओं में भर्ती की जानी है उनके संक्षिप्त विवरण परिशिष्ट III में दिए गए।

बी० नरसिंहन्, अवर

परिशिष्ट I

भारत सरकार द्वारा अनुमोदित विश्वविद्यालयों की सूची

(नियम 8 के अनुसार)

भारतीय विश्वविद्यालय

कोई भी ऐसा विश्वविद्यालय जो भारत के केन्द्रीय या राज्य विधान मण्डल के अधिनियम से निर्गमित किया गया हो और अन्य शिक्षा संस्थान जो संसद् के अधिनियम से स्थापित किया गया हो। अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम 1956 की धारा 3 के अन्तर्गत विश्वविद्यालय मान लिये जाने की घोषणा हो चुकी है।

बर्मा के विश्वविद्यालय

रंगून विश्वविद्यालय I

मांडले विश्वविद्यालय I

इंग्लैण्ड और वेल्स के विश्वविद्यालय

बर्मिंघम, ब्रिस्टल, कम्ब्रिज, डहमे, लीड्स, लिबरपूल, लंदन, मैचेस्टर, आक्सफोर्ड, रीडिंग ग्राफील्ड और वेल्स के विश्वविद्यालय।

स्काटलैण्ड के विश्वविद्यालय

एडिन्बरो, एडिनबरा, गलासगो और सेंट एन्ड्रयूज विश्वविद्यालय।

आयरलैण्ड के विश्वविद्यालय

डबलिन विश्वविद्यालय (ट्रिनिटी कालेज)।

नेशनल यूनिवर्सिटी, आयरलैण्ड।

क्वीन्स यूनिवर्सिटी, बेलफास्ट।

पाकिस्तान के विश्वविद्यालय

पंजाब विश्वविद्यालय

लाहौर विश्वविद्यालय

सिंध विश्वविद्यालय

राजशाही विश्वविद्यालय

नेपाल का विश्वविद्यालय

त्रिभुवन विश्वविद्यालय, काठमांडू।

परिशिष्ट I-क

भारत सरकार ने निम्नलिखित योग्यताओं को उनमें से प्रत्येक के सामने लिखी डिग्रियों के समकक्ष मान्यता प्रदान की है :—

परीक्षा में प्रवेश पान के लिए अनुमोदित योग्यताओं की सूची

(नियम 8 के अनुसार)

1. शास्त्री, काशी विद्यापीठ, वाराणसी।
2. फ्रांसीसी परीक्षा (Propedentique)

3. उच्च ग्राम शिक्षा की राष्ट्रीय परिषद् (नेशनल कौंसिल आफ ग्राम हायर एज्युकेशन) से ग्राम सेवाओं में डिप्लोमा।

4. विश्वभारती विश्वविद्यालय का उच्च ग्राम सेवाओं में डिप्लोमा।

5. अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् (अल इंडिया कौंसिल फार टेक्निकल एज्युकेशन) से वाणिज्य में राष्ट्रीय डिप्लोमा।

6. केन्द्रीय सरकार के अधीन वरिष्ठ सेवाओं और पदों पर भर्ती के लिए सरकार से मान्यता अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् का इंजीनियरी या प्रौद्योगिकी में राष्ट्रीय डिप्लोमा।

7. श्री अरविन्द अन्तर्राष्ट्रीय शिक्षा केन्द्र, पांडिचेरी का "उच्च पाठ्यक्रम" यदि "पूर्व छात्र" (फुल स्टूडेंट) के रूप में यह पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा किया हो।

8. भारतीय खान विद्यालय, धनबाद, के खनन इंजीनियरी में डिप्लोमा।

9. मानविकी और प्राकृतिक विज्ञानों के क्षेत्र में उपाधि-पत्र यू० एस० एस० आर० में उच्च शैक्षिक स्थापना में अनुप्रमाणित उपाधि-ग्रहण बिना प्रथम वैज्ञानिक शोध प्रबन्ध का पक्ष लिये हुए परन्तु राज्य की परीक्षाएं पास की हों।

10. शास्त्री (अंग्रेजी विषय के साथ) या पुराना शास्त्री या अंग्रेजी सहित अतिरिक्त विषयों में विशेष परीक्षा सहित सम्पूर्ण शास्त्री परीक्षा अर्थात् वाराणसेय संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी की वरिष्ठ शास्त्री परीक्षा।

11. गुरुकुल विश्वविद्यालय, कांगड़ी, हरिद्वार की अलंकार डिग्री।

परिशिष्ट II

खण्ड I

लिखित परीक्षा की रूपरखा

लिखित परीक्षा के विषय :

(क) लिखित परीक्षा

(i) तीन अनिवार्य विषय (सभी सेवाओं के लिए) निबन्ध, सामान्य अंग्रेजी और सामान्य ज्ञान, प्रत्येक विषय के पूर्णांक 150 होंगे। [नीचे खण्ड-II का उपखण्ड (अ) देखें]

(ii) निम्नलिखित खण्ड-II के उपखण्ड (ब) में दिए गए ऐच्छिक विषयों में से चुने गए विषय। सेवा श्रेणी-II को छोड़ (नियम 1 और 4 देखें) शेष सभी सेवाओं के उम्मीदवार, उस उप-खण्ड के उपबन्ध के अधीन, कुल 600 अंकों तक के ऐच्छिक विषय ले सकते हैं। भारतीय पुलिस सेवा दिल्ली और हिमाचल प्रदेश पुलिस सेवा श्रेणी-II के लिए उम्मीदवार कुल 400 अंकों तक के ऐच्छिक विषय ले सकते हैं। इन प्रश्न-पत्रों का स्तर किसी भारतीय विश्वविद्यालय को आनर्ज डिग्री की परीक्षा के स्तर के लगभग होगा; और

(iii) निम्नलिखित खण्ड-II के उपखण्ड (स) में दिए गए अतिरिक्त विषयों में से चुने गए विषय। उस उप-खण्ड के उपबन्ध के अधीन उम्मीदवार भारतीय प्रशासनिक सेवा और भारतीय विदेश सेवा (श्रेणी-I) के लिये कुल 400 अंकों तक के अतिरिक्त विषय ले सकते हैं। इन प्रश्न-पत्रों का स्तर ऐच्छिक विषय के लिए उप-खण्ड (क-V) में विहित स्तर से ऊंचा होगा।

(ख) ऐसे उम्मीदवार जो आयोग द्वारा व्यक्तित्व परीक्षा के साक्षात्कार के लिए [इस परिशिष्ट की सूची के भाग (ग) के अनुसार] बुलाए जायेंगे, उसके लिए नीचे लिखे नम्बर होंगे :

श्रेणी-I

	पूर्णांक
भारतीय प्रशासनिक सेवा	300
भारतीय विदेश सेवा	400
श्रेणी II और III	
सभी सेवाएं	200

खण्ड II

(अ) अनिवार्य विषय

[देखिए ऊपर खंड (I) का उपखण्ड (क-i)]

(1) निबन्ध	150
(2) सामान्य अंग्रेजी	150
(3) सामान्य ज्ञान	150

टिप्पणी:—ऊपर लिखे विषयों का पाठ्य-विवरण इस परिशिष्ट की अनुसूची के भाग 'क' में दिया गया है।

(ब) ऐच्छिक विषय

[देखिए ऊपर खण्ड (I) का (उपखण्ड क-ii)]

सेवा श्रेणी III (नियम 1 और 4 देखें) के उम्मीदवार निम्न-लिखित विषयों में से किन्हीं दो विषयों को और अन्य सभी सेवाओं के उम्मीदवार किन्हीं विषयों को चुन सकते हैं :—

(1) शुद्ध गणित	200
(2) अनुप्रयुक्त गणित	200
(3) सांख्यिकी	200
(4) भौतिकी	200
(5) रसायन	200
(6) वनस्पति-विज्ञान	200
(7) प्राणि विज्ञान	200
(8) भू-विज्ञान	200
(9) भूगोल	200
(10) अंग्रेजी साहित्य	200
(11) नीचे दी हुई में से एक :—	

आसामी, बंगाली, गुजराती, हिन्दी, कन्नड़, कश्मीरी, मलयालम, मराठी, उड़िया, पंजाबी, सिंधी, तमिल, तेलुगु और उर्दू . 200

(12) निम्नलिखित में से एक :

अरबी, चीनी, फ्रांसीसी, जर्मन, पाली, फ़ारसी, रूसी, संस्कृत . 200

(13) भारतीय इतिहास . 200

(14) ब्रिटिश इतिहास . 200

(15) यूरोपीय इतिहास . 200

(16) विश्व इतिहास . 200

(17) सामान्य अर्थशास्त्र . 200

(18) राजनीति-विज्ञान . 200

(19) दर्शन-शास्त्र . 200

(20) मनोविज्ञान . 200

(21) विधि-I . 200

(22) विधि-II . 200

(23) विधि-III . 200

(24) अनुप्रयुक्त यांत्रिकी . 200

(25) समाज शास्त्र . 200

शर्त यह है कि विशेष विषयों पर निम्नलिखित पाबंदियां लागू होंगी :

(i) किसी भी सेवा के लिये 1, 2 और 3 विषयों में से दो से अधिक विषय नहीं चुने जा सकते।

(ii) भारतीय विदेश सेवा के अतिरिक्त अन्य सेवाओं के उम्मीदवार ऊपर मद 12 के अन्तर्गत दी गई भाषाओं में से एक से अधिक न चुने। केवल भारतीय विदेश सेवा के लिए उम्मीदवारों को इन भाषाओं में से कोई दो को चुनने की अनुमति है, लेकिन किसी भी उम्मीदवार को पाली और संस्कृत दोनों चुनने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

(iii) किसी भी सेवा के लिए इतिहास के विषयों 13, 14 15 और 16 में से अधिक नहीं चुने जा सकते। लेकिन किसी भी उम्मीदवार को विश्व इतिहास और यूरोपीय इतिहास दोनों चुनने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

(iv) संख्या 19 और 20 में उल्लिखित विषयों में से एक सेवा के लिये केवल एक ही विषय लिया जा सकता है।

(v) किसी भी सेवा के लिए विधि के विषयों 21, 22 और 23 में से दो से ज्यादा नहीं चुने जा सकते।

(vi) सेवा श्रेणी-II के लिए 24 विषय न चुना जाय।

टिप्पणी:—ऊपर लिखे विषयों का पाठ्य-विवरण इस परिशिष्ट की अनुसूची के भाग 'ख' में दिया गया है।

(ग) अतिरिक्त विषय [देखिए ऊपर खण्ड-I का उपखण्ड

(क) iii]

भारतीय प्रशासनिक सेवा / भारतीय विदेश सेवा (श्रेणी-1) की प्रतियोगिता में बैठने वाले उम्मीदवार को निम्नलिखित विषयों में से कोई दो विषय भी अवश्य लेने होंगे :

	पूर्णांक
(1) (अ) उच्च गणित	200
अथवा	
(ब) उच्च अनुप्रयुक्त गणित	200
(2) उच्च भौतिकी	200
(3) उच्च रसायन	200
(4) उच्च वनस्पति-विज्ञान	200
(5) उच्च प्राणि-विज्ञान	200
(6) उच्च-भू-विज्ञान	200
(7) उच्च भूगोल	200
(8) अंग्रेजी साहित्य ((1798-1935)	200
(9) (अ) भारतीय इतिहास-I	200
(चन्द्रगुप्त मौर्य से हर्ष तक)	
अथवा	
(ब) भारतीय इतिहास-II	
महान् मुगल सम्राट (1526-1707,	200
(स) भारतीय इतिहास-III	200
(1772 से 1950 तक)	
अथवा	
(10) (अ) उच्चतर अर्थशास्त्र	200
अथवा	
(ब) उच्चतर भारतीय अर्थशास्त्र	200
(11) (अ) हाब्स से आज तक का राजनीतिक सिद्धान्त	200
अथवा	
(ब) राजनीतिक संगठन और लोक प्रशासन	200
अथवा	
(ग) अन्तर्राष्ट्रीय संबंध	200
(12) (अ) उच्चतर तत्वमीमांसा जिसमें ज्ञान-मीमांसा भी शामिल है	200
अथवा	
(ब) उच्चतर मनोविज्ञान जिसमें प्रयोगिक मनोविज्ञान भी शामिल है	200
(13) (अ) भारत की संविधान विधि	200
अथवा	
(ब) विधि-शास्त्र	200
(14) (अ) अरबी साहित्य में प्रतिबिम्बित मध्ययुगीन सभ्यता (570-1650 ईस्वी) अथवा	200

(ब) फारसी साहित्य में प्रतिबिम्बित मध्य-

युगीन सभ्यता (570 ईस्वी—1650

ईस्वी)

अथवा

200

(स) प्राचीन भारतीय सभ्यता और दर्शनशास्त्र

200

(15) मानव-विज्ञान

200

(16) उच्चतर समाज-विज्ञान

200

विशिष्ट अतिरिक्त विषयों के बारे में निम्नलिखित प्रतिबंध लागू माने जायेंगे :—

(1) किसी भी उम्मीदवार को भारतीय इतिहास [(9) (क)] तथा प्राचीन भारतीय सभ्यता और दर्शन [14 (ग)] दोनों ही विषयों को एक साथ लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

(2) किसी भी उम्मीदवार को यूरोपीय इतिहास [9 (ड)] तथा अन्तर्राष्ट्रीय संबंध [11 (ग)] दोनों विषयों को एक साथ लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

टिप्पणी:—ऊपर दिए गए विषयों का पाठ्य-विवरण इस परिशिष्ट की अनुसूची के भाग 'ग' में दिया गया है।

खण्ड III

सामान्य

1. (क) ऊपर के खण्ड II के उपखण्ड (क) की मदों में क्रमशः (1) और (3) के अनुसार 'निबंध' तथा 'सामान्य ज्ञान' के प्रश्न पत्रों के उत्तर अंग्रेजी अथवा संविधान की आठवीं अनुसूची में उल्लिखित किसी भाषा में दिए जा सकते हैं, अर्थात् असमिया, बंगला, गुजराती, हिन्दी, कन्नड़, कश्मीरी, मलयालम, मराठी, उड़िया, पंजाबी, संस्कृत, सिंधी, तमिल, तेलुगू तथा उर्दू। अंग्रेजी के अतिरिक्त विकल्प रूप से किसी अन्य भाषा में उत्तर देने वाले उम्मीदवारों को वही भाषा दोनों पत्रों के लिए चुननी होगी। विकल्प सम्पूर्ण पत्र के लिए लागू होगा न कि उसके किसी अंश के लिए।

(ख) ऊपर के खण्ड II के उपखण्ड (ख) की मदों (11) तथा (12) के अनुसार भाषाओं के प्रश्न पत्र को छोड़ कर अन्य सभी विषयों के प्रश्न पत्रों के उत्तर अंग्रेजी में दिए जाने चाहिए। जब तक कि प्रश्न पत्र में अन्यथा विशिष्ट रूप से दूसरी भाषा में लिखना अपेक्षित न हो, उन भाषाओं के प्रश्न पत्रों के उत्तर अंग्रेजी में अथवा संबंधित भाषा में दिए जा सकते हैं।

टिप्पणी —ऊपर दिए पैरा 1 (क) में अंग्रेजी के अतिरिक्त किसी भाषा में प्रश्न पत्र (ओं) के उत्तर देने के इच्छुक उम्मीदवार को आवेदन-पत्र के कालम 32 में संबंधित भाषा का नाम संबंधित प्रश्न पत्र (प्रश्न पत्रों) के सामने देना चाहिए। यदि दिए हुए कालमों में एक या दोनों प्रश्न पत्रों के संबंध में कोई अंतराज नहीं किया जाता है तो यह समझा जाएगा कि प्रश्न पत्र/प्रश्न पत्रों के उत्तर अंग्रेजी में दिए जाएंगे। एक बार दिया गया विकल्प अन्तिम समझा जाएगा, और परिवर्तन अथवा परिवर्धन के लिए कोई अनुरोध नहीं माना जाएगा।

टिप्पणी II —ऊपर दिए पैरा 1 (क) में संविधान की आठवीं अनुसूची में दी गई किसी भाषा में विकल्प रूप में प्रश्न पत्र (प्रश्न पत्रों) के उत्तर देने वाले उम्मीदवार अपने उत्तर क्रमशः निम्नलिखित लिपि में देंगे —

भाषा	लिपि
1. असमिया	असमिया
2. बंगला	बंगला
3. गुजराती	गुजराती
4. हिन्दी	देवनागरी
5. कन्नड	कन्नड
6. कश्मीरी	फारसी
7. मलयालम	मलयालम
8. मराठी	देवनागरी
9. उडिया	उडिया
10. पंजाबी	गुरुमुखी
11. संस्कृत	देवनागरी
12. सिंधी	देवनागरी अथवा अरबी
13. तमिल	तमिल
14. तेलुगु	तेलुगु
15. उर्दू	फारसी

ऊपर पैरा 1 (क) में दिए गए प्रश्न पत्र (प्रश्न पत्रों) के उत्तर देने के लिए सिंधी का विकल्प देने वाले उम्मीदवारों को आवेदन पत्र के कालम 32 में उस विशेष लिपि (देवनागरी या अरबी) का नाम लिखना चाहिए जिस में वे उत्तर लिखेंगे।

2. उम्मीदवारों को प्रश्न का उत्तर अपने हाथ में लिखना होगा। उन्हें किसी भी हालत में उनकी ओर से उत्तर लिखने के लिए किसी अन्य व्यक्ति की सहायता लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

3. उपरोक्त धारा II की उप-धारा (क), (ख) और (ग) में दिये पत्रों के उत्तर के लिये 3 घंटे का समय दिया जाएगा।

4. आयोग अपने निर्णय से परीक्षा के किसी एक या सभी विषयों के अर्हक नम्बर (क्वालिफाइंग मार्क्स) निर्धारित कर सकता है।

5. भारतीय प्रशासनिक सेवा और भारतीय विदेश सेवा के लिये केवल उन्हीं उम्मीदवारों के दो अतिरिक्त प्रश्न-पत्रों को जांचा और अंकित किया जाएगा जो लिखित परीक्षा के अन्य सभी विषयों में एक निश्चित अल्पाधिकतम स्तर प्राप्त करेंगे जैसा कि आयोग द्वारा अपने निर्णय में निर्धारित किया जाएगा।

6. यदि किसी उम्मीदवार की लिखावट आसानी से पढ़ने लायक नहीं होगी तो उसे अन्यथा मिलने वाले कुल नम्बरों में से कुछ नम्बर काट लिये जायेंगे।

7. अनावश्यक ज्ञान के लिए नंबर नहीं दिये जायेंगे।

8. परीक्षा के सभी विषयों में इस बात का विशेष ध्यान रखा जाएगा कि अभिव्यक्ति कम-से-कम शब्दों में क्रमबद्ध तथा प्रभावपूर्ण ढंग और ठीक-ठीक की गई है।

9. उम्मीदवारों से तेल और माप की मिट्टिक प्रणाली की जानकारी की आशा की जाती है। प्रश्नों के उत्तर में जहां कहीं ऐसा आवश्यक हो, तेल और माप की मीट्रिक प्रणाली का ही उपयोग किया जाए।

अनुसूची

भाग क—

[परिशिष्ट II की धारा II की उपधारा (क) के अनुसार]

1. **निबन्ध** :—उम्मीदवारों से अंग्रेजी में एक निबंध लिखने की अपेक्षा की जाएगी। चुनाव के लिए कई विषय दिए जाएंगे। उनसे आशा की जाएगी कि वे निबंध के विषय की परिधि में ही अपने विचारों को क्रम से व्यवस्थित करें और संक्षेप में लिखें। प्रभावपूर्ण और ठीक-ठीक भावाभिव्यक्ति को प्रशंस दिया जाएगा।

2. **सामान्य अंग्रेजी** :—प्रश्न इस प्रकार के होंगे जिनमें उम्मीदवारों के अंग्रेजी भाषा के ज्ञान तथा शब्दों के सुन्दर उपयोग की सामर्थ्य का पता चले। कुछ प्रश्न इस प्रकार के भी रखे जाएंगे जिसमें उनकी तर्कशक्ति, उनकी निहितार्थ को ग्रहण कर सकने की सामर्थ्य तथा महत्वपूर्ण और कम महत्व वाले कार्य में अलग समझे मकने की योग्यता की परीक्षा हो सके। जैसा कि आमतौर पर होता है संक्षेप सार-लेखन के लिए लेखाग दिए जाएंगे। संक्षिप्त एवं प्रभावपूर्ण अभिव्यक्ति के लिए श्रेय दिया जाएगा।

3. **सामान्य ज्ञान** :—सामायिक, घटनाओं के, और ऐसी बातें जो प्रतिदिन देखते और अनुभव करते हैं उसके वैज्ञानिक दृष्टि से ज्ञान सहित जिसकी किसी ऐसी शिक्षित व्यक्ति में आशा की जा सकती है जिसने किसी वैज्ञानिक विषय का विशेष अध्ययन न किया हो। इस प्रश्न पत्र में भारत के इतिहास और भूगोल के ऐसे प्रश्न भी होंगे जिनका उत्तर उम्मीदवारों को विशेष अध्ययन के बिना ही आना चाहिये। इस प्रश्न पत्र में महात्मा गांधी के उपदेशों में संबंधित प्रश्न भी होंगे।

भाग—ख

[परिशिष्ट II के भाग II के उपभाग (ख) के अनुसार]

1. **शुद्ध गणित** :—सम्मिलित विषय होंगे (1) बीजगणित, (2) अनन्त अनुक्रम और श्रृंखलाएँ, (3) त्रिकोणमिति, (4) समीकरण के सिद्धांत, (5) दो या तीन परिमाणों के विश्लेषणात्मक रेखा गणित, विश्लेषण और (7) अवकल समीकरण।

(1) **बीजगणित** :—समुच्चयों, सघ प्रतिलिखन, गुणों के अंतर और कोटिपूरक। वेन आरेखों। घनात्मक पूर्ण सख्याओं के गुण। वास्तविक सख्या और दशमलव द्वारा उनका निरूपण। सम्मिश्र सख्या। आग्रा आरेख। कार्तीय गुणनफल, सम्बन्ध, मान-चित्रण। मानचित्रण के रूप में कार्य। तुल्यता संबंध। वर्गों, वर्गों की एकैक समाकारिता। उपवर्गों, प्रासामान्य उपवर्गों। लगरेज का प्रमेय। फो वेनिस प्रमेय।

रंगों और फील्डों की परिभाषाएं और उदाहरण। शून्य और होमोर्फिज्मों के विभाजन। वेक्टर स्थानों।

सारणिकों (जोड़, घटना, गुणा और मैट्रिक्स का प्रतिबोधन । रेखिक समघात और असमघात समीकरण । केल-हैमिल्टन प्रमेय) ।

असमताएं । समांतर और गुण्यन्तर माध्यों (कांची, स्क्वाज, होल्डर और मिनकोस्की की असमताएं) ।

(2) अनन्त अनुक्रम और श्रेणियों:—धारणा की सीमा । अनन्त श्रेणीयां । अमिसारी, अपसारी और दौलनी श्रेणीयां । कौची के अभिसरणों का सिद्धांत । तुलना और अनुपात के परीक्षण । गौज की जांच । निरपेक्ष अभिसरण और श्रेणियों का उपविन्यास ।

(3) त्रिकोणमिति:—परिमेय सूची और उसके अनुप्रयोग के लिए डिमोवाइर का प्रमेय । प्रतिलोभ गतीय और अतिपरवलयिक फलन । त्रिकोणमिति श्रेणीयों के प्रसार और संकलन । अनन्त गुणन-फलों के संबंध में साइन और को-साइन के लिए व्यंजक ।

(4) समीकरण के सिद्धांत:—बहुपद समीकरणों के सामान्य गुण । समीकरणों के रूपांतरण । धनाकृति और चतुर्धात के मूलों की प्रकृति । धनाकृति का गार्डन का हल । संकल्प के चतुर्धात को वर्ग भिन्नों में । मूलों के स्थान और न्यूनतम का विभाजकों का ढंग ।

(5) दो और तीन धातों की वैश्लेषिक रेखागणित:—सरल रेखा, रेखाओं का जोड़ा, वृत्त, वृत्तों की प्रणाली, दीर्घ वृत्त । पैराबोला, हाइपरबोला, दूसरी श्रेणी के समीकरण का स्तर फाम में घटाना ।

मैदानों, सरल रेखाओं, गोला, कोन, शांकवक्रों और उनके स्पर्श रेखा और प्रसामान्य गुणों । (वेक्टर तरीकों के प्रयोग की आज्ञा है ।

(6) विश्लेषण:—धारणा की सीमा । सांतत्य, व्युत्पत्ति, एक वास्तविक अंतर के कार्य का अवकलन । सांतत्य कार्यों के गुण । असांतत्य के गुण । समांतर मान प्रमेयों । अपरिभित फामों का मुल्यांकन । लागरेंज और कोची के सारण फामों के साथ टेलर और मेक्लौरिन के प्रमेय । एक अंतर के कार्य के न्यूनतम और अधिकतम समतलवक्रों, विचित्र बिन्दु वक्रता, वक्र अनुरेखण । आवरणों । आंशिक विभेदन । एक से अधिक वास्तविक अंतर के काम का अवकलन ।

समाकलन के स्तर तरीके । सांतत्य कार्य की स्पष्ट समाकलन-रीमैन की परिभाषा । समाकलन गणित के मूल प्रमेय । समाकलन गणित की प्रथम समांतर मान प्रमेय । चापकलन, क्षेत्रकलन, परिक्रमण ठोसों के आयतजों और आधारों और उनके प्रयोगों ।

(7) अवकल समीकरणों:—साधारण अवकल समीकरण का बनना । क्रम और मात्रा । रेखागणित संबंधी डी० वाई०एफ० (एक्स, वाई०) के लिए प्रमेय के पास जाने का प्रदर्शन । प्रथम क्रम रेखाकार और बिना-रेखाकार समीकरण । विचित्र बिन्दुओं । विचित्र हलों । रेखाकार अवकल समीकरणों और उन के विशेष गुणों । रेखाकार अवकल समीकरण लगातार गुणों के साथ, कौची-यूलर प्रकार के समीकरणों । यथार्थ अवकल समीकरणों और समाकलन-गुणक को प्रवेश कराने वाले समीकरणों, द्वितीय क्रम के समीकरणों । परखलचरों और स्वतंत्रचरों का बदलना । हल जब कि एक समाकल ज्ञात हो । प्राचलों का विचरण ।

2. अनुपयुक्त गणित:—इसमें निम्नलिखित विषय सम्मिलित किये जायेंगे:—

- (1) वेक्टर विश्लेषण
- (2) स्थिति विज्ञान
- (3) गति-विज्ञान तथा
- (4) द्रवस्थैतिकी ।

1. वेक्टर विश्लेषण:—वेक्टर बीजगणित । अदिशचर (Scalar variable) के वेक्टर फलन का अवकलन । ग्रेडिएण्ट कातर्य में अपसरण तथा कर्ल बेलनाकार तथा गोलीय निर्देशांक तथा उनकी प्राकृतिक व्याख्याएं उच्चतर धात व्युत्पन्न । वेक्टर सर्वसमिकाएं तथा वेक्टर समीकरण । गाउस तथा स्ट्रोक प्रमेय ।

(2) स्थैतिकी:—न्यूटन की यांत्रिकी के मूल नियम । विभीय प्रमेय । समतलीय स्थैतिकी । कण-निकाय में संतुलन । कार्य तथा स्थितिज ऊर्जा । द्रव्यमान केन्द्र तथा गुरुत्व केन्द्र । घर्षण । सामान्य कैटिनरी । कल्पित कार्य का सिद्धांत । संतुलन का स्थायित्व । तीन विभाओं में बल-संतुलन । शलाकाओं में आवरण तथा स्थितिज ऊर्जा आयाताकार तथा वृत्ताकार यडस्क, गोलीय कोण, गोल । समस्थितिज पृष्ठ उनके गुण । स्थितिजों के गुण । ग्रीन का समान स्तर । लैपले तथा पोटेंशियल के समीकरण ।

(3) गति-विज्ञान:—वैग वेक्टर । ओपक्षिक वेग । त्वरण । कोणीय वेग । स्वतंत्रता की कोटि तथा प्रतिबंध । सरल रेखात्मक गति । सरल आवर्त गति । स्थान में गति । प्रक्षयों । प्रतिबंधित गति । कार्य तजाऊर्जा आवेगी बलों के अधीन गति । कैप्लर के नियम । केन्द्रीय बलों के अधीन कक्षाएं । परिचर्यो द्रव्यमान की गति । प्रतिरोध के अधीन गति । जड़त्व के आधारों और गुणनफल । परिभित और आवेगी बलों के अधीन दृढ़ पिंड की दो विभीय गतियां । पिंड लोलक ।

(4) द्रवस्थैतिकी:—भारी तललों की दाब की गई पद्धति के वदों के अधीन परलों का संतुलन । दाब का केन्द्र । वक्र पृष्ठों पर प्रणोद । प्लवभचन पिंड का संतुलन । स्थायित्व का संतुलन । गैसों की दाब तथा वायु मंडल से संबंधित समस्याएं ।

3. सांख्यिकी

प्रायिकता:—प्रायिकता कि चिर सम्मत और सांख्यिकीय परिभाषाएं । उदाहरणों के साथ प्रायिकता पर सरल प्रमेय । प्रतिबंधी प्रायिकता और सांख्यिकीय स्वतंत्रता । वेय का प्रमेय । संयोगिक विचरणों—असतत और संतत विचरणों में प्रायिकता वितरणों, गणितीय प्रत्याशाएं । टेकेवाइचेफ की असमती । वृहत संख्याओं का सप्ताह नियम । केन्द्रीय सीमा प्रमेय का सरल फर्म ।

II सांख्यिकी तरीके:—संकलन, वर्गीकरण, सारणीयन और विभिन्न प्रकार के सांख्यिकीय आंकड़ों का आरेखी निरूपण ।

सांख्यिकी जा संख्या की धारण, और आवृत्ति वक्र । केन्द्रीय प्रवृत्ति और विश्लेषण के माप । आधुनों और संचयी । व्रशम्य और कुकुदता । आधुर्ण—जनक फलन ।

स्तर प्राथिकता बंटनों का अध्ययन—द्विचर विषय, हास-परज्या-मैट्रिक, प्रसामान्य, कण-द्विचर, आयताकार और लांग प्रसामान्य बंटनों। पियर सोनियन वक्रों की पद्धति का सामान्य विवरण।

द्विचर बंटन द्विचर प्रसामान्य बंटन के सामान्य गुणों सहचर्य और आसंग के माप। दो या अधिक चरों से सम्बन्धित सहसंबंध और एकघात समाश्रयण। सहसंबंध अनुपात। अंतर्वर्ग सहसंबंध कोटि सहसंबंध। अरेखीय समाश्रयण। विश्लेषण।

स्वतंत्र हस्तवक्रों के तरीकों द्वारा वक्र-आयोजन गतिमान माध्यों, वर्ग माध्यों, न्यूनतम वर्गों और आधूनों। लांबित बहुपदों और उन के प्रयोगों।

III. प्रतिदर्शबंटन और सांख्यिकीय अनुमान

आदृच्छिक प्रतिदर्श, सांख्यिक, प्रतिचमन बंटन और मानक-त्रुटि की धारणाएं।

स्वतंत्र प्रसामान्य विचरों के माध्य के प्रतिदर्शी बंटन का व्युत्पन्न, χ^2 (X^2)। टी (T) और एफ (F) सांख्यिक, उनके गुणों और प्रयोगों। प्रतिदर्श माध्यों के प्रतिदर्शों बंटनों का व्युत्पन्न, प्रसरणों और सहसंबंध गुणांक द्विचर प्रसामान्य जनसंख्या से। व्युत्पन्न (बड़े प्रतिदर्शों में) और वियरसोनियन एक्स² (X^2) के प्रयोगों।

आकलन का सिद्धांत—अच्छे आकलन की आवश्यकताएं—अनमिनतता, संगति, दक्षता तथा पर्याप्तता। आकलनों के प्रसरण का क्रम—राज निम्नपरिबंध। सर्वोत्तम एकघात अनमिनत आकलनों।

आकलन के तरीके—आधूनों के तरीकों के सामान्य विवरणों, अधिकतम संभावितता का तरीका, न्यूनतम वर्गों के तरीके और अधिकतम संभावित आगणकों के बिना प्रमाण) के न्यूनतम गुणों का तरीका। विश्वास्यता अंतरालों का सिद्धांत—विश्वारस्यता सीमाएं अस्तमन की मरल समस्याएं।

परिकल्पनाओं की जांच का सिद्धांत—मरल और संयुक्त परिकल्पनाएं। सांख्यिकीय जांचों और संशय-क्षेत्रों। दो प्रकार की त्रुटियों, सार्थकता का स्तर और परीक्षण की श्रमता।

सरल परिकल्पना से एक परिभाषी से संबंधित के लिए अनु-कुलतम संशय-क्षेत्रों। प्रसामान्य जन संख्या से सम्बन्धित भगन परिकल्पनाओं के लिए इस प्रकार के क्षेत्रों की रचना।

संभावित अनुपात परीक्षणों। माध्य संबंधी परीक्षणों, प्रसरण सहसंबंध तथा एकचर और द्विचर प्रसामान्य जामंख्याओं में सहसंबंध तथा सामाश्रयण गुणोंको सरल अपरिमार्पण परीक्षणों—चिह्न, रन, माध्यम, कोटि और मादृच्छिक की कारण परीक्षणों।

सरल वेकल्पक (बिना व्युत्पन्न) के विरुद्ध सरल परिकल्पनाओं का अनुक्रमिक परीक्षण।

IV. प्रतिदर्शी तकनीकें

प्रतिदर्शी प्रति पूरण गणना प्रतिदर्शों के सिद्धांत। क्रमों और प्रतिदर्शों एक के। प्रतिदर्शों और अप्रतिदर्शों त्रुटियां। क्रमवश प्रतिचयन। बहुक्रम और बहुकला प्रतिचयन। आकलन के अनपात

और समाश्रयण तरीके। भचरत में अभी हाल ही में बड़े पैमाने पर किये गए सर्वेक्षणों के संदर्भ में प्रतिदर्श सर्वेक्षणों की अभिकल्पना।

V. प्रयोगों के अभिकल्प

कोशों में निरीक्षणों के लिये विचरों का रूपांतरण। प्रयोगात्मक अभिकल्पों के सिद्धांत। पूर्णतः आदृच्छीकृत, यादृच्छीकृत खण्ड तथा लातीनी वर्गीकार अभिकल्प। अप्राप्त भूखण्ड तकनीक। 2 S [S - 2(1) 5], 3² & 3³ तथा 3 अभिकल्पों के बीच भ्रम पर] पुननखण्डात्मक प्रयोग। खण्डित भूखण्ड अभिकल्प। संतुलित अपूर्ण अपूर्ण अभिकल्प तथा नरल जालक।

4. भौतिकी

पदार्थ और यांत्रिकी के सामान्य गुण—एकक तथा आयाम। परिभ्रमण गति तथा जड़ता विमर्षिता। स्वाकृष्टि तथा अभ्याकर्षण, ग्रहीय गति। भ्रव्यास्थजल तथा आयाम सहसंबंध, प्रत्यास्थ अपरिवर्तक तथा उनके पारम्परिक संबंध। तल-आतलि, केशालत्व। असंपीड्य द्रवों का प्रवहण। तरल तथा वांति द्रव्यों की आलगतत्व।

ध्वनि—कलोत्पादित आवेपन तथा प्रतिध्वन। तरंग गति। आवेपनांक परिवर्तन। दोरक तथा वायुस्तम्भ-आवेपन। बारंबारता-मापन, ध्वनि का प्रवग तथा चुम्बकन। स्वर-ग्राम। प्रशाल-ध्वनि-विज्ञान। पार स्वानिकी।

ऊष्मा तथा ऊष्मा-प्रवंगिकी—वातियों का गतिवाद/ब्राउन का गतिवाद। वाज डेर थील का स्थिति का समीकार। तापमान की भाप, आपेक्षिक ऊष्मा तथा मंवाही ऊष्मा। जूल-थामसन वातियों का प्रभाव तथा तरलन। ऊष्म प्रवंगिकी के नियम। ऊष्म यंत्र। कालकाय-विकिरण।

प्रकाश—रेखिकीय काशिकी तथा साधारण काशिक सहिति। दूरक्ष तथा अण्वीध। चाक्षुष प्रतिबिम्ब में दोष तथा उनका सुधार प्रकाश का तरंग सिद्धांत। प्रकाश। प्रवेग की माप। प्रकाश में बाधक, व्याभंग तथा अभिस्पंदन। साधारण मिथोघट्ट-मरंगावलीक्षा के तत्व। रमन प्रभाव।

विद्युत तथा चुम्बकत्व

साधारण मामलों में क्षेत्र तथा शवम की गणना। गौस का प्रमेय। विद्युन्मान। पदार्थ के विद्युतीय तथा चुम्बकीय गुण और उनकी माप। विद्युत् प्रवाह के कारण चुम्बकीय क्षेत्र। चुवाहमान। विद्युत के वेग तथा मात्रा की माप। शवममान। रोच, प्ररोचता तथा धारता; तथा उनका मापन। तामविद्युत्। आवर्ती विद्युद्धाह के तत्व। विद्युज्जतिता तथा विद्युद्धृति। त्रिद्यंशन। विद्युच्चुम्बिक तरंगे। नमोवाणी कपाद दीप तथा उनके द्वारा वितसु तरंगों की साधारण प्रयुक्ति, पारवर्ण आदान। दुरवीक्षण।

आधुनिक भौतिक के तत्व—विद्युदणु, प्राणु तथा वलीवाणु के प्राथमिक तत्व। त्रिया-ऊर्जाणु-स्थरांक। परमाणु का ग्रहवत् परमाणु सिद्धांत। क्ष-रश्मिमां तथा उनके गुण। तेजोद्विरेता के तत्व तथा आकार एवं अयर्ण रश्मियों के गुण। परमाणुओं की व्याप्ति। मापेक्षता, गुंज तथा ऊर्जा के विशेष सिद्धान्त के तत्व। विखण्डन तथा द्राव। ब्राह्मांड रश्मिया।

5. रसायन

आकार्बनिक रसायन—परमाणु की संरचना। रेडियोरगैक्टिवता समस्थानिक। तत्वों का कृत्रिम तत्वांतरण। नाभिकीय विखंडन। रासायनिक बंधों की प्रकृति। वायुमंडल की अक्रिय गैसों। अपेक्षा-कृत अधिक सामान्य और उपयोगी तत्वों तथा उनके योगिकों का रसायन। दुर्लभ भूदा तत्व। हाइड्राइड, आक्साइड, आर्सेन अम्ल। पर-अम्ल और पर-लवण तथा कार्बाइड। आकार्बनिक संकर। रासायनिक विश्लेषण के मूलभूत सिद्धांत।

कार्बनिक रसायन—पेट्रोलियम और पेट्रोलियम उत्पाद। ऐलिफैटिक यौगिकों के निम्नलिखित वर्गों का रसायन: संतृप्त और असंतृप्त हाइड्रोकार्बन, एल्कोहल, ईथर, एलिडहाइड, कीटोन, मोनो और ड्राई-कार्बोक्सीलिक अम्ल, ईस्टर, प्रतिस्थापित कार्बो-क्सीलिक अम्ल, थायो, नाइट्रो और सायनो यौगिक। ऐमीग यूरिया और यूरीआइड, कार्य-धात्विक यौगिक, मोनोसेकेराइड (संरचना सहित), कार्बोहाइड्रेट और प्रोटीन (सामान्य परिचय) सरल एलिचकीय यौगिक। विकृति सिद्धान्त।

एरोमेटिक—बेंजीन, नैफथलीन और एन्थासीन तथा उनके मुख्य व्युत्पन्न, कोलतार, आसवन, फिनॉल, एरोमैटिक एल्कोहल, एलिडहाइड, कीटोन। एरोमैटिक अम्ल और हाइ-ड्राक्सी अम्ल, विविध विन्यासी बाधा। एरिल-एमीन, डाइएजो, एजो और हाइड्रोजो यौगिक। क्विनोन। विषम-चक्रीय यौगिक। पाईरोल, पिरिडीन, क्विनोलीन, इन्डोल और नील। एजो, ट्राइफेनिल मेथेन और पथेलीन रंजक।

सरल आणविक पुनर्विन्यास, सामावयता, विविध समावयकता और चलावयतवता। बहुलकीकरण।

भौतिक रसायन—अणुगति सिद्धांत गैसों के गुणधर्म, अवस्था-समीकरण, (वान-डेर-वाल्स, का, डाइटेरिहाइड)। क्रान्तिक अवस्था, गैसों का द्रवण। रासायनिक संघटन के सापेक्ष द्रवों के भौतिक गुणधर्म। पारंपरिक किस्टलिकी।

ऊष्मागतिकी का पहला और दूसरा नियम और इन नियमों का सरल भौतिक तथा रासायनिक प्रक्रमों में अनुप्रयोग। रासायनिक साम्य और द्रव्य-अनुपाती क्रिया का नियम। ला-शाते लिए का नियम। प्रावस्था-नियम और उसका एक-घटक तत्वों तथा लोह-कार्बन तंत्र में अनुप्रयोग।

अभिक्रिया की दर और कोटि। प्रथम और द्वितीय कोटि की अभिक्रियाएं। श्रृंखला अभिक्रियाएं। प्रकाश रासायनिक अभिक्रियाएं। उत्प्रेरण। अधिशोषण।

विद्युत्-अपघटनी वियोजन। आयनिक साम्य। अम्ल-क्षारिक साम्य और सूचक। विद्युत्-अपघटनी चालकता और उसके अनु-प्रयोग। इलेक्ट्रोड-विभव। सैल का विद्युत्वाहक बल। विद्युत्-वाहक बल के माप और उनके अनुप्रयोग।

6. वनस्पति-विज्ञान

क्रिप्टोगैम (बैक्टीरिया और वाइरस सहित) तथा फैनरोगैम, विशेषकर भारतीय क्रिप्टोगैम और फैनरोगैम, के विभिन्न समूहों और उपसमूहों अथवा कुलों और उपकुलों के महत्वपूर्ण निरूपकों के रूप, संरचना, प्रकृति, आर्थिक महत्व, जीवनवृत्त और परस्पर संबंध।

पादम-फिजियोलोजी के मूल सिद्धान्त और प्रक्रम।

भारत में मिलने वाले शस्य-पौधों के महत्वपूर्ण रंगों का सामान्य ज्ञान और उन रंगों का नियंत्रण तथा उन्मूलन।

परिस्थिति की और पादन भूगोल, विशेषतः भारतीय वनस्पति-समूह और भारत के वनस्पतिक क्षेत्रों, से संबंधित मूलभूत तथ्य।

विकास, कोशिका-विज्ञान, और आनुवंशिकी और पादम-प्रजनन का मूल ज्ञान।

मानव कल्याण के लिए और विशेषकर खाद्यान्नों, दालों, फलों, शर्कराओं, स्टार्चों, तेल-बीजों, मसालों, पेयों, तरतुओं लकड़ियों, रबर औषधियों और संग्रह तेलों जैसे वनस्पति-उत्पादों में पौधों, विशेषतः पुष्पी पौधों, के आर्थिक उपयोग।

वनस्पति विज्ञान से संबंधित ज्ञान के विकास का सामान्य परिचय।

7. प्राणिविज्ञान

आर्कडेटों और कार्डेटों, विशेषकर भारतीय आर्कडेटों और कार्डेटों, का वर्गीकरण, जीव-परिस्थितिकी, आकारिकी, जीवनवृत्त और संबंध।

अध्यावरण, अतःकंकाल, चलन, भरण, रक्षि, परिसंचरण, यवसन, आस्मो-रेग्युलेशन, तंत्रिका-तंत्र, ग्रहियों और पुनरुत्पादन की क्रियात्मक आकारिकी (रूप, संरचना और कार्य)। कशेरुकी भ्रण विज्ञान के तत्व।

विकास :—प्रमाण, वाद और उनकी आधुनिक व्याख्याएं। मेन्डेलीय आनुवंशिकता, म्यूटेशन। प्राणी-कोशिका की संरचना। कोशिका-विज्ञान और आनुवंशिकी के मूलभूत सिद्धांत। अनुकूलन और वितरण।

8. भूविज्ञान

भौतिक, भूविज्ञान और भूआकृति विज्ञान :—पृथ्वी का उद्भव, संरचना, गर्भ तथा आयु। भू-अधिनति और पहाड़। समस्थिति। महाद्वीपों और महासागरों का सद्भव। महाद्वीपीय विस्थापन। भूकंप-विज्ञान। ज्वालामुखी-विज्ञान। पृष्ठ एजेन्सियों की भूवैज्ञानिक क्रिया।

संरचना तथा क्षेत्र भू-विज्ञान :—आग्नेय अवसादी और कायांतरित शैलों की सामान्य संरचनाएं। बलन, भ्रंश, विष्म विन्यास, संधियों और क्षेत्रों का अध्ययन। भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण और भूमापन की विधियों की प्रारम्भिक जानकारी।

क्रिस्टल-विज्ञान और खनिज-विज्ञान :—क्रिस्टल रूप और नमिति के तत्व, क्रिस्टल-विज्ञान के नियम, क्रिस्टल तंत्र और वर्ग, क्रिस्टल प्रकृति, यमनलन। विविध प्रक्षेप। खनिजों की भौतिक, रासायनिक और प्रकाशित गुणधर्म। अधिक महत्वपूर्ण शेलकर तथा आर्थिक खनिजों का इनके रासायनिक और भौतिक गुणधर्मों, क्रिस्टल संरचनात्मक और प्रकाशित लक्षणों, परिवर्तनों, प्राप्ति और व्यावसायिक उपयोगों के संबंध में अध्ययन।

स्तरित शैल-विज्ञान और जीवाश्म विज्ञान : स्तरित शैल-विज्ञान के नियम । भारतीय स्तरित शैल-विज्ञान । भूवैज्ञानिक अभिलेखों के अश्म-वैज्ञानिक और कालानुक्रम प्रविभाग । जीवाश्म-प्रकृति और परिरक्षण का ढंग; जैव विकास पर प्रभाव । अकशेरुकी तथा पादप जीवाश्म ।

आर्थिक भूविज्ञान : अयस्क उत्पत्ति के सिद्धान्त, वर्गीकरण, भूविज्ञान, प्राप्ति, भारत के प्रमुख धात्विक और अधात्विक खनिजों के क्षेत्र तथा स्रोत । भारत में खनिज उद्योग । भूभौतिकीय पूर्वक्षण और अयस्क-प्रमादन के नियम ।

शैलविज्ञान : अग्नि, आवसादी और कार्यांतरित शैलों का उद्भव, रचना, संरचना और वर्गीकरण । सामान्य भारतीय शैल प्रकारों का अध्ययन ।

9. भूगोल :

संसार, विशेषतः भारत, का प्राकृतिक और मानव भूगोल । प्राकृतिक भूगोल के नियम, जिसमें स्थलमंडल, जलमंडल और वायुमंडल का विस्तृत अध्ययन करना शामिल है । चक्र संकल्पनाओं समस्थिति, पर्वत विरचन के प्रक्रमों, मौसम घटनाओं, महासागर-जल की बहिस्तलीय और अधस्तलीय गति, आदि के संबंध में आधुनिक विचारों का ज्ञान भी हो ।

मानव भूगोल के नियम, जिसमें संस्कृति, प्रजाति, धर्म आदि के आधार पर जिन वितरण, वातावरण और जीवन-प्रणाली, जनसंख्या उपनति, जनसंख्या की आवाजाही का विस्तृत अध्ययन करना भी शामिल है ।

उम्मीदवार से आशा की जाती है कि उन्हें भारत के प्राकृतिक, मानव और आर्थिक भूगोल का विस्तृत ज्ञान हो ।

10. अंग्रेजी साहित्य :

उम्मीदवारों से आशा की जाएगी, कि उन्हें चौसर से लेकर महारानी विक्टोरिया के शासन के अन्त तक अंग्रेजी साहित्य के इतिहास का सामान्य ज्ञान हो तथा निम्नलिखित रचनाओं की कृतियों का विशेष ज्ञान हो :

शेक्सपीयर, मिल्टन, ड्राइडन, जानसन, वर्ड्सवर्थ, कीट्स, डिफेन्स, टेनिसन, आर्नल्ड तथा हार्डी ।

स्वयं पुस्तकें पढ़ने का प्रमाण अपेक्षित होगा ।

प्रश्न-पत्र इस प्रकार से बनाए जायेंगे, जिससे उम्मीदवारों की आलोचनात्मक योग्यता की जांच की जा सके ।

11. असमी, बंगाली, गुजराती, हिन्दी, कन्नड़, कश्मीरी, मलयालम, मराठी, उड़िया, पंजाबी, सिंधी, तमिल, तेलुगु और उर्दू : उम्मीदवारों से यह प्रत्याशा की जाएगी कि वे भाषा के ज्ञान और उसके साहित्य को दर्शा सकें । जिन कृतियों से वे संबंध रखते हैं उन में से जो सर्वोत्तम समझी जाती हैं उनका उन्हें प्रत्यक्ष ज्ञान होना अनिवार्य है, यद्यपि प्रश्न कम आवश्यक कृत्यों पर भी तैयार किए जा सकते हैं । उन से यह भी प्रत्याशा की जाएगी कि ऐतिहासिक, तथा सांस्कृतिक बौद्धिक तथा कलात्मक आंदोलनों की पृष्ठ भूमि का ऐसा ज्ञान रखते हों तथा भाषा-विषयक विकासों का जिस से उन को साहित्य को समझने में सहायता मिलेगी । प्रश्न साहित्य इतिहास और भाषा के ऊपर तैयार किए जा सकते हैं । उम्मीदवारों को अनुवाद । व्याख्या करनी होगी तथा परिच्छेदों पर टिप्पणी के लिए कहा जा सकता है ।

टिप्पणी : मद (11) के अधीन दिए गए विषयों में से किसी विषय को लेने वाले उम्मीदवार को संबंधित भाषा में कुछ अथवा सभी प्रश्नों के उत्तर देने अपेक्षित होंगे । इन भाषाओं के लिए प्रयोग की जाने वाली लिपियां निम्नलिखित हैं :

भाषा	लिपि
1. असमिया	असमिया
2. बंगला	बंगला
3. गुजराती	गुजराती
4. हिन्दी	देवनागरी
5. कन्नड़	कन्नड़
6. कश्मीरी	फारसी
7. मलयालम	मलयालम
8. मराठी	देवनागरी
9. उड़िया	उड़िया
10. पंजाबी	गुरुमुखी
11. सिंधी	देवनागरी अथवा अरबी
12. तमिल	तमिल
13. तेलुगु	तेलुगु
14. उर्दू	फारसी

12. अरबी, चीनी, फ्रांसीसी, जर्मन, पाली, फारसी, रूसी, संस्कृत : उम्मीदवारों को प्रमुख परिनिष्ठित साहित्यकारों का ज्ञान होना अपेक्षित है और उनमें उस भाषा में रचना करने और उससे अनुवाद करने की योग्यता होनी चाहिए ।

टिप्पणी : अरबी, फारसी और संस्कृत लेने वाले उम्मीदवारों से कुछ प्रश्नों के उत्तर, यथास्थिति, अरबी, फारसी या संस्कृत में देने की अपेक्षा की जा सकती है । संस्कृत में लिखे जाने के लिए उत्तर देवनागरी लिपि में लिखे जाने चाहिए ।

13. भारतीय इतिहास :

चन्द्रगुप्त मौर्य के शासनकाल में लेकर भारतीय गणतंत्र की स्थापना तक ।

प्रश्न-पत्र में राजनीतिक, संविधानिक, आर्थिक तथा सांस्कृतिक विकास पर भी प्रश्न होंगे ।

14. ब्रिटिश इतिहास :

अध्यानाधीन अवधि 1485 से 1945 तक होगी । प्रश्न-पत्र में राजनीतिक, संविधानिक, आर्थिक तथा सांस्कृतिक विकास पर भी प्रश्न होंगे ।

15. यूरोप का इतिहास :

अध्यानाधीन अवधि सन् 1789 से 1945 तक होगी ।

प्रश्न-पत्र में राजनीतिक, राजनयिक आर्थिक और सांस्कृतिक विकास पर प्रश्न शामिल होंगे ।

16. विश्व इतिहास : 1789 से 1945 तक ।

उम्मीदवारों से आशा की जायेगी कि उन्हें विश्व के राजनीतिक और आर्थिक विकास विशेषतः यूरोप, अमेरिका, मुद्रपूर्व मध्यपूर्व तथा अफ्रीकी महाद्वीप के बारे में गहन ज्ञान हो । सार्व-भौमिक महत्व की अंतर्राष्ट्रीय घटनाओं पर विशेष बल दिया जायेगा ।

उम्मीदवारों से यह भी आशा की जायेगी कि उन्हें विज्ञान, साहित्य तथा कला के क्षेत्रों में प्रदर्शित सम्पूर्ण सभ्यता के योगदान में प्रतिबिम्बित सांस्कृतिक विकास का ज्ञान हो ।

17. सामान्य अर्थशास्त्र :

उम्मीदवारों से आशा की जायेगी कि उन्हें निम्नलिखित विषयों का सामान्य ज्ञान हो :

(क) आर्थिक विश्लेषण के सिद्धान्त, तथा

(ख) आर्थिक मन्तव्यों का इतिहास ।

उनमें अपने सैद्धान्तिक ज्ञान को वर्तमान भारतीय आर्थिक समस्याओं के विश्लेषण के लिए प्रयोग करने की अयोग्यता होनी चाहिए ।

18. राजनीतिक विज्ञान : उम्मीदवार से राजनीतिक सिद्धान्त और उसके इतिहास का ज्ञान अपेक्षित है । राजनीतिक सिद्धान्त का तात्पर्य केवल विधान-सिद्धान्त से ही नहीं है अपितु सामान्य राज्य सिद्धान्त से भी है । संविधानिक रूपों (प्रतिनिधि सरकार, संघवाद आदि) और केन्द्रीय तथा स्थानीय लोक प्रशासन संबंधी प्रश्न भी पूछे जा सकते हैं । उम्मीदवारों का वर्तमान संस्थाओं की उत्पत्ति और विकास का ज्ञान भी होना चाहिए ।

19. दर्शन शास्त्र : उम्मीदवारों से आशा की जाती है कि उन्हें निम्नलिखित के विशेष संदर्भ सहित पूर्व और पश्चिम के नीति शास्त्र के इतिहास और सिद्धान्त की जानकारी होगी । नैतिक स्तर और उसके अनुप्रयोग की समस्याएं नैतिक निश्चय, नित्यवाद और स्वतन्त्र इच्छाशक्ति, नैतिक व्यवस्था और प्रगति, व्यक्ति, समाज और राज्य के बीच संबंध, अपराध और दण्ड के सिद्धान्त तथा नीतिशास्त्र का धर्म से संबंध ।

उनसे यह भी आशा की जाती है कि वे निम्नलिखित के विशेष संदर्भ सहित पश्चिमी दर्शनशास्त्र के इतिहास की जानकारी रखेंगे । दर्शनशास्त्र की प्रकृति और उसका विज्ञान तथा धर्म से संबंध, पदार्थ एवं आत्मा, स्थान एवं समय, कारणता एवं विकास तथा मूल्य एवं ईश्वर के सिद्धान्त और ईश्वर, आत्म एवं मुक्ति, एवं कारणता, विकास एवं प्रतीति के सिद्धान्तों के विशेष संदर्भ सहित भारतीय दर्शन (धर्मनिष्ठ और धर्म विरोधी प्रणालियों सहित) का इतिहास ।

20. मनोविज्ञान :

मनोविज्ञान : उनका स्वभाव, क्षेत्र एवं अध्ययन की विधियां, मनोविज्ञान में प्रायोगिक विधियां ।

मानवीय विकास के कारक : आनुवंशिक की एवं परिपक्व ।

अभिप्रेरणा भावनाएं एवं संवेग, उनका स्वभाव एवं विकास, संवेगों के सिद्धान्त, चरित्र का विकास ।

संज्ञानात्मक प्रक्रियाएं, संवेदन, प्रत्यक्ष ज्ञान, अधिगम, स्मरण शक्ति तथा विस्मरण, और मनन ।

प्रश्ना एवं योग्यताएं : संकल्पना और माप, व्यक्तित्व-स्वभाव निरीक्षण तत्त्व, सिद्धान्त, और मूल्यांकन ।

दलगत प्रक्रियाएं एवं दलगत पभाव, समूहगत व्यवहार, नेतृत्व एवं मनोबल अभिवृत्ति एवं अपकृति, सामाजिक-परिवर्तन ।

अपसामान्यता की संकल्पना, मतःस्थाप और मनोविक्षिप्ति विकारों के मुख्य रूपों की पहचान एवं कारण, सामाजिक विकृति विज्ञान और बाल-अपराध—कारण और उपाय चिकित्सा विधियों के मुख्य रूप ।

विधि I

1. विधि शास्त्र : विधि संकल्पना; विधि के प्रकार; सकारात्मक विधि; न्याय प्रशासन । विधि के स्रोत; विधि के तल जिनमें विधिक अधिकार और कर्तव्य शामिल हैं; दायिताये स्वामित्व कच्चा विधिक व्यक्तित्व; सम्पत्ति ।
2. संविधान विधि : भारत की संविधान विधि जिसमें प्रशासनिक विधि शामिल है, ब्रिटिश संविधान के मूल सिद्धान्त ।
3. टार्टर्स विधि जिसमें टार्टर्स के लिये राज्य की दायिता शामिल है ।
4. दांडिक विधि (भारतीय दंड संहिता) ।
5. साक्ष्य विधि: सूसंगति और प्रकल्पनायें: साक्ष्य के प्रकार-मौखिक और लेख्य साक्ष्य प्राथमिक और माध्यमिक साक्ष्य; प्रमाण-भार विवर्धन, अदालती नोटिस ।

विधि II

1. संविदा विधि के सामान्य सिद्धान्त (भारतीय संविदा अधिनियम की धारा 1 से 75 तक) ।
2. भारतीय संविदा अधिनियम के विशेष संदर्भ में क्षति पूर्ति विधि गारंटी उपनिधि गिरवी और एजेंसी ।
3. भारतीय विधि के विशेष संदर्भ में सामान विप्री विधि, माझेदारी विधि पराक्रामय उपकरण तथा बैंकिंग (सामान्य सिद्धान्त) ।
4. रामवाय विधि ।

विधि III

अंतराष्ट्रीय विधि की प्रकृति और स्रोत । अंतर्राष्ट्रीय विधि का इतिहास अंतर्राष्ट्रीय विधि का मंत्रदाय अंतर्राष्ट्रीय विधि और देश विधि ।

अंतर्राष्ट्रीय विधि में व्यक्तियों के रूप में राज्य । अंतर्राष्ट्रीय व्यक्तित्व का अधिग्रहण और हानि । राज्य मान्यता । राज्य उत्तराधिकार ।

राज्य के अधिकार और कर्तव्य समानता का सिद्धान्त । राज्यों का क्षेत्राधिकार ।

संधिया ।

अंतर्राष्ट्रीय संसर्ग के एजेंट/राजनयिक एजेंटों के विशेषाधिकार और उन्मुक्ति व्यक्ति और अंतर्राष्ट्रीय विधि । अन्य देशीय निवासी । राष्ट्रिकता । देशीकरण । राष्ट्रहीनता । प्रत्यर्पण । युद्ध-अपराधी ।

अंतर्राष्ट्रीय विवादों को तय करने का ढंग ।

युद्ध । घोषण । प्रभाव ।

स्थल-जल और वायु-युद्ध के नियम ।

आत्म रक्षा के लिये युद्ध : सामुहिक सुरक्षा । क्षेत्रीय सम-क्षीते। युद्ध को अवैध घोषित करना युद्धकारी दखल के नियम । युद्धकारिता और राज्य प्रतिरोध ।

युद्ध के ढंग । युद्ध-कैदी । निरीक्षण और तलाशी का अधिकार ।

नौजितमाल न्यायालय ।

नाकाबन्दी और विनिषिद्ध ।

तटस्थता और तटस्थीकरण । युद्ध में तटस्थ देशों के अधिकार और कर्तव्य । अतटस्थ सेवा । संयुक्त राष्ट्र के चार्टर के अधीन तटस्थता ।

संयुक्त राष्ट्र का चार्टर और राष्ट्र संघ का प्रतिज्ञापत्र संयुक्त राष्ट्र के प्रमुख अंग । विशिष्ट अंतर्राष्ट्रीय संगठन ।

उम्मीदवारों से आशा की जाती है कि वे अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय में दिए गये फैसलों सहित मामलों की जानकारी दे सकेंगे ।

21. प्रयुक्त यांत्रिकी :

निर्माण

छत्तकैची के सन्निर्माण में प्रयुक्त सामग्री पर विचार । इस्पात और इमारती लकड़ी । छत्तकैचियों के प्रतिफल का विभिन्न पद्धतियों से निर्धारण । अचल भार और वायु दाब क्षेम और कार्शकारी प्रतिबल के घटक ।

छत्तकैचियों का डिजाइन : विभिन्न प्रकार के छत्तकैचियों और छत्तछादन कालरबीम और अधगोल कैचियों । स्तम्भों के डिजाइन में यूलर गोरडन रैंकिन फिडलर जान्सन और सरल रेखा के सूत्रों का उपयोग स्तम्भों का बहुकावकारक विभिन्न सूत्रों से प्राप्त स्तम्भों की तुलनात्मक सामर्थ्य को दर्शाने वाले वक्र । कांटों के आकार का चयन । इस्पाती कार्य की परिसज्जा जोड़ एडबैयरिंगों का डिजाइन सिरों को जमाने के सहारे देने की पद्धतियां ।

संरचनाओं के डिजाइनों में प्रतिफल के वृत्तों और दीर्घवृत्तों तथा क्लेयप्रान प्रमेय का अनुप्रयोग ।

ढले लोहे ओर इस्पात से स्तम्भ : इस्पाती स्तम्भों के साथ प्लेज और बेव कनेक्शन: टोपियां आधार स्तम्भों की तिर्थक तान ।

नींव : सुरक्षित दाब स्तम्भों की नींव । पटियां नींव, बाहुधरन नींव, झंझरीदार नींव । कूप । स्यूणा ।

पुश्ता दीवार और मिट्टी के दाब : रैंकिन सिद्धांत, वेज सिद्धांत, विकर और डलाई की ग्राफीय रचनाएं, संशोधनों सहित । चिनाई में विभिन्न प्रकार की पुश्ता दीवारों का डिजाइन ।

अंची चिनाई और इस्पाती चिमनियां : सिद्धांत और डिजाइन ।

इस्पाती और पक्के जलाशयों का डिजाइन : वायु दाब के विचार से ।

ढांचेदार संरचनाओं के विक्षप और अतिरिक्तांगी ढांचों में प्रतिबल आदि का अवधारण ।

कैचियों, आबद्ध धरनों और तीन पिनी परबलयिक, अर्ध-दीर्घवृत्ताकार तथा अर्ध-वृत्ताकार डाटों पर समान रूप से वितरित और अनियमित भार के वकन धूर्णन और कर्तन के प्रभाव-आरेख ।

गुम्बद डिजाइन के सामान्य सिद्धांत ।

निर्माण, डिजाइन के सिद्धांत, निर्माणों पर भार का विचार इस्पात, कर्म गर्डर आदि ।

पुल

ऊपरी ढांचे का डिजाइन । चरमारों और वायु दाबों के कारण हुए वकन धूर्णन का ग्राफीय और वैश्लेषिक पद्धतियों से निर्धारण । पक्के पुलों और पुलियों का डिजाइन ।

प्लेट ब्रेव गर्डर । प्रतिबलों का विश्लेषण ।

बारें और जालदार गर्डर ।

तीन पिनी डाट दो पिनी और दृढ़ डाट ।

झूला, बाहुधरन और नलिकाकार पुलों के डिजाइन पर सामान्य विचार इस्पाती डाटदार पुल ।

झूलना पुल ।

प्रचलित कंक्रीट

कर्तन, बंध और विकर्ण तनाव, इसका स्वरूप, प्रबलन का मूल्यांकन और स्थान ।

सरल और दोहरी प्रबलित धरन और अनुकालंब धरन का डिजाइन ।

प्रबलित कंक्रीट स्तम्भों और स्तुनाओं का सिद्धांत और डिजाइन ।

पटियां निवों का डिजाइन ।

सरल बाहुधरन और पुश्तेदार धारक दीवारों का डिजाइन ।

प्रबलित कंक्रीट कांटों के लिए तुल्य जड़ता-धर्ण ।

प्रत्यास्थ विक्षप का सिद्धांत और प्रबलित कंक्रीट डाटों में प्रतिबलों के अन्वेषण की रूप-रेखा ।

सामान्य

प्रतिबल विश्लेषण, विकृति प्रत्यास्थता सीमा और चरम सामर्थ्य का विश्लेषण । प्रत्यास्थ स्थिराकों में परस्पर संबंध । किसी संरचना अवयव में कार्यकारी प्रतिबलों के लिए लानहार्ट-बेरोध सूत्र और उसके अनुप्रस्थ काट के क्षेत्र का अवधारण । प्रतिबलों की पुनरावृत्ति । अचल भारों के लिए वकन धूर्णन और कर्तन-बल के आरेख ढांचों में प्रतिबलों का ग्राफीय अवधारण वायुदाब का प्रभाव, कांटों की पद्धति । वकन (M/I-E/Y-E/R) के कारण धरन की अनुप्रस्थ काट में प्रतिबल, मिश्रित और संयुग्मित प्रतिबल । मिट्टी के दाब का रैंकीन सिद्धांत, नीवों की गहराई खसकों की सामर्थ्य झंझरीदार नीव, मिट्टी के दाब का कूलाम सिद्धांत रेबान के कारण परिवर्तन ।

चलमारों के लिए बंकन धूर्तन कर्तन बल के आरेख । समान और समान रूप से बदलते हुए प्रतिबल या विश्लेषण धरनों के बंकन का प्रत्यास्थता-सिद्धांत, धरनों में बंकन और कर्तन प्रतिबल, काट का मापांक और तुल्य क्षेत्र । उत्केंद्र भारता के कारण जोड़ में अधिकतम और न्यूनतम प्रतिबल । बांधों और निम्नियों में प्रतिबल । ब्लाक की स्थिरता, कार्य संरचनाएँ । वाष्पित खोलों में प्रतिबलों और रिबेटदार जोड़ों का डिजाइन : थाम के संबंध में आयलर का सिद्धांत, रैकिन्, गार्डर और अन्य सिद्धांत के कारण परिवर्तन । ऐंठन, संयुक्त ऐंठन और बंकन विश्लेष । आवद्ध धरने, अनेकालंब धरने और त्रिपूर्ण प्रमेय । डांटों का प्रत्यास्थता-सिद्धांत, पक्की डांटें ।

2.2. समाज शास्त्र

समाज-शास्त्र का स्वरूप तथा विषय क्षेत्र और अन्य सामाजिक विज्ञानों के साथ उसका संबंध, समाज, उसका स्वरूप तथा गठन; व्यक्ति और समाज, सामाजिक अन्योन्यक्रिया; समूह; समूह व्यवहार; संस्कृति; संस्कृति और व्यक्तित्व; मीड व्यवहार; नेतृत्व; समाजीकरण; सामाजिक परिवर्तन और आयोजन; नगरीकरण तथा नगरवाद; ग्रामीण समुदाय; सामाजिक परिवर्तन के सिद्धांत; संस्थाएं और समितियों-परिवार और समोन्नता; सामाजिक स्तरीकरण—जाति और वर्ग; सामाजिक मान्यताएँ—परंपराएँ, रूढ़ियों और लोकचार; सामाजिक धर्म नियंत्रण; सामाजिक विगठन; समाज और समंजन; मानवीय परिस्थिति शास्त्र और जनसंख्या—जनसंख्या की वृद्धि और जनसंख्या नियंत्रण ।

उम्मीदवारों से यह अपेक्षा की जायगी कि वे तथ्यों द्वारा सिद्धांतों का निरूपण करें तथा सिद्धांतों की सहायता से समस्याओं का विश्लेषण करें । उनसे भारतीय समस्याओं का विशेष जानकारी उपेक्षित होगी ।

भाग—ग

परिशिष्ट के भाग II के उप भाग (ग) के अनुसार

1. (क) उच्चतर विशुद्ध गणित—

इसमें ये विषय शामिल होंगे ।

- (1) आधुनिक बीज गणित तथा स्थान विज्ञान ।
- (2) वास्तविक चरों के फलनों का विश्लेषण ।
- (3) सम्मिश्र चरों के फलन ।
- (4) ज्यामिति तथा
- (5) अवकल समीकरण ।

(1) आधुनिक बीजगणित—समूहों, जयसमूहों, प्रसामान्य उपसमूहों । खण्ड समूहों ? समरूपता तथा एकक समाकारिता । एकैक समाकारिता पर प्रमेय । क्रमय समूहों । रूपांतरण समूहों । स्वसमाकृतिकता के समूहों । आंतरिक स्वसमाकृतिकता । प्रसामान्य-कर्त्ता, केन्द्र तथा दिक् परिवर्तक । केले और सीलों के प्रमेय । परिमतीय जनक आवेली ग्रुपों के लिये वियोजन प्रमेय । लिप्चरों । प्रसामान्य श्रेणी, संयोजक श्रेणी, जार्डन—होल्डर प्रमेय । रिंग । पूर्णांक डोमेन । विभाजन रिंग । क्षेत्रों । आदर्श, प्रधान, प्रारंभिक तथा मैक्सिमल आदर्श, आदर्श के धनराशि तथा गुणनफल । भागफल रिंग । रिंगों, के लिए एकैक समाकारिता प्रमेय । पूर्णांक डोमेन के भागलों का क्षेत्र । यी विलडी डोमेन । मुख्य आदर्श डोमेन । अद्वितीय गुणनखंडन डोमेन । दिक् परिवर्तित रिंग के ऊपर बहुपद रिंग ।

अद्वितीय गुणनफल डोमेन से बहुपद गणिकाँ सहित । नियोज-रिग । वेक्टर स्थानों । वेक्टर स्थान का आधार । विपच । लॉबिकता । आदेशगुणनफल । आर्थानिर्मल आधार ।

क्षेत्र विस्तार । विभाजाकफील्ड । पृथक होने योग्य और पृथक न होने योग्य विस्तार । परिमित विस्तारों का गेलोइस का प्रमेय । करणी द्वारा समीकरणों के हल का अनुप्रयोग । परिमित क्षेत्र ।

स्थान वैज्ञानिक स्थान । मानचित्रों तथा आस-पड़ोस, बंद-समुच्चय, स्वांतर समुच्चय स्थान वैज्ञानिक स्थान के लिए आधार उपस्थान, भागफल स्थान । स्थान विज्ञान तथा स्थान विज्ञानों के सामर्थ्य की परिभाषा के विभिन्न तरीके । मैट्रिक स्थान, यविलडी स्थान तथा मैट्रिक स्थानों के अन्य उदाहरण । दो स्थान वैज्ञानिक स्थानों के संयोजन कार्तीय गुणनफल, स्थानीय संयोजन । पथ के अनुसार संयोजन । संहति स्थान, संहित स्थानों के गुणनफल, स्थानीय संहित स्थानों । पार्थक्य-अभिगृहीत । होजडोर्फ, प्रसामान्य तथा नियमित स्थान ।

(2) वास्तविक चरों के फलनों का विश्लेषण:

वास्तविक संख्याओं का उकेकाईड का प्रमेय । परिवंध और सीमाएं । अनुक्रमों । संतत तथा एक समान संतत । अवकलनीयता । अस्पष्ट फलनों । फलनों के अधिकतम और न्यूनतम । रोमेन समाकलन । माध्यमान प्रमेयों । अनुचित पूर्णकीयों (रेखा, समतल तथा गुणांक पूर्णकीयों) । रेखा, समतल तथा गुणांक पूर्णकीय ग्रीन और स्टर्को के प्रमेय ।

एक समान अभिसारी श्रेणियों के एक समान अभिसरण की श्रेणियों और गुण । अपरिमित गुणनफलों का अभिसरण । समुच्चय के फलनों के आर्थोनामीलटी तथा सम्पूर्णता । फूरिये श्रेणियाँ तथा फूरिये प्रमेय । वायरस्ट्रास सन्निकटन प्रमेय । लेबेस्गू का भाप । प्रतिबंधित फलनों के मापीय फलन तथा लेबेस्गू पूर्णकीय ।

(3) मिश्रितचर के फलन :—गाउस के समतल और रोमेन के गोला परसंमिश्र संख्याओं का निरूपण । द्विचरएकघाती रूपांतरणों विश्लेषिक फलनों । कौची का प्रमेय तथा उसका विलोभ । कौची का पूर्णकीय सूत्र । टेलर तथा लोरेट की श्रणियाँ । वियोज-वाइल का प्रमेय । विचित्रताएं । शून्यों/आवणेशों का प्रमेय तथा पूर्णकीयों के मूल्योक्त के लिए इस का अनुप्रयोग । बीजगणित का मूल प्रमेय तथा बीजगणित के समीकरणों के मूल । अनुकोण निरूपण । विश्लेषिक संतत । मिटेगलेयर का प्रमेय । बाइरे-स्ट्रास का गुणनखण्ड का प्रमेय । अधिकतम मापांक सिद्धांत । हैडामार्ड का त्रिवृतीय प्रमेय ।

(4) ज्यामित : समतल परिच्छेदों तथा द्विघातियों की जनक रेखाएं द्विघाती पृष्ठ तथा इसका विश्लेषण । संतामि द्विघाती । द्विघाती की पैन्सिलों का प्रारंभिक प्रमेय । सोला में वर्क/वक्रता तथा ऐंठन । फमेट के सूत्र । आवरण । विकास योग्य समतल । विकास-योग्य वक्र से संगुणित । रेखज पृष्ठ । पृष्ठों की वक्रता । वक्रता की रेखाएं, संयुग्मी रेखाएं । उपगामी रेखाएं । अल्पांतरी ।

(5) अवकल समीकरण

सामचरणअवध अवकल समीकरण : पिकाई का अरितत्व प्रमेय । प्रारंभिक तथा सीमांत प्रतिबंध । चरगुणांकों के साथ

रेखाकार अवकल समीकरण । श्रेणियों में समाकलन, बेसिल तथा लेगेन्डर फलन । संपूर्ण तथा युगपत् अवकल समीकरण ।

आंशिक अवकल समीकरण :

आंशिक अवकल समीकरणों की बनावट । आंत्रिक अवकल समीकरणों के पूर्णांकिय के प्रकार । प्रथम क्रम के आंशिक अवकल समीकरण । चारपिट का तरीका । अचर गुणकों के साथ औशिक अवकल समीकरण । मांगे का तरीका । द्वितीय क्रम के औशिक अवकल समीकरणों का वर्गीकरण । आप्लेस समीकरण तथा इसकी सीमांतमान समस्याएं । तरंग समीकरण तथा ऊष्माचालन के समीकरण का हल ।

1. (ख) उच्चतर अनुपयुक्त गणित —

शामिल विषय ये होंगे :—

- (1) गति-विज्ञान
- (2) द्रवगति विज्ञान
- (3) प्रत्यास्थता
- (4) विद्युत तथा चुंबकत्व
- (5) आपेक्षिकता का विशेष प्रमेय ।

(1) गति-विज्ञान : कण तथा ऊर्जा । भुगतिमान से संबंधित गति । फोकास का लोलक । जनक निद्रेशांक । होलोनोमिक तथा अहोलोनोमिक प्रणालियां । छोटे-दोलन । यूलर के ज्यामितीय तथा गतिक समीकरण । लूइकी गति । न्यूनतम कर्मका हैमिल्टन का सिद्धांत । हैमिल्टन के विहित समीकरण तथा उनके समाकल निश्चर । संस्पर्श रूपांतरण ।

(2) द्रवगति विज्ञान

सामान्य : सांतत्य का समीकरण, संवेग तथा ऊर्जा ।

इनबिसिड प्रवाह प्रमेहः द्विविभगति । प्रवाही गति । स्त्रोत तथा अभिगम । प्रतिबिम्ब के तरीके तथा इसके अनुप्रयोग । तरल में बेलन तथा गोला की गति । भ्रमिलगति । तरंगें ।

विस्कोस प्रवाह प्रमेहः—प्रतिबल तथा विकृति विश्लेषण । नेवियर-सट स्टोकेल समीकरण । भ्रमिलता । अर्जा-क्षय । समानांतर पट्टिकाओं के बीच प्रवाह । नली में होकर प्रवाह । गोला के पार धामी प्रवाह गति । सीमांतस्तर संकल्पना-द्विविभ प्रवाहों के लिए सीमांतस्तर । पट्टिका के साथ सीमांतस्तर । समक्षयता हल । संवर्ग तथा उर्जा समाकल । करमंत तथा पोहलहृसीन का तरीका ।

(3) प्रत्यास्थता : कातीय टेन्सर । प्रतिबल तथा विकृति विश्लेषण कार्य तथा ऊर्जा । सेंट वेनेस्ट का सिद्धांत । दंड और पट्टिकाओं को मोड़ना । एटन ।

(4) विद्युत तथा चुम्बकत्व : स्थिर वैद्युत चालक तथा संधारित चालकों की प्रणालियों । परावैद्युत । संकल्पनाओं के तरीके तथा इन के अनुप्रयोग । जालों में विद्युत धाराओं के प्रवाह चुंबकत्व । चुंबकत्व वैद्युत । प्रेरण । प्रत्यावर्ती धाराएं । मेक्सवेल के समीकरण । दोलनी परिपथ ।

(5) आपेक्षिकता का विशेष प्रमेय : गलीलियन सिद्धांत । माइकलसन-मोरलेय प्रयोग । आपेक्षिकता के प्रमेय के सिद्धांत । लोरेंज रूपांतरण तथा इस के परपद । मैक्सवेल के समीकरणों में लोरेंज निश्चर । निवार्त का विद्युत गार्तक । द्रव्य तथा ऊर्जा ।

2. उच्च भौतिकी

द्रव्य और ध्वनि के सामान्य गुण धर्म—विरूपणय पिंडों की यांत्रिकी । कुंडलिनी कमानी केशिका घटनाएं । श्यानता । ध्वनिक मापन पराश्रव्यिकी ।

ऊष्मा और ऊष्मागतिकी—ब्राउनी गति । गैसों का अणुगति सिद्धांत । निम्न दाब पर गैसों में मिलने वाली अभिगमन-घटनाएं । ऊष्मागतिक कार्य और उनके अनुप्रयोग / घनाकृतियों और गैसों की विशिष्ट ऊष्मा । निम्न तापमान साना और उन्हें मापना । विकिरण और ऊर्जा वितरण का प्लैंक नियम ।

प्रकाश-विज्ञान—समाक्ष सममित प्रकाशित तंत्रों का सिद्धांत प्रायोगिक स्पेक्ट्रम-विज्ञान । विद्युत चुम्बकीय सिद्धांत प्रकाश प्रकीर्णन । रामन-प्रभाव । विवर्तन । ध्रुवन ।

विद्युत और चुम्बकत्व—गाउस-प्रमेय । विद्युतमापी । चुम्बकीय शैथिल्य । स्थायी चुम्बकों का सिद्धांत । वैद्युत राशियों का मापन । प्रत्यावर्ती धारा सिद्धांत । साइक्लोट्रान और उच्च वोल्टता के उत्पादन की अन्य विधियां । बेतार तरंगों का प्रेषण और अभिग्रहण । टेलीविजन ।

आधुनिकता भौतिक—आपेक्षिकता का विशेष सिद्धांत । प्रकाश और द्रव्यों की द्वैत प्रकृति । श्रोडिंजर समीकरण और साधारण मामलों में उसके हल । हाइड्रोजन और हीलियम स्पेक्ट्रा जीमन और स्टार्क प्रभाव । बोली नियम और तत्त्वों का आवर्ती वर्गीकरण । एकम किरण और एकस-किरण स्पेक्ट्रम-विज्ञान । कॉम्पटन प्रभाव । धातुओं में चालन । अतिचालकता । तापीय आयनन परमाणु नाभिकों के गुणधर्म । द्रव्यमान स्पेक्ट्रम-विज्ञान । मूल-कण और उनके गुणधर्म । नाभिकीय अभिक्रियाएं । अंतरिक्ष-किरणें । नाभिकीय विखंडन और संलयन ।

3. उच्च रसायन

आकार्बनिक रसायन—परमाणु-संचरना । रेडियोएक्टिवता, प्राकृतिक एवं कृत्रिम । नामिकों का विखण्डन तथा संलयन । स्यास्थानिक । रेडियोएक्टिवसूचक । रेडियोएक्टिव श्रेणियां । पराद्यु-रेनियम तत्व । तत्त्वों और उनके मुख्य यौगिकों, विशेषतः Bc, W, TI, V, MO, HF, ZV तथा दुर्लभ मृदा तत्त्वों और उनके मुख्य यौगिकों, का रसायन ।

उपसहसंयोगिता-यौगिक । अंतराअवाशी तथा अतत्व-योगमितीय यौगिक । मुक्त मूलक । विश्लेषण की पगत भौतिक-रासायनिक विधियां ।

कार्बनिक रसायन—अनुवाद तथा हाइड्रोजनबन्ध विरचन सहित कार्बनिक रसायन के सिद्धांत । महत्वपूर्ण कार्बनिक अभिक्रियाओं की क्रियाविधि समनुरूपण सहित विन्यास-रसायन ।

विभिन्न कार्बनिक यौगिकों के वर्गों, विशेषतः निम्नलिखित वर्गों का रसायन : बहु-शर्कराइड, टर्पीन, प्राकृतिक रंजक द्रव्य एलेकलाइड, विटामिन, महत्वपूर्ण हार्मोन, मलेरिया रोधक, क्लोरीन कीट-नाशी, मुख्य पतिजैविक, तथा संश्लिष्ट बहुलक ।

भौतिक-रसायन—अणु-गतिक सिद्धांत, ऊष्मागति की विज्ञान के तीन नियम तथा भौतिक रसायनिक प्रक्रमों में उनका अनुप्रयोग आणविक संरचना से संबंधित तथा उसका स्पष्टीकरण करने वाले

भौतिक-रासायनिक गुणधर्म । क्वन्टम-सिद्धांत तथा रसायन में इसका अनुप्रयोग ।

रासायनिक तथा प्रकाश रासायनिक अभिक्रियाओं की क्रियाविधि तथा बलागतिकी । उत्प्रेरण । अधिलोषण । पृष्ठ-रसायन । कोलायड । विद्युत-रसायन ।

4. उच्च वनस्पति-शास्त्र

उम्मीदवारों को भारतीय वनस्पति समूह पर विशेष ध्यान देते हुए, वर्तमान और विलुप्त दोनों प्रकार के वनस्पति-जगत् के मुख्य समूहों (अर्थात् शेवाल, कवक, ब्रयोफाइट, टेरिडो-फाइट, जिम्नोस्पर्म और ऐंजियोस्पर्म) का उच्च ज्ञान होना चाहिए ।

शरीर—पादपकृतकों का उद्भव, स्वरूप और विकार और पारिस्थितिक तथा कार्याकीय दृष्टि से उनका वितरण ।

पारिस्थितिकी—भारत की वनस्पति के मुख्य प्रकार, उनका वितरण और वनस्पतिक अध्ययन का महत्व ।

कार्यिकी—पादप कार्य के महत्वपूर्ण कार्याकीय प्रक्रम का उच्च ज्ञान ।

पादप रोग विज्ञान—जीवाणु, कवक, विषाणु, द्वारा होने वाले महत्वपूर्ण पादप रोगों तथा आर्थिकी रोगों और उनके नियंत्रण की विधियों का उच्च ज्ञान ।

आर्थिक वनस्पति विज्ञान—भारत के आर्थिक दृष्टि से महत्वपूर्ण पौधों का अध्ययन और उनका वितरण ।

सामान्य जीव विज्ञान—विभिन्नता, आनुवंशिकता क्रम विकास, कोषिका—विज्ञान तथा आनुवंशिकी के मूलतत्वों और आधुनिक विकास एवं पादप प्रजनन के सिद्धान्तों का ज्ञान ।

5. उच्च प्राणिविज्ञान

आकार्डेटों और कार्डेटों, विशेषकर भारतीय प्राणि समूहों, का वर्गीकरण, जीवपरिस्थिति की, आकारिकी, जीवनवृत्त तथा संबंध ।

अंग-तंत्र का क्रियात्मक आकृतिविज्ञान (रूप, संरचना तथा कार्य) । कशेरुकी भूणविज्ञान की रूपरेखा ।

प्राणियों का वर्गीकरण व्यक्तिवृत्त, अनुकूली समाभिरूपता तथा विषाभिरूपता, पशु-परिस्थिति की, प्रवास तथा रंजन ।

विकास : प्रमाण, वाद और उनकी आधुनिक व्याख्याएं । अनु-कूलन, अंतरिक्ष में प्राणियों का वितरण ।

कोशिका, कोशिका-विज्ञान, आनुवंशिकी, लिंग-निधारण तथा अंतः साव-विज्ञान के ज्ञान में नवीन प्रगतियां ।

भौतिक, रासायनिक तथा जैविक कारकों के समिश्र के रूप में वातावरण तथा व्यक्ति, जनसंख्या और समुदाय के रूप में जीवों की आधुनिक संकल्पना ।

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर निबन्ध: प्रोटोजोआ तथा रोग, कीट तथा मानव, परजीवी, विज्ञान, अलवण जल तथा समुद्री जीव विज्ञान, सरोवर-विज्ञान तथा भूतस्थ-जीवविज्ञान, ज्ञान तथा सभ्यता के लिए महान जीव-वैज्ञानिकों का योगदान ।

6. उच्च भूविज्ञान

सामान्य भूविज्ञान—भूविज्ञान का इतिहास तथा विकास इसकी विभिन्न शाखाएं तथा विज्ञान की अन्य शाखाओं से इसका संबंध । पृथ्वी का उद्भव, विकास, संरचना, रचना, गर्भ तथा आयु । भूआकृति-विज्ञान, रेडियोरूकितवता तथा भूविज्ञान, भूकंप, विज्ञान, ज्वालामुखी-विज्ञान, भू-अभिनतियों, समस्थितियों में उसका अनुप्रयोग । महाद्वीपों तथा महासागर द्रोणियों का विकास । पृष्ठ एजेन्सियों और अंतः भूमिका एजेन्सियों की भूवैज्ञानिक क्रिया महाद्वीपीय विस्थापन ।

संरचना तथा क्षेत्रभूविज्ञान-पटल विरूपण—शैल विरूपण, पर्वतों का उद्भव, स्थल-आकृति तथा खनन सम्बन्धी संरचनाएं । भारत का विवर्तनिक इतिहास । भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण एवं भूमापन की विधियां ।

स्तरित-शैल-विज्ञान तथा जीवाश्म विज्ञान—स्तरित शैल-विज्ञान के नियम तथा सह सम्बन्ध । भारतीय स्तरित शैल विज्ञान का विस्तृत अध्ययन तथा विश्व स्तरित शैल विज्ञान की रूपरेखा विभिन्न कालों में पृथ्वी, समुद्र, प्राणी समूहों तथा वनस्पति समूहों का विभाजन । जैव-विकास के सिद्धान्त । जीवाश्म—उनका महत्व । प्रतिरूपी इन्डैक्स जीवाश्म तथा सह सम्बन्ध, भारत विशेष संदर्भ में अकशेरुकी का विस्तृत अध्ययन । और भूवैज्ञानिक इतिहास ।

क्रिस्टल विज्ञान तथा खनिज विज्ञान—क्रिस्टल-आकारिकी क्रिस्टल-विज्ञान के नियम, क्रिस्टल तंत्र तथा वर्ग, प्रकृति यमलन । क्रिस्टलों का कोषामापी तथा ऐक्स-किरण अध्ययन । परमाणु-संरचना । शैल कर तथा आर्थिक खनिजों का भारत में उनके अस्तित्व के विशेष संदर्भ में विस्तृत अध्ययन ।

शैल-विज्ञान—आग्नेय अवसादी तथा कायान्तरित शैलों का उद्भव और विकास संरचना खनिज घटक, गठन तथा वर्गीकरण । कार्यांतरण सहित शैलजनन । शैल रसायन । उत्का पिण्डों का अध्ययन । मुख्य भारतीय शैल प्रकारें ।

आर्थिक भूविज्ञान—अयस्क-उत्पत्ति, आर्थिक खनिजों का वर्गीकरण तथा अयस्क-स्थान निधारण । भारत के विशेष संदर्भ में आर्थिक खनिज निक्षेपों का भूविज्ञान । खनिज उद्योगों का स्थान-निधारण । गुणधर्मोंका मूल्यांकन खनिज-अर्थशास्त्र खनिजों का संरक्षण तथा उपयोग । राष्ट्रीय खनिज नीति स्ट्रैटेजिक खनिज भूवैज्ञानिक, भूभौतिकीय तथा भूरासायनिक पूर्वक्षण तकनीके तथा उनके अनुप्रयोग । खनन प्रतिचयन अमस्कप्रसाधन तथा अयस्क सज्जीकरण की मुख्य विधियां । भूमि तथा भौम जल । सामान्य इंजीनियरी समस्याओं में भूविज्ञान का अनुप्रयोग ।

7 उच्च भूगोल

पर्व के दो भाग होंगे :—पहले भाग के अन्तर्गत भारत के विशेष संदर्भ में भौतिक मानव तथा आर्थिक भूगोल का प्रगत अध्ययन होगा ।

दूसरे भाग में निम्नलिखित विशेष विषयों का प्रगत अध्ययन शामिल होगा और उम्मीदवार से आशा की जाती है कि उसे कम-से-कम दो विषयों का ज्ञान होगा:—

भूआकृति विज्ञान । जलवायु विज्ञान (मौसम के पूर्वानुमान तथा विश्लेषण की नई विधियों सहित) । मानचित्रकला (समकोणीय गोलीय त्रिकोण के हल, थियोडोलाइट के उपयोग, त्रिकोण विमध्य जाल जैसे प्रगत प्रक्षेप, आदि सहित) । ऐतिहासिक भूगोल । राजनैतिक भूगोल । भौगोलिक विचार तथा खोजों का इतिहास ।

8. अंग्रेजी साहित्य

प्रश्न पत्र अंग्रेजी साहित्य (1798-1935) के अध्ययन पर आधारित होगा, जिसमें निम्नलिखित रचनाकारों का विशेषाध्ययन अपेक्षित होगा :—

वर्ड्सवर्थ, कोलरिज, शैली, कीट्स, लैम्ब, जैन औस्टिन, कारलाइल, रस्किन, थैकरे, राबर्ट ब्राऊनिंग, जार्ज इलियट, जो० एम० हौपकिन्स, शां, डब्ल्यू० बी० यीट्स, गाल्सवार्दी, जे० एम० सिज, ई० एम० फोस्टर तथा टी० एस० इलियट । स्वयं पुस्तकें पढ़ने का प्रमाण अपेक्षित होगा ।

प्रश्न पत्र इस प्रकार के बनाए जायेंगे जिनसे इन अवधि की प्रमुख साहित्यिक धाराओं का ज्ञान ही नहीं, अपितु उनके आलोचनात्मक मूल्यांकन की जांच भी की जा सके । इसमें उस अवधि की सामाजिक तथा सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से सम्बन्धित प्रश्न भी शामिल किये जा सकते हैं ।

9. (क) भारतीय इतिहास—(चन्द्रगुप्त मौर्य से हर्ष तक)

मौर्यवंश—साम्राज्य का अभ्युदय तथा दृढ़ीकरण । प्रशासन तथा अर्थव्यवस्था । साम्राज्य का पतन ।

सगंध का पतन

शुंग तथा कण्व वंश—चोल, चेर तथा पाण्ड्य ।

पश्चिम से सम्पर्क उत्तर भारत-भारत यूनान ।

दक्षिण-भारत-रोमन व्यापार ।

मध्य एशिया तथा भारत ।

शक वंश । कुशान वंश ।

शत्वाणक वंश ।

एशियाई देशों से भारत का सम्पर्क—बौद्ध मत का प्रसार ।

गुप्त साम्राज्य

भारतीय शास्त्रीय संस्कृति का निर्माण । भारत के और समुद्रपारीय सम्पर्क । गुप्त वंश का पतन । हूण जाति ।

उत्तर भारत में बदली हुई अर्थ व्यवस्थाएं तथा राजनीति पर उनका प्रभाव ।

वाक्टक तथा चालुक्य वंशों का अभ्युदय ।

पल्लवों का अभ्युदय । हर्षवर्धन ।

हर्षवर्धन

9. (ख) भारतीय इतिहास (मुगल साम्राज्य 1526-1707 राजनीति इतिहास—)

भारत में मुगल साम्राज्य की स्थापना, इसका दृढ़ीकरण तथा विस्तार । सूर राज्यान्तराव । मुगल साम्राज्य का चरमोत्कर्ष । अकबर, जहांगीर और शाहजहाँ । मुगलों के फारस तथा मध्य एशिया से सम्बन्ध । प्रशासनिक पद्धति का विकास । मुगल दरबार

में यूरोप के लोग, प्रारम्भिक पुर्तगाली, फ्रांसीसी तथा अंग्रेजी बस्तियां । पतन का प्रारम्भ । औरंगजेब, उसके युद्ध तथा नीतियां ।

सांस्कृतिक, धार्मिक, आर्थिक तथा सामाजिक जीवन—

सांस्कृतिक जीवन तथा कला का विकास, वास्तुकला तथा साहित्य ।

धार्मिक आन्दोलन : भक्ति आन्दोलन, सूफीमत, दीने-इलाही । मुगल बादशाहों की धार्मिक नीति ।

आर्थिक जीवन, कृषि जीवन । भूधारण पद्धतियां । उद्योग । वाणिज्य तथा व्यवसाय । आयात तथा निर्यात । परिवहन व्यवस्था । भारत का ऐश्वर्य ।

सामाजिक जीवन : दरबारी जीवन, नागरिक जीवन, ग्रामीण जीवन । वेशभूषा । रीति-रिवाज, खाद्य तथा पेय, मनोरंजन तथा मेले, त्यौहार, स्त्रियों की सामाजिक स्थिति ।

9. (ग) भारतीय इतिहास III (1772 से 1950)

बंगाल तथा दक्षिण भारत में ब्रिटिश सत्ता का दृढ़ीकरण भारत में ब्रिटिश सत्ता का विकास । ईस्ट इण्डिया कम्पनी तथा ब्रिटिश राज्य । सिविल सर्विस, न्याय पद्धति, पुलिस तथा सेना का विकास । नई भूमिकर पद्धति तथा भूधारण पद्धति का विकास । ब्रिटिश व्यवसाय नीति । भारत में ब्रिटिश राज्य का आर्थिक प्रभाव । 1857 का विद्रोह । भारतीय राज्यों के साथ सम्बन्ध विदेश नीति, तथा ब्रह्मा व अफगानिस्तान के साथ सम्बन्ध । आधुनिक उद्योग तथा संचार साधनों का विकास । आधुनिक शिक्षा का विकास, प्रेस का विकास ।

भारतीय पुनः जागृति :—राजा राम मोहन राय, ब्रह्मसमाज और विद्यासागर, आर्य समाज, धियोसोफिस्ट, रामकृष्ण तथा विवेकानन्द, सैयद अहमद खां सामाजिक सुधार आधुनिक भारतीय साहित्य का विकास ।

भारत के राष्ट्रीय आन्दोलन का अभ्युदय : इण्डियन नेशनल कांग्रेस (1885 से 1905) दादाभाई नारोजी, राणाडे, गोखले, उग्र राष्ट्रवाद का विकास, विभाजन विरोधी आन्दोलन, स्वदेशी तथा बायकाट आन्दोलन, तिलक व अरबिन्द घोष, होमरूल लीग तथा लखनऊ समझौता ।

सांविधानिक विकास—1861 तथा 1892 के अधिनियम, मिन्टो मार्ले सुधार, मोट फोर्ड सुधार, 1935 का अधिनियम ।

महात्मा गांधी का राजनीति में प्रवेश तथा स्वतन्त्रता संग्राम । सत्ता-हस्तान्तरण : क्रिप्स मिशन, कैबीनेट मिशन, स्वतन्त्रता अधिनियम तथा विभाजन । 1950 का संविधान । स्वतन्त्र भारत : विदेश नीति, तटस्थता, धर्मनिरपेक्षता का योजना ।

9. (घ) ब्रिटिश संविधान का इतिहास (1601 से 1950 तक) ।

ताज बनाम संसद :—

जेम्स तथा संसद के बीच सम्बन्ध । अधिकारवाचिका ।

चार्ल्स तथा परमाधिकार बनाम सामान्य कानून । (गृह युद्ध)

संविधान प्रवर्तक—

लांग संसद की सरकार । लिट्स संसद । प्रोटैक्टोरेट । पुन-स्थापन । ग्लोरियस रिवोल्यूशन । बिल आफ एंड्यूस् ।

ताज, कार्यपालिका तथा संसद ।

राजा तथा उसके मंत्री । ताज का प्रभावाधिकार । मन्त्रिमंडल तथा संसद : 1936 का राजतन्त्रीय आपातकाल ।

संसद का सुधार

सुधार अधिनियम तथा हाऊस आफ कामन्स । हाऊस आफ कामन्स तथा हाऊस आफ लार्ड्स । हाऊस आफ लार्ड्स का सुधार ।

कामनवैल्य (राष्ट्रमण्डल)

कामनवैल्य का उद्गम तथा विकास । वैस्मिस्टर का परि-नियम । कामनवैल्य सहयोग का कार्यन्वयन । कामनवैल्य में ताज की स्थिति ।

9. (क) यूरोपीय इतिहास (1871-1945)

यूरोप का औद्योगिक विकास—राष्ट्रवाद तथा लोक तान्त्रिक और समाजवादी आंदोलनों का विकास ।

जर्मन साम्राज्य, “तृतीय फ्रांसीसी गणराज्य”, हैन्सबर्ग, राजवंश राजतन्त्री रूस । संधियों और मैत्रियों की नीति ।

पूर्व संबंधी (ईस्टर्न) प्रश्न ।

साम्राज्यवाद का उत्थान तथा निकट पूर्व, मध्यपूर्व अफ्रीका और सुदूर पूर्व में यूरोप के साम्राज्यवादी हित ।

प्रथम विश्वयुद्ध का उद्गम तथा परिणाम ।

रूस की क्रान्ति तथा उसके परिणाम ।

बर्माइ समझौता, राष्ट्र संघ (लीग आफ नेशंस), विश्व व्यापी निरस्त्रीकरण के प्रयत्न सुरक्षा की खोज, फासिज्म तथा नाजिज्म का उदय और उसके अंतर्राष्ट्रीय परिणाम ।

द्वितीय विश्व युद्ध ।

10. (क) उच्च अर्थशास्त्र

आर्थिक विश्लेषण के कृत्य ।

मूल्य का सिद्धान्त । खपत और मांग का सिद्धान्त । उत्पादन का संगठन । एकाधिकार का सिद्धान्त । एकाधिकार का नियन्त्रण ।

वितरण का सिद्धान्त । किराया । पूंजी का सिद्धान्त । धन तथा व्याज का सिद्धान्त । बचत तथा विनियोजन । बैंकिंग तथा उधार सम्बन्धी नियम । मजदूरी तथा नियोजन सम्बन्धी सिद्धान्त । सामूहिक सौदाबाजी तथा औद्योगिक शान्ति ।

राष्ट्रीय आय । आर्थिक प्रगति तथा वितरणात्मक न्याय ।

अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का सिद्धान्त । विदेशमुद्रा । अदायियों का शेष ।

व्यापारिक चक्र तथा उनका नियन्त्रण । सरकार का आर्थिक योग । आर्थिक कल्याण । लोक (हित) के साधन मूल्यांकन तथा नियमन ।

10. (ख) उच्च भारतीय अर्थशास्त्र

युद्धकालीन तथा युद्धोत्तर अवधि में आर्थिक विकास प्राकृतिक साधन सामाजिक संस्थाएं । कृषि उत्पादन तथा वित्त । अन्न तथा अन्य कृषि उत्पादों का मूल्य निर्धारण तथा वितरण । भूमि मुद्धार ।

किसी विकासमयी अर्थव्यवस्था में कुटीर तथा लघु उद्योगों का स्थान । आधुनिक संगठित उद्योग का विकास । लोक कम्पनियों का नियमन । औद्योगिक सम्बन्ध तथा श्रम (दल) की समस्याएं । समिश्रित अर्थ व्यवस्था । सार्वजनिक क्षेत्र का अधिकार, क्षेत्र तथा दक्षता । भारतीय पूंजी तथा प्रत्यय पद्धति । रिजर्व बैंक का योगदान । जनसंख्या, समस्याएं तथा जनसंख्या सम्बन्धी नीति । बेरोजगारी तथा अपूर्ण रोजगारी । भारतीय राष्ट्रीय आय का निर्धारण । विदेशी व्यापार का नियमन । अदायियों का शेष भारतीय करारोपण पद्धति । संघीय वित्त । आर्थिक विकास के लिए योजना । क्रमबद्ध योजनाओं का आकार तथा ढांचा । स्रोत तथा कार्यान्वयन की समस्याएं ।

11. (क) हाब्स से लेकर आज तक के राजनीतिक सिद्धांत

ठेका (कान्टैक्ट) तथा प्राकृतिक अधिकारों के सिद्धान्त-हाब्स, लोक, रूसो । प्रभुता के मन्तव्य का विकास । इतिहासकार-वीको मोन्टेस्क तथा बर्क । उपयोगितावादी । विकासवादी । आदर्शवादी कान्ट, हेगल, ग्रीन, ब्राडले तथा बोसंक वे । रूढ़िवाद तथा उदारवाद । मार्क्सवाद तथा समाजवाद व साम्यवाद की धाराएं । बहलवाद । फासिज्म । मनोविज्ञान का प्रभवि क्षेत्र । पूर्वी देशों में बीसवीं शताब्दी का विचारधाराएं ।

11. (ख) राजनीतिक संगठन तथा लोक प्रशासन

राजनीतिक संस्थाएं—आधुनिक राष्ट्रों का विकास संसदीय तथा राष्ट्रपति सहित सरकारें । एक सत्ता तथा संघीय सरकारें । विधानांग कार्यपालिका तथा न्यायपालिका । प्रतिनिधित्व के प्रचार साम्यवादी तथा एक सत्ताधारी सरकारें ।

लोक प्रशासन—आधुनिक सरकार में लोक प्रशासन । नीति-निर्धारण तथा उच्चतर नियन्त्रण न्यायपालिका तथा कार्यपालिका । संगठन, प्रबंध, प्रकार तथा माध्यम । नियामक आयोग तथा लोक निगम । कर्मचारी वर्ग प्रशासन-सिविल सेवा तथा इसकी समस्याएं बजट तथा वित्तीय प्रशासन । प्रशासनिक अधिकार । न्यायालयों द्वारा नियन्त्रण । लोक सेवाएं तथा जनता ।

11. (ग) अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध

भाग 1

राष्ट्रीय शक्ति के आधार और सीमाएं । अन्तर्राष्ट्रीय संबंधों में शक्ति सिद्धान्त तथा नैतिक का स्थान । अन्तर्राष्ट्रीय संबंधों में अन्तर्राष्ट्रीय विधि का स्थान । विदेश नीति के निर्धारण में राष्ट्रीय हित का योग । शक्ति संतुलन का सिद्धान्त । अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों का स्वरूप और उनके कार्य । संयुक्त राष्ट्र संघ, उद्देश्य, संरचना और कार्य प्रणाली ।

भाग 2

प्रथम विश्वयुद्ध के मूल कारण तथा शांति “समझौते” का स्वरूप ।

राष्ट्र संघ (लीग आफ नेशंस) तथा दोनों युद्धों के बीच के वर्षों में सामूहिक सुरक्षा प्रणाली की स्थापना के लिए किए गए प्रयत्न । द्वितीय विश्व युद्ध के मूल कारण ।

परमाणु युग तथा परंपरागत अंतर्राष्ट्रीय संबंध पर इसके प्रभाव ।

“शीत युद्ध” तथा विश्व राजनीति पर इसके प्रभाव ।

नए राष्ट्रों का अभ्युदय तथा अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के प्रतिमान में परिवर्तन ।

संयुक्त राज्य अमेरिका, सोवियत संघ, चीन, भारत तथा निम्नलिखित में से किसी एक देश की विदेश नीति:---

ग्रेट ब्रिटेन, जापान, जर्मनी तथा फ्रांस ।

12. (क) उच्च अमूर्त विषय विज्ञान (शासनशास्त्र सहित)

उम्मीदवारों से यह आशा की जाएगी कि वे कान्ट से लेकर आज तक के प्रमुख दार्शनिकों (नामतः कान्ट, हीगल, आडले, रायस, कोचे, मूर, यसल, जेम्स, शिल्लर, ड्यूई वगसन एलैक्सण्डर, ह्वार्टहैंड, विटगनस्टाइन, अयर हार्मडंगर तथा भासेल) ।

निम्नलिखित विषयों में से किसी पर भी प्रश्न पूछे जा सकते हैं ।

ज्ञान के स्रोत, तत्व, भिन्न-भिन्न रूप । उसकी सीमाएं मापदण्ड तथा समाजविज्ञान ।

सत्य, मिथ्या, मूल ।

वास्तविकता के सिद्धान्त । वास्तविकता । जीवन और श्री अस्तित्व । एकत्ववाद, द्वैतवाद, बहुलवाद, प्रकृतिवाद, अनीश्वरवाद, ईश्वरवाद, मोक्षवाद और रहस्यवाद । हेगलोत्तर आदर्शवाद । नवीन यथार्थवाद । मौलिकवाद अनुभूतिवाद । उपयोगितावाद ।

उपकरणवाद । मानववाद-प्रकृतिवादी और धार्मिक ।

तार्किक प्रत्यक्षवाद । अस्तित्ववाद-अनीश्वरवादी और ईश्वरवादी । आगमन की समस्याएं, प्राकृतिक नियम, सापेक्षवाद, ईश्वर और अनिश्चयवाद के सम्बन्ध में दर्शन के क्षेत्र में नवीन विचार-धाराएं ।

12. (ख) उच्च मनोविज्ञान प्रयोगात्मक मनोविज्ञान सहित

मनोविज्ञान की विषय-वस्तु, क्षेत्र और पद्धतियां, अन्य विज्ञानों से इसका सम्बन्ध ।

आनुवंशिकता और परिवेश संबंधी विवाद-मानव के विकास पर इन दोनों के सापेक्षिक प्रभाव संबंधी प्रयोगात्मक अध्ययन ।

अभिप्रेरण एवं संवेग की समस्याएं । कुंठा और विग्रह; विग्रहों के प्रकार । आत्मरक्षातन्त्र--अभिव्यंजक गतिविधियों से संबंधित अध्ययन; मनोधारानुक्रिया (P.G.R.), असत्य परित्यजन ।

संवेदना और अनुभूति--मनोवैज्ञानिक पद्धतियां, देश-प्रत्यक्ष ज्ञान, शाश्वत, संगठन के कारक; गत्यात्मक, व्यक्तित्व तथा सामाजिक कारकों का योग; अंतर्व्यक्तिगत अनुभूति ।

अधिगम, स्मृति, विस्मरण और चिंतन के अध्ययन की प्रायोगिक पद्धतियां--अधिगम और सिद्धांत--अर्थ का स्वभाव ।

व्यक्तित्व मनोविज्ञान--निर्धारक तत्व, गुण, किस्म, परिमाण, और सिद्धांत, व्यक्तित्व का मूल्यांकन--व्यक्तित्व के आचरण मूलक माप-क्रम निर्धारण-मान, नाम-निर्देशक तकनीकें प्रश्नावलियां तथा तालिकाएं, अभिवृत्ति-मान, प्रक्षेपीय परीक्षण ।

व्यक्तिगत भेद--प्रज्ञा और अभिवृत्तियों का स्वभाव एवं माप । परीक्षण विन्यास-टर्काई विश्लेषण । परीक्षण मान और मानक-मापों की विश्वसनीयता और वैधता-कारक विश्लेषण-सिद्धान्त ।

मनोविज्ञान के मत और संहतियां--मनोविज्ञान के परंपरावादी मत और मुख्य समकालीन संहतियां, फ्रायडवादी, नव-फ्रायडवादी नव-आचरणवादी, पूर्णाकार (गेस्टाल्ट) और प्रयोग-क्षेत्रीय सिद्धान्त ।

13. (क) भारत की संविधान विधि

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि--भारत के संविधान का विकास जिसमें 1861 के इंडियन काउंसिल ऐक्ट से 1950 तक के भारतीय संविधान में प्रतिनिधि तथा उत्तरदायी सरकार के विकास का विशेष रूप से प्रश्न होंगे । सामान्य तत्व: कल्याणकारी राज्य का आदर्श, भारतीय संविधान का प्राक्चन तथा राज्य की नीति के मार्ग दर्शन सिद्धान्त, केन्द्रवर्ती तथा संघात्मक शासन पद्धतियों की मान्यताएं मंत्रिमंडलीय पद्धति, विधिनियम की यथावत पद्धति, न्यायिक पुनरेक्षण, संवैधानिक प्रथाएं, भारतीय संविधान के प्रमुख तत्वों का संयुक्तगण राज्य संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा तथा आस्ट्रेलिया के संविधानों से तुलना । अधिकारों का विभाजन, अधिकारों के पार्यक्य का सिद्धान्त ।

विधानांग--

विधायी अधिकार, विधानांग को विशेषाधिकार, विधायी अधिकारों का प्रत्यायोजन ।

(ख) विधिशास्त्र

विधिशास्त्र--परिभाषा तथा क्षेत्र, विधिशास्त्र के विभिन्न मतवाद । विधिनियम, विधिनियम तथा आदर्श, विधि नियमों का विकास, प्राकृतिक नियम राज्य के विधिनियम; विधिनियम की अनुलंघनीयता का सिद्धान्त; विधिनियम की समाजकतावादी सिद्धांत; विधिनियम के प्रकार; सिविल विधिनियम; दण्डविधिनियम; स्थायी तथा प्रक्रिया संबंधी विधिनियम व्यक्तिगत विधिनियम तथा सामाजिक विधिनियम, अंतर्राष्ट्रीय विधिनियम; विधिनियम तथा न्याय; विधिनियम तथा समानता; विधिनियम के अनुसार न्याय; न्याय-प्रशासन प्रभु के बारे में मान्यताएं तथा सिद्धांत ।

प्रथा, न्यायिक पूर्व निर्णय, विधान संहिताकरण विधि के तत्व न्यायिक मान्यताओं का विश्लेषण तथा वर्गीकरण; व्यक्तित्व; अधिकार कर्तव्य, स्वतन्त्रता, शक्ति, उन्मुक्ति; अयोग्यता, स्तर, कब्जा, स्वामित्व; पट्टा, न्यास, सुविधाधिकार सुरक्षा हानि, उत्तरदायित्व, दायित्व; अधिनियम, नीयत, उद्देश्य, लापरवाही; स्वत्व, विरमोगाधिकार, उत्तराधिकार तथा वसीयतें । विधिनियम संबंधी मान्यताओं का विकास: संविदा का विकास, जित्त, अपराध, सम्पत्ति तथा वसीयत, न्यायिक विचारधारा में वर्तमान विचार-धारा ।

14. (क) अरबी साहित्य में प्रतिबिम्बित मध्ययुगीन सभ्यता (570 ई० 1650 ई०)

इस प्रश्नपत्र में उम्मीदवारों के भूगोल, इतिहास और सामाजिक राजनीतिक तथा धार्मिक क्रम-विकास और प्रगति विषयक ज्ञान की जांच की जाएगी।

(ख) फारसी साहित्य में प्रतिबिम्बित मध्ययुगीन सभ्यता
(570 ई० 1650 ई०)

इस प्रश्नपत्र में उम्मीदवारों के भूगोल, इतिहास और सामाजिक, राजनीतिक और धार्मिक क्रम-विकास और प्रगति विषयक ज्ञान की जांच की जायेगी।

(ग) प्राचीन भारतीय सभ्यता और दर्शन शास्त्र

2000 ई० प्र० से 1200 ई० तक भारतीय सभ्यता, दर्शन और विचार धारा का इतिहास।

टिप्पण :—इस प्रश्नपत्र में उम्मीदवारों के भूगोल, इतिहास और सामाजिक राजनीतिक तथा धार्मिक क्रम-विकास और प्रगति विषयक ज्ञान की परीक्षा की जायेगी। ऐसे प्रश्न भी पूछे जा सकते हैं जिन में पुरातत्व संबंधी खोजों की जानकारी अपेक्षित हो।

15. मानव विज्ञान

(क) भौतिक मानव विज्ञान :—इसकी परिभाषा और क्षेत्र। भौतिक मानव-विज्ञान का अन्य विज्ञानों से संबंध। मानवजाति का क्रम विकास, वानरगणों में मानव का स्थान—उसका पैरेन्थैकस से लगाकर आस्ट्रा लाइथैकस तक प्रीह्यमैन तथा प्रोटोलूमेन जातियों से संबंध-पैलेआन्ध्रामिक मानव-पिथहेन्थ्रोपस। सिनेन्थ्रोपस तथा नीएंडर्थल। नीन्थ्रोपिक। मानव—क्रोमैगनन, ग्रिमाल्डी तथा चान्सेलेड-होमसेपिअन्स।

मानव में जातिगत अन्तर तथा जातीय वर्गीकरण-शरीर रचना सम्बन्धी, रक्त वर्गीय तथा वानुवंशिक। जातियों के निर्माण में आनुवंशिकता तथा परिवेश का प्रभाव। मानव की उत्पत्ति के सिद्धान्त—मैडेसियन नियम जैसे कि वे मानव पर लागू होते हैं।

मानव का शरीर विज्ञान :—आहार-पोषण, अन्तः प्रजनन तथा वर्ण-संकरिकरण के प्रभाव पाषाण काल से सिंधुघाटी सभ्यता तथा मध्य और दक्षिण भारत की महापाषाण संस्कृतियों तक भारत में मानव के प्रसार का इतिहास। जातीय वर्ग अश्व और भारत में उनका वितरण।

(ख) सामाजिक (सांस्कृतिक) मानव विज्ञान :—क्षेत्र तथा कार्य। समाज शास्त्र, सामाजिक मनोविज्ञान तथा पुरातत्वशास्त्र से संबंध। सांस्कृतिक, मानव-विज्ञान के विभिन्न मत—विकासवादी, ऐतिहासिक, कार्यात्मक और सांस्कृतिक। मानव समाज का गठन तथा विकास।

आर्थिक संगठन :—प्रारम्भिक शिकार तथा खाद्य-संग्रह की अवस्था, पशु-पालन, कृषि, परवर्ती कृषि, सघन कृषि, औजारों का प्रयोग।

राजनैतिक संगठन :—दल, जनजातियाँ तथा दुहरा संगठन, जनजाति-परिषदें, मुखियों के कार्य।

सामाजिक संगठन :—विवाह तथा पारिवारिक रचना के प्रकार, मातृसत्ताक, पितृसत्ताक, बहुपतित्व, पतित्व, बहिजातीय विवाह तथा सम्रोवविवाह, स्त्रियों की स्थिति, दायित्व तथा तलाक।

आद्य धर्म :—टोटमवाद, निषेध, गर्भाधान के अधिकार, नर-हत्या तथा नर-बलि।

कला, संगीत, लोक नृत्य तथा खेलकूद। दलगत संबंध, विवाह निर्णय, न्याय तथा दण्ड-संबन्धी मान्यताएं।

बौद्धिक विकास का स्तर, विशेष रुचियाँ और योग्यताएं, आदि मानव के आचरण और प्रान्तपालों के केन्द्रीयतावाद की पृष्ठ-भूमि में भावात्मक आवश्यकताएं।

व्यक्तित्व का निर्माण तथा व्यक्तित्व और आदिम समाज में उसके योगदान का विकास।

आदिम जातियों का संस्कार तथा सम्पर्क का उन पर प्रभाव वस्तियों का उजड़ना और उसके कारण। आर्थिक तथा मनोवैज्ञानिक कृष्णन। अमरीका, अफ्रीका तथा ओशियाना में आदिम जनजातियों का ह्रास। भारतीय जनजातियों में जनसंख्या का ह्रास तथा उसको रोकने के उपाय।

(ग) जातित्व के आधार पर भारतीय जनजातियों में से किसी एक का गहन अध्ययन

1. भारत की उत्तर-पूर्वी सीमान्त वासी आदिम जनजातियाँ।
2. नागा पहाड़ियों—तैवान सांग क्षेत्र की जनजातियाँ।
3. आसाम की स्वायत्ता प्राप्त जनजातियाँ—खासिया, गारो, मिकिर तथा लुशाई।
4. छोटा नागपुर तथा मध्य भारत की आष्टिक जनजातियाँ।
5. दक्षिण भारत की, नीलगिरि पर्वत निवासी जनजातियों सहित, जनजातियाँ।
6. अन्दमान तथा निकोबार द्वीप समूह की जनजातियाँ।

टिप्पणी :—उम्मीदवारों को भाग (ग) तथा (क) अथवा (ख) में से पूछे गये प्रश्नों का उत्तर देना होगा।

16. उच्च समाजशास्त्र

समाज शास्त्रीय गवेषणा का स्वरूप, समाजशास्त्र और विज्ञान; समाज और व्यक्ति; मानवसमूह—उनकी प्रकृति, प्रकार, रचना और कार्य; परिवार और सगोत्रता; संस्कृति और सांस्कृतिक लक्षण; संस्कृति और व्यक्तित्व; समाज में संस्कृति की भूमिका; समाजीकरण और सामाजिक विचलन; समाजव्यवस्था; सामाजिक स्तरीकरण—जाति और वर्ग; संस्थाएं और समितियाँ; सामाजिक प्रक्रियाएं; सामाजिक नियंत्रण—लोकमत, धर्म, धर्म और नैतिकता, कानून और शिक्षा; सामाजिक परिवर्तन; सामाजिक विकास; संस्कृति-करण; सामाजिक एकीकरण।

भौंड, लोकमत, प्रचार, संपर्क और नेतृत्व।

भारतीय सामाजिक पद्धतियों की सामाजिक सकल्पनाएं; भारतीय सामाजिक चिंतन का विकास (मनु, बुद्ध और गांधी के विशेष संदर्भ सहित)।

सामाजिक सिद्धांतों की नवीनतम प्रवृत्तियाँ; रचनामूलक-कार्यमूलक उपागम; ऐतिहासिक उपागम, तुलनात्मक उपागम ।

प्रयुक्त समाजशास्त्र—समाजशास्त्र, सामाजिक नीति और सामाजिक आयोजन; सामाजिक जनानिकी विकासशील समाजों में आर्थिक विकास के सामाजिक पक्ष; सामुदायिक विकास ।

सामाजिक अनुसंधान का रीतिविधान; सामाजिक अनुसंधान तथा समाज कल्याण ।

उम्मीदवारों से अपेक्षा की जाएगी कि वे तथ्यों द्वारा सिद्धांतों का निरूपण करें तथा सिद्धांतों की सहायता से समस्याओं का विश्लेषण करें । उनसे भारतीय समस्याओं की विशेष जानकारी अपेक्षित होगी ।

खण्ड (घ)

[परिशिष्ट 2 की धारा 1 की उप-धारा (ख) के अनुसार]

व्यक्तित्व परीक्षा—एक बोर्ड उम्मीदवार का इंटरव्यू लेगा । इस बोर्ड के सामने उम्मीदवार के करियर का वृत्त होगा । उससे सामान्य रुचि की बातों पर प्रश्न पूछे जायेंगे । यह इंटरव्यू इस उद्देश्य से होगा कि सक्षम और निष्पक्ष प्रेक्षकों का बोर्ड यह जान सके कि जिस सेवा या सेवाओं के लिए उम्मीदवारों ने आवेदन-पत्र दिया है, उसके/उनके लिए वह व्यक्तित्व की दृष्टि से उपयुक्त है या नहीं । यह परीक्षा उम्मीदवार की मानसिक क्षमता को जांचने के अभि-प्राय से की जाती है । मोटे तौर पर इस परीक्षा का प्रयोजन वास्तव में न केवल उसके बौद्धिक गुणों का, अपितु उसके सामाजिक लक्षणों और सामाजिक घटनाओं में उसकी रुचि का भी मूल्यांकन करना है । इसमें उम्मीदवार की मानसिक सतर्कता, आलोचनात्मक ग्रहण-शक्ति, स्पष्ट और तर्कसंगत प्रतिपादन करने की शक्ति, सन्तुलित निर्णय की शक्ति, रुचि की विविधता और गहराई, नेतृत्व और सामाजिक संगठन की योग्यता, बौद्धिक और नैतिक ईमानदारी आदि की भी जांच की जाती है ।

2. इंटरव्यू में पूरी तरह से प्रति परीक्षा (Cross Examination) की प्रणाली नहीं अपनाई जाती । उसमें स्वाभाविक वार्तालाप के माध्यम से उम्मीदवार के मानसिक गुणों का उद्घाटन करने का प्रयत्न किया जाता है, परन्तु यह वार्तालाप एक विशेष दिशा में और एक विशेष प्रयोजन से किया जाता है ।

3. व्यक्तित्व परीक्षा उम्मीदवारों के विशेष या सामान्य ज्ञान की जांच करने के प्रयोजन से नहीं की जाती, क्योंकि इसकी जांच तो लिखित प्रश्न पत्रों में पहले ही हो जाती है । उम्मीदवारों से आशा की जाती है कि वे केवल अपने विद्याध्ययन के विशेष विषयों में ही समझ-बूझ के साथ रुचि न लें, परन्तु वे उन घटनाओं में भी, जो उनके चारों ओर अपने राज्य या देश के भीतर और बाहर घट रही हैं, तथा आधुनिक विचारधाराओं में और उन नई खोजों में भी रुचि से जो कि एक सुशिक्षित युवक में जिज्ञासा उत्पन्न करती है ।

परिशिष्ट 3

इस परीक्षा के द्वारा जिन सेवाओं में भर्ती की जा रही है उसका संक्षिप्त व्योरा—

1. भारतीय प्रशासनिक सेवा—(क) नियुक्तियाँ परख पर की जाएंगी जिसकी अवधि दो वर्ष की होगी और उसे बढ़ाया भी जा सकेगा । सफल उम्मीदवार को परख की अवधि में, भारत

सरकार के निर्णय के अनुसार निश्चित स्थान पर और निश्चित रीति से कार्य करना होगा और निश्चित परीक्षाएं पास करनी होंगी ।

(ख) यदि सरकार की राय में, किसी परखाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण संतोषजनक न हो या उसे देखते हुए उसके कार्य-कुशल होने की संभावना न हो, तो सरकार उसे तत्काल सेवामुक्त कर सकती है ।

(ग) परख-अवधि के समाप्त होने पर, सरकार अधिकारी को उसकी नियुक्ति पर पक्का कर सकती है या यदि सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण संतोषजनक न रहा हो तो सरकार उसे या तो सेवामुक्त कर सकती है या उसकी परख-अवधि को, जितना उचित समझ, बढ़ा सकती है ।

(घ) यदि सरकार ने सेवा में नियुक्ति करने की अपनी शक्ति किसी अधिकारी को सौंप रखी हो तो वह अधिकारी, ऊपर खण्ड (ख) और (ग) के अन्तर्गत, सरकार की किसी भी शक्ति का प्रयोग कर सकता है ।

(ङ) भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी से केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार के अन्तर्गत, भारत में या विदेश में किसी भी स्थान पर सेवाएं ली जा सकती हैं ।

(च) वेतनभाल—

जूनियर—रु० 400-400-500-40-700-कु० रो०-30-1000 (18 वर्ष) ।

सीनियर —

(i) समय-मान—रु० 900 (छठ या पहले)-50-1000-60-1600-50-1800 (22 वर्ष) ।

(ii) सलेक्शन ग्रेड—1800-100-2000 ।

इनके अतिरिक्त अधिसमय-मान पद भी होते हैं जिनका वेतन रु० 2150 से रु० 3500 तक होता है और जिन पर भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों की पदोन्नति हो सकती है ।

महंगाई भत्ता समय-समय पर जारी किये गये आदेशों के अनुसार मिलेगा ।

परखाधीन अधिकारियों की सेवा जूनियर समय में प्रारम्भ होगी और उन्हें परख पर बतलाई गई अवधि को समय-मान में वेतन-वृद्धि छुट्टी या पेंशन के लिए गिनने की अनुमति होगी ।

(छ) भविष्य निधि—भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी, अखिल भारतीय सेवा (भविष्य निधि) नियमावली, 1955 से शासित होते हैं ।

(ज) छुट्टी—भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी अखिल भारतीय सेवा (छुट्टी) नियमावली, 1955 से शासित होते हैं ।

(झ) डाक्टररी परिचर्या—भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों को अखिल भारतीय सेवा (डाक्टररी परिचर्या) नियमावली, 1954 के अन्तर्गत अनुमत्य डाक्टररी परिचर्या की सुविधाएं पाने का हक है ।

(अ) सेवा निवृत्त लाभ—प्रतियोगिता परीक्षा के आधार पर नियुक्त किए गए भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी, अखिल भारतीय सेवा (मृत्यु-व-सेवा-निवृत्ति लाभ) नियमावली, 1958 द्वारा शासित होते हैं।

2. भारतीय विदेश सेवा—(क) नियुक्ति परख पर की जाएगी जिसकी अवधि आम तौर पर 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी। सफल उम्मीदवारों को भारत में लगभग 21 मास तक प्रशिक्षण लेना होगा। इसके बाद उन्हें तृतीय सचिव या उप-कौंसुल बनाकर उन भारतीय मिशनों में भेज दिया जाएगा जिनकी भाषाएं उनके लिए अनिवार्य भाषाओं के रूप में नियत की गई हों। प्रशिक्षण की अवधि में परखाधीन अधिकारियों को एक या अधिक विभागीय परीक्षाएं पास करनी होंगी, इसके बाद ही वे सेवा में पकड़े हो सकेंगे।

(ख) सरकार के लिए संतोषजनक रूप से परख-अवधि के समाप्त होने और निर्धारित परीक्षाएं पास करने पर ही परखाधीन अधिकारी को उसकी नियुक्ति पर पक्का किया जाएगा। परन्तु यदि सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण संतोषजनक न रहा हो तो सरकार उसे सेवा-मुक्त कर सकती है या परख अवधि को, जितना उचित समझे, बढ़ा सकती है या यदि उसका कोई मूल पद (सबस्टेंटिव पोस्ट) हो तो उस पर वापस भेज सकती है।

(ग) यदि सरकार की राय में, किसी परखाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण संतोषजनक न हो या उसे देखते हुए उसके विदेश सेवा के लिए उपयुक्त होने की संभावना न हो तो सरकार उसे तत्काल सेवा मुक्त कर सकती है या यदि उसका कोई मूल पद हो तो उसे उस पर वापस भेज सकती है।

(घ) वेतन-मान—

जूनियर—रु० 400-400-500-40-700-कु० रो०-30-1000।

सीनियर—रु० 900-(छठ वर्ष या पहले)-50-1000-60-1600-50-1800।

इनके अतिरिक्त अधिसमय-मान पद भी होते हैं जिनका वेतन रु० 1800 से रु० 3500 तक होता है और जिन पर भारतीय विदेश सेवा के अधिकारियों की पदोन्नति हो सकती है।

(ङ) परख अवधि में परखाधीन अधिकारी को इस प्रकार वेतन मिलेगा :—

पहले वर्ष—रु० 400 प्रति मास।

दूसरे वर्ष—रु० 400 प्रतिमास।

तीसरे वर्ष—रु० 500 प्रति मास।

टिप्पणी 1—परखाधीन अधिकारी को परख पर बिताई गई अवधि, समय-मान, में वेतन वृद्धि, छुट्टी या पेंशन के लिए गिनने की अनुमति होगी।

टिप्पणी 2—परखाधीन अधिकारी की परख-अवधि में वार्षिक वेतन वृद्धि तभी मिलेगी जब कि वह निर्धारित परीक्षाएं (यदि कोई हों) पास कर लेगा और सरकार को संतोषप्रद प्रगति करके दिखाएगा। विभागीय परीक्षाएं पास करके अग्रिम वेतन-वृद्धियां भी अर्जित की जा सकती हैं।

टिप्पणी 3—परिवीक्षाधीन के तौर पर नियुक्ति से पूर्व सावधि पद के अतिरिक्त मूल रूप से स्थायी पद पर रहने वाले सरकारी कर्मचारी का वेतन एफ० आर० 22-बी(1) के अधीन दिया जाएगा।

(च) भारतीय विदेश सेवा के अधिकारी से भारत में या भारत के बाहर किसी भी स्थान पर सेवाएं ली जा सकती हैं।

(छ) विदेश में सेवा करते समय, भारतीय विदेश सेवा के अधिकारियों को उनकी हैसियत (Status) के अनुसार विदेश-भत्ते मिलेंगे जिससे कि वे नौकर-चाकरों और जीवन-निर्वाह के खर्च को पूरा कर सकें और अतिथ्य (इन्टरटैनमेंट) सम्बन्धी अपनी विशेष जिम्मेदारियों को भी निभा सकें। इसके अतिरिक्त, विदेश में सेवा करते समय, भारतीय विदेश सेवा के अधिकारियों को निम्नलिखित रियायतें भी मिलेंगी :—

(i) हैसियत के अनुसार मुफ्त सुसज्जित मकान।

(ii) सहायता प्राप्त डाक्टरी परिचर्या योजना (Assisted Medical Attendance Scheme) के अन्तर्गत डाक्टरी परिचर्या की सुविधाएं।

(iii) भारत आने के लिए वापसी हवाई यात्रा का किराया, जो अधिक से अधिक दो बार और विशेष आपाती स्थितियों (emergencies) में ही दिया जाएगा, जैसे—भारत में स्थित किसी निकटतम सम्बन्धी की मृत्यु या सख्त बीमारी अथवा पुत्री का विवाह।

(iv) भारत में पढ़ने वाले 8 से 18 वर्ष तक की आयु वाले बच्चों के लिए वर्ष में एक बार वापसी हवाई यात्रा का किराया, ताकि वे लम्बी छुट्टियों में माता-पिता से मिल सकें। परन्तु इस रियायत पर कुछ शर्तें लागू होंगी।

(v) 5 से 18 वर्ष तक की आयु वाले अधिक से अधिक दो बच्चों के लिए समय-समय पर सरकार द्वारा निर्धारित दरों पर, शिक्षा भत्ता।

(vi) विदेश में प्रशिक्षण के लिए जाते समय और सेवा में पक्का होने पर सज्जा-भत्ता (Out fit Allowance) अधिकारी के सेवा काल को विभिन्न अवस्थाओं में भी निर्धारित नियमों के अनुसार दिया जाता है। साधारण सज्जा भत्ते के अतिरिक्त, विशेष सज्जा-भत्ता भी उन अधिकारियों को दिया जा सकता है जिन्हें असाधारण रूप से कठोर जलवायु वाले देशों में तैनात किया जाए।

(vii) विदेश में कम से कम दो वर्ष सेवा करने के बाद, अधिकारियों, उनके परिवारों और नौकरों के लिए छुट्टी पर घर आने का किराया।

(ज) समय-समय पर संशोधित पुनरीक्षित छुट्टी नियमावली, 1933 कुछ तरसीमों के साथ, इस सेवा के सदस्यों पर लागू होगी। विदेश में की गई सेवा के लिए भारतीय विदेश सेवा के

अधिकारियों को, भारतीय विदेश सेवा (PLCA) नियमावली, 1961 के अन्तर्गत अतिरिक्त छुट्टियां मिलेंगी, जो पुनरीक्षित छुट्टी नियमावली के अन्तर्गत मिलने वाले छुट्टी के 50 प्रतिशत तक होंगी।

(झ) **भविष्य निधि**—भारतीय विदेश सेवा के अधिकारी, सामान्य भविष्य निधि। (केन्द्रीय सेवाएं) नियमावली, 1960 द्वारा शासित होते हैं।

(ञ) **सेवानिवृत्ति लाभ**—प्रतियोगिता परीक्षा के आधार पर नियुक्त किए गए भारतीय विदेश सेवा के अधिकारी उदासीकृत (Liberalised) पेंशन नियमावली, 1950 द्वारा शासित होते हैं।

(ट) भारत में रहते समय, अधिकारियों को वे ही रियायतें मिलेंगी जो उनके समकक्ष या समान हैसियत (Status) वाले सरकारी कर्मचारियों को मिल सकती हैं।

3. **भारतीय पुलिस सेवा**—(क) नियुक्ति परख पर की जाएगी जिसकी अवधि दो वर्ष की होगी और उसे बढ़ाया भी जा सकेगा। सफल उम्मीदवारों को परख की अवधि में भारत सरकार के निर्णय के अनुसार निश्चित स्थान पर और निश्चित रीति से कार्य करना होगा और निश्चित परीक्षाएं पास करनी होंगी।

(ख) }
(ग) } जैसा कि भारतीय प्रशासनिक सेवा के खण्ड (ख)
(घ) } (ग) और (घ) में दिया गया है।

(ङ) भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी से केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार के अन्तर्गत, भारत में या विदेश में किसी भी स्थान पर सेवाएं ली जा सकती हैं।

(च) **वेतन मान** :—

जूनियर—रु० 400-400-450-30-600-35-670-
रु० 700-35-950 (18 वर्ष)।

सीनियर—740 (छठे वर्ष या पहले)—40-1100-
50-2-1250-50-1300 (22 वर्ष)।

सलेक्शन ग्रेड—रु० 1400

पुलिस उप महा निरीक्षक—रु० 1600-100-2000।

पुलिस कमिश्नर, कलकत्ता और बम्बई—रु० 1800-100-
2000।

पुलिस महा निरीक्षक—रु० 2500-125/2-2750।

निदेशक, खुफिया ब्यूरो—रु० 3000।

महंगाई भत्ता समय-समय पर जारी किये गये आदेशों के अनुसार मिलेगा।

(छ) }
(ज) } जैसा कि भारतीय प्रशासनिक सेवा के खण्ड
(झ) } (छ), (ज) (झ) और (ञ) में दिया गया है।
(ञ) }

4. **दिल्ली, और अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह पुलिस सेवा, श्रेणी 2**

(क) नियुक्तियां दो वर्ष के लिए परीक्षाधीन रहेंगी जो सक्षम प्राधिकारी के निर्णय के अनुसार बढ़ाई भी जा सकती हैं। परख पर नियुक्त उम्मीदवार को केन्द्रीय सरकार द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण लेना होगा और विभागीय परीक्षाएं देनी होंगी।

(ख) यदि सरकार की राय में, किसी परखाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण संतोषजनक न हो या उसे देखते हुए उसके कार्यकुशल होने की सम्भावना न हो, तो सरकार उसे तत्काल सेवा मुक्त कर सकती है।

(ग) जब वह घोषित कर दिया जायगा कि अमूक अधिकारी ने संतोषजनक रूप से अपनी परख-अवधि समाप्त कर ली है तो उसे सेवा में पक्का कर दिया जाएगा। यदि सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण संतोषजनक न रहा हो तो सरकार उसे या तो सेवा-मुक्त कर सकती है या उसकी परख-अवधि को, जितना उचित समझे, बढ़ा सकती है।

(घ) दिल्ली, अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह पुलिस सेवा के अधिकारी को दिल्ली-प्रशासन, हिमाचल प्रदेश या अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह की सरकार के अन्तर्गत सेवा करनी होगी। उससे भारत सरकार के किसी पुलिस-खुफिया विभाग में सेवा भी ली जा सकती है।

(ङ) **वेतन-मान** :—

ग्रेड I (सलेक्शन ग्रेड) 1000 रु० स्थिर।

ग्रेड II—समय मान —350-25-500-30-
590-द० अ०-30-800 रु०।

किसी प्रतियोगिता परीक्षा के परिणामों के आधार पर भर्ती किये जाने वाले व्यक्ति को सेवा में नियुक्ति पर समय वेतन मान का न्यूनतम वेतन प्राप्त होगा, बशर्ते यदि वह सेवा में नियुक्ति से पहले मूल रूप से सावधिक पद के अतिरिक्त स्थायी पद पर कार्य करता था, सेवा में परीक्षा का अवधि में उसका वेतन मूल-नियम 22-ख(1) के परन्तुक के अधीन विनियमित किया जायेगा। सेवा में नियुक्त किए गए अन्य व्यक्तियों के लिए वेतन और वेतन वृद्धियों मूल नियमों के अनुसार विनियमित होंगी।

(च) सेवा के अधिकारियों को परिशोधित केन्द्रीय वेतन-मान प्राप्त करने वाले कर्मचारियों पर लागू केन्द्रीय सरकार की दरों पर महंगाई भत्ता प्राप्त करने का हक होगा।

(छ) महंगाई भत्ता और महंगाई वेतन के अतिरिक्त, इस सेवा के अधिकारियों को, प्रतिकर (नगर) भत्ता, मकान किराया भत्ता और पहाड़ी स्थानों तथा सुदूर स्थानों में रहने-सहने के बड़े खर्च को पूरा करने के लिए अन्य भत्ते दिये जायेंगे, यदि उन्हें ड्यूटी पर या प्रशिक्षण के लिए ऐसे स्थानों पर भेजा जायेगा और उन स्थानों के लिये ये भत्ते अनुमत होंगे।

(ज) इस सेवा के अधिकारी दिल्ली, अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह पुलिस सेवा नियमावली, 1971 और इस नियमावली को लागू करने के प्रयोजन से केन्द्रीय सरकार द्वारा दी जाने वाली हिदायतें अथवा बनाये जाने वाले अन्य विनियम लागू होंगे। जो मामले विशिष्ट रूप से उक्त नियमों या विनियमों अथवा उनके अन्तर्गत दिये गये आदेशों या विशेष आदेशों के अन्तर्गत नहीं आते, उनमें ये अधिकारी उन नियमों, विनियमों और आदेशों द्वारा शासित होंगे जो संघ के कार्यों से सम्बन्धित सेवा करने वाले तदनु रूप (Corresponding) अधिकारियों पर लागू होते हैं।

5. त्रिपुरा पुलिस सेवा, ब्लास II

- (क) नियुक्तियों दो वर्ष की परिवीक्षा अवधि के आधार पर की जायेगी तथा परिवीक्षा की अवधि सक्षम प्राधिकारी चाहे तो बढ़ा भी सकेगी। परिवीक्षा के आधार पर नियुक्त उम्मीदवारों को त्रिपुरा संघ राज्य क्षेत्र के प्रशासक द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा तथा विभागीय परीक्षाएं पास करनी होंगी।
- (ख) यदि प्रशासक की राय में किसी परिवीक्षाधीन अधिकारी का काम या आचरण संतोषजनक नहीं है अथवा उससे यह प्रकट होता है कि अधिकारी के सुयोग्य सिद्ध होने की सम्भावना नहीं है, तो प्रशासक उसे सेवा से तुरन्त अलग कर सकता है।
- (ग) जिस अधिकारी के लिये यह घोषित हो जाएगा कि उसने परिवीक्षा की अवधि संतोषजनक ढंग से पूर्ण कर ली है उसे सेवा में स्थायी कर दिया जायेगा। यदि प्रशासक की राय में उसका कार्य या आचरण संतोषजनक नहीं रहा है तो वह उसे सेवा से अलग कर सकता है, अथवा परिवीक्षा की अवधि, जितनी ठीक समझे, बढ़ा सकता है।
- (घ) इस सेवा के अधिकारी को त्रिपुरा संघ राज्य क्षेत्र में किसी भी स्थान पर कार्य करना होगा।
- (ङ) वेतन मान—रु० 300-30-510-द० रो०-30-750-द० रो०-30-900।

प्रतियोगता परीक्षा के आधार पर भर्ती किये गये व्यक्ति का वेतन इस सेवा के वेतनमान के न्यूनतम से प्रारंभ होगा।

इस सेवा के अधिकारी भारतीय पुलिस सेवा (पदोन्नति द्वारा नियुक्ति) विनियम, 1955 के अनुसार भारतीय पुलिस सेवा के सीनियर वेतनमान के पदों पर पदोन्नति के पात्र होंगे।

- (च) इस सेवा के अधिकारियों पर त्रिपुरा पुलिस सेवा नियमावली, 1967, तथा इन नियमों को कार्यन्वित करने के लिये बनाये गये अन्य विनियम या प्रशासक द्वारा जारी किये गये आदेश लागू होंगे।

6. भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा सेवा

7. भारतीय सीमा शुल्क कर केन्द्रीय उत्पादन शुल्क सेवा

8. भारतीय रक्षा लेखा सेवा

- (क) नियुक्ति परख पर की जायेगी जिसकी अवधि 2 वर्ष की होगी। परन्तु यह अवधि बढ़ाई भी जा सकती है यदि परखाधीन अधिकारी ने निर्धारित विभागीय परीक्षाएं पास करके, अपने को पक्का किये जाने (Confirmation) के योग्य सिद्ध न किया हो। यदि कोई अधिकारी तीन वर्ष की अवधि में विभागीय परीक्षाएं पास करने में लगातार असफल होता रहा तो उसकी नियुक्ति खत्म कर दी जायेगी।
- (ख) यदि यथास्थिति, सरकार या नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की राय में, परखाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण संतोषजनक हो या उसे देखते हुए उसके

कार्यकुशल होने की सम्भावना न हो तो सरकार उसे तत्काल सेवामुक्त कर सकती है।

- (ग) परख-अवधि के समाप्त होने पर, यथास्थिति, सरकार या नियंत्रक और महालेखा परीक्षक अधिकारी को उसकी नियुक्ति पर पक्का कर सकती है/सकता है या यदि यथास्थिति, सरकार या नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की राय में उसका कार्य या आचरण असंतोषजनक रहा हो तो उसे या तो सेवा मुक्त कर सकती/सकता है या उसकी परख-अवधि को, जितना उचित समझे, बढ़ा सकती/सकता है, परन्तु अस्थायी रूप से खाली जगहों पर की गई नियुक्तियों के संबंध में, पक्का करने का दावा नहीं किया जा सकेगा।
- (घ) लेखा परीक्षा के लेखा सेवा में अलग किये जाने की संभावना को ध्यान में रखते हुए, भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा सेवा में परिवर्तन हो सकते हैं और कोई उम्मीदवार जो इस सेवा के लिये चुना जाये इस परिवर्तन से होने वाले परिणाम के आधार पर कोई दावा नहीं करेगा और उस अलग किये गये केन्द्रीय और राज्य सरकार और नियंत्रक और महालेखा परीक्षक के अन्तर्गत सांविधिक लेखा परीक्षा कार्यालय में काम करना पड़ेगा और केन्द्रीय तथा राज्य सरकारों के अन्तर्गत अलग किये गये लेखा कार्यालयों के संवर्ग में अन्तिम रूप से रहना पड़ेगा।
- (ङ) भारतीय रक्षा लेखा सेवा के अधिकारियों से भारत में कहीं भी सेवा ली जा सकती है और उन्हें क्षेत्र-सेवा फोल्ड-सर्विस पर भारत में या भारत से बाहर भी भेजा जा सकता है।
- (च) वेतन-मान—

भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा सेवा—

भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा का समय-मान—

रु० 400-400-450-30-510-रु० रो०-700-40-1100-50-2-1250।

जूनियर प्रशासनिक ग्रेड—रु० 1300-60-1600।

महालेखापाल—रु० 1800-100-2000-125-2250।

अपर उप नियंत्रक और महालेखा परीक्षक का ग्रेड 2,500-125-2-2,750 रुपये।

नोट 1—परखाधीन अधिकारियों की सेवा, भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा सेवा के समय-मान में कम-से-कम वेतन से प्रारम्भ होगी और वेतन-वृद्धि के प्रयोजन से, उसकी सेवा कार्यग्रहण की तारीख से गिनी जायेगी।

नोट 2—परखाधीन अधिकारियों को 400 रु० से ऊपर का वेतन तब तक नहीं मिलेगा जब तक कि वे समय-समय पर विहित नियमों के अनुसार विभागीय परीक्षाएं पास नहीं कर लें।

नोट 3—परखाधीन अधिकारियों की सेवा, ग्रेड II के समयमान में कम-से-कम वेतन से प्रारम्भ होंगी। यदि कोई परखाधीन अधिकारी राष्ट्रीय प्रशासनिक एकादमी मसूरी की पाठ्यक्रमान्त परीक्षा पास नहीं करता तो उसकी रु० 450 तक ले जाने वाली वेतन-वृद्धि एक साल के लिये उसकी वेतन-वृद्धि की तारीख स्थगित कर दी जायेगी अथवा विभागीय नियमों के अनुसार उसकी दूसरी-वेतन-वृद्धि जब पड़ने वाली हो और इन दोनों में से जो पहले पड़े तब तक वेतन-वृद्धि स्थगित रहेगी।

नोट 4—जो सरकारी कर्मचारी परीवीक्षा के आधार पर नियुक्ति से पूर्व, मौलिक आधार पर सावधिक पद के अतिरिक्त किसी स्थायी पद पर नियुक्त था उसका वेतन मूल नियम 22-ख (1) की व्यवस्थाओं के अधीन विनियमित होगा।

भारतीय सीमा-शुल्क और केन्द्रीय-उत्पादन शुल्क सेवा

अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क रु. 400-400-450-30
क्लास I, सहायक क्लर्क, 510-द० रो०-700-

भारतीय उत्पादन शुल्क, सहायक 40-1100-50/2
क्लर्क, सीमाशुल्क। 1250।

डिप्टी क्लर्क, सीमाशुल्क, डिप्टी रु० 1300-60-1600।
क्लर्क, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क,
अतिरिक्त क्लर्क, अपिलेट
क्लर्क।

क्लर्क, सीमाशुल्क क्लर्क, रु० 1800-100-2000-
केन्द्रीय उत्पादन-शुल्क 125-2250।

(क) नियुक्तियां 2 वर्ष के लिए परीवीक्षा के आधार पर की जाएंगी, किन्तु यदि परीवीक्षाधीन अधिकारी निर्धारित विभागीय परीक्षाएं उत्तीर्ण कर के स्थायीकरण का हकदार नहीं हो जाता तो उक्त अवधि को बढ़ाया भी जा सकता है। तीन वर्ष की अवधि में विभागीय प्रतियोगिताओं को उत्तीर्ण न कर लेने पर नियुक्ति रद्द भी की जा सकती है।

(ख) यदि सरकार की राय में किसी परीवीक्षाधीन अधिकारी का कार्य अथवा आचरण संतोषजनक नहीं है अथवा उसके सक्षम अधिकारी बनने की संभावना नहीं है तो सरकार उसे तुरन्त सेवा मक्त कर सकती है।

(ग) परीवीक्षाधीन अधिकारी का परीवीक्षाकाल पूर्ण होने पर सरकार उसकी नियुक्ति को स्थायी कर सकती है अथवा यदि सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण संतोषजनक नहीं रहा है तो सरकार या तो उसे सेवा मुक्त कर सकती है अथवा उसके परीवीक्षाकाल में अपनी इच्छानुसार वृद्धि कर सकती है किन्तु अस्थायी रिक्तियों पर नियुक्ति किये जाने पर स्थायीकरण सम्बन्धी उसका कोई दावा नहीं स्वीकार किया जायेगा।

(घ) भारतीय सीमाशुल्क तथा उत्पादन शुल्क सेवा, क्लास I के अधिकारी क भारत के किसी भी भाग में सेवा करनी होंगी तथा भारत में ही 'फील्ड सर्विस' भी करनी होगी।

नोट 1—एक परीवीक्षाधीन अधिकारी को प्रारम्भ में रु० 400-400-450-30-510-द० रो०-700-40 1100-50/2-1250 के समय वेतन में न्यूनतम वेतन मिलेगा तथा वार्षिक वृद्धि के लिए अपन सेवा-काल को वह कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से मानेगा।

नोट 2—परीवीक्षाधीन अधिकारी को समय-वेतनमान में रु० 400 से अधिक वेतन तब तक नहीं दिया जायेगा जब तक कि वह समय-समय पर निर्धारित किये जाने वाले नियमों के अनुसार निर्धारित विभागीय परीक्षाएं उत्तीर्ण नहीं कर लेता/लेती।

नोट 3—जो सरकारी कर्मचारी परीवीक्षा के आधार पर भारतीय सीमाशुल्क तथा केन्द्रीय उत्पादन कर सेवा श्रेणी 1 में नियुक्ति से पूर्व, मौलिक आधार पर सावधिक पद के अतिरिक्त स्थायी पद पर नियुक्त था उसका वेतन मूल नियम 22-ख (1) की व्यवस्थाओं के अधीन विनियमित होगा।

नोट 4—परीवीक्षा की अवधि में अधिकारी को विभागीय प्रशिक्षण के लिये केन्द्रीय उत्पादन शुल्क विभाग सीमा शुल्क विभाग मादक पदार्थ (नारकोटिक्स) विभाग में तथा बुनियादी पाठ्यक्रम प्रशिक्षण (फाउंडेशन कोर्स ट्रेनिंग) के लिये राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी मसूरी में नियुक्त किया जायेगा। मसूरी में प्रशिक्षण समाप्त कर लेने पर उसे "पाठ्यक्रम संपूर्ति परीक्षा" उत्तीर्ण करनी होगी। उसे विभागीय परीक्षा के खण्ड I और खण्ड II में भी सफलता प्राप्त करनी होगी। पाठ्यक्रम संपूर्ति परीक्षा और विभागीय परीक्षा के किसी एक खण्ड में उत्तीर्ण हो जाने के बाद, उसका वेतन पहली अग्रिम वेतन-वृद्धि देकर, रु० 450 कर दिया जायेगा। विभागीय परीक्षा के दोनों खण्डों में उत्तीर्ण हो जाने पर उसका वेतन दूसरी अग्रिम वेतन-वृद्धि देकर रु० 480 कर दिया जायेगा। वेतन में रु० 480 से अधिक वृद्धि तब तक नहीं की जायेगी जब तक कि वह अपनी सेवा के चार वर्ष पूरे नहीं कर लेता अथवा अन्य आवश्यक समझी जानेवाली शर्तों को पूरा नहीं कर लेता।

यदि कोई परीवीक्षाधीन अधिकारी "पाठ्यक्रम संपूर्ति परीक्षा" उत्तीर्ण नहीं करता तो उसके प्रथम अग्रिम वेतन वृद्धि को, जिस तारीख से वह मिली होती उसके एक वर्ष के लिये अथवा विभागीय विनियमों के अधीन दूसरी अग्रिम वेतन-वृद्धि अर्जित होने की तारीख तक, दोनों में से जो भी पहले हो, रोक दिया जायेगा।

नोट 5—परीवीक्षाधीन अधिकारियों को यह अच्छी तरह समझ लेना चाहिये कि उनकी नियुक्ति भारतीय सीमाशुल्क तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क सेवा क्लास I

के गठन में समय-समय पर भारत सरकार द्वारा आवश्यक समझ कर किये जाने वाले प्रत्येक परिवर्तन के अधीन होगी और इस प्रकार के परिवर्तनों के फलस्वरूप उन्हें किसी प्रकार का मुआवजा नहीं दिया जायेगा।

भारतीय रक्षा लेखा सेवा

समय-मान—

र० 400-400-450-480-रु० र०-700-40
1100-1100-1150-1150-1200-1250।

जूनियर प्रशासनिक ग्रेड—

र० 1300-60-1600।
र० 1600-100-1800 (सिलेक्शन ग्रेड)।

सीनियर प्रशासनिक ग्रेड र० 2750 (नियत)

र० 1800-100-2000-125-2250।
रक्षा लेखा महानियंत्रक र० 2750 (नियत)

नोट 1—परखाधीन अधिकारियों की सेवा, समय-मान में कम-से-कम वेतन से प्रारम्भ होगी और वेतन-वृद्धि के प्रयोजन से, उनकी कार्यग्रहण की तारीख से गिनी जायेगी।

जो सरकारी कर्मचारी परिवीक्षा के आधार पर नियुक्ति से पूर्व, मौलिक आधार पर सावधिक पद के अतिरिक्त किसी स्थायी पद पर नियुक्त था उसका वेतन मूल नियम 22-ख(1) की व्यवस्थाओं के अधीन विनियमित होगा।

नोट 2—परखाधीन अधिकारियों को 400 रु० से ऊपर का वेतन तब तक नहीं मिलेगा, जब तक कि समय-समय पर लागू होने वाले नियमों के अनुसार विभागीय परीक्षा पास नहीं कर लेंगे; इसके अलावा यदि कोई भी अधिकारी जो राष्ट्रीय प्रशासनिक एकादमी, मसूरी की पाठ्यक्रमान्त परीक्षा नहीं पास करता उसकी पहली वेतन-वृद्धि जो उसे विभागीय परीक्षा का खण्ड पास कर लेने पर प्राप्त होती उसकी तिथि एक वर्ष के लिये स्थगित कर दी जायेगी अथवा खण्ड II पास कर लेने के बाद जो उसे दूसरी वेतन-वृद्धि मिलती और इन दोनों में से जो भी अवधि पहले पड़े तब तक स्थगित रहेगी।

9. भारतीय आयकर सेवा, श्रेणी I

(क) नियुक्ति परख पर की जायेगी जिसकी अवधि 2 वर्ष की होगी। परन्तु यह अवधि बढ़ाई भी जा सकती है, यदि परखाधीन अधिकारी, निर्धारित विभागीय परीक्षाएं पास करके अपने आपको पक्का किये जाने (Confirmation) के योग्य सिद्ध न कर सके। यदि कोई अधिकारी तीन वर्ष की अवधि में विभागीय परीक्षाएं पास करने में लगातार असफल होता रहा तो उसकी नियुक्ति खत्म कर दी जायेगी।

(ख) यदि सरकार की राय में, परखाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण असंतोषजनक हो या उसे देखते हुए उसके कार्य कुशल होने की संभावना न हो तो सरकार उसे तत्काल सेवा मुक्त कर सकती है।

(ग) परख-अवधि के समाप्त होने पर, सरकार अधिकारी को उसकी नियुक्ति पर पक्का कर सकती है, या यदि सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण असंतोष-जनक रहा हो तो उसे या तो सेवा मुक्त कर सकती है या उसकी परख-अवधि को, जितना उचित समझे, बढ़ा सकती है; परन्तु अस्थायी रूप से खाली जगहों पर की गई नियुक्तियों के सम्बन्ध में, पक्का करने का दावा नहीं किया जा सकेगा।

(घ) यदि सरकार ने सेवा में नियुक्तियां करने की अपनी शक्ति किसी अधिकारी को सौंप रखी है तो वह अधिकारी ऊपर के खण्डों में उल्लिखित सरकार की कई भी शक्ति का प्रयोग कर सकता है।

(ङ) बतनमान :—

आयकर अधिकारी, श्रेणी-I

र० 400-400-450-30-510-रु० र०-700-40-1100-50/2-1250।

आयकर सहायक आयुक्त—र० 1300-60-1600।

आय कर के अपर आयुक्त।

र० 1600-100-1800।

आयकर आयुक्त—र० 1800-100-2000—125-2250।

परखाधीन अवधि में अधिकारी को राष्ट्रीय प्रशासनिक एकादमी मसूरी तथा आयकर प्रशिक्षण कालेज नागपुर में प्रशिक्षण प्राप्त करता होगा। मसूरी में प्रशिक्षण समाप्त होने पर उसे पाठ्य-क्रमान्त परीक्षा पास करनी होगी। इसके अतिरिक्त परखाधीन अवधि में विभागीय परीक्षा खण्ड I और खण्ड II भी पास करने होंगे। पाठ्य-क्रमान्त परीक्षा तथा विभागीय परीक्षा खण्ड I पास कर लेने पर वेतन बढ़ाकर 450 रु० कर दिया जायेगा। विभागीय परीक्षा खण्ड II पास कर लेने पर वेतन बढ़ाकर रु० 480 कर दिया जायेगा। रु० 480 के स्तर के ऊपर वेतन तब तक नहीं दिया जायेगा। जब तक कि उस अधिकारी की सेवा 4 वर्ष पूरी न हो चुकी हो या दूसरी ऐसी शर्तों के अधीन होगा जो आवश्यक समझा जाये।

यदि वह एकादमी की पाठ्य-क्रमान्त परीक्षा पास नहीं कर लेता तो एक वर्ष के लिये उसकी वेतन वृद्धि स्थगित कर दी जायेगी अथवा उस तारीख तक जब कि विभागीय नियमों के अन्तर्गत उसे दूसरी वेतन वृद्धि मिलने वाली हो और इन दोनों में से जो भी अवधि पहले पड़े तब तक स्थगित रहेगी।

नोट 1—परखाधीन अधिकारी को 400 रु० से ऊपर का वेतन तब तक नहीं मिलेगा जब तक वह समय-समय पर विहित नियमों के अनुसार विभागीय परीक्षाएं पास नहीं कर लेगा।

नोट 2—परखाधीन अधिकारियों को भलीभांति समझ लेना चाहिये कि उनकी नियुक्ति भारत सरकार द्वारा आयुध-कार सेवा श्रेणी-I के गठन में किये जाने वाले किसी भी ऐसे परिवर्तन से प्रभावित हो सकेगी जो कि समय-समय पर उचित समझे जाने के बाद भारत सरकार द्वारा किया जायेगा और वे उस प्रकार के परिवर्तनों के फल-स्वरूप प्रतिकार का दावा नहीं कर सकेंगे।

**10. भारतीय आयुध कारखाना सेवा, श्रेणी I
(अतकनीकीसर्वग)**

(क) चुने गए उम्मीदवारों को सहायक प्रबन्धकों (परिवीक्षा पर) के रूप में नियुक्त किया जायेगा। परिवीक्षा की अवधि दो वर्ष की होगी। इस अवधि को आयुध कारखानों के महानिदेशक की सिफारिश से सरकार द्वारा घटाया या बढ़ाया जा सकता है। सहायक प्रबन्धक (परिवीक्षा पर) सरकार द्वारा दिया जाने वाला प्रशिक्षण प्राप्त करेगा और उसे सरकार द्वारा निर्धारित विभागीय तथा भाषा परीक्षाएं उत्तीर्ण करनी होंगी। भाषा परीक्षाओं में एक परीक्षा हिन्दी की होगी।

अधिकारी की परिवीक्षा की अवधि के समाप्त होने पर सरकार उसकी उसकी नियुक्ति पर स्थायी करेगी, परन्तु यदि परिवीक्षा की अवधि में अथवा अन्त में उसका काम या आचरण, सरकार की राय में, असंतोषजनक रहा है तो सरकार या तो उसको कार्य-मुक्त कर सकती है या उसकी परिवीक्षा की अवधि उतने समय के लिए और बढ़ा सकती है जितना वह उचित समझे, परन्तु शर्त यह है कि कार्यमुक्त करने के आदेश देने से पहले अधिकारी को सक्षम प्राधिकारी द्वारा उन बातों से अवगत कराया जायेगा जिनके आधार पर उसको कार्यमुक्त किया जाने वाला है और उसको उस पर लगाये गये दोषों कारण बताने का अवसर दिया जायेगा।

(ख) भारतीय आयुध कारखाने में सहायक प्रबन्धक (परिवीक्षा पर) को 400-400-450-30-600-35-670-६० रो०-35-950 रुपये के निर्धारित वेतन-मान में वेतन मिलेगा। परिवीक्षा की अवधि के समय उनको विभाग की विभिन्न शाखाओं में और राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी मसूरी में प्रशिक्षण के आधारभूत पाठ्यक्रम का प्रशिक्षण लेना होगा। 'पाठ्यक्रम की अंतिम परीक्षा' और विभागीय परीक्षा पास करने पर वे अग्रिम वेतन वृद्धि पाने के पात्र होंगे जिससे उनका वेतन बढ़ कर 450 रुपये प्रतिमाह तथा 480 रुपये प्रतिमाह हो जायेगा। उनकी यह वेतन-वृद्धि प्रथम व द्वितीय विभागीय परीक्षा के उस अंतिम प्रश्न पत्र की तारीख से होगी जिसमें वे उत्तीर्ण हुए हैं। इसके बाद उनकी वेतन-वृद्धि समय वेतन मान में उनकी स्थिति के अनुसार तथा ग्रेड में उनके स्थायी हो जाने के बाद, नियमित-रूप से होती रहेगी।

यदि सहायक प्रबन्धकों (परिवीक्षा पर) में से कोई राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी में "अंतिम पाठ्यक्रम परीक्षा" उत्तीर्ण नहीं होती तो उसकी वेतन-वृद्धि उस तारीख से एक वर्ष के लिए रोक दी जायेगी, जिस तारीख को उसे पहली वेतन-वृद्धि प्राप्त होती अथवा विभागीय विनियमों के अधीन उसे जब दूसरी वेतन-वृद्धि प्राप्त होने वाली हो तब तक रुकी रहेगी, इनमें से जो भी पहले हो।

(ग) (1) चुने गये उम्मीदवारों को आवश्यकता होने पर कम-से-कम चार वर्ष की आधि के लिए सशस्त्र सेनाओं में कमीशन प्राप्त अधिकारियों के रूप में काम करना होगा। इस अवधि में प्रशिक्षण की अवधि भी, यदि हो तो, शामिल होगी, परन्तु शर्त यह है कि ऐसे अधिकारी के लिए (I) उसकी नियुक्ति की तारीख से 10 वर्ष के बाद कमीशन प्राप्त अधिकारी के रूप में सेवा करना आवश्यक नहीं होगा और (II) चालीस वर्ष की आयु हो जाने के बाद आमतौर से कमीशन-प्राप्त अधिकारी के रूप में काम करना आवश्यक नहीं होगा।

(2) तारीख 9-3-1957 के सा० नि० आ० सं० 92 के अधीन प्रकाशित, रक्षा सेवा में असेनिक व्यक्ति (क्षेत्रीय सेव धायिता) नियम, 1957 इन उम्मीदवारों पर भी लागू होंगे। उन नियमों में निर्धारित स्वास्थ्य-स्तर के अनुसार इनकी स्वास्थ्य परीक्षा की जायेगी।

(ग) स्वीकार्य वेतन की दरें निम्नलिखित हैं —

सहायक प्रबन्धक तकनीकी कनिष्ठ वेतनमान :
स्टाफ अधिकारी रुपये 400-400-450-30-600-
35-670-६० रो०-35-950।

उप-प्रबन्धक/उप-सहायक वरिष्ठ वेतनमान :—
महानिदेशक, आयुध कारखाना रुपये 700-40-1100-50/2-
1250।

प्रबन्धक-वरिष्ठ उप-सहायक रुपये 1100-50-1400।
महानिदेशक, आयुध
कारखाना।

उप-महाप्रबन्धक/सहायक हा- रुपये 1300-60-1600-100-
निदेशक, आयुध कारखाना, 1800।
श्रेणी-II

सहायक महानिदेशक, आयुध रुपये 1800-100-2000।
कारखाना, श्रेणी I

उप-महानिदेशक, आयुध रुपये 2000-125-2250।
कारखाना

भारतीय डाक सेवा

(क) चुने हुए उम्मीदवारों को इस विभाग में प्रशिक्षण लेना होगा जिसकी अवधि, आम तौर पर, दो वर्ष से अधिक नहीं होगी। इस अवधि में उन्हें निर्धारित विभागीय परीक्षा पास करनी होगी।

- (ख) यदि सरकार की राय में, किसी प्रशिक्षणाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण संतोषजनक न हो या उसे देखते हुए उसके कार्यकुशल होने की संभावना न हो तो सरकार उसे तत्काल सेवा मुक्त कर सकती है।
- (ग) परखावधि के समाप्त होने पर, सरकार अधिकारी को उसकी नियुक्ति पर पक्का कर सकती है, या यदि सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण संतोषजनक न रहा हो तो सरकार उसे या तो सेवा-मुक्त कर सकती है या उसकी परखावधि को, जितना उचित समझे, बढ़ा सकती है, परन्तु अस्थायी रूप से खाली जगहों पर की गई नियुक्तियों के सम्बन्ध में, पक्का करने का दावा नहीं किया जा सकेगा।
- (घ) यदि सरकार ने सेवा में नियुक्तियाँ करने की अपनी शक्ति किसी अधिकारी को सौंप रखी हो तो वह अधिकारी ऊपर के खण्डों में उल्लिखित सरकार की कोई भी शक्ति का प्रयोग कर सकता है।

(ङ) वेतनमान :—

समय-मान रु० 400-400-450-30-510-कु० रो०-700-40-1100-50/2-1250।
(प्रशिक्षणाधीन अधिकारी इस समय-मान में वेतन लेंगे)

डाक सेवा निदेशक—रु० 1300-60-1600।
महापोस्ट मास्टर—रु० 1800-10-2000-125-2250।

सदस्य, डाक-तार-बोर्ड—रु० 2250-125/2-2750

Senior Members, Posts & Telegraphs Board : Rs. 3000

- (च) भारतीय डाक सेवा श्रेणी I के परखाधीन अधिकारी—रु० 400-400-450-30-480-510-कु० रो०-700-40-1100-50/2-1250 के निश्चित मान में अपना वेतन प्राप्त करेंगे। परखाधीन अवधि में उन्हें विभाग की विभिन्न शाखाओं तथा राष्ट्रीय प्रशासनिक एकादमी, मसूरी के आधारभूत पाठ्यक्रम में प्रशिक्षण लेना पड़ेगा। मसूरी में प्रशिक्षण समाप्त होने पर उन्हें पाठ्यक्रमान्त परीक्षा पास करनी होगी। विभागीय नियमों के अन्तर्गत विहित विभागीय परीक्षाएं भी उन्हें पास करनी होंगी।

पाठ्यक्रमान्त परीक्षा तथा विभागीय परीक्षा पास कर लेने पर उनके वेतन बढ़ा कर रु० 450 कर दिया जायेगा। दो वर्ष की परखाधीन अवधि समाप्त कर लेने और स्थायी किये जाने के बाद उनका वेतन 480 रु० के स्तर पर निश्चित कर दिया जायेगा। समयमान के अन्तर्गत उनकी स्थिति के अनुसार इसके बाद उनका वेतन निश्चित होता रहेगा। यदि कोई परखाधीन अधिकारी राष्ट्रीय प्रशासनिक एकादमी, मसूरी की पाठ्यक्रमान्त परीक्षा पास

नहीं करता तो जिस तारीख को उसे पहली वेतन वृद्धि प्राप्त होती उस तारीख से एक वर्ष के लिये स्थगित कर दी जायेगी अथवा विभागीय नियमों के अन्तर्गत उसे जब दूसरी वेतन-वृद्धि प्राप्त होने वाली हो और इन दोनों में से जो भी अवधि पहले पड़े, तब तक स्थगित रहेगी।

- (छ) परखाधीन अधिकारियों को यह भलीभाँति समझ लेना चाहिए कि उनकी नियुक्ति भारत सरकार द्वारा भारतीय डाक सेवा श्रेणी I के गठन में किये जाने वाले किसी भी ऐसे परिवर्तन में प्रभावित हो सकेगी जो कि समय-समय पर उचित समझे जाने के बाद, भारत सरकार द्वारा किया जाएगा और वे इस प्रकार के परिवर्तनों के फलस्वरूप प्रतिकार का दावा नहीं कर सकेंगे। चुने गये उम्मीदवारों को, सरकार के निदेशानुसार, सैन्य डाक सेवा के अन्तर्गत भारत अथवा विदेश में कार्य करना होगा।

12. भारतीय रेलवे लेखा सेवा

- (क) नियुक्ति परख पर की जायेगी जिसकी अवधि 2 वर्ष की होगी। इस अवधि में दोनों में से किसी भी ओर से तीन महीने का नोटिस देकर सेवा समाप्त की जा सकेगी। परख-अवधि बढ़ाई जा सकेगी, यदि परखाधीन अधिकारी निर्धारित विभागीय परीक्षाएं पास करके अपने आपको पक्का करने के योग्य सिद्ध नहीं करेगा।

सरकार ऐसे परखाधीन अधिकारी की नियुक्ति खत्म कर सकती है जो अपनी नियुक्ति की तारीख से तीन वर्ष के भीतर सभी विभागीय परीक्षाएं पास नहीं कर लेता।

- (ख) भारतीय रेलवे लेखा सेवा के परखाधीन अधिकारियों को भी रेलवे स्टाफ कालेज, बड़ौदा में प्रशिक्षण लेना होगा और कालेज प्राधिकांरियों द्वारा निर्धारित परीक्षा पास करनी होगी। इस कालेज में परीक्षा देना अनिवार्य है और एक बार असफल होने पर दूसरा अवसर तभी मिल सकता है जबकि अपवादिक परिस्थितियाँ हों और अधिकारी, का कार्य ऐसा हो कि उसे यह छूट दी जा सकती हो। हालाँकि, दो वर्ष का प्रशिक्षण संतोषजनक रूप से पूरा करने पर, उन्हें किसी कार्यकारी पद (Working Post) पर लगाया जा सकता है परन्तु उन्हें तब तक पक्का नहीं किया जाता जब तक कि वे रेलवे स्टाफ कालेज, बड़ौदा की परीक्षा और ऊँची तथा नीची विभागीय परीक्षाएं पास नहीं कर लेते।
- (ग) परखाधीन अधिकारियों को देवनागरी लिपि में हिन्दी की अनुमोदित स्तर की एक परीक्षा पहले हो या परख-अवधि में पास कर लेनी चाहिए। यह परीक्षा या तो गृह मंत्रालय की ओर से शिक्षा निदेशालय, दिल्ली, द्वारा संचालित 'प्रवीण' हिन्दी परीक्षा हो या केन्द्रीय सरकार द्वारा मान्यता-प्राप्त कोई समकक्ष परीक्षा हो

किसी भी परखाधीन अधिकारी को तब तक पक्का नहीं किया जा सकता या उसका वेतन 450 रु० नहीं किया जा सकता जब तक कि वह यह परीक्षा पास नहीं कर लेता। ऐसा न करने पर सेवा समाप्त की जा सकती है। इसमें कोई छूट नहीं दी जा सकती।

(घ) इन नियमों के अनुसार भर्ती किए गए भारतीय रेलवे लेखा-सेवा के अधिकारी (परखाधीन) भी (क) पेंशन के लाभों के पात्र होंगे, और (ख) समय-समय पर संशोधित राज्य रेलवे भविष्य निधि (अंशदान रहित) के नियमों के अन्तर्गत इस निधि में अभिदान कर सकेंगे।

(ङ) इन नियमों के अधीन जो अधिकारी भर्ती किये जायेंगे वे समय-समय पर लागू होने वाले छुट्टियों के सुविधा-जनक नियमों के अनुसार छुट्टी लेने के पात्र होंगे।

(च) यदि किसी ऐसे कारण से जो कि उसके वर्ष के बाहर न हों, भारतीय रेलवे लेखा सेवा का कोई परखाधीन अधिकारी परख या प्रशिक्षण में ही छोड़ना चाहे तो उसे अपने प्रशिक्षण का सारा खर्च और परख-अवधि में उसे दी गई सब रकमें वापस करनी होंगी।

(छ) यदि सरकार की राय में, किसी परखाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण संतोषजनक न हो या उसे देखते हुए उसके कार्यकुशल होने की संभावना न हो, तो सरकार उसे तत्काल सेवा-मुक्त कर सकती है।

(ज) परख-अवधि के समाप्त होने पर, सरकार अधिकारी को उसकी नियुक्ति पर पक्का कर सकती है या यदि सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण संतोषजनक न रहा हो तो सरकार उसे या तो सेवा-मुक्त कर सकती है या उसकी परख-अवधि को, जितना उचित समझे बढ़ा सकती है, परन्तु अस्थायी रूप से खाली जगहों पर की गई नियुक्तियों के सम्बन्ध में पक्का करने का दावा नहीं किया जा सकेगा।

(झ) वेतनमान :

(क) कनिष्ठ वेतनमान :—400-400-450-30-600-35-670-द० रो०-35-950 रु०

(प्राधिकृत वेतनमान)

वरिष्ठ वेतनमान —700 रु० (छठा वर्ष और उससे कम) —

40-1,100-50/2-1,250

(प्राधिकृत वेतनमान)।

कनिष्ठ प्रशासन ग्रेड :—1,300-60-1,600 रु० (प्राधिकृत वेतनमान)।

इंटरमीडिएट प्रशासन ग्रेड :—1,600-100-1800 रु०।

वरिष्ठ प्रशासन ग्रेड :—रु० 2,000-100-2,500।

(ख) यदि परखाधीन अधिकारी अपनी दो वर्ष की परख-अवधि में, निर्धारित विभागीय परीक्षाएं पास नहीं कर सकेगा तो रु० 400 से रु० 450

तक की उसकी वेतनवृद्धि रोक दी जाएगी और परख-अवधि बढ़ा दी जाएगी। जब वह विभागीय परीक्षाएं पास कर लेगा और उसके बाद जब पक्का कर दिया जायगा तो अन्तिम विभागीय परीक्षा समाप्त होने की तारीख के बाद अगले दिन से उसका वेतन समय मान में उस अवस्था (Stage) पर नियत कर दिया जायेगा जो उसे अन्यथा मिला होता पर उसे वेतन का बकाया नहीं मिलेगा। ऐसे मामलों में भावी वेतन-वृद्धियों की तारीख पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

परख-अवधि में परखाधीन अधिकारी ज्योंही निर्धारित परीक्षाएं पास कर लेगा, त्यों ही उसको रु० 400-950 के जूनियर मान में रु० 400 से रु० 450 और रु० 450 से 480 की अग्रिम वृद्धियां मिल सकेंगी। अग्रिम वृद्धियां मिलने के बाद, सेवा के वर्ष को ध्यान में रखते हुये, अधिकारी का वेतन, वेतनमान में उसकी सामान्य स्थिति के अनुसार विनियमित कर दिया जायेगा।

यदि कोई परखाधीन अधिकारी राष्ट्रीय प्रशासनिक अकादमी, मसूरी की पाठ्यक्रमांत परीक्षा पास नहीं करता तो जिस तारीख को उसे पहली वेतन वृद्धि प्राप्त होती उस तारीख से एक वर्ष के लिये स्थगित कर दी जाएगी अथवा विभागीय नियमों के अन्तर्गत उसे जब दूसरी वेतन वृद्धि प्राप्त होने वाली हो और इन दोनों में से जो भी अवधि पहले पड़े तब तक स्थगित रहेगी।

नोट 1—परखाधीन अधिकारियों की सेवा जूनियर मान में कम-से-कम वेतन से प्रारम्भ होगी और वेतन वृद्धि के प्रयोजन से, वह उनकी कार्य-ग्रहण की तारीख से गिनी जाएगी। परन्तु उन्हें निर्धारित विभागीय परीक्षा या परीक्षाएं पास करनी होंगी और उसके बाद ही उनका वेतन समय-मान में रु० 400 प्रतिमास से रु० 450 प्रतिमास किया जा सकेगा।

नोट 2—तथापि, जो सरकारी कर्मचारी परीक्षाधीन के रूप में नियुक्ति से पहले सावधिक पद के अतिरिक्त अन्य स्थायी पद पर मूल रूप से कार्य करता था, उसका वेतन नियम 2018 क (I) नियम II [मू० नि० 22-ख (I)] 3 में दिए गए उपबंधों के अनुसार विनियमित किया जाएगा।

13. सैनिक भूमि और छावनी सेवा (श्रेणी I और श्रेणी II)

(क) नियुक्ति के लिये चुना गया उम्मीदवार परख पर रखा जाएगा जिसकी अवधि आमतौर पर 2 वर्ष से अधिक नहीं होगी। इस अवधि में उसे छावनी और भूमि प्रशासन में सरकार द्वारा निर्धारित परीक्षण लेना होगा जिसकी अवधि छः महीने से कम नहीं होगी।

(ख) परख अवधि में उम्मीदवार को निर्धारित विभागीय परीक्षाएं पास करनी होंगी।

(ग) (I) यदि सरकार की राय में परखाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण संतोषजनक न हो या उसे देखते हुए उसके कार्यकुशल होने की संभावना न हो तो सरकार उसे सेवा-मुक्त कर सकती है, परन्तु सेवा-मुक्ति का

आदेश देने से पहले, उसे सेवा-मुक्ति के कारणों से अवगत कराया जाएगा और लिख कर "कारण बताने" का अवसर भी दिया जाएगा।

- (II) यदि परख अवधि की समाप्ति पर, अधिकारी ने ऊपर उप-पैरा (ख) में उल्लिखित विभागीय परीक्षा पास न की हो तो सरकार अपने निर्णय से या तो उसे सेवा-मुक्त कर सकती है या यदि मामले की परिस्थितियों को देखते हुए, उसकी परख-अवधि बढ़ानी आवश्यक हो तो वह जितना उचित समझे, परख-अवधि को एक वर्ष तक बढ़ा सकती है।

- (III) परख अवधि के समाप्त होने पर, सरकार अधिकारी को उसकी नियुक्ति पर पक्का कर सकती है या यदि सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण संतोष-जनक न रहा हो तो सरकार उसे या तो सेवा-मुक्त कर सकती है या उसकी परख-अवधि को, जितना उचित समझे, बढ़ा सकती है। परन्तु सेवा-मुक्ति को आदेश देने से पहले, अधिकारी को सेवा-मुक्ति के कारणों से अवगत कराया जायेगा और लिख कर "कारण बताने" का अवसर भी दिया जायेगा।

(घ) यदि ऊपर उप-पैरा (ग) के अन्तर्गत, सरकार ने कोई कारवाई नहीं की तो निर्धारित परख-अवधि के बाद की अवधि में अधिकारी की नियुक्ति मास-प्रतिमास मानी जायेगी और दोनों में से किसी भी ओर से एक कैलेंडर मास का लिखित नोटिस देकर समाप्त की जा सकेगी, रेवन्यू अधिकारी पक्का करने का दावा नहीं कर सकेगा।

(ङ) इस सेवा के सदस्य को उसकी परख-अवधि में वार्षिक वेतन-वृद्धि देय हो जाने पर भी, तब तक नहीं मिलेगी जब तक कि वह विभागीय परीक्षा पास न कर लेगा। जो वृद्धि इस प्रकार नहीं मिली होगी, वह विभागीय परीक्षा पास करने की तारीख से मिल जायेगी।

(च) यदि कोई परखाधीन अधिकारी राष्ट्रीय प्रशासनिक एकादमी, मसूरी की पाठ्यक्रमांत परीक्षा पास नहीं करता तो जिस तारीख को उसे पहली वेतन वृद्धि प्राप्त होती उस तारीख से एक वर्ष के लिये स्थगित कर दी जायेगी अथवा विभागीय नियमों के अन्तर्गत उसे जब दूसरी वेतन वृद्धि प्राप्त होने वाली हो और इन दोनों में से जो भी अवधि पहले पड़े तब तक स्थगित रहेगी।

(छ) वेतन-मान इस प्रकार है—

प्रशासनिक पद

- (I) निदेशक, सैनिक भूमि और छावनियां।
रु० 1800-100-2000।
- (II) संयुक्त निदेशक, सैनिक भूमि और छावनियां।
रु० 1600-100-1800।
- (III) उपनिदेशक, सैनिक भूमि और छावनियां।
रु० 1300-60-1600।
- (IV) सहायक निदेशक, सैनिक भूमि और छावनियां।
रु० 1100-50-1400।

श्रेणी-I

- (V) उप-सहायक निदेशक, सैनिक भूमि और छावनियां, सैनिक संपदा अधिकारी और कार्य-पालक अधिकारी
रु० 400-400-450-30-510-कु० रो-700-40-1100-50/2-1250।

श्रेणी-II

- (VI) कार्यपालक अधिकारी
रु० 350-25-500-30-590-कु० रो1-30-800-कु० रो०-830-35-900।

- (VII) सहायक सैनिक संपदा अधिकारी
रु० 350-25-500-30-590-कु० रो०-30-800-कु० रो०-830-35-900।

(ज) (i) श्रेणी I के अधिकारियों को, सामान्यता, उप-सहायक निदेशक, सैनिक संपदा अधिकारी, और श्रेणी I और श्रेणी II की उन छावनियों में कार्यपालक अधिकारी के पदों पर नियुक्त किया जायेगा जिन पर छावनी अधिनियम 1924 की धारा 13 की उपधारा—(4) के खण्ड (ङ) का उप खण्ड (I) लागू होता है।

(ii) श्रेणी II के कार्यपालक अधिकारियों को सामान्यता उन छावनियों में नियुक्त किया जायेगा जो ऊपर (I) में उल्लिखित नहीं हैं।

(झ) (i) सभी पदोन्नतियां, इस प्रयोजन के लिये सरकार द्वारा नियुक्त की गई विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिशों के अनुसार, सरकार द्वारा चुन कर (By Selection) की जाएंगी [बरीयता (सीनियरिटी) पर तभी विचार किया जायेगा। जबकि दो या अधिक उम्मीदवारों के दावे गुणों की दृष्टि से बराबर होंगे]। श्रेणी-II से श्रेणी-I में पदोन्नति होने पर, वेतन मूल नियमावली (Fundamental Rules) के अनुसार विनियमित किया जायेगा।

(ii) साधारणतया, किसी भी अधिकारी की श्रेणी-I में तब तक पदोन्नति नहीं किया जायेगा तब तक श्रेणी-II में उसकी तीन वर्ष की सेवा पूरी न हो गई हो।

(ञ) समय-समय पर संशोधित पुनरीक्षित छुट्टी नियमावली, 1933 लागू होगी।

(ट) इस सेवा का कोई भी सदस्य, सरकार से पहले मंजूरी लिये बिना, कोई भी ऐसा काम अपने जिम्मे नहीं लेगा जो कि उसके सरकारी काम से संबंधित न हो।

(ठ) सैनिक भूमि और छावनी के अधिकारियों से भारत में कहीं भी सेवा ली जा सकती है, और उन्हें क्षेत्र-सेवा (Field Service) पर भी भारत के किसी भी भाग में भेजा जा सकता है।

14. भारतीय रेलवे यातायात सेवा

(क) नियुक्ति के लिये चुने गये उम्मीदवारों को भारतीय रेलवे यातायात सेवा में परखाधीन अधिकारियों के रूप में नियुक्त किया जायेगा। उनकी परख-अवधि तीन वर्ष की होगी। इस अवधि

में, उन्हें पैरा (ड) में उल्लिखित प्रशिक्षण लेना होगा और कम-से-कम एक वर्ष तक किसी कार्यकारी पद पर काम करना होगा। यदि किसी मामले में, संतोषजनक रूप से प्रशिक्षण पूरा न करने के कारण, प्रशिक्षण की अवधि बढ़ाई जायेगी तो उसके अनुसार परख की कुल अवधि भी बढ़ जायेगी।

(ख) यदि किसी ऐसे कारण से, जो कि उसके वश के बाहर न हो, भारतीय रेलवे यातायात सेवा का परखाधीन अधिकारी, परख या प्रशिक्षण बीच में ही छोड़ना चाहे तो उसे अपने प्रशिक्षण का सारा खर्च और परख-अवधि में उसे दी गई सब रकमें वापस करनी होंगी।

(ग) इस सेवा में नियुक्तियां परख पर की जायेंगी जिसकी अवधि तीन वर्ष की होगी। इस अवधि में दोनों में से किसी भी ओर से तीन महीने का नोटिस देकर सेवा समाप्त की जा सकेगी। परखाधीन अधिकारियों को पहले दो वर्ष तक व्यावहारिक प्रशिक्षण लेना होगा। जो अधिकारी इस प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक समाप्त कर लेंगे और अन्यथा भी उपयुक्त समझे जायेंगे, उन्हें कार्यकारी पद का कार्यभार सौंप दिया जायगा, यदि उन्होंने निर्धारित विभागीय और अन्य परीक्षाएं पास कर ली हों। ध्यान रहे कि ये परीक्षाएं नियमतः प्रथम प्रयास में ही पास कर ली जाएं क्योंकि विशेष ('एक्स्पेन्शनल') परिस्थितियों को छोड़, बाकी किसी भी हालत में, दूसरा अवसर नहीं दिया जायेगा। किसी परीक्षा में असफल होने के परिणामस्वरूप, परखाधीन अधिकारी की सेवा समाप्त की जा सकती है और उसकी वेतन-वृद्धि तो हर हालत में रुक ही जायेगी। किसी कार्यकारी पद पर एक वर्ष तक कार्य करने के बाद, परखाधीन अधिकारियों को एक अंतिम परीक्षा पास करनी होगी। यह परीक्षा व्यावहारिक और सैद्धांतिक दोनों प्रकार की होगी। जब परखाधीन अधिकारी सब तरह से नियुक्ति के लिये उपयुक्त समझे जायेंगे तो उन्हें पक्का कर दिया जायेगा। जिन मामलों में किसी कारण से परख-अवधि बढ़ाई गई हो, उनमें विभागीय परीक्षा पास करने और पक्का होने पर, समय-समय पर लागू होने वाले नियमों और आदेशों के अनुसार, पहली और बाद की वेतन-वृद्धियां ली जा सकेंगी।

(घ) परखाधीन अधिकारियों को, देवनागरी लिपि में अनु-मोदित स्तर की हिन्दी की एक परीक्षा पहले ही या परख अवधि में पास कर लेनी चाहिये। यह परीक्षा या तो गृह मंत्रालय की ओर से शिक्षा निदेशालय, दिल्ली, द्वारा संचालित "प्रवीण" हिन्दी परीक्षा हो या केन्द्रीय सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त कोई समकक्ष परीक्षा हो।

किसी भी परखाधीन अधिकारी को तब तक पक्का नहा किया जा सकता या उसका वेतन 450 रु० नहीं किया जा सकता जब तक कि वह यह परीक्षा पास नहीं कर लेता। ऐसा न करने पर सेवा समाप्त की जा सकती है। इसमें कोई छूट नहीं दी जा सकती।

(ङ) इन नियमों के अनुसार भर्ती किये गये भारतीय रेलवे यातायात सेवा के अधिकारी (परखाधीन) भी :—

(क) पेंशन के लाभों के पात्र होंगे, और

(ख) समय-समय पर संशोधित, राज्य रेलवे भविष्य निधि (अंशदानरहित) के नियमों के अन्तर्गत इस निधि में अभिवान कर सकेंगे।

(च) कार्यग्रहण की तारीख से ही वेतन प्रारम्भ होगा। वेतन वृद्धि के प्रयोजन से भी सेवा उसी तारीख से गिनी जाएगी।

(छ) इन नियमों के अधीन जो अधिकारी भर्ती किये जायेंगे वे समय-समय पर लागू होने वाले छुट्टियों के सुविधाजनक नियमों के अनुसार छुट्टी लेने के पात्र होंगे।

(ज) अधिकारियों को, आमतौर पर, उनकी सेवा की अवधि पर उसी रेलवे में रखा जायेगा जिस में वे सर्वप्रथम नियुक्त कर दिये जायेंगे। और किसी अन्य रेलवे में स्थानान्तरित होने के लिये साधिकार दावा नहीं कर सकेंगे। परन्तु भारत सरकार को यह अधिकार है कि वह उन अधिकारियों को, सेवा की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए, भारत में या भारत से बाहर किसी परियोजना (Project) या रेलवे में स्थानान्तरित कर सके।

(झ) नियुक्त किये गये अधिकारियों को आपेक्षित वरीयता (रिलेटिव सीनियरिटी) आमतौर पर, उन्हें प्रतियोगिता परीक्षा में प्राप्त हुये योग्यता क्रम (order of merit) के अनुसार निश्चित की जायेगी। यदि प्रशिक्षण संतोषजनक रूप से पूरा न करने के कारण, किसी अधिकारी को प्रशिक्षण अवधि और उसके परिणामस्वरूप परख-अवधि बढ़ानी पड़े तो इससे उसकी वरीयता वरीयता (सीनियरिटी) भी घट जा सकेगी। वैसे भारत सरकार को व्यक्तिगत मामलों में अपने निर्णय के अनुसार वरीयता निश्चित करने का अधिकार है। उसको यह भी अधिकार है कि वह प्रतियोगिता परीक्षा से अन्यथा नियुक्त अधिकारियों को, अपने निर्णय के अनुसार वरीयता सूची में कोई भी स्थान दे सकती है।

(ञ) वेतन-मान—

जूनियर—रु० 400-400-450-30-600-36-670-
कु० रो०-35-950 (प्राधिकृत मान)।

सीनियर—रु० 700 (छठे वर्ष या पहले)—40-1100-
50/2-1250 (प्राधिकृत मान)।

जूनियर प्रशासनिक ग्रेड—रु० 1300-60-1600 (प्राधि-
कृत मान)।

माध्यमिक प्रशासनिक ग्रेड—रु० 1600-100-1800
(प्राधिकृत मान)।

सीनियर प्रशासनिक ग्रेड—रु० 2,000-100-2,500
(प्राधिकृत मान)।

नोट 1—परखाधीन अधिकारियों की सेवा जूनियर मान में कम-से-कम वेतन से प्रारम्भ होगी और वेतन-वृद्धि के प्रयोजन से, वह उनकी कार्यग्रहण की तारीख से गिनी जायेगा। परन्तु उन्हें निर्धारित विभागीय परीक्षा या परीक्षाएं पास करनी होंगी। और उसके बाद ही उनका वेतन-मान में रु० 400 प्रतिमास से रु० 450 प्रतिमास किया जा सकेगा।

दि परखाधीन अधिकारी अपनी परख और प्रशिक्षण की अवधि के पहले दो वर्षों में, विभागीय परीक्षाएं पास नहीं कर सकेगा तो रु० 400 से 450 तक की उसकी वेतन-वृद्धि रोक दी जाएगी और परख-अवधि बढ़ा दी जायेगी। जब यह विभागीय परीक्षाएं पास कर लेगा और उसके बाद जब पक्का हो जायेगा तो अंतिम विभागीय परीक्षा समाप्त होने की तारीख के बाद अगले

दिन से उसका वेतन समय-मान में उस अवस्था पर नियत कर दिया जायेगा जो उसे अन्यथा मिला होता पर उसे वेतन का बकाया नहीं मिलेगा, ऐसे मामलों में, भावी वेतन-वृद्धियों को तारीख पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

परख-अवधि में, परखाधीन अधिकारी ज्यों ही निर्धारित परीक्षाएं पास कर लेगा, त्यों ही उसको रु० 400 से 950 के जूनियर मान में रु० 400 से रु० 450 और रु० 450 से रु० 480 की अग्रिम वृद्धियां मिल सकेंगी। अग्रिम वृद्धियां मिलने के बाद, सेवा के वर्ष को ध्यान में रखते हुए, अधिकारियों को वेतन-मान में उसकी सामान्य स्थिति के अनुसार, विनियमित कर दिया जायेगा।

यदि कोई परखाधीन अधिकारी राष्ट्रीय प्रशासनिक एकादमी, मसूरी की पाठ्यक्रमान्त परीक्षा पास नहीं करता तो जिस तारीख को उसे पहले वेतन-वृद्धि प्राप्त होती उस तारीख से एक वर्ष के लिये स्थगित कर दी जायेगी अथवा विभागीय नियमों के अन्तर्गत उसे जब दूसरी वेतन-वृद्धि प्राप्त होने वाली हो और उन दोनों में से जो भी अवधि पहले पड़े तब तक स्थगित रहेगी।

नोट 2—तथापि, जो सरकारी कर्मचारी परिवीक्षाधीन के रूप में नियुक्ति से पहले सावधिक पद के अतिरिक्त अन्य स्थायी पद पर मूल रूप से कार्य करता था, उसका वेतन नियम 2018क(i) नि०—ji [मू० नि० 22-ख (i)] में दिये गये उपबंधों के अनुसार विनियमित किया जायेगा।

(ट) वेतन-वृद्धियां केवल अनुमोदित सेवा के लिये ही और विभाग के नियमों के अनुसार ही दी जायेंगी।

(ठ) प्रशासनिक ग्रेडों में पदोन्नति, स्वीकृति स्थापना (establishment) में खाली जगहें होने पर ही की जायेंगी और पूर्णरूप से चुनाव (selection) के आधार पर ही की जायेंगी। एकमात्र वरीयता के आधार पर ही ऐसा पदोन्नति के लिये दावा नहीं किया जा सकता।

(डू) भारतीय रेलवे यातायात सेवा के परखाधीन अधिकारियों के प्रशिक्षण का पाठ्यक्रम।

नोट 1—जिन उम्मीदवारों ने भारत में या और कहीं प्रशिक्षण या अनुभव पहले कभी प्राप्त कर रखा हो, उनके मामले में भारत सरकार को अपने निर्णय के अनुसार प्रशिक्षण-अवधि घटाने का अधिकार है।

नोट 2—परखाधीन अधिकारियों को भी रेलवे स्टाफ कालेज बड़ौदा में दो दौर में प्रशिक्षण लेना होगा। इस कालेज में परीक्षा देना अनिवार्य है और एक बार असफल होने पर दूसरा अवसर तभी मिल सकता है जबकि आपवादिक परिस्थितियां हों और अधिकारी का कार्य अभिलेख ऐसा हो कि उसे यह छूट दी जा सकती है। परीक्षा में असफल होने पर परखाधीन अधिकारियों की सेवा समाप्त की जा सकेगी, उनके प्रशिक्षण और परख की अवधि आवश्यकतानुसार बढ़ा दी जायेगी और उन्हें किसी भी हालत में तब तक पक्का नहीं किया जायेगा जब तक कि वे परीक्षाएं पास नहीं कर लेंगे।

नोट 3—नीचे जो प्रशिक्षण का कार्यक्रम दिया गया है वह मुख्य रूप से मार्ग-दर्शन के प्रयोजन से बनाया गया है। इसमें महाप्रबंधकों द्वारा अपने निर्णय के अनुसार स्थिति-विशेष को ध्यान में रखते हुए परिवर्तन किये जा सकते हैं, परन्तु, सामान्यतया प्रशिक्षण की कुल अवधि घटाई नहीं जानी चाहिए।

नोट 4—प्रशिक्षण के दौरान परिवीक्षाधीन अधिकारी को गार्ड, यार्ड मास्टर, सहायक स्टेशन मास्टर, स्टेशन मास्टर, यार्ड फोरमैन, ट्रेन परीक्षक, सहायक लोको फोरमैन, सहायक नियंत्रक आदि की हैसियत से कार्य करना होगा जिसका विवरण नीचे दिया गया है। प्रशिक्षण की समाप्ति के बाद जब परिवीक्षाधीन अधिकारी को किसी कार्यकारी पद पर तैनात किया जाता है तो उसे अपना कार्य करने के लिये यात्रा करनी पड़ती है तथा यात्रा के दौरान रास्ते के स्टेशनों पर “पड़ाव” की कोई सुविधाएं उपलब्ध नहीं होती हैं। उसे दुर्घटना स्थलों की जांच के लिये किसी भी समय जाना पड़ता है तथा नियंत्रण कार्यालयों (Control officer) और स्टेशनों का निरीक्षण करना पड़ता है। इस सबके लिये बहुत परिश्रम अपेक्षित होता है तथा रात को भी काम करना पड़ता है।

पाठ्यक्रम की अवधि—दो वर्ष

मद	अवधि (सप्ताह)
1	2
1. राष्ट्रीय-प्रशिक्षण अकादमी, मसूरी	17
2. बड़ौदा स्टाफ कालिज (प्रथम प्रावस्था)	13
3. क्षेत्रीय स्कूल, के कर्तव्य	4.5
4. रक्षक के रूप में कार्य करते हुए	3
5. बुकिंग/पार्सल आफिस, गुड्रज शेड तथा यानांतरण शेड	4.5
6. यातायात लेख तथा लेखाओं का यांत्रिक निरीक्षक	4
7. क्षेत्रीय स्कूल में सहायक स्टेशन मास्टर की अर्हता प्राप्त करने के लिये	4.5
8. यार्ड मास्टर, सहायक स्टेशन मास्टर, स्टेशन मास्टर, यार्ड फोरमैन तथा ट्रेन परीक्षक के रूप में कार्य	13
9. सहायक लोको फोरमैन के रूप में कार्य	2
10. सहायक नियंत्रक	9
11. (क) क्षेत्रीय कार्यालय में प्रशिक्षण (ख) विद्युत नियंत्रक का प्रशिक्षण	4.5 2
12. बड़ौदा स्टाफ कालिज (द्वितीय प्रावस्था)	6.5
13. रेलवे जिसमें आवंटित किया गया मुख्यालय (प्रचालन)	5

1	2
14. रेलवे जिसमें आबंटित किया गया मुख्यालय (वाणिज्य)	5
15. संगणक कार्यक्रम संबंधी और पद्धति डिजाइन का प्रशिक्षण	4. 5
प्रशिक्षण को विभिन्न मर्दों के लिये यात्रा के समय के लिये तथा अनिवार्य छुट्टी के लिये सुरक्षित रखी गयी अवधि	2
जोड़	104
	सप्ताह
	या 24
	महीने

टिप्पणी—3 से 11 तक की मर्दें जिनका समय 1 वर्ष होगा आसन-सोल डिजीजन में होगी।

(2) यदि परखाधीन अधिकारी अपने दो वर्ष के प्रशिक्षण के अन्त में परीक्षा पास कर लेगा तो उसे अगले एक वर्ष के लिये किसी कार्यकारी पद का भार परख कर सौंप दिया जायेगा। परीक्षा, आवश्यकता अनुसार, पाठ्यक्रम पूरा होने पर तथा प्रशिक्षण अवधि में निश्चित समय पर ली जायेगी।

नोट—किसी परखावधि अधिकारी को, स्वतन्त्र रूप से, गार्ड, सहायक स्टेशन मास्टर, स्टेशन मास्टर, यार्ड फोरमैन, सहायक लोकोमोटिव फोरमैन या सहायक नियंत्रक का काम सौंपने से पहले यह आवश्यक है कि प्रशासन के किसी जिम्मेदार अधिकारी द्वारा उक्त प्रत्येक पद के कार्य के संबंध में उसकी परीक्षा ली जाए और योग्य घोषित किया जाये।

15. केन्द्रीय सचिवालय सेवा, अनुभाग अधिकारी, ग्रेड, श्रेणी II

(क) केन्द्रीय सचिवालय सेवा में इस समय निम्नलिखित ग्रेड हैं :—

ग्रेड	वेतनमान
सलैक्शन ग्रेड उप-सचिव या समकक्ष	र० 1100-50-1300 60-1600-100-1800
ग्रेड-I अवर सचिव	र० 900-50-1200 1
अनुभाग अधिकारी ग्रेड-I	र० 350-25-500-30 -590-कु० र०-30- 800-कु० र०-30-830 -35-900।
सहायक ग्रेड	र० 210-10-270-15 -300-कु० र०-15- 450-कु० र०-20-530

सलैक्शन ग्रेड और ग्रेड का नियंत्रण खिल-सचिवालय आधार पर मन्त्रीमण्डल (कार्मिक विभाग) करता है और अनुभाग अधिकारी/सहायक ग्रेड, मंत्रालयों द्वारा नियंत्रित किये जाते हैं।

केवल अनुभाग अधिकारी ग्रेड और सहायक ग्रेड में ही सीधी भर्ती की जाती है।

(ख) अनुभाग अधिकारी ग्रेड में सीधे भर्ती किये गये अधिकारियों को दो वर्ष तक परख पर रखा जायेगा। इस परख-अवधि में उनको सरकार के द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण लेना होगा और विभागीय परीक्षाएं पास करनी होंगी, यदि परखाधीन अधिकारी प्रशिक्षण अवधि में पर्याप्त प्रगति न दिखा सके या परीक्षाएं पास न कर सके तो उन्हें सेवा-मुक्त कर दिया जायेगा।

(ग) परख अवधि के समाप्त होने पर, सरकार अधिकारी को उसकी नियुक्ति पर पक्का कर सकती है या यदि सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण संतोषजनक न रहा हो तो सरकार उसे या तो सेवा-मुक्त कर सकती है या उसकी परख अवधि को, जितना उचित समझे, बढ़ा सकती है।

(घ) यदि सरकार ने सेवा में नियुक्ति करने की अपनी शक्ति किसी अधिकारी को सौंप रखी हो तो वह अधिकारी उपर्युक्त खण्डों में वर्णित सरकार की किसी भी शक्ति का प्रयोग कर सकता है।

(ङ) अनुभाग अधिकारियों को सामान्यता “अनुभागों” का अध्यक्ष बनाया जायेगा और ग्रेड-I के अधिकारियों को, सामान्यतया शाखाओं का कार्यभार सौंपा जायेगा, जिनमें एक या अधिक अनुभाग होंगे।

(च) अनुभाग अधिकारी इस सम्बन्ध में समय-समय पर लागू होने वाले नियमों के अनुसार ग्रेड में पदोन्नति पा सकेंगे।

(छ) केन्द्रीय सचिवालय सेवा के ग्रेड-I के अधिकारी, केन्द्रीय सचिवालय में सलैक्शन ग्रेड की सेवा में और अन्य ऊंचे प्रशासनिक पदों पर नियुक्ति पाने के पात्र होंगे।

(ज) जहां तक केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अधिकारियों की छुट्टी, पेंशन और सेवा की अन्य शर्तों का सम्बन्ध है, वे अन्य श्रेणी-I और II के अधिकारियों के समान ही समझे जायेंगे।

16 रेलवे बोर्ड सचिवालय सेवा, श्रेणी II

(क) रेलवे बोर्ड सचिवालय सेवा में निम्नलिखित पद और वेतनमान हैं :—

सेवा	वेतनमान
1	2
(i) प्रवरण ग्रेड संयुक्त निदेशक/ उप सचिव	र० 1100-50-1300-60 1600-100-1800 1
(ii) उप निदेशक का ग्रेड	र० 900-50-1250-2000 वि० वे० प्रति मास।
(iii) सहायक निदेशक/अवर सचिव	र० 900-50-1250 1

1	2
(iv) अनुभाग अधिकारी	र० 350-25-500-30-590-कु० रो०-30-800-कु० रो०-30-830-35 900।
(v) सहायक	र० 210-10-270-15-300-कु० रो० 15-450-कु० रो०-20-530।

अनुभाग अधिकारियों और सहायकों के पदों पर सीधी भर्ती की जाती है।

(ख) अनुभाग अधिकारियों के रूप में सीधे भर्ती किये गये अधिकारियों को दो वर्ष तक परख पर रखा जायेगा। इस परख अवधि में उन्हें सरकार द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण लेना होगा और विभागीय परीक्षाएं पास करनी होंगी। यदि परखाधीन अधिकारी प्रशिक्षण-अवधि में पर्याप्त प्रगति न दिखा सके या परीक्षाएं पास न कर सके तो उन्हें सेवा-मुक्त कर दिया जायेगा।

(ग) परख-अवधि के समाप्त होने पर, सरकार अधिकारी को उसकी नियुक्ति पर पक्का कर सकती है, या यदि सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण संतोषजनक न रहा हो तो सरकार उसे या तो सेवा-मुक्त कर सकती है या उसकी परख-अवधि को जितना उचित समझे, बढ़ा सकती है।

(घ) यदि सरकार ने नियुक्ति करने की अपनी शक्ति किसी अधिकारी को सौंप रखी हो तो वह अधिकारी ऊपर के खण्डों में वर्णित सरकार की किसी भी शक्ति का प्रयोग कर सकता है।

(ङ) अनुभाग अधिकारियों को सामान्यतया अनुभागों का अध्यक्ष बनाया जायेगा और सहायक निदेशक/अवर सचिव की सामान्यतया शाखाओं का कार्यभार सौंपा जायेगा जिनमें एक या अधिक अनुभाग होंगे।

(च) अनुभाग अधिकारी, इस संबंध में समय-समय पर लागू होने वाले नियमों के अनुसार, सहायक निदेशक/अवर सचिव के रूप में पदोन्नति पा सकेंगे।

(छ) सहायक निदेशक/अवर सचिव रेलवे बोर्ड सचिवालय में ऊंचे पदों पर नियुक्ति पाने के लिये पात्र होंगे।

(ज) रेलवे बोर्ड सचिवालय सेवा, रेलवे मंत्रालय तक ही सीमित है और इसके अधिकारी अन्य मंत्रालय की स्थानान्तरित नहीं किये जा सकते जैसा कि केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अधिकारी किये जा सकते हैं।

(झ) रेलवे मंत्रालय में नियुक्त कर्मचारियों को, रेलवे अधिकारियों के समान ही, पास और सुविधा टिकट आदेश (Privilege Ticket Orders) लेने की सुविधाएं उपलब्ध हैं।

(ञ) इन नियमों के अन्तर्गत भर्ती किये गये रेलवे बोर्ड सचिवालय सेवा के अधिकारी (परखाधीन अधिकारी भी)

(क) रेलवे पेंशन रूल से अधिशासित होंगे, और

(ख) समय-समय पर संशोधित राज्य रेलवे भविष्य निधि (अंशदान-रहित) के नियमों के अन्तर्गत, इस निधि में अभिदान कर सकेंगे।

(ट) जहां तक छुट्टी और सेवा की अन्य शर्तों का सम्बन्ध है, रेलवे बोर्ड सचिवालय सेवा के अधिकारियों को रेलवे के श्रेणी I और II के अन्य अधिकारियों के समान समझा जायेगा परन्तु चिकित्सा सुविधाओं के मामलों में, वे उन नियमों से शासित होंगे जो केन्द्रीय सरकार के उन अन्य कर्मचारियों पर लागू होते हैं जिनके मुख्यालय नई दिल्ली में हैं।

17. सशस्त्र सेवा मुख्यालय सिविल सेवा अधीक्षक ग्रेड श्रेणी II

(क) सशस्त्र सेवा मुख्यालय सिविल सेवा में फिलहाल निम्नलिखित ग्रेड हैं :—

ग्रेड	वेतनमान
वरिष्ठ सिविलियन स्टाफ अधिकारी	1100-50-1400 र०
सिविलियन स्टाफ अधिकारी	740-30-800-50-1150 र०
अधीक्षक ग्रेड	350-25-500-30-590-द० अ०-30-800-र०।
सहायक ग्रेड	210-10-270-15-300-द० अ०-15-450-द० अ०-20-530।

उपरोक्त सेवा सशस्त्र सेवा मुख्यालय तथा प्रतिरक्षा मंत्रालय के अन्तरसेवा संगठनों के लिये कर्मचारियों की आवश्यकता की पूर्ति करती है।

सीधी भर्ती केवल अधीक्षक ग्रेड तथा सहायक ग्रेड में ही की जाती है।

(ख) सीधी भर्ती वाले व्यक्ति अधीक्षक ग्रेड पर 2 वर्ष तक परिवीक्षा पर रहेंगे। इस अवधि में उन्हें सरकार द्वारा निर्धारित कोई भी प्रशिक्षण प्राप्त करना पड़ सकता है अथवा परीक्षाएं पास करनी पड़ सकती हैं। प्रशिक्षण के दौरान पर्याप्त प्रगति न होने अथवा परीक्षाओं में उत्तीर्ण न हो पाने के फलस्वरूप परिवीक्षाधीन व्यक्ति को सेवा से निकाल दिया जायेगा।

(ग) परिवीक्षा की अवधि समाप्त होने पर सरकार चाहे तो सम्बन्धित अधिकारी को उसकी नियुक्ति में स्थायी कर दे अथवा यदि उसका कार्य, अथवा आचरण सरकार के विचार में संतोषजनक न रहा हो तो उसे सेवा से निकाल दे या परिवीक्षा की अवधि को उतने काल तक के लिए बढ़ा दे जितना सरकार उचित समझे।

(घ) यदि सेवा में नियुक्तियां करने का अधिकार सरकार द्वारा किसी अधिकारी को प्रत्यायोजित किया जाये तो वह अधिकारी उपयुक्त अनुच्छेदों में वर्णित सरकार की शक्तियों में से किसी का भी प्रयोग कर सकता है।

(ङ) रक्षा मंत्रालय के सशस्त्र सेवा मुख्यालय तथा के अन्तर सेवा संगठनों में अधीक्षक सामान्यतः अनुभागों के प्रमुख होंगे जबकि सिविलियन स्टाफ अधिकारी एक या एकाधिक अनुभागों के कार्यभारी होंगे।

(च) अधीक्षक समय-समय पर तत्सम्बन्धी प्रचलित नियमों के अनुसार सिविलियन स्टाफ अधिकारी ग्रेड में पदोन्नति के हकदार होंगे ।

(छ) सशस्त्र सेवा मुख्यालय सिविल सेवा के सिविलियन स्टाफ अधिकारी समय-समय पर तत्सम्बन्धी प्रचलित नियमों के अनुसार सेवा के वरिष्ठ सिविलियन स्टाफ अधिकारी ग्रेड में तथा अन्य प्रशासनिक पदों पर नियुक्ति के हकदार होंगे ।

(ज) जहां तक छुट्टी, पेंशन तथा सेवा की अन्य शर्तों का सम्बन्ध है, उनका नियंत्रण सशस्त्र सेना मुख्यालय सिविल सेवा के अधिकारी समय-समय पर सेवाओं के व्यय में से वेतन पाने वाले अधिकारियों के लिए लागू विनियमों तथा आदेशों द्वारा होगा ।

18. सीमाशुल्क मूल्यांकक सेवा, क्लास II

(क) मूल्यांकक ग्रेड में रु० 350-25-500-30-590-द० रो०-30-80-द० रो०-830-35-900 के वेतन-मान में भरती की जाती है । नियुक्तियां दो वर्ष के लिए परिवीक्षा के आधार पर की जाती हैं तथा परिवीक्षा की अवधि सक्षम प्राधिकारी, यदि चाहे तो, बढ़ा भी सकता है । परिवीक्षा काल में उम्मीदवारों को केन्द्रीय उत्पादन-शुल्क तथा सीमा-शुल्क बोर्ड द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण लेना होगा तथा विभागीय परीक्षाएं पास करनी होंगी । उन्हें रु० 375 से ऊपर का वेतन तब तक नहीं लेने दिया जायेगा । जब तक वे निर्धारित विभागीय परीक्षा पूर्ण रूप से पास नहीं कर लेते ।

(ख) यदि परिवीक्षा की मूल अथवा परिवर्द्धित अवधि की समाप्ति पर नियुक्ता प्राधिकारी यह समझता है कि चयन किया गया उम्मीदवार स्थायी नियुक्त के योग्य नहीं है अथवा परिवीक्षा की उक्त मूल अथवा परिवर्द्धित अवधि के दौरान, प्राधिकारी इस बात से संतुष्ट हो जाता है कि उम्मीदवार परिवीक्षा की अवधि की समाप्ति पर स्थायी नियुक्ति के योग्य नहीं होगा तो वह उसे सेवा से अलग कर सकता है, अथवा जो उचित समझे, वह आदेश दे सकता है ।

(ग) परिवीक्षा की अवधि को सफलतापूर्वक पूर्ण कर लेने पर तथा विभागीय परीक्षाएं पास कर लेने के बाद अधिकारियों को संबद्ध ग्रेड में स्थायी करने पर विचार किया जाएगा ।

(घ) लागू नियमों के अनुसार भारतीय सीमा शुल्क और केन्द्रीय उत्पाद सेवा क्लास-I (400/1250 रु०) में सहायक कलक्टर के अगले उच्च ग्रेड में पदोन्नति के लिए मूल्य निरूपक (एग्जैर) पात्र होंगे ।

(ङ) अवकाश, पेंशन आदि के मामले में इन अधिकारियों पर केन्द्रीय सरकार के अन्य क्लास II अधिकारियों पर लागू होने वाले नियम लागू होंगे । जहाँ तक उनकी सेवा की अन्य शर्तों का प्रश्न है, उन पर सीमा शुल्क मूल्यांकक सेवा, क्लास II की भरती नियमावली की व्यवस्थाएं लागू होंगी । इन नियमों में यह विशेष रूप से निर्दिष्ट है कि इस सेवा के अधिकारियों को

“केन्द्रीय उत्पादन-शुल्क तथा सीमा शुल्क बोर्ड” के अधीन किसी भी समान या उच्च पद पर भारत में कहीं भी तैनात किया जा सकता है ।

19. दिल्ली, और अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह सिविल सेवा, श्रेणी-II

(क) नियुक्ति परख पर की जायेगी, जिसकी अवधि दो वर्ष की होगी और उसे सक्षम प्राधिकारी के निर्णय के अनुसार बढ़ाया भी जा सकेगा । परख पर नियुक्ति उम्मीदवार को केन्द्रीय सरकार द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण लेना होगा और विभागीय परीक्षाएं देनी होंगी ।

(ख) यदि सरकार की राय में, किसी परखाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण संतोषजनक न हो या उसे देखते हुए उसके कार्यकुशल होने की संभावना न हो, तो सरकार उसे तत्काल सेवा-मुक्त कर सकती है ।

(ग) जब यह घोषित कर दिया जायेगा कि अमुक अधिकारी ने संतोषजनक रूप से अपनी परख अवधि समाप्त कर ली है तो उसे सेवा में पक्का कर दिया जायेगा । यदि सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण संतोषजनक न रहा हो तो सरकार उसे या तो सेवा मुक्त कर सकती है या उसकी परख अवधि को, जितना उचित समझे, बढ़ा सकती है ।

(घ) उस सेवा के अधिकारी को, दिल्ली प्रशासन, या अण्डमान निकोबार द्वीप समूह में इन क्षेत्रों में प्रशासन/सरकार के अन्तर्गत सेवा करनी होगी ।

(ङ) वेतनमान :—

ग्रेड I (सिलेक्शन ग्रेड) रु० 900-50-1250 ।

ग्रेड II समय-मान रु० 400-25-500-30-590-द०
आ०-30-800-द० आ०-30-830-35-900 ।

किसी प्रतियोगिता परीक्षा के परिणामों के आधार पर भर्ती किए जाने वाले व्यक्ति, को सेवा में नियुक्ति पर समय वेतनमान का न्यूनतम वेतन प्राप्त होगा बशर्ते यदि वह सेवा में नियुक्ति से पहले मूल रूप से सावधिक पद के अतिरिक्त स्थायी पद पर कार्य करता था, सेवा में परिवीक्षा की अवधि में उसका वेतन मूल नियम 22-ख (1) के परन्तुक के अधीन विनियमित किया जाएगा । सेवा में नियुक्त किए गए अन्य व्यक्तियों के लिए वेतन और वेतन-वृद्धियां मूल नियमों के अनुसार विनियमित होंगी ।

(च) सेवा के अधिकारियों को परिशोधित केन्द्रीय वेतनमान प्राप्त करने वाले कर्मचारियों पर लागू केन्द्रीय सरकार की दरों पर महंगाई भत्ता प्राप्त करने का हक होगा ।

(छ) महंगाई भत्ता के अतिरिक्त, इस सेवा के अधिकारियों को, प्रतिकर (नगर) भत्ता, मकान किराया भत्ता और पहाड़ी स्थानों तथा सुदूर स्थानों में रहने-सहने के बड़े हुए खर्च को पूरा करने के लिए अन्य भत्ते दिए जाएंगे, यदि उन्हें ड्यूटी पर या प्रशिक्षण के लिए ऐसे स्थानों पर भेजा जाएगा और जिन स्थानों के लिए ये भत्ते अनुमत्य होंगे ।

(ज) इस सेवा के अधिकारियों पर दिल्ली, और अन्दमान निकोबार द्वीप समूह सिविल सेवा नियमावली 1971 और इस नियमावली को लागू करने के प्रयोजन में केन्द्रीय सरकार द्वारा दी जाने वाली हिदायतें अथवा बनाए जाने वाले अन्य विनियम लागू होंगे। जो मामले विशिष्ट रूप से उक्त नियमों या विनियमों अथवा उनके अन्तर्गत दिए गए आदेशों या विशेष आदेशों के अन्तर्गत नहीं आते, उनमें ये अधिकारी उन नियमों, विनियमों और आदेशों द्वारा शासित होंगे जो संघ के कार्यों से संबंधित सेवा करने वाले तदनु रूप (corresponding) अधिकारियों पर लागू होते हैं।

20. गोआ, दमन तथा दियु सिविल सेवा क्लास 2

(क) नियुक्तियां दो वर्ष की परिवीक्षा अवधि के आधार पर की जाएंगी तथा परिवीक्षा की अवधि सक्षम प्राधिकारी चाहे तो बढ़ा भी सकेगा। परिवीक्षा के आधार पर नियुक्त उम्मीदवारों को गोआ, दमन तथा दियु संघ राज्य के प्रशासन द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा तथा विभागीय परीक्षाएं पास करनी होंगी।

(ख) यदि प्रशासक की राय में किसी परिवीक्षाधीन अधिकारी का काम या आचरण संतोषजनक नहीं है अथवा उससे यह प्रकट होता है कि अधिकारी सुयोग्य सिद्ध होने की संभावना नहीं है, तो प्रशासक उसे सेवा से तुरन्त अलग कर सकता है।

(ग) जिस अधिकारी के लिए यह घोषित हो जाएगा कि उसने परिवीक्षा की अवधि संतोषजनक ढंग से पूर्ण कर ली है उसे सेवा में स्थायी कर दिया जाएगा। यदि प्रशासक की राय में उसका कार्य या आचरण संतोषजनक नहीं रहा है तो वह उसे सेवा से अलग कर सकता है अथवा परिवीक्षा की अवधि, जितनी ठीक समझे, बढ़ा सकता है।

(घ) इस सेवा के अधिकारी को गोआ, दमन तथा दियु संघ राज्य क्षेत्र में किसी भी स्थान पर कार्य करना होगा।

(ङ) वेतनमान :—

ग्रेड I (चयन ग्रेड) रु० 700-40-1100-50/2-1250/

ग्रेड II रु० 350-25-500-30-590-द० रो० 30-800-
द० रो०-30-830-35-900।

किसी प्रतियोगिता परीक्षा के परिणामों के आधार पर भर्ती किए जाने वाले व्यक्ति, को सेवा में नियुक्ति पर समय वेतनमान का न्यूनतम वेतन प्राप्त होगा बशर्तें यदि वह सेवा में नियुक्ति से पहले मूल रूप से सावधिक पद के अतिरिक्त स्थायी पद पर कार्य करता था, सेवा में परिवीक्षा की अवधि में उसका वेतन मूल नियम 22-ख(1) के परन्तुक के अधीन विनियमित किया जाएगा। सेवा में नियुक्त किए गए अन्य व्यक्तियों के लिए वेतन और वेतन-वृद्धियां मूल नियमों के अनुसार विनियमित होंगी।

इस सेवा के अधिकारी भारतीय प्रशासन सेवा (पदोन्नति द्वारा नियुक्ति) विनियम, 1955, के अनुसार भारतीय प्रशासन सेवा के सीनियर वेतनमान के पदों पर पदोन्नति के पात्र होंगे।

(च) इस सेवा के अधिकारियों पर गोआ, दमन तथा दियु सिविल सेवा नियमावली, 1967, तथा इन नियमों को कार्यान्वित करने के लिए बनाए गए अन्य विनियम या प्रशासक द्वारा जारी किए गए आदेश लागू होंगे।

21. पांडिचेरी सिविल सेवा, क्लास 2

(क) नियुक्तियां दो वर्ष की परिवीक्षा अवधि के आधार पर की जाएंगी तथा परिवीक्षा की अवधि सक्षम प्राधिकारी चाहे तो बढ़ा भी सकेगा। परिवीक्षा के आधार पर नियुक्त उम्मीदवारों की पांडिचेरी संघ राज्य क्षेत्र के प्रशासक द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा तथा विभागीय परीक्षाएं पास करनी होंगी।

(ख) यदि प्रशासक की राय में किसी परिवीक्षाधीन अधिकारी का काम या आचरण संतोषजनक नहीं है अथवा उससे यह प्रकट होता है कि अधिकारी के सुयोग्य सिद्ध होने की संभावना नहीं है, तो प्रशासक उसे सेवा से तुरन्त अलग कर सकता है।

(ग) जिस अधिकारी के लिए यह घोषित हो जाएगा कि उसने परिवीक्षा की अवधि संतोषजनक ढंग से पूर्ण कर ली है उसे सेवा में स्थायी कर दिया जाएगा। यदि प्रशासक की राय में उसका कार्य या आचरण संतोषजनक नहीं रहा है तो वह उसे सेवा से अलग कर सकता है अथवा परीक्षा की अवधि जितनी ठीक समझे, बढ़ा सकता है।

(घ) इस सेवा के अधिकारी को पांडिचेरी संघ राज्य क्षेत्र में किसी भी स्थान पर कार्य करना होगा।

(ङ) वेतनमान :—

ग्रेड 1—रु० 375-25-800।

किसी प्रतियोगिता परीक्षा के परिणामों के आधार पर भर्ती किए जाने वाले व्यक्ति, को सेवा में नियुक्ति पर समय वेतनमान का न्यूनतम वेतन प्राप्त होगा बशर्तें यदि वह सेवा में नियुक्ति से पहले मूल रूप से सावधिक पद के अतिरिक्त स्थायी पद पर कार्य करता था, सेवा में परिवीक्षा की अवधि में उसका वेतन मूल नियम 22-ख(1) के परन्तुक के अधीन विनियमित किया जाएगा। सेवा में नियुक्त किए गए अन्य व्यक्तियों के लिए वेतन और वेतन-वृद्धियां मूल नियमों के अनुसार विनियमित होंगी।

इस सेवा के अधिकारी भारतीय प्रशासन सेवा (पदोन्नति द्वारा नियुक्ति) विनियम, 1955, के अनुसार भारतीय प्रशासन सेवा के सीनियर वेतनमान के पदों पर पदोन्नति के पात्र होंगे।

(च) इस सेवा के अधिकारियों पर पांडिचेरी सिविल सेवा नियमावली, 1967, तथा इन नियमों को कार्यान्वित करने के लिए बनाए गए अन्य विनियम या प्रशासन द्वारा जारी किए गए आदेश लागू होंगे।

22. त्रिपुरा सिविल सेवा क्लास 2

(क) नियुक्तियां दो वर्ष की परिवीक्षा अवधि के आधार पर की जाएंगी तथा परिवीक्षा की अवधि सक्षम प्राधिकारी चाहे तो बढ़ा भी सकेगा। परिवीक्षा के आधार पर नियुक्त उम्मीदवारों को त्रिपुरा संघ राज्य क्षेत्र के प्रशासक द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा तथा विभागीय परीक्षाएं पास करनी होंगी।

(ख) यदि प्रशासक की राय में किसी परिवीक्षाधीन अधिकारी का काम या आचरण संतोषजनक नहीं है अथवा उससे यह प्रकट होता है कि अधिकारी के सुयोग्य सिद्ध होने की संभावना नहीं है, तो प्रशासक उसे सेवा से तुरन्त अलग कर सकता है।

	कद	छोटी का घेर (पूर फैला कर)	फैलाव
(1)	(2)	(3)	(4)
(1) रेल इंजीनियरी सें०मी० सें०मी० सें०मी० सेवा सिविल, विद्युत, यांत्रिक तथा सिग्नल परि- वहन (यातायात तथा वाणिज्य विभागों) रेलवे सुरक्षा दल और विभागों के पदों पर और समुद्र-पार संचार सेवा की इंजीनियरी शाखा की श्रेणी I और II के पदों में	152	84	5 (पुरुषों के लिए) 5 (स्त्रियों के लिए)

(1)	(2)	(3)	(4)
(2) भारतीय पुलिस सेवा	165	84	5 (पुरुषों के लिए)
	150	79	5 (स्त्रियों के लिए)
(3) भारतीय वन सेवा	163	84	5 (पुरुषों के लिए)
	150	79	5 (स्त्रियों के लिए)

“गोरखा, गढ़वाली, असमी, नागालैंड आदिम जातियों आदि से सम्बन्धित उम्मीदवारों के मामले में न्यूनतम निर्धारित कद की लम्बाई में छूट दी जा सकेगी जिनकी औसत कद की लम्बाई दूसरों से छोटी होती है।”

3. उम्मीदवार का कद निम्नलिखित विधि में नापा जाएगा :—

वह अपने जूते उतार देगा और उसे माप-दण्ड (स्टैंडर्ड) से इस प्रकार सटा कर खड़ा किया जाएगा कि उसके पांव आपस में जुड़े रहें और उसका वजन, सिवाए एड़ियों के पांवों की उंगलियों या किसी और हिस्से पर न पड़े। वह बिना अकड़े सीधा खड़ा होगा और उसकी एड़ियां, पिंडलियां, नितम्ब, और कन्धे माप-दण्ड के साथ लगे होंगे। उसकी ठोड़ी नीची रखी जाएगी ताकि सिर का स्तर (बटेक्स ऑफ दि हैड लेवल) हारिजेंटल बार (आड़ी छड़) के नीचे आ जाए। कद सेंटीमीटरों और आधे सेंटीमीटरों में नापा जाएगा।

(4) उम्मीदवार की छाती नापने का तरीका इस प्रकार है :—

उसे इस भांति सीधा खड़ा किया जाएगा कि उसके पांव जुड़े हों और उसकी भुजाएं सिर से ऊपर उठी हों। फीते को छाती के गिर्दे इस तरह से लगाया जाएगा कि पीछे की ओर इसका ऊपरी किनारा असफलक (शोल्डर ब्लैड) के निम्न कोणों (इन्फिरियर-एंगल्स) से लगा रहे और यह फीते को छाती के गिर्दे ले जाने पर उसी आड़े समतल (हारिजेंटल प्लेन) में रहे। फिर भुजाओं को नीचे किया जाएगा और इन्हें शरीर के साथ लटका रहने दिया जाएगा किन्तु इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि कन्धे ऊपर या पीछे की ओर न किए जाएं जिससे कि फीता न हिले। अब उम्मीदवार को कई बार गहरा सांस लेने के लिए कहा जाएगा और छाती का अधिक-से-अधिक फैलाव गौर से नोट किया जाएगा और कम-से-कम और अधिक-से-अधिक फैलाव सेंटीमीटरों में रिकार्ड किया जाएगा, 84-89, 86-93.5 आदि। नाप को रिकार्ड करते समय आधे सेंटीमीटर से कम के भिन्न फ्रैक्शन को नोट नहीं करना चाहिए।

नोट : अन्तिम निर्णय लेने से पहले उम्मीदवारों की ऊंचाई और छाती दो बार नापनी चाहिए।

5. उम्मीदवार का वजन भी लिया जाएगा और उसका वजन किलोग्रामों में रिकार्ड किया जाएगा। आधे किलोग्राम से कम के फ्रैक्शन को नोट नहीं करना चाहिए।

6. (क) उम्मीदवार की नजर की जांच निम्नलिखित नियमों के अनुसार की जाएगी। प्रत्येक जांच का परिणाम रिकार्ड किया जाएगा :—

(ख) चश्मे के बिना नजर (नेकेड आई विजन) की कोई न्यूनतम सीमा (मिनिमम लिमिट) नहीं होगी, किन्तु प्रत्येक केस में मेडिकल बोर्ड या अन्य मेडिकल प्राधिकारी द्वारा इसे रिकार्ड किया जाएगा क्योंकि इससे आंख की हालत के बारे में मूल सूचना (बेसिक इन्फोर्मेशन) मिल जाएगी।

(ग) विभिन्न प्रकार की सेवाओं के लिए चश्मे के साथ और चश्मे के बिना दूर और नजदीक की नजर का मानक निम्नलिखित होगा।

सेवा की श्रेणी	दूर की नजर	नजदीक की नजर
	अच्छी खराब आंख आंख (ठीक की हुई दृष्टि)	अच्छी खराब आंख आंख (ठीक की हुई दृष्टि)

वर्ग I और II

(i) तकनीकी	6/6	6/12	जे० I	जे० II
	या	6/9	6/9	
(ii) अतकनीकी	6/9	6/12	जे० I	जे० II

उपर्युक्त तकनीकी सेवाओं और लोक सुरक्षा से सम्बन्धित कोई अन्य सेवाओं के संबंध में (सिलिंडर मिलाकर) मायोपिया कुल—4.00 डी० (प्लस) से अधिक नहीं हो। हाइपरमेट्रोपिया की कुल (सिलिंडर मिलाकर) 4.00 डी० (प्लस) से अधिक नहीं होना चाहिए।

(घ) आयोगिता के प्रत्येक मामले में, फंडस परीक्षा की जानी चाहिए और उसका परिणाम रिकार्ड किए जाने चाहिए। व्याधिकृत दशा मौजूद होने पर जो कि बढ़ सकती है और उम्मीदवार की दक्षता पर प्रभाव डाल सकती है, उसे अयोग्य घोषित किया जाए।

(ङ) दृष्टि क्षेत्र—सभी सेवाओं के लिए सम्मुख विधि (कन्फ्रन्टेशन मैथड) द्वारा दृष्टि क्षेत्र की जांच की जाएगी। जब ऐसी जांच का नतीजा असन्तोषजनक या संदिग्ध हो तब दृष्टि-क्षेत्र को परिभाषी (पैरामीटर) पर निर्धारित किया जाना चाहिए।

(च) रतौंधी (नाइट ब्लाइंडनेस)—साधारणतया रतौंधी दो प्रकार की होती है, (1) विटामिन 'ए' की कमी होने के कारण और (2) रेटिना के शारीरिक रोग के कारण रेटिनीटिस पिग मेन्टोसा होता है। जिसका सामान्य कारण ऊपर बताई गई (1) की स्थिति में फंडस में प्रसामान्य होता है, साधारणतया छोटी आयु वाले व्यक्तियों में और कम खुराक पाने वाले व्यक्तियों में दिखाई देता है और अधिक मात्रा में विटामिन 'ए' के खाने से ठीक हो जाता है। ऊपर बताई गई (2) की स्थिति में फंडस में खराबी होती है और अधिकांश मामलों में केवल फंडस की परीक्षा से ही स्थिति का

पता चल जाता है। इस श्रेणी का रोगी प्रौढ़ होता है और खुराक की कमी से पीड़ित नहीं होता है। सरकार में ऊंची नौकरियों के लिए प्रयत्न करने वाले व्यक्ति इस वर्ग में आते हैं।

उपर्युक्त (1) और (2) दोनों के लिए अन्धेरा अनुकूलन परीक्षा से स्थिति का पता चल जाएगा। उपर्युक्त (2) के लिए विशेषतया जब फंडस खराब न हो तो इलेक्ट्रो-रेटीनोग्राफी किए जाने की आवश्यकता होती है। इन दोनों जांचों में (अंधेरा अनुकूलन और रेटीनोग्राफी) में समय अधिक लगता है और विशेष प्रबन्ध और सामान की आवश्यकता होती है। इसलिए साधारण चैकित्सिक जांच के लिए यह समय नहीं है। रतीनोग्राफी की बातों की ध्यान में रखते हुए मन्त्रालय/विभाग ने यह बताया कि वे बताएं कि रतीनोग्राफी के लिए इन जांचों में अनिवार्य है या नहीं। यह इस बात पर निर्भर होगा कि वे से सम्बन्ध काम की आवश्यकता क्या है और जिन व्यक्तियों को सरकारी नौकरी दी जाने वाली उनकी ड्यूटी जिस तरह की होगी।

कलर विजन—रंगों के संबंध में नजर की जांच जरूरी है।

नीचे दी गई तालिका के अनुसार रंग का प्रत्यक्ष ज्ञान उच्चतर (हायर) और निम्नतर (लोअर) ग्रेडों में होना चाहिए जो लैटर्न के द्वारक (एपर्चर) के आकार पर निर्भर हों।

ग्रेड	रंग के प्रत्यक्ष ज्ञान का उच्चतर ग्रेड	रंग के प्रत्यक्ष ज्ञान का निम्नतर ग्रेड
1. लैम्प और उम्मीदवार के बीच की दूरी	16'	16'
2. द्वारक (एपर्चर) का आकार	1. 3 मि०मीटर	13 मि० मीटर
3. दिखाने का समय	5 सैकंड	5 सैकंड

लाल संकेत, हरे संकेत और सफेद रंग को आसानी से और हिचकिचाहट के बिना पहचान लेना संतोषजनक कलर विजन है। इतिहास की प्लेटों के इस्तेमाल को जिन्हें एड्रिज ग्रीन की लैटर्न जैसी उपर्युक्त लैटर्न और अच्छे रोशनी में दिखाया जाता है, कलर विजन की जांच करने के लिए बिल्कुल विश्वसनीय समझा जाएगा। वैसे तो दोनों जांचों में से किसी भी एक जांच की साधारणतया पर्याप्त समझा जा सकता है। लेकिन सड़क, रेल और हवाई यातायात से सम्बन्धित सेवाओं के लिए लैटर्न से जांच करना लाजमी है। शक वाले मामलों में जब उम्मीदवार को किसी एक जांच करने पर अयोग्य पाया जाए तो दोनों ही तरीकों से जांच करनी चाहिए। तथापि कलर विजन की जांच के लिए इतिहास प्लेट और एड्रिज की हरी लालटेन दोनों का प्रयोग भारतीय रेल यातायात सेवा में उम्मीदवारों की नियुक्ति के लिए किया जाएगा। जहां तक अतकनीकी सेवाओं/पदों का सम्बन्ध है, सम्बन्धित मन्त्रालय/विभाग को धिक्रसा बोर्ड को यह सूचना भेजनी होगी कि उम्मीदवार ऐसी सेवा के लिए है जिसके लिए कलर विजन की जांच आवश्यक है या नहीं।

(ज) दृष्टि की पकड़ से भिन्न आंख की अवस्थाएं (आक्यूलर कंडीशन्स) :—

(i) आंख की उस बीमारी को या बढ़ती हुई वर्तन दृष्टि (प्रोग्रेसिव रिफ्रेक्टिव एर) को, जिसके परिणाम-स्वरूप दृष्टि की पकड़ के कम होने की संभावना हो, अयोग्यता का कारण समझना चाहिए।

(ii) भेंगापन (स्किवट) —तकनीकी सेवाओं, में, जहां द्विनेत्री (बाइनाकुलर) दृष्टि का होना अनिवार्य हो, दृष्टि की पकड़ निर्धारित स्तर की होने पर भी भेंगापन को अयोग्यता का कारण समझना चाहिए। यह रेलवे सुरक्षा दल के उम्मीदवारों के लिए भी लागू होगा। दृष्टि की पकड़ निर्धारित स्तर की होने पर भेंगापन को अन्य सेवाओं के लिए अयोग्यता के कारण नहीं समझना चाहिए।

(iii) एक आंख —श्रेणी i और श्रेणी ii के पदों पर नियुक्ति के लिए स्वास्थ्य बोर्ड एक आंख वाले व्यक्ति की सिफारिश उसी अवस्था में कर सकता है जबकि बोर्ड के मन्त्रालयानुसार उम्मीदवार संबंधित सेवा में उससे अपेक्षित सभी कार्य कर सकता हो। यद्यपि ठीक आंख की दृष्टि पकड़ दूर की नजर के लिए 6/6 और नजदीक की नजर 0-6 के लिए हो और वर्तनदृष्टि (रिफ्रेक्टिव एरर) 4-00 डी० से कम या अधिक न हो और ठीक आंख का फंडस सामान्य सामान्यतः पता न चले। विकलांगों की स्थिति को ध्यान में रखते हुए उपर्युक्त छूट केवल एक आंख वाले व्यक्तियों के लिए होगी और अन्य व्यक्तियों के लिए यह छूट लागू नहीं होगी।

(2) कोन्टैक्ट लेंस (Contact Lenses) —उम्मीदवार की स्वास्थ्य परीक्षा के समय कोन्टैक्ट लेंस के प्रयोग की आज्ञा नहीं होगी : आंख की जांच करते समय यह आवश्यक है कि दूर की नजर के लिए टाइप किए हुए अक्षर 16 फुट से प्रकाशित हों।

7. बलड प्रेशर

बलड प्रेशर के सम्बन्ध में बोर्ड अपने निर्णय से काम लेगा। नार्मल उच्चतम सिस्टोलिक प्रेशर के आकलन की काम चलाऊ विधि नीचे दी जाती है।

(i) 15 से 25 वर्ष के व्यक्तियों में औसत बलड प्रेशर लगभग 100 + आयु होता है।

(ii) 25 वर्ष से ऊपर की आयु वाले व्यक्तियों में बलड प्रेशर के आकलन का सामान्य नियम यह है कि 110 में आधी आयु जोड़ दी जाए। यह तरीका बिल्कुल संतोषजनक दिखाई पड़ता है।

ध्यान दीजिए—सामान्य नियम के रूप में 140 से ऊपर के सिस्टोलिक प्रेशर को और 90 से ऊपर के डायस्टोलिक प्रेशर को संदिग्ध मान लेना चाहिए, और उम्मीदवार को योग्य या अयोग्य ठहराने के सम्बन्ध में अपनी अन्तिम राय देने से पहले बोर्ड को चाहिए कि उम्मीदवार को अस्पताल में रखे। अस्पताल में रखने की रिपोर्ट से यह पता चला चाहिए कि धबकाहट (एक्साइटमेंट) आदि

के कारण ब्लड प्रेशर थोड़े समय रहने वाला है या इसका कारण कोई कायिक (आर्गेनिक बीमारी) है [ऐसे सभी केसों में हृदय की एक्स-रे और विद्युत् हृल्लेखी (इलेक्ट्रोकार्डियोग्राफिक)] परीक्षाएं और रक्त यूरिया निकास (ल्योरेंस) की जांच भी नेमी रूप से की जानी चाहिए। फिर भी उम्मीदवार के योग्य होने या न होने के बारे में अन्तिम फैसला केवल मेडिकल बोर्ड ही करेगा।

ब्लड प्रेशर (रक्त दाब) लेने का तरीका

नियमतः पारेवाले दाबमापी (मर्करी मेनोमीटर) किस्म का आला (इंस्ट्रुमेन्ट) इस्तेमाल करना चाहिए। किसी किस्म के व्यायाम या घबराहट के बाद पन्द्रह मिनट तक रक्त दाब नहीं लेना चाहिए। रोगी बैठा या लेटा हो बशर्ते कि वह और विशेषकर उसकी भुजा शिथिल और आराम से हो। कुछ कुछ हारिजंटल स्थिति में रोगी के पार्श्व पर भुजा को आराम से सहारा दिया जाता है। भुजा पर से कंधे तक कपड़े उतार देने चाहिए। कफ में से पूरी तरह हवा निकाल कर बीच की रबड़ को भुजा के अन्दर की ओर रख कर और इसके निचले किनारे को कोहनी के मोड़ से एक या दो इंच ऊपर करके लगाना चाहिए। इसके बाद कपड़े की पट्टी को फैला कर समान रूप से लपेटना चाहिए ताकि हवा भरने पर कोई हिस्सा फूल कर बाहर को न निकले।

कोहनी के मोड़ पर प्रगंड धमनी (ब्रैंकिअल आर्टरी) को दबा-दबा कर ढूंढा जाता है और तब इसके ऊपर बीचों-बीच स्टैस्कोप को हल्के से लगाया जाता है जो कफ के साथ न लगे। कफ में लगभग 200 m.m. Hg. हवा भरी जाती है और इसके बाद इसमें से धीरे-धीरे हवा निकाली जाती है। हल्की श्रमिक ध्वनि सुनाई पड़ने पर जिस स्तर पर पारे का कालम टिका होता है वह सिस्टोलिक प्रेशर दर्शाता है। जब और हवा निकाली जाएगी तो ध्वनियां तेज सुनाई पड़ेंगी। जिस स्तर पर ये साफ और अच्छी सुनाई पड़ने वाली ध्वनियां हल्की दबी हुई-सी लुप्त प्राय हो जाएं, वह डायस्टोलिक प्रेशर है। ब्लड प्रेशर काफी थोड़ी अवधि में ही ले लेना चाहिए क्योंकि कपल के लम्बे समय का दबाव रोगी के लिए क्षोभकार होता है और इससे रीडिंग गलत हो जाता है। यदि दोबारा पड़ताल करनी जरूरी हो तो कफ में से पूरी हवा निकाल कर कुछ मिनट के बाद ही ऐसा किया जाए। (कभी-कभी कफ में से हवा निकालने पर एक निश्चित स्तर पर ध्वनियां सुनाई पड़ती हैं, दाब गिरने पर वे गायब हो जाती हैं और निम्नतर स्तर पर पुनः प्रकट हो जाती हैं। इस "साइलेन्ट गेप" से रीडिंग में गलती हो सकती है)।

8. परीक्षक की उपस्थिति में किए गए मूल की परीक्षा की जानी चाहिये और परिणाम रिकार्ड किया जाना चाहिये। जब मेडिकल बोर्ड को किसी उम्मीदवार के मूल में रासायनिक जांच द्वारा शक्कर का पता चले तो बोर्ड इसके दूसरे सभी पहलुओं की परीक्षा करेगा और मधुमेह (डायबीटीज) के द्योतक चिह्नों और लक्षणों को भी विशेष रूप से नोट करेगा। यदि बोर्ड उम्मीदवार को ग्लूकोज मेह (ग्लाइकोसूरिया) के सिवाय, अपेक्षित मेडिकल फिटनेस के स्टैंडर्ड के अनुरूप पाए तो वह उम्मीदवार को इस शर्त के साथ फिट घोषित कर सकता है कि ग्लूकोज मेह अमधु मेही (नान डायबेटिक) हो और बोर्ड केस को मेडिसिन के किसी ऐसे निर्दिष्ट विशेषज्ञ के पास भेजेगा जिसके पास अस्पताल और

प्रयोगशाला की सुविधाएं हों। मेडिकल विशेषज्ञ स्टैंडर्ड ब्लड शुगर टालरेंस टेस्ट समेत जो भी क्लिनिकल या लेबोरेटरी परीक्षाएं जरूरी समझेगा करेगा और अपनी रिपोर्ट मेडिकल बोर्ड को भेज देगा जिस पर मेडिकल बोर्ड की 'फिट' या 'अनफिट' की अन्तिम राय आधारित होगी। दूसरे अवसर पर उम्मीदवार के लिए बोर्ड के सामने स्वयं उपस्थित होना जरूरी नहीं होगा। औषधि के प्रभाव को समाप्त करने के लिए यह जरूरी हो सकता है कि उम्मीदवार को कई दिन तक अस्पताल में पूरी देख-रेख में रखा जाए।

9. जो स्त्री उम्मीदवार जांचों के फलस्वरूप 12 सप्ताह या उससे अधिक अवधि की गर्भवती पाई जाए उसे तब तब के लिए अस्थायी रूप से अयोग्य घोषित कर दिया जाए जब तक उसकी गर्भावस्था समाप्त न हो जाए। गर्भावस्था के समाप्त होने के 6 सप्ताह बाद यदि वह पंजीकृत चिकित्सक के स्वस्थता प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर दे तो आरोग्य प्रमाण-पत्र के लिए उसकी फिर से जांच की जाए।

10. निम्नलिखित अतिरिक्त बातों का प्रेक्षण करना चाहिए :—

(क) उम्मीदवार को दोनों कानों से अच्छा सुनाई पड़ता है या नहीं और कान की बीमारी का कोई चिह्न है या नहीं। यदि कोई कान की खराबी हो तो इसकी परीक्षा कान विशेषज्ञ द्वारा की जानी चाहिए। यदि सुनने की खराबी का इलाज शल्य-विद्या (आपरेशन) या हियरिंग एड के इस्तेमाल से हो सके तो उम्मीदवार को इस आधार पर अयोग्य घोषित नहीं किया जा सकता बशर्ते कि कान की बीमारी बढ़ने वाली न हो। रेलवे सेवाओं के लिए यह बात लागू नहीं है।

(ख) उम्मीदवार बोलने में हकलाता है या नहीं।

(ग) उसके दांत अच्छी हालत में हैं या नहीं; और अच्छी तरह चबाने के लिए जरूरी होने पर नकली दांत लगे हैं या नहीं। (अच्छी तरह भरे हुए दांतों को ठीक समझा जाएगा)।

(घ) उसकी छाती की बनावट अच्छी है या नहीं और छाती काफी फैलती है या नहीं तथा उसका दिल और फेफड़े ठीक हैं या नहीं।

(ङ) उसे पेट की कोई बीमारी है या नहीं।

(च) उसे रेफ़र (हार्निया या फटन) है या नहीं।

(छ) उसे हाइड्रोसील, बड़ी हुई बेरिकोसील बेरिकोज शिरा (वेन) या बवासीर है या नहीं।

(ज) उसकी शाखाओं, हाथों और पैरों की बनावट और विकास अच्छा है या नहीं और उसकी संघिया भली भांति स्वतंत्र रूप से हिलती हैं या नहीं।

(झ) उसे कोई चिरस्थायी त्वचा की बीमारी है या नहीं।

(झ) कोई मज्जात कुरचना या दोष है या नहीं।

(ट) उसमें किसी उग्र या जीर्ण बीमारी के निशान हैं या नहीं। जिनसे कमजोर गठन का पता लगे।

(ठ) कारगर टीके के निशान हैं या नहीं।

(ड) उसे कोई संचारी (कम्यूनिकेबल) रोग है या नहीं।

11. दिल और फेफड़ों की किसी ऐसी विलक्षता का पता लगाने के लिये जो साधारण शारीरिक परीक्षा से ज्ञात न हो, सभी केसों में नेमी रूप से छाती की एकसरे परीक्षा की जानी चाहिए।

जब कोई दोष मिले तो उसे प्रमाण पत्र में अवश्य ही नोट किया जाए। मेडिकल परीक्षक को अपनी राय लिख देनी चाहिए कि उम्मीदवार से अपेक्षित दक्षतापूर्ण झूटी में इससे बाधा पड़ने की संभावना है या नहीं।

12. जहां तक मिली जुली प्रतियोगिता परीक्षा के उम्मीदवार का सम्बन्ध है, उसके लिए ऊपर पैरा 11 के नीचे की टिप्पणी में बताई गई अपील करने की कार्यविधि लागू नहीं होती। इस परीक्षा के उम्मीदवारों को अपील की शुल्क 50 रु० भारत सरकार के इस सम्बन्ध में निर्धारित ढंग से जमा करना होता है। यह फीस केवल उन उम्मीदवारों को वापस मिलेगी जो अपीलीय स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड द्वारा आरोग्य घोषित किए जाएंगे। शेष दूसरों के मामलों में यह जम्मा कर ली जाएगी। यदि उम्मीदवार चाहे तो अपने आरोग्य होने के दावे के समर्थन में स्वस्थता प्रमाण पत्र संलग्न कर सकते हैं। उम्मीदवारों को प्रथम स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड द्वारा भेजे गए निर्णय के 21 दिन के अन्दर अपीलें पेश करनी चाहिए अन्यथा दूसरी स्वास्थ्य परीक्षा के लिए अपीलीय स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड द्वारा दूसरी स्वास्थ्य परीक्षा केवल नई दिल्ली में ही होगी और इसका खर्च उम्मीदवारों को ही देना पड़ेगा। दूसरी स्वास्थ्य परीक्षा के सम्बन्ध में की जाने वाली यात्राओं के लिए कोई यात्रा-भत्ता या दैनिक-भत्ता नहीं दिया जाएगा। अपीलों के निर्धारित शुल्क के साथ प्राप्त होने पर अपीलीय स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड द्वारा की जाने वाली स्वास्थ्य परीक्षा के प्रबन्ध के लिए मंत्री मंडल (कामिक विभाग) द्वारा आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट

मेडिकल परीक्षक के मार्गदर्शन के लिए निम्नलिखित सूचना दी जाती है :—

1. शारीरिक योग्यता (फिटनेस) के लिए अपनाए जाने वाले स्टैंडर्ड में संबंधित उम्मीदवार की आयु और सेवा-काल (यदि हो) के लिए उचित गुंजाइश रखनी चाहिए।

किसी ऐसे व्यक्ति को पब्लिक सर्विस में भर्ती के लिए योग्य नहीं समझा जाएगा जिसके बारे में यथास्थिति सरकार या नियुक्ति प्राधिकारी (अपाइंटिंग अथॉरिटी) को यह तसल्ली नहीं होगी कि उसे ऐसी कोई बीमारी या शारीरिक दुर्बलता (बाडिली इनफर्मिटी) नहीं है जिसे वह उस सेवा के लिए अयोग्य हो या उसके अयोग्य होने की संभावना हो।

यह बात समझ लेनी चाहिए कि योग्यता का प्रश्न भविष्य से भी उतना ही सम्बन्ध है जितना वर्तमान से है और मेडिकल परीक्षा का एक मुख्य उद्देश्य निरन्तर कारगर सेवा प्राप्त करना और स्थायी नियुक्ति के उम्मीदवार के मामले में अकाल मृत्यु होने पर समय-पूर्व पेंशन या अदायगियों को रोकना है। साथ ही यह भी नोट किया जाए कि यहां प्रश्न केवल निरन्तर कारगर सेवा की संभावना का है और उम्मीदवार को अस्वीकृत करने की सलाह उस हालत में नहीं दी जानी चाहिए जबकि उसमें कोई ऐसा दोष हो जो केवल बहुत कम स्थितियों में निरन्तर कारगर सेवा में बाधक पाया गया हो।

महिला उम्मीदवार की परीक्षा के लिए किसी लेडी डाक्टर को मेडिकल बोर्ड के सदस्य के रूप में सहयोजित किया जाएगा।

भारतीय रक्षा लेखा सेवा (इंडियन डिफेंस अकाउंट्स सर्विस) के उम्मीदवारों को भारत में और भारत से बाहर क्षेत्र सेवा (फील्ड सर्विस) करनी होगी। ऐसे उम्मीदवार के मामले में मेडिकल बोर्ड को इस बारे में अपनी राय विशेष रूप से रिकार्ड करनी चाहिए कि उम्मीदवार क्षेत्र सेवा (फील्ड सर्विस) के योग्य है या नहीं।

डाक्टरी बोर्ड की रिपोर्ट को गोपनीय रखना चाहिए।

ऐसे मामलों में जब कि कोई उम्मीदवार सरकारी सेवा में नियुक्ति के लिए अयोग्य करार दिया जाता है तो मोटे तौर पर उसके अस्वीकार किए जाने के आधार उम्मीदवार को बताए जा सकते हैं किन्तु डाक्टरी बोर्ड ने जो खराबी बताई हो उनका विस्तृत व्यौरा नहीं दिया जा सकता।

ऐसे मामलों में जहां डाक्टरी बोर्ड का यह विचार हो कि सरकारी सेवा के लिए उम्मीदवार को अयोग्य बनाने वाली छोटी-मोटी खराबी चिकित्सा (औषध या शल्य) द्वारा दूर हो सकती है वहां डाक्टरी बोर्ड द्वारा इस आशय का कथन रिकार्ड किया जाना चाहिए। नियुक्त प्राधिकारी द्वारा इस बारे में उम्मीदवार को बोर्ड की राय सूचित किए जाने में कोई आपत्ति नहीं है और जब वह खराबी दूर हो जाए तो दूसरे डाक्टरी बोर्ड के सामने उस व्यक्ति को उपस्थित होने के लिए कहने में संबंधित प्राधिकारी स्वतंत्र हैं।

यदि कोई उम्मीदवार स्थाई तौर से अयोग्य करार दिया जाए तो दुबारा परीक्षा की अवधि साधारणतया कम-से-कम छः महीने से कम नहीं होनी चाहिए। मिश्रित अवधि के बाद जब दुबारा परीक्षा हो तो ऐसे उम्मीदवारों को और आगे की अवधि के लिए अस्थायी तौर पर अयोग्य घोषित न कर नियुक्ति के लिए उनकी योग्यता के सम्बन्ध में अथवा वे इस नियुक्ति के लिए अयोग्य है ऐसा निर्णय अन्तिम रूप से दिया जाना चाहिए।

(क) उम्मीदवार का कथन और घोषणा :

अपनी मेडिकल परीक्षा से पूर्व उम्मीदवार को निम्नलिखित अपेक्षित स्टेटेमेंट देना चाहिए और उसके साथ लगी हुई घोषणा (डिक्लेरेशन) पर हस्ताक्षर करने चाहिए। नीचे दिए गए नोट-में उल्लिखित चेतावनी की ओर उम्मीदवार को विशेष रूप से ध्यान देना चाहिए।

1. अपना पूरा नाम लिखें.....

(साफ अक्षरों में)

2. अपनी आयु और जन्म स्थान बताएं

“2(क) क्या आप गोरखा, गढ़वाली, असमी, नागालैण्ड आदिम जातियों आदि से सम्बन्धित हैं जिनका औसत कद दूसरों से छोटा होता है। ‘हां’ या ‘नहीं’ में उत्तर दीजिए और यदि उत्तर ‘हां’ में है तो उस जाति का नाम बताइए”।

3. (क) क्या आपको कभी चेचक, रुक-रुक कर होने वाला या कोई दूसरा बुखार, ग्रंथियों (ग्लैंड्स) का बढ़ना या इनमें पीप पड़ना, थूक में खून आना, दमा, दिल की बीमारी, फेफड़े की बीमारी, मूछों के दोरे, रूमेटिज्म, एर्पेडिसाइटिस हुआ है ?

अथवा

(ख) दूसरी कोई भी बीमारी या दुर्घटना, जिसके कारण शय्या पर लेटे रहना पड़ा हो और जिसका मेडिकल या सर्जिकल इलाज किया गया हो, हुई है ?

4. आपको चेचक आदि का अन्तिम टीका कब लगा था ?

5. क्या आपको अधिक काम या किसी दूसरे कारण से किसी किस्म की अधीरता (नर्वसनेस) हुई है ?

6. अपने परिवार के सम्बन्ध में निम्नलिखित ब्यौरा दें।

यदि पिता जीवित हो तो उसकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था

यदि पिता की मृत्यु हो चुकी हो तो मृत्यु के समय पिता की आयु और मृत्यु का कारण

आपके कितने भाई जीवित हैं, उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था

आप के कितने भाईयों की मृत्यु हो चुकी है, मृत्यु के समय उनकी आयु और मृत्यु का कारण

यदि माता जीवित हो तो उसकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था

यदि माता की मृत्यु हो चुकी हो तो मृत्यु के समय उसकी आयु और मृत्यु का कारण

आपकी कितनी बहनें जीवित हैं, उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था

आपकी कितनी बहनों की मृत्यु हो चुकी है, मृत्यु के समय उनकी आयु और मृत्यु का कारण

7. क्या इसके पहले किसी मेडिकल बोर्ड ने आपकी परीक्षा की है ?

8. यदि ऊपर के प्रश्न का उत्तर 'हां' हो तो बताइए किस सेवा/सेवाओं के लिए आपकी परीक्षा की गई थी ?

9. परीक्षा लेने वाला प्राधिकारी कौन था ?

10. कब और कहाँ मेडिकल का परिणाम

11. मेडिकल बोर्ड की परीक्षा का परिणाम

यदि आपको बताया गया हो अथवा आपको मालूम हो।

मैं घोषित करता हूँ कि जहाँ तक मेरा विश्वास है, ऊपर दिए गए सभी जबाब सही और ठीक हैं।

उम्मीदवार के हस्ताक्षर

मेरे सामने हस्ताक्षर किए।

बोर्ड के चेयरमैन के हस्ताक्षर

नोट—उपर्युक्त कथन की यथार्थता के लिए उम्मीदवार जिम्मेदार होगा। जान बूझ कर किसी सूचना को छुपाने से वह निवृत्त हो बैठने की जोखिम लेगा और यदि वह निवृत्त हो भी

जाये तो वार्धक्य निवृत्ति भत्ता (सुपरएनुएशन अलाउंस) या उपदान (ग्रेचूटी) के सभी दावों से हाथ धो बैठेगा।

(ख) की शारीरिक परीक्षा की/

मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट

1. सामान्य विकास : अच्छा बीच का कम . . .
पोषण : पतला औसत मोटा . . .
कद (जूते उतार कर) वजन
अत्युत्तम वजन कब था ?
वजन में कोई हाल ही में हुआ परिवर्तन
तापमान
छाती का घेरा

(1) पूरा सांस खींचने पर

(2) पूरा सांस निकालने पर

2. त्वचा—कोई जाहिरी बीमारी

3. नेत्र

(1) कोई बीमारी

(2) रतौधी

(3) क्लर विजन का दोष

(4) दृष्टि क्षेत्र (फील्ड ऑफ विजन)

(5) दृष्टि की पकड़ (विजुअल एग्जिट)

दृष्टि की पकड़ चश्मे के बिना चश्मे से चश्मे की पावर
गोल सिलि० अक्ष

दूर की नजर दा० ने०

बा० ने०

पास की नजर दा० ने०

बा० ने०

हाइपरमेट्रोपिया दा० ने०

(व्यक्त) बा० ने०

4. कान : निरीक्षण..... सुनना :

दायां कान..... बायां कान.....

5. ग्रंथियों..... थाइराइड.....

6. दांतों की हालत.....

7. श्वसन तंत्र (रेस्पिरैटरी सिस्टम) क्या शारीरिक परीक्षा करने पर सांस के अंगों में किसी विलक्षणता का पता लगा है ? यदि पता लगा है तो विलक्षणता का पूरा ब्यौरा दें ?

8. परिचरण तंत्र (सर्क्युलेरटी सिस्टम)

(क) हृदय : कोई आंगिक क्षति (आंगनिक लीजन) ?

गति (रेट) :

खड़े होने पर :

25 बार कुदाए जाने के बाद.....

कुदाए जाने के 2 मिनट बाद.....

(ख) ब्लड प्रेशर..... सिस्टोलिक.....

डायस्टोलिक.....

9. उदर (पेट) : घेर..... दाब वेदना (टेंडरनेस) हुनिया.....

(क) दबा कर मालूम पड़ना, जिगर..... तिल्ली.....

गुर्दे..... ट्यूमर.....

(ख) बवासीर के मससे..... फिस्चुला.....

10. तांत्रिक तंत्र (नर्वस सिस्टम) तांत्रिक या मानसिक अशक्तता का संकेत.....

11. चाल तंत्र (लोकोमोटर सिस्टम)

कोई विलक्षणता.....

12. जनन-मूत्र तंत्र (जेनिटो यूरिनरी सिस्टम) /हाइड्रोसील, वेरिकोसील आदि का कोई संकेत।

मूत्र परीक्षा :

(क) कैसा दिखाई पड़ता है ?

(ख) स्पेसिफिक ग्रेविटी (अपेक्षित गुरुत्व)

(ग) एल्ब्युमेन

(घ) शक्कर

(ङ) कास्ट

(च) केशिकाएं (सेल्स)

13. छाती की एक्स-रे परीक्षा की रिपोर्ट

14. क्या उम्मीदवार के स्वास्थ्य में कोई ऐसी बात है जिससे वह उस सेवा की दक्षतापूर्वक निभाने के लिये अयोग्य हो सकता है जिसके लिए वह उम्मीदवार है ?

15. (i) उन सेवाओं का उल्लेख करें जिनके लिए उम्मीदवार की परीक्षा की गई है :—

(क) भारतीय प्रशासनिक सेवा और भारतीय विदेश सेवा।

(ख) भारतीय पुलिस सेवा, दिल्ली और हिमाचल प्रदेश पुलिस सेवा, मणिपुर पुलिस सेवा तथा त्रिपुरा पुलिस सेवा।

(ग) केन्द्रीय सेवाएं श्रेणी I से II

(ii) क्या वह निम्नलिखित सेवाओं में दक्षतापूर्वक और निरन्तर काम करने के लिये सब तरह से योग्य पाया गया है :—

(क) भारतीय प्रशासनिक सेवा और भारतीय विदेश सेवा।

(ख) भारतीय पुलिस सेवा, दिल्ली और हिमाचल प्रदेश पुलिस सेवा, मणिपुर पुलिस सेवा तथा त्रिपुरा पुलिस सेवा (कद, छाती का घेर, नजर, रंग दिखाई न देना और चाल, खास तौर से देखें)।

(ग) भारतीय रेलवे के परिवहन (यातायात) और वाणिज्य विभाग (कद, छाती, नजर, रंग दिखाई न देना, खास तौर से देखें)

(घ) दूसरी केन्द्रीय सेवाएं श्रेणी I/II

(iii) क्या उम्मीदवार क्षेत्र सेवा (फील्ड सर्विस) के लिये योग्य है ?

नोट—बोर्ड को अपना जांच परिणाम निम्नलिखित तीन वर्गों में से किसी एक वर्ग में रिकार्ड करना चाहिए।

(i) योग्य (फिट)

(ii) अयोग्य (अनफिट) जिसका कारण.....

(iii) अस्थायी रूप से अयोग्य, जिसका कारण.....

स्थान.....अध्यक्ष (प्रेसिडेंट).....

तारीख.....सदस्य.....

सदस्य.....

योजना आयोग

संकल्प

सामाजिक विधान पर विशेषज्ञों की सलाहकार समिति

नई दिल्ली, दिनांक 17 फरवरी 1971

सं० पी० सी०/एस० डब्लू०/1/2/70—योजना आयोग के आयोग द्वारा 1956 में प्रकाशित "सामाजिक विधान (सोशल लैजिस्लेशन) समाज कल्याण में इसका योगदान" शीर्षक प्रकाशन के संशोधन व विस्तार करने और उसे अद्यतन बनाने का निर्णय किया है और इसके लिए नीचे दिये गए विशेषज्ञों की सलाहकार समिति स्थापित की है :-

- | | |
|---------------------------------------|------------|
| (क) डा० (श्रीमती) दुर्गाबाई देशमुख | अध्यक्ष |
| (ख) श्री टी० आर० जयरामन | |
| संयुक्त सचिव, | |
| शिक्षा एवं युवक सेवा मन्त्रालय | सदस्य |
| (ग) श्री एस० बालाकृष्णन् | |
| संयुक्त सचिव, गृह मन्त्रालय | सदस्य |
| (घ) श्री एम० सी० नानावती | |
| सलाहकार (एस० डब्लू०) | |
| समाज कल्याण विभाग | सदस्य |
| (ङ) श्रीएस० के० श्रीनिवासमूर्ति | |
| उप वैधानिक सलाहकार, | |
| विधि मन्त्रालय | सदस्य |
| (च) डा० (कुमारी) ई० वी० सेबैस्टियम | |
| सहायक आयुक्त (एम० सी० एच०), | |
| स्वास्थ्य तथा परिवार नियोजन मन्त्रालय | सदस्य |
| (छ) प्रो० बी० जगन्नाथन, | |
| इन्डियन इन्स्टिट्यूट आफ पब्लिक | |
| एडमिनिस्ट्रेशन, नई दिल्ली | सदस्य |
| (ज) श्री एस० एन० रानाडे | |
| प्रिन्सिपल | |
| दिल्ली स्कूल आफ सोशलवर्क | |
| दिल्ली-7 | सदस्य |
| (झ) श्री डी० पी० नायर | |
| वरिष्ठ विशेषज्ञ (शिक्षा और स० यो०) | |
| योजना आयोग | सदस्य-सचिव |

- समिति के विचारार्थ विषय ये होंगे :
उपर्युक्त प्रकाशन का संशोधन व विस्तार करने और उसे अद्यतन बनाने के लिए सलाह देना ।
- समिति अन्य सदस्यों को सहयोजित कर सकेगी और उप-समितियाँ बना सकेगी ।
- जब भी आवश्यकता होगी समिति की बैठक नई दिल्ली अथवा अन्य किसी स्थान पर बुलायी जा सकेगी ।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक प्रति भारत के राजपत्र में प्रकाशित की जाये और तथा सभी सम्बन्धितों को भेजी जाये ।

एस० हामिद, संयुक्त सचिव

वित्त मन्त्रालय

(अर्थ विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 12 फरवरी 1971

सं० एफ० 3 (8)-एन० एस०/70—राष्ट्रपति एतद्द्वारा वित्त मन्त्रालय (अर्थ विभाग) की 28 फरवरी, 1970 की अधिसूचना संख्या एफ० 3 (8)-एन० एस०/70 में प्रकाशित डाकघर (आवर्तक जमा) नियमावली, 1970 में और संशोधन करने के लिये निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

- (1) इन नियमों को डाकघर (आवर्तक जमा) (दूसरा संशोधन) नियमावली, 1971 कहा जा सकेगा ।
- (2) ये नियम पहली अप्रैल, 1970 से लागू हुए माने जायेंगे

2. डाकघर (आवर्तक जमा) नियमावली, 1970 के नियम 6 के उप नियम (3) के खण्ड (क) में उपखण्ड (ii) के स्थान पर निम्नलिखित उपखण्ड रखा जाय:—

“(ii) नियम 5 में निर्दिष्ट किसी भी अन्य खाते के सम्बन्ध में चूक हो जाने पर प्रत्येक महीने के लिये किस्त के 10 रुपये पर 5 पैसे और 10 रुपये से कम पर, यदि कोई हो तो 2 पैसे ।”

प्र० ना० मालवीय, अनुसचिव

विदेशी व्यापार मन्त्रालय

संकल्प

नई दिल्ली, दिनांक जनवरी 1971

सं० 1/8/70-एच० सी०—इस मन्त्रालय के संकल्प सं० 1/8/70-एच० सी० दिनांक 7 जनवरी, 1971 का अंशतः आशोधन करते हुए, भारत सरकार ने, जिला हरिजन सेवक संघ, बिहार, के सचिव, श्री जुगल किशोर झा को, तत्काल प्रभाव से, अखिल भारतीय हस्तशिल्प बोर्ड, नई दिल्ली के सदस्य के रूप में, मनोनीत करने का विनिश्चय किया है ।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की प्रति सभी संबद्धों को भेजी जाये और इसे भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाये ।

टी० एस० परमेश्वरन, अवर सचिव

**पेट्रोलियम तथा रसायन और खान तथा धातु मंत्रालय
(पेट्रोलियम विभाग)**

नई दिल्ली, दिनांक 20 फरवरी 1971

संकल्प

सं० 28 (II)/70-ओ० आर०—पेट्रोलियम तथा रसायन और खान तथा धातु मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) के संकल्प संख्या 28 (II)/70-ओ० आर० दिनांक 22 अगस्त, 1970 का आंशिक संशोधन करते हुए, कण्डिका (पैराग्राफ) 4 के स्थान पर निम्न कण्डिका प्रतिस्थापित की जाए—

“आयोग अपनी रिपोर्ट 31 अगस्त, 1971 तक प्रस्तुत करेगा।”

आदेश

आदेश दिया जाता है कि संकल्प भारत के राजपत्र भाग-I, खण्ड-1 में प्रकाशित किया जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि संकल्प की प्रति भारत सरकार के समस्त मंत्रालयों विभागों, पश्चिम बंगाल सरकार तथा अन्य समस्त सम्बन्धित संस्थाओं को भेजी जाए।

ई० एन० संगत राय, विशेष सचिव

**औद्योगिक विकास तथा आंतरिक व्यापार मंत्रालय
(औद्योगिक विकास विभाग)**

नई दिल्ली, दिनांक 16 फरवरी 1971

सं० एस० एस० आई० (ए०)-17 (3)/70—औद्योगिक विकास तथा आंतरिक व्यापार मंत्रालय के संकल्प संख्या एस० एस० आई० (ए०)-17 (3)/70 दिनांक 25-8-1970 में, जिसके अधीन लघु उद्योग बोर्ड का गठन किया गया था, बोर्ड के सदस्यों की सूची में निम्नलिखित संशोधन किया जाए :—

के-स्थान पर : “62, अध्यक्ष,
गिडी लघु उद्योग संघ,
मद्रास।”

पढ़िए : “62, अध्यक्ष,
औद्योगिक बस्ती
निर्माता संघ,
गिडी, मद्रास-32।”

ओ० आर० पद्मनाभन, अवर सचिव

कम्पनी कार्य विभाग

नई दिल्ली-1, दिनांक 20 फरवरी 1971

आदेश

सं० 53 (1)/70-सी० एल० 2—कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 209 की उप-धारा (4) के खण्ड (ख) के उप-खण्ड (II) के अनुसरण में, कम्पनी विधि बोर्ड एतद्वारा, भारत सरकार, कम्पनी कार्य विभाग के एक अधिकारी, श्री एस० बी० जगन्नाथन, निरीक्षण अधिकारी, मद्रास, को कथित धारा 209 के उद्देश्य के लिय प्राधिकृत करती है।

एम० के० बनर्जी, अवर सचिव

**स्वास्थ्य एवं परिवार नियोजन तथा निर्माण
आवास और नगर विकास मंत्रालय
(परिवार नियोजन विभाग)**

नई दिल्ली, दिनांक 30 दिसम्बर 1970

संकल्प

सं० 2-36/68-आई० डी० सैल—इस मन्त्रालय के संकल्प सं० 17-9/66-सी० एण्ड सी० (प० नि०) दिनांक 19 नवम्बर, 1968 जिसके अनुसार क्षेत्रों में परिवार नियोजन कार्यक्रम विशेषकर लूप और नसबन्दी की क्रियाविधियों से सम्बन्धित समस्त तकनीकी समस्याओं पर विचार करने और उनके बारे में सरकार को सलाह देने के लिए समिति पुनर्गठित की गई थी, का अधिक्रमण करते हुए भारत सरकार ने उक्त समिति का पुनर्गठन करने का निर्णय किया है जिसके निम्नलिखित सदस्य होंगे—

1. डा० (कुमारी) ली० वि० फाटक अध्यक्ष
आयुक्त (परिवार नियोजन)
स्वास्थ्य एवं परिवार नियोजन तथा निर्माण
आवास और नगर विकास मन्त्रालय
नई दिल्ली।
2. अपर निदेशक सदस्य
स्वास्थ्य सेवाओं का महानिदेशालय,
नई दिल्ली।
3. निदेशक, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान सदस्य
परिषद्, नई दिल्ली।
4. प्रधान, सदस्य
भारतीय चिकित्सा संघ,
नई दिल्ली।
5. महा सचिव, सदस्य
भारतीय स्त्री रोग विशेषज्ञ संघ।
6. निदेशक, केन्द्रीय परिवार नियोजन संस्थान, सदस्य
नई दिल्ली।
7. डा० ताराचन्द्र जे० अग्रवाल, सदस्य
प्रधान जैन,
73, सुन्दर नगर, नई दिल्ली।
8. डा० बी० एन० गिरोदकर, सदस्य
पटेल चैम्बर,
फ्रैन्च ब्रिज,
बम्बई।
9. डा० कुमारी कान्ति घोष, सदस्य
सर्जन,
कलकत्ता।
10. डा० (श्रीमती) एल० के० गोस्वामी, सदस्य
गोस्वामी क्लीनिक,
तेजपुर (असम)।
11. डा० नवल किशोर सदस्य
स्त्री-रोग विशेषज्ञ,
आगरा मेडिकल कालेज,
आगरा।

12. डा० वेणु गोपाल, सदस्य
सचिव, शल्य चिकित्सक संघ ।
13. डा० आर० एम० नन्दकर्णी सदस्य
राधा नर्मिग होम,
(इण्डियन बैंक के पीछे), 8 मिशन रोड,
भद्रा, अहमदाबाद-1 ।
14. डा० रमेश पे, सदस्य
कस्तूरबा मेडिकल कालेज,
मनीपाल ।
15. उप-आयुक्त परिवार नियोजन (सेवाएं) सदस्य सचिव
परिवार नियोजन विभाग ।

2. क्षेत्र में परिवार नियोजन कार्यक्रम, विशेषकर लूप और नसबन्दी की क्रियाविधियों से सम्बन्धित प्रशामनिक, संगठनात्मक और सामुदायिक स्वास्थ्य के पहलुओं सहित समस्त तकनीकी समस्याओं पर विचार करना और सरकार को सलाह देना पुनर्गठित समिति के विचाराधीन विषय होंगे ।

3. समिति को अपनी बैठकों में सम्बन्धित पहलुओं के विशेषज्ञों को चुनने, निमन्त्रित करने का अधिकार होगा ।

4. समिति की बैठकों में भाग लेने के लिए समिति के गैर-सरकारी सदस्य यात्रा और दैनिक भत्ते पाने के हकदार होंगे । ये भत्ते उन्हें उसी दर के अनुसार दिए जाएंगे जो केन्द्रीय सेवाओं के क्लास 1 के उच्चतम ग्रेड के अधिकारी को स्वीकृत किए जाते हैं । समिति के ऐसे सदस्य जो सरकारी कर्मचारी हैं, वे अपने यात्रा और दैनिक भत्ते उस कार्यालय से स्वीकृत दरों पर प्राप्त करेंगे जहाँ से उन्हें वेतन मिलता है ।

5. यह खर्च मुख्य शीर्ष 30-बी०, लोक स्वास्थ्य ख-5 विभिन्न ख-5 (4)—परिवार नियोजन पर व्यय ख-5 (4) (5)—तकनीकी सलाह और पर्यवेक्षण, ख-5 (4) (5) (1)—मुख्यालय का तकनीकी पक्ष ख-5 (4) (5) (1) (2) यात्रा भत्ता के अन्तर्गत स्वीकृत बजट में से पूरा किया जाएगा ।

आदेश

आदेश है कि संकल्प की एक एक प्रतिलिपि समस्त राज्य सरकारों को भेज दी जाए ।

आदेश है कि संकल्प को सर्वसाधारण की सूचना के लिए भी भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए ।

रवीन्द्र नाथ मधोक, संयुक्त सचिव

खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास और सहकारिता मंत्रालय

(कृषि विभाग)

नई दिल्ली दिनांक 2 फरवरी 1971

संकल्प

सं० 30-1/71-पशुधन विकास-3—इस मंत्रालय के संकल्प संख्या 20-20/69-पशुधन विकास-3, दिनांक 7 जुलाई, 1970

के क्रम में तथा इस मंत्रालय के संकल्प संख्या 20-20/69-पशुधन विकास-3, दिनांक 26/29 नवम्बर 1969 में आंशिक संशोधन करते हुए, भारत सरकार ने निर्णय किया है कि प्रशासन निदेशक, विस्तार निदेशालय द्वारा केन्द्रीय गोसंवर्द्धन परिषद के करण्ट अकाउंट के संचालन की तिथि 30 सितम्बर 1970 से 31 मार्च 1971 तक अथवा जब तक मारी अंशदायी भविष्य निधि बन्द कर दी जाती है, जो कोई भी पहले हो, बढ़ाई जाती है ।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि संकल्प की एक प्रति सब राज्य सरकारों, संघ राज्य क्षेत्रों तथा भारत सरकार के मंत्रालयों के विभागों, योजना आयोग, मन्त्रिमण्डल सचिवालय, प्रधान मंत्री के सचिवालय, लोक सभा सचिवालय एवं राज्य सभा सचिवालय को भेजी जाये ।

यह भी आदेश दिया जाता है कि सर्वसाधारण की सूचना के लिए यह संकल्प भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाये ।

बी० पी० गुलाटी, उप सचिव

नई दिल्ली दिनांक 15 फरवरी 1971

संकल्प

संकल्प सं० एफ० 4-30/70-फार्म—संकल्प संख्या 27-4/69-फार्म, दिनांक 15-7-69 के पैरा 2 को निम्न रूप में परिवर्तित कर दिया जाए:—

2. "सरकार ने निर्णय किया है कि भारत राजकीय फार्म निगम लिमिटेड को सरकार की अपनी या पट्ट पर ली गई कृषि भूमि को छोड़कर, चल और अचल सम्पत्ति केन्द्रीय राजकीय फार्म के कानूनी कार्यवाही करने योग्य दावों और ऋण तथा दायित्वों सहित अन्य परिसम्पत्तियों के हस्तांतरण के लिए औपचारिक विलेख या विलेखों द्वारा, जिन्हें बाद में कार्यरूप दिया जाएगा, हस्तांतरित कर दिये जायें । विलेख की प्रकृति तथा स्वरूप के बारे में बाद में निर्णय किया जाएगा ।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक प्रति समस्त राज्य सरकारों, संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों तथा भारत सरकार के मंत्रालयों और विभागों योजना आयोग, मन्त्रिमण्डल सचिवालय, प्रधानमंत्री सचिवालय, लोक सभा सचिवालय और राज्य सभा सचिवालय को भेजी जाए ।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को सर्वसाधारण की जानकारी के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए ।

त्रिभुवन प्रसाद सिंह, सचिव

भा० कृ० अ० प०

दिल्ली दिनांक 19 फरवरी 1971

सं० 28-1/70-सामान्य (1)-भा० कृ० अ० प०—परिषद के अध्यक्ष (खाद्य तथा कृषि मंत्री) भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की नियमावली के नियम 75 के उपबन्धों के अन्तर्गत, योजना आयोग नई दिल्ली के प्रतिनिधि को 8 फरवरी 1971 से 18 नवम्बर 1972 तक की अवधि के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की कृषि अर्थशास्त्र, सांख्यिकी तथा विपणन अनुसंधान की स्थायी समिति का सदस्य सहर्ष नियुक्त करते हैं।

एम० आर० कोल्हटकर, उप-सचिव

शिक्षा तथा युवक सेवा मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 15 फरवरी 1971

संकल्प

विषय :- राष्ट्रीय युवक बोर्ड की प्रत्यायन समिति का गठन

सं० एफ० 3/1/71 वाई० एस० II (2)—संकल्प सं० एफ० 2/9/70 वाई० एस०-I (3) दिनांक 15 जुलाई 1970 के अधीन गठित किए गए राष्ट्रीय युवक बोर्ड का एक प्रमुख कार्य युवक कल्याण/युवक सेवा कार्यक्रमों में लगे हुए संगठनों का प्रत्यायन करना है। राष्ट्रीय युवक बोर्ड ने अपनी दिसम्बर 1970 में हुई बैठक में युवक कल्याण/सेवा संगठनों द्वारा निर्धारित किए जाने के लिए कुछ मानदंड तथा ऐसे संगठनों के प्रत्यायन के लिए अपनायी जाने वाली कार्यविधि का भी सुझाव दिया है। राष्ट्रीय युवक सेवा बोर्ड की सिफारिशों के अनुसार ऐसे संगठनों के संबन्ध में जो अपने हैं, विधान के अनुसार अराजनीतिक एवं असांप्रदायिक प्रकार के हैं और विदेशों से धन प्राप्त करने की सरकारी कार्यविधि के अनुसार विदेशों से विशिष्ट प्रयोजनों के लिए प्राप्त की जाने वाली यथाकदा सहायता जो उनके लेखों में दर्ज हो, के अतिरिक्त हो, देश के अन्दर ही अपने साधन उपलब्ध करते हैं, प्रत्यायन के हेतु विचार किया जा सकता है। राष्ट्रीय युवक बोर्ड ने यह भी सिफारिश की है कि राष्ट्रीय युवक बोर्ड द्वारा केवल उन्हीं युवक कल्याण/सेवा संगठनों के राष्ट्रीय स्तर पर प्रत्यायन के संबंध में विचार किया जाएगा जो राष्ट्रीय स्तर पर कार्य करते हैं अर्थात् जिनके कार्यक्रमों में चार या इससे अधिक राज्य आते हैं। राज्य अथवा, प्रादेशिक स्तर पर कार्य कर रहे राष्ट्रीय कल्याण/राष्ट्रीय सेवा संगठनों, अर्थात् जो 3 निकट वर्ती राज्यों में क्रियाशील हैं पर उस राज्य के राज्य युवक बोर्ड द्वारा प्रत्यायन के लिए विचार किया जाएगा जिसमें संगठन का मुख्यालय स्थित है। यदि राज्य युवक बोर्ड किसी संगठन का एक बार प्रत्यायन कर लेता है तो उस संगठन को राष्ट्रीय युवक बोर्ड द्वारा प्रत्यायित किया गया समझ लेना चाहिए। राष्ट्रीय युवक बोर्ड द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर अथवा राज्य स्तर पर विधिवत् प्रत्यायित किए गए संगठन, राष्ट्रीय तथा राज्य युवक बोर्डों द्वारा सहायता प्राप्त करने के पात्र होंगे तथा अपने पत्र व्यवहार में वे यह उल्लेख कर सकते हैं कि वे राष्ट्रीय युवक बोर्ड द्वारा प्रत्यायित हैं। राष्ट्रीय युवक बोर्ड ने यह भी सिफारिश की है कि आवेदन करने वाले युवक कल्याण/युवक सेवा संगठनों के विधान, वित्त तथा कार्यों

से सम्बन्धित सूचना की एक सरकारी समिति द्वारा पहले जांच की जाएगी, जिसमें शिक्षा तथा युवक सेवा, विदेश, गृह मंत्रालय तथा आर्थिक कार्य विभाग के प्रतिनिधि होंगे तथा जिनकी सिफारिशों पर राष्ट्रीय युवक बोर्ड की प्रत्यायन समिति के द्वारा जो कि संगठनों को प्रत्यायित करने का अन्तिम रूप से निर्णय करेगी, विचार किया जाएगा।

2. भारत सरकार ने राष्ट्रीय युवक बोर्ड की सिफारिशों को स्वीकार कर लिया है। तथा राष्ट्रीय युवक बोर्ड की एक प्रत्यायन समिति (इसके आगे इसे प्रत्यायन समिति कहा जाएगा) गठित करने का निर्णय किया है। जिसकी रचना निम्नानुसार होगी:—

1. शिक्षा तथा युवक सेवा मंत्रालय के उप मंत्री अध्यक्ष
- 2-3 समाज कल्याण विभाग और श्रम तथा रोजगार विभाग से एक-एक सदस्य प्रतिनिधि।
4. कु० आइवह खान, राष्ट्रीय महा-सचिव, वाई० डब्ल्यू० सी० ए०, संसद मार्ग, नई दिल्ली। सदस्य
5. श्री आर० बी० पडकी, महासचिव भारतीय युवक होस्टल संघ, 2, ईस्ट पार्क रोड, नई दिल्ली-5 सदस्य
6. श्री राधा कृष्ण, सचिव, गांधी शान्ति प्रतिष्ठान, नई दिल्ली सदस्य
7. शिक्षा तथा युवक सेवा मंत्रालय में गैर छात्र युवक कार्यक्रमों के प्रभारी उपसचिव। सदस्य सचिव

3. सरकारी सदस्य जब तक अपने-अपने पद पर जारी रहनेकी दिशा में प्रत्यायन सीमित के सदस्य रहेंगे। प्रत्यायन समिति के गैर-सरकारी सदस्यों के कार्य की अवधि उनके राष्ट्रीय युवक बोर्ड के सदस्यता की समाप्त होने के साथ पूरी हो जाएगी। प्रत्यायन समिति की बैठक उतनी बार होगी जैसी कि आवश्यकता पड़ेगी।

4. प्रत्यायन समिति का कार्य होगा:—राष्ट्रीय स्तर पर कार्य कर रहे युवक कल्याण/सेवा संगठनों से प्रत्यायन के लिए प्राप्त हुए आवेदनों पर सरकारी समिति द्वारा तैयार की गई मूल्यांकन रिपोर्टों के आधार पर विचार करना तथा सम्बन्धित युवक कल्याण युवक सेवा संगठनों का प्रत्यायन करने अथवा न करने पर अपना निर्णय देना।

5. गैर-सरकारी सदस्यों प्रत्यायन समिति की बैठकों में उपस्थित होने के लिए यात्रा भत्ते के हकदार होंगे जो 10 रुपये से ऊपर नहीं होगा। इस समिति के लिए सचिवालय सहायता शिक्षा तथा युवक सेवा मंत्रालय के युवक सेवा प्रभाग द्वारा प्रदान की जाएगी।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक-एक प्रति सभी राज्य सरकारों और संघीय प्रशासनों, भारत सरकार के सभी मंत्रालयों, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, योजना आयोग, प्रधानमंत्री के सचिवालय, मंत्रिमण्डल सचिवालय को भेज दी जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि आम सूचना के लिए इस संकल्प को भारत के राजपत्र में प्रकाशित कर दिया जाए।

कांति चौधुरी, संयुक्त सचिव

पोत परिवहन तथा परिवहन मंत्रालय

(परिवहन पक्ष)

दीप घर व दीप पोत

नई दिल्ली, दिनांक 26 फरवरी 1971

सं० 11-एम एल (36)/70—राष्ट्रपति श्री गोपी नाथ वसू सावन्त को कोचीन पर दीपघर व दीपपोत विभाग में 19 जनवरी 1971 के पूर्वाह्न से अगला आदेश होने तक सहायक कार्यकारी इंजीनियर (असैनिक) नियुक्त करते हैं।

म० कृ० रामस्वामी, अवर सचिव

नई दिल्ली, दिनांक 18 फरवरी 1971

संकल्प

सं० 17-पीजी (3)/71—भारत सरकार को विशाखापत्तनम की 1969-70 की प्रशासन रिपोर्ट प्राप्त हो गयी है। रिपोर्ट के उल्लेखनीय तथ्य नीचे दिये जा रहे हैं :—

1. वित्तीय परिणाम

1969-70 के दौरान पत्तन को पुनरीक्षित लेखा पद्धति के आधार पर कुल 847.68 लाख रु० की आय हुई। इसकी तुलना में इससे पिछले वर्ष इसी आधार पर 703.67 लाख रु० की आय हुई थी। आय में वृद्धि होने की मुख्य कारण माल-धराउठाई, गोशाम प्रभार, रेल की कमाई और संपदा के किराये से अधिक आय का होता था।

विचाराधीन वर्ष में पुनरीक्षित लेखा पद्धति के आधार पर 590.24 लाख रु० का व्यय हुआ। इसकी तुलना में इससे पिछले वर्ष इसी आधार पर 515.90 लाख रु० का व्यय हुआ था। व्यय में वृद्धि होने का मुख्य कारण मजदूरी बोर्ड के पंचाट के कारण वेतनों और मजदूरी में वृद्धि, सामान के मूल्य में वृद्धि, अमला में वृद्धि होना और अतिरिक्त जलयान और उपस्कर खरीदना है।

2. यातायात

(क) व्यापार—विचाराधीन वर्ष के दौरान 23.3 लाख टन माल का आयात हुआ। इसकी तुलना में पिछले वर्ष 26.9 लाख टन माल का आयात हुआ था। आयात में मुख्यतः यह माल था—उर्वरक और अन्य रसायन, खाद्यान्न पेट्रोल और पेट्रोल के पदार्थ, लोहा और इस्पात का बना सामान, बिजली का सामान, मशीनें, पोतनिर्माण का सामान, इत्यादि।

विचाराधीन वर्ष के दौरान कुल मिलाकर 59.8 लाख टन माल का निर्यात किया गया। इसकी तुलना में इससे पिछले वर्ष 53.6 लाख टन माल का निर्यात हुआ था। निर्यात की मुख्य-मुख्य मदें ये थीं—लौहअयस्क, कच्चा क्रोम, रेल का सामान, निमित लोहा और इस्पात, हर्र, धान के भूसे का तेल, पटसन और सन की वस्तुएं, इत्यादि।

(ख) पोतपरिवहन—1969-70 के दौरान इस पत्तन में प्रविष्ट हुए विदेशगामी पत्तनों की संख्या 511 थी जिनका कुल टनभार 3569215 था। इससे पिछले वर्ष की संगत संख्याएं 532 और 3542245 थी। जहां तक तटीय पोतों का संबंध है, 460730 कुल टनभार के 100 पोत विचाराधीन वर्ष के दौरान इस पत्तन पर आये, इसकी तुलना में 1968-69 में कुल 422733 टनभार के 94 जहाज आये थे।

3. श्रमिक

विचाराधीन वर्ष में श्रमिकों की स्थिति संतोषजनक रही। विभिन्न कल्याण उपाय पूर्ववत् चालू रहे।

4. पूंजीगत निर्माण कार्य

विचाराधीन वर्ष में बाह्य द्वारबंद योजना के व्यय को मिलाकर कुल 344.74 लाख रु० की लागत के पूंजीगत कार्य संपादित हुए। यह सम्पूर्ण व्यय राशि पत्तन के अपने साधनों से खर्च की गयी। अतिरिक्त चार घाट योजना से संबद्ध आनुषंगिक निर्माण कार्य पूरे किये गये। प्राप्ति व प्रेषण यार्ड के निर्माण और नार्थ होल्डिंग यार्ड के विस्तार से संबद्ध कार्य पूरा किया गया। अन्य बड़े बड़े निर्माण कार्य जारी थे।

5. अभिस्वीकृति

विचाराधीन वर्ष में पत्तन न्यास बोर्ड द्वारा किये गये कार्य को सरकार संतोषपूर्ण दृष्टि से देखती है।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक एक प्रतिलिपि सभी संबद्धों को भेज दी जाय।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की सामान्य सूचना के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाय।

के० नारायणन, संयुक्त सचिव

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

सार्वजनिक सूचना

फिल्मों के लिये राष्ट्रीय पुरस्कार—1970

नई दिल्ली-1, दिनांक 16 फरवरी 1971

सं० 7/62/70-एन०ए० (एफ०एफ०) : 1970 के कैलेंडर वर्ष के दौरान सार्वजनिक प्रदर्शन के लिए प्रमाणित की गई निम्नलिखित श्रेणियों की भारतीय फिल्मों के संबंध में फिल्मों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कारार्थ प्रविष्टियां आमंत्रित की जाती हैं :—

1 फिल्म कला के रूप में

- (1) वर्ष की सर्वोत्तम फीचर फिल्म।
- (2) राष्ट्रीय एकता पर सर्वोत्तम फीचर फिल्म।
- (3) वर्ष की सर्वोत्तम बाल फिल्म।

2 फिल्म सूचना साधन के रूप में

- (4) सर्वोत्तम सूचना फिल्म (डाकुमेंट्री)।
- (5) सर्वोत्तम शैक्षणिक फिल्म।
- (6) सर्वोत्तम सामाजिक फिल्म (जो समकालीन सामाजिक समस्या का चित्रण तथा उनका निष्पक्ष विश्लेषण करती हो)।
- (7) सर्वोत्तम प्रेरक फिल्म :
 - (1) व्यावसायिक
 - (2) अव्यावसायिक

3 विशेष प्रकार की छोटी फिल्में

- (8) सर्वोत्तम प्रयोगात्मक फिल्म।
- (9) सर्वोत्तम कार्टून (एनीमेशन) फिल्म।

2. फिल्मों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार नियमावली में संशोधन किया जा रहा है। वर्ष की सर्वोत्तम फीचर फिल्म, राष्ट्रीय एकता पर सर्वोत्तम फीचर फिल्म तथा वर्ष की द्वितीय सर्वोत्तम फिल्म निर्माताओं तथा निदेशकों के लिए पुरस्कार की राशि में वृद्धि करने का भी प्रस्ताव विचाराधीन है। इसको बाद में अधिसूचित किया जायेगा।

3. उपरि उल्लिखित तथा अन्य श्रेणियों की फिल्मों के बारे में प्रविष्टियां निर्माता (निर्माताओं) या उस (उन) द्वारा विधिवत अधिकृत किसी अन्य व्यक्ति (व्यक्तियों) द्वारा 15 मार्च, 1971 तक भेजी जा सकती हैं। प्रविष्टियां उपरि निर्दिष्ट नियमावली से संलग्न परिशिष्ट में दिए गए फार्म में, दो प्रतियों में, भेजनी चाहिए। ये फार्म केन्द्रीय सेन्सर बोर्ड के बम्बई, कलकत्ता तथा मद्रास के प्रादेशिक अधिकारियों के पास उपलब्ध हैं। 35 मि० मी० में 1000 मीटर और 16 मि० मी० में 400 मीटर से अधिक लम्बी फीचर फिल्मों और छोटी फिल्मों की प्रत्येक प्रविष्टि फार्म के साथ 100 रुपये की और इससे कम लम्बाई की फिल्मों की प्रत्येक

प्रविष्टि फार्म के साथ 50 रुपये की ट्रेजरी रसीद भी चाहिए। उक्त राशि केन्द्रीय सरकार के खाते में मुख्य शीर्ष "एल-2-मिसलेनियस" के अन्तर्गत जमा करवानी चाहिए।

4. विभिन्न श्रेणियों की फिल्मों के बारे में प्रविष्टियां नीचे निर्दिष्ट अधिकारियों के पास भेजनी चाहिए :—

(क) प्रादेशिक अधि- (1) हिन्दी (उर्दू, हिन्दुस्तानी कारी, केन्द्रीय तथा भोजपुरी, राजस्थानी, फिल्म सेन्सर बोर्ड और मथिली जैसी 91-बालकेण्वर संबंधित बोलियों सहित), रोड, बम्बई-6। पंजाबी काश्मीरी, गुजराती, मराठी (कोंकणी सहित), सिन्धी और अंग्रेजी की फीचर फिल्में।

(2) सभी भाषाओं की डाकुमेंट्री फिल्में।

(3) प्रेरक फिल्में (व्यावसायिक और अव्यावसायिक)।

(4) सभी भाषाओं की बाल फिल्में।

(5) सभी भाषाओं की शैक्षणिक फिल्में।

(6) सभी भाषाओं की सामाजिक फिल्में।

(7) सभी भाषाओं की प्रयोगात्मक फिल्में।

(8) सभी भाषाओं की कार्टून फिल्में।

..(ख) प्रादेशिक अधि- बंगला, उड़िया और असमिया की कारी, केन्द्रीय फीचर फिल्में। फिल्म सेन्सर बोर्ड, आकाशवाणी बिल्डिंग, एडन गार्डन्स, कलकत्ता।

(ग) प्रादेशिक अधि- तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम कारी, केन्द्रीय फिल्म की फीचर फिल्में।

सेन्सर बोर्ड, ब्लाक-

3, पांचवीं मंजिल,

सेन्ट्रल बिल्डिंग,

35-हैडोस रोड,

मद्रास-1।

प्रिन्टें सम्बन्धित प्रादेशिक अधिकारी द्वारा बताए गए स्थानों पर भेजनी होंगी।

5. केन्द्रीय समिति के देखने के लिए चुनी गई फिल्म के प्रवेशक को अपने खर्च पर फिल्म की प्रिन्ट तथा उसके कथासार की अतिरिक्त 15 प्रतियां जिसके साथ कलाकारों की सूची तथा गीतों की पुस्तकें, हिन्दी तथा अंग्रेजी दोनों में हों, के अतिरिक्त विस्तृत कथोपकथन क अपेक्षित संख्या में प्रतियां, 6 फोटो, हिन्दी और अंग्रेजी में स्क्रिप्ट की प्रतियां और फिल्म से सम्बन्धित प्रचार सामग्री भी भेजनी होगी।

6. पुरस्कारार्थ प्रविष्टि के लिए बाल फिल्म की अधिकतम लम्बाई 35 मि० मी० में 3,400 मीटर या 16 मि० मी० में 1,350 मीटर होगी। सूचना फिल्म (वृत्त) के मामलों को छोड़कर, "फिल्म सूचना साधन के रूप में" तथा "विशेष प्रकार की छोटी फिल्मों" की श्रेणियों के अन्तर्गत प्रविष्टि होने वाली फिल्म की अधिकतम लम्बाई 35 मि० मी० में 1000 मीटर या 16 मि० मी० में 400 मीटर होगी। बाल फिल्म के रूप में प्रविष्टि फिल्म फीचर फिल्म के रूप में और फीचर फिल्म के रूप में प्रविष्टि फिल्म बाल फिल्म के रूप में प्रविष्टि नहीं हो सकेगी।

7. पुरस्कार जीतने वाली फिल्में सम्भवतः पुरस्कारों की घोषणा किए जाने के बाद सरकार द्वारा आयोजित किए जाने वाले फिल्म समारोह में प्रदर्शित की जाएंगी।

कबीर कुमार खान, अवर सचिव

स्वास्थ्य, परिवार नियोजन, निर्माण, आवास एवं

नगर विकास मन्त्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 22 फरवरी 1971

संकल्प

संख्या एफ० 14-10/69-पी० एच० ई०—19 मई, 1970 के संकल्प संख्या एफ० 14-10/69 ज०स्वा०ई० के अनुसार गठित देश में वायु दूषण नियंत्रण समिति को भारत सरकार तत्काल से पुनर्गठित करती है। अब इस समिति का गठन इस प्रकार होगा :—

- 1—डा० एम० एन० राव,
भूतपूर्व निदेशक, अखिल भारतीय स्वास्थ्य
विज्ञान एवं जन स्वास्थ्य संस्थान, अध्यक्ष
कलकत्ता।
- 2—श्री ए० के० राय, सदस्य
मुख्य अभियन्ता, जन स्वास्थ्य
इंजीनियरी विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार,
लखनऊ।
- 3—डा० एम० एन० गुप्ता, सदस्य
निदेशक, व्यावसायिक स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान,
अहमदाबाद।
- 4—श्री बी० बी० श्रीवास्कर (एस० ई०), सदस्य
स्वास्थ्य भौतिकी प्रभाग,
भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र,
बम्बई।
- 5—डा० जे० के० सिन्हा, वैज्ञानिक (ई०) सदस्य
केन्द्रीय खान अनुसंधान स्टेशन, धनबाद

6—डा० एस० एस० रामास्वामी, निदेशक (अनुसंधान) सदस्य
केन्द्रीय श्रम संस्थान, सायन, बम्बई-221,

7—श्री एस० के० सुधाकर, सदस्य
अवर सचिव, स्वास्थ्य विभाग,
निर्माण भवन, नई दिल्ली।

8 श्री टी० कुरायराज सदस्य
उप सलाहकार (जन स्वा० इंजीनियरी)
केन्द्रीय जन स्वास्थ्य
इंजीनियरी संगठन
निर्माण भवन, नई दिल्ली।

9—श्री जे० एस० दवे, सदस्य-सचिव
उप-निदेशक, केन्द्रीय लोक स्वास्थ्य इंजीनियरी,
अनुसंधान संस्थान, नेहरू मार्ग,
नागपुर-31,

2—इस समिति के निर्देश पद वही रहेंगे जो कि संकल्प संख्या एफ० 14-10/69-पी० एच० ई० दिनांक 19 मई, 1970 में दिये गये हैं।

3—यह समिति जब कभी आवश्यकता हो तथा अध्यक्ष जहां भी आवश्यक समझें अपनी बैठकें बुलाएंगी। यह समिति ऐसे अन्य व्यक्तियों को सहयोजित कर सकती है जिन्हें वह आवश्यक समझें।

4—भारत सरकार इस समिति की रिपोर्ट प्रस्तुत करने की अवधि को जून, 1971 तक भी बढ़ाती है ताकि समिति अपने निर्देश पदों में सम्मिलित विभिन्न विषयों पर पूरी तरह विचार कर सकें।

आवेश

आवेश दिया जाता है कि इस संकल्प की प्रति निम्नांकित को भेज दी जाय :—

(1) लोक सभा सचिवालय, (2) राज्य सभा सचिवालय, (3) प्रधान मंत्री सचिवालय, (4) मंत्रिमंडल सचिवालय, (5) योजना आयोग, (6) राष्ट्रपति के निजी सचिव तथा सैनिक सचिव, (7) भारत सरकार के नियंत्रक तथा महालेखाकार (8) भारत सरकार के सभी मंत्रालय और विभाग, (9) सभी राज्य सरकारें/संघीय शासित क्षेत्र, (10) महालेखाकार केन्द्रीय राजस्व, नई-दिल्ली, (11) परमाणु विभाग, (12) चिकित्सा अनुसंधान की भारतीय परिषद्, (13) वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली, (14) केन्द्रीय सार्वजनिक स्वास्थ्य इंजीनियरी अनुसंधान संस्थान, नागपुर, (15) भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, बम्बई, (16) व्यावसायिक स्वास्थ्य अनुसंधान केन्द्र, अहमदाबाद, (17) केन्द्रीय श्रम संस्थान, बम्बई, (18) केन्द्रीय खान अनुसंधान केन्द्र, धनबाद, (19) स्वास्थ्य विज्ञान एवं जन स्वास्थ्य भारतीय संस्थान, कलकत्ता, (20) केन्द्रीय जन स्वास्थ्य इंजीनियरी संगठन, और (21) स्वास्थ्य सेवाओं के महानिदेशक, नई दिल्ली।

आवेश दिया जाता है कि यह संकल्प भारत सरकार के राजपत्र में प्रकाशित किया जाय।

अभिय भूषण मलिक, संयुक्त सचिव

PRESIDENTS' SECRETARIAT*New Delhi, the 20th February 1971*

No. 18-Pres./71.—The President is pleased to award the President's Police and Fire Services Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Central Reserve Police :—

Name of the officer and rank

Shri Ram Singh Balot,

Deputy Superintendent of Police,

8th Battalion,

Central Reserve Police.

(Deceased)

Statement of services for which the decoration has been awarded.

Shri Ram Singh Balot, Deputy Superintendent of Police, was posted on 12th September, 1968 at Mao in Mao-Maran Sub-Division of Manipur as incharge of the Central Reserve Police Company which had been deputed to control the situation and restore normalcy in the area. After taking over, Shri Balot started various operations for bringing peace and tranquility to the area, such as intensive patrolling, raids, ambushes and other methods. These measures demoralised the hostiles but created animus against Shri Balot. On 8th August, 1969, at about 1800 hours, when Shri Balot was walking on the main road in Mao Bazar along with one Assistant Central Intelligence Officer, he was shot at with a revolver from a point blank range at his back by a hostile, causing him serious injury. In spite of the grievous injury, Shri Balot immediately turned round and grappled with his assailant, pinned him down to the ground for about 5 minutes. The assailant tried to reach for Shri Balot's loaded pistol but was prevented from doing so by the ACIO. The ACIO then rushed to the nearest post for help while Shri Balot continued to grapple with the hostile and maintained his hold on him, in disregard of his grievous injury and profuse bleeding. Shri Balot later succumbed to his injury in the hospital. Shri Ram Singh Balot displayed presence of mind and courage of the highest order and laid down his life in the discharge of his duties.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the President's Police and Fire Services Medal.

NAGENDRA SINGH, Secy. to the President.

CABINET SECRETARIAT

(Department of Personnel)

RULES

New Delhi, the 6th March, 1971

No. 20/1/71-AIS(I).—The rules for a combined competitive examination to be held by the Union Public Service Commission in October/November, 1971, for the purpose of filling vacancies in the following services are with the concurrence of the Ministries concerned and the Comptroller and Auditor General of India in respect of the Indian Audit and Accounts Service, published for general information :—

Category I

- (i) The Indian Administrative Service, and
- (ii) The Indian Foreign Service,

Category II

- (i). The Indian Police Service,
- (ii) The Delhi, and Andaman & Nicobar Islands Police Service, Class II, and
- (iii) The Tripura Police Service, Class II.

*Category III**(a) Class I Services :*

- (i) The Indian Audit & Accounts Service,
- (ii) The Indian Customs and Central Excise Service,
- (iii) The Indian Defence Accounts Service,
- (iv) The Indian Income-tax Service (Class I),
- (v) The Indian Ordnance Factories Service, Class I, (Assistant Managers—Non-Technical)
- (vi) The Indian Postal Service,
- (vii) The Indian Railway Accounts Service,
- (viii) The Indian Railway Traffic Service, and

- (ix) The Military Lands and Cantonments Service, Class I.

(b) Class II Services :

- (i) The Central Secretariat Service, Section Officers' Grade, Class II.
- (ii) The Railway Board Secretariat Service, Class II,
- (iii) The Armed Forces Headquarters Civil Service, Superintendents' Grade, Class II,
- (iv) The Customs Appraisers' Service, Class II,
- (v) The Delhi, and Andaman & Nicobar Islands Civil Service, Class II.
- (vi) The Tripura Civil Service, Class II.
- (vii) The Goa, Daman and Diu Civil Service, Class II,
- (viii) The Pondicherry Civil Service, Class II, and
- (ix) The Military Lands and Cantonments Service, Class II.

A candidate may compete in respect of any one or more of the categories of Services mentioned above. (Please see Rule 4). He should clearly indicate in his application the Services covered by the category/categories concerned for which he wishes to be considered in the order of preference.

No request for alteration in the preferences indicated by a candidate in respect of Services covered by the category/categories for which he is competing would be considered unless the request for such alteration is received in the Cabinet Secretariat (Department of Personnel) within 10 days of the date of announcement of final result of the examination.

A candidate who, on the results of the written part of the examination, qualifies for the personality test for the Indian Administrative Service/Indian Police Service will be separately asked to communicate to the Cabinet Secretariat (Department of Personnel) the order of preferences in which he would like to be considered for allotment to various States.

2. The number of vacancies to be filled on the results of the examination will be specified in the Notice issued by the Commission. Reservations will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government.

Scheduled Castes/Tribes mean any of the Castes/Tribes mentioned in the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950, the Constitution (Scheduled Castes) (Part C States) Order, 1951, the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950, and the Constitution (Scheduled Tribes) (Part C States) Order, 1951, as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order 1956 read with the Bombay Reorganisation Act, 1960 and the Punjab Reorganisation Act, 1966; the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956, the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order 1959 the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes 1962, the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962, the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964 the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order 1967, the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968, the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968, and the Constitution (Nagaland), Scheduled Tribes order, 1970.

3. The examination will be conducted by the Union Public Service Commission in the manner prescribed in Appendix II to these Rules.

The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

4. The combined competitive examination for recruitment to I.A.S. etc is to be treated as comprising three separate and distinct examinations for three categories of Services viz., (I) I.A.S. and I.F.S., (II) I.P.S., Delhi, and Andaman & Nicobar Islands Police Service, and Tripura Police Service and (III), Central Services, Delhi and Andaman & Nicobar Islands Civil Service, Tripura Civil Service, Goa, Daman and Diu Civil Service and Pondicherry Civil Service.

5. No candidate who does not belong to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe or is not a resident of the Union Territory of Pondicherry or is not a resident of the Union Territory of Goa, Daman and Diu or is not a migrant from Kenya, Uganda, and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) shall be permitted to com-

pete more than two times at the examination for each of the three categories of Services mentioned in Rule 4 above but this restriction is effective from the examination held in 1961.

NOTE.—A candidate shall be deemed to have competed at the examination for each of the categories of Services to which he is admitted by the Commission if he actually appears in any one or more subjects.

6. (1) For the Indian Administrative Service and the Indian Police Service, a candidate must be a citizen of India.

(2) For other services, a candidate must be either—

- (a) a citizen of India, or
- (b) a subject of Sikkim, or
- (c) a subject of Nepal, or
- (d) a subject of Bhutan, or
- (e) a Tibetan refugee who came over to India, before the 1st January, 1962 with the intention of permanently settling in India, or
- (f) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Ceylon and the East African Countries of Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (c), (d), (e) and (f) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

Certificate of eligibility will not, however, be necessary in the case of candidates belonging to any one of the following categories :—

- (i) Persons who migrated to India from Pakistan before the nineteenth day of July, 1948, and have ordinarily been residing in India since then.
- (ii) Persons who migrated to India from Pakistan on or after the nineteenth day of July, 1948, and have got themselves registered as citizens under Article 6 of the Constitution.
- (iii) Non-citizens in category (f) above who entered service under the Government of India before the commencement of the Constitution, viz., 26th January 1950, and who have continued in such service since then. Any such person who re-entered or may re-enter such service with break after the 26th January, 1950, will, however, require certificate of eligibility in the usual way.

Provided further that candidates belonging to categories (c), (d) and (e) above will not be eligible for appointment to the Indian Foreign Service.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination and he may also provisionally be appointed subject to the necessary certificate being given to him by the Government.

7. (a)(i) A candidate for the Indian Administrative Service, the Indian Foreign Service and for all the remaining Services, excepting the Indian Police Service, Delhi, and Andaman & Nicobar Islands Police Service, and Tripura Police Service mentioned in paragraph 1 above must have attained the age of 21 years and must not have attained the age of 24 years on the 1st August, 1971 i.e., he must have been born not earlier than 2nd August, 1947 and not later than 1st August 1950.

(ii) A candidate for the Indian Police Service, Delhi and Andaman & Nicobar Islands Police Service, and Tripura Police Service must have attained the age of 20 years, and must not have attained the age of 24 years on the 1st August, 1971 i.e., he must have been born not earlier than 2nd August, 1947 and not later than 1st August 1951.

(b) The upper age limit prescribed above will be further relaxable :—

- (i) up to a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;
- (ii) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* displaced person from East Pakistan and has migrated to India on or after 1st January 1964;

(iii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* displaced person from East Pakistan and has migrated to India on or after 1st January, 1964;

(iv) up to a maximum of three years if a candidate is a resident of the Union Territory of Pondicherry and has received education through the medium of French at some stage;

(v) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Ceylon and has migrated to India on or after 1st November 1964, under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;

(vi) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin from Ceylon and has migrated to India on or after 1st November, 1964, under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;

(vii) up to a maximum of three years if a candidate is a resident of the Union Territory of Goa, Daman and Diu;

(viii) up to a maximum of three years if a candidate is of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar);

(ix) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;

(x) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;

(xi) up to a maximum of three years in the case of Defence Services personnel, disabled in operations during the hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof; and

(xii) up to a maximum of eight years in the case of Defence Services personnel, disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof, who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes.

SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMITS PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED.

8. A candidate must hold a degree of any of the Universities enumerated in Appendix I or must possess any of the qualifications mentioned in Appendix I-A.

NOTE I.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at this examination but has not been informed of the result may apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply, provided the qualifying examination is completed before the commencement of this examination. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination, as soon as possible, and in any case not later than two months after the commencement of this examination.

NOTE II.—In exceptional cases the Union Public Service Commission may treat a candidate who has not any of the foregoing qualifications, as a qualified candidate provided that he has passed examinations conducted by other institutions the standard of which in the opinion of the Commission, justifies his admission to the examination.

NOTE III.—A candidate who is otherwise qualified but who has taken a degree from a foreign university which is not included in Appendix I, may also apply to the Commission and may be admitted to the examination at the discretion of the Commission.

9. A candidate who is appointed to a Service in Category I (I.A.S. or I.F.S.) on the results of an earlier examination will not be eligible to compete at this examination.

A candidate who is appointed to a Service mentioned in col. (ii) below on the results of an earlier examination will be eligible to compete at this examination only for Services mentioned against that Service in col. (iii) below :

Sl No.	Service to which appointed	Services for which eligible to compete
(i)	(ii)	(iii)
1. Indian Police Service	(i) Category I (I.A.S. and I.F.S.). (ii) Central Services, Class I in Category III.	(i) Category I (I.A.S. and I.F.S.). (ii) Central Services, Class I in Category III.
2. Central Services, Class I	(i) Category I (I.A.S. and I.F.S.). (ii) I.P.S. in Category II.	(i) Category I (I.A.S. and I.F.S.). (ii) I.P.S. in Category II.
3. Central Services, Class II Delhi and Andaman & Nicobar Islands Civil Service, Tripura Civil Service, Goa, Daman and Diu Civil Service, Pondicherry Civil Service, Delhi and Andaman & Nicobar Island Police Service and Tripura Police Service.	(i) Category I (I.A.S. and I.F.S.). (ii) I.P.S. in Category II. (i) Central Services, Class I, in Category III.	(i) Category I (I.A.S. and I.F.S.). (ii) I.P.S. in Category II. (i) Central Services, Class I, in Category III.

10. Candidates must pay the fee prescribed in Annexure I to the Commission's Notice.

11. A candidate already in Government Service whether in a permanent or a temporary capacity, must obtain prior permission of the Head of the Department to appear for the Examination.

12. The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

13. No candidate will be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

14. Any attempt on the part of a candidate to obtain support for his candidature by any means may disqualify him for admission.

15. A candidate who is or has been declared by the Commission guilty of impersonation or of submitting fabricated documents or documents which have been tampered with or of making statements which are incorrect or false or of suppressing material information or otherwise resorting to any other irregular or improper means for obtaining admission to the examination or of using or attempting to use unfair means in the examination hall or of misbehaviour in the examination hall, may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution,—

(a) be debarred permanently or for a specified period :—

(i) by the Commission, from admission to any examination or appearance at any interview held by the Commission for selection of candidates; and

(ii) by the Central Government from employment under them;

(b) be liable to disciplinary action under the appropriate rules, if he is already in service under Government.

16. Candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written examination as may be fixed by the Commission in their discretion shall be summoned by them for an interview for a personality test.

17. After the examination, the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate and in that order so many candidates as are found by the Com-

mission to be qualified by the examination shall be recommended for appointment up to the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination.

Provided that any candidate belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes, who though not qualified by the standard prescribed by the Commission for any Service, is declared by them to be suitable for appointment thereto with due regard to the maintenance of efficiency of administration, shall be recommended for appointment to vacancies reserved for members of the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes, as the case may be, in that Service.

18. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

19. Due consideration will be given, at the time of making appointments on the results of the examination, to the preferences expressed by a candidate for various Services at the time of his application.

Provided that a candidate who is appointed to a Service in Category I (I.A.S. or I.F.S.) on the results of an earlier examination, will not be considered for appointment to any other Service on the results of this examination.

Provided further that a candidate who is appointed to a Service mentioned in col. (ii) below on the results of an earlier examination will be considered only for appointment to Services mentioned against that Service in col. (iii) below, on the results of this examination.

Sl. No.	Service to which appointed	Service to which appointment will be considered
(i)	(ii)	(iii)
1. Indian Police Service	(i) Category I (I.A.S. and I.F.S.). (ii) Central Services, Class I in Category III.	(i) Category I (I.A.S. and I.F.S.). (ii) Central Services, Class I in Category III.
2. Central Services, Class I	(i) Category I (I.A.S. and I.F.S.). (ii) I.P.S. in Category II.	(i) Category I (I.A.S. and I.F.S.). (ii) I.P.S. in Category II.
3. Central Services, Class II, Delhi and Andaman & Nicobar Islands Civil Service, Tripura Civil Service, Goa, Daman and Diu Civil Service, Pondicherry Civil Service, Delhi & Andaman and Nicobar Islands Police Service and Tripura Police Service.	(i) Category I (I.A.S. and I.F.S.). (ii) I.P.S. in Category II. (iii) Central Services, Class I, in Category III.	(i) Category I (I.A.S. and I.F.S.). (ii) I.P.S. in Category II. (iii) Central Services, Class I, in Category III.

20. Success in the examination confers no right to appointment unless Government are satisfied after such enquiry as may be considered necessary, that the candidate is suitable in all respects for appointment to the Service.

21. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the discharge of his duties as an officer of the Service. A candidate who after such medical examination as Government or the appointing authority, as the case may be, may prescribe is found not to satisfy these requirements, will not be appointed. Any candidate called for the Personality Test by the Commission may be required to undergo medical examination. No fee shall be payable to the Medical Board by the candidate for medical examination.

NOTE.—In order to prevent disappointment candidates are advised to have themselves examined by a Government Medical Officer of the standing of a Civil Surgeon, before applying for admission to the examination. Particulars of the nature of the medical test to which candidates will be subjected before appointment and of the standards required are given in Appendix IV to these Rules. For the disabled ex-Defence Services personnel the standards will be relaxed consistent with the requirements of the Service(s).

22. No person

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to service.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

23. It will be open to the Government of India, not to appoint to the Indian Administrative Service/Indian Police Service, a woman candidate who is married or to require such a candidate who is not married, to resign from the Service in the event of her marrying subsequently if the maintenance of the efficiency of the Service so requires.

24. For the Indian Foreign Service a woman candidate is eligible only if she is unmarried or a widow without encumbrances. If such a candidate is selected, she will be appointed on the express condition that she might be called upon to resign from the Service on marriage or remarriage.

Under no circumstances, the officers appointed to the Indian Foreign Service will be allowed to marry persons other than of Indian nationality.

25. Candidates are informed that some knowledge of Hindi prior to entry into service would be of advantage in passing departmental examinations which candidates have to take after entry into service.

26. Brief particulars relating to the Services to which recruitment is being made through this examination are given in Appendix III.

B. NARASIMHAN, Under Secy.

APPENDIX I

List of Universities approved by the Government of India
(vide Rule 8)

INDIAN UNIVERSITIES

Any University incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India and other educational institutes established by an Act of Parliament, or declared to be deemed as Universities under Section 3 of the University Grants Commission Act, 1956.

UNIVERSITIES IN BURMA

The University of Rangoon.

The University of Mandalay.

ENGLISH AND WELSH UNIVERSITIES

The Universities of Birmingham, Bristol, Cambridge, Durham, Leeds, Liverpool, London, Manchester, Oxford, Reading, Sheffield and Wales.

SCOTTISH UNIVERSITIES

The Universities of Aberdeen, Edinburgh, Glasgow and St. Andrews.

IRISH UNIVERSITIES

The University of Dublin (Trinity College).

The National University of Ireland.

The Queen's University, Belfast.

UNIVERSITIES IN PAKISTAN

The University of Punjab.

The Dacca University.

The University of Sind.

The Rajshahi University.

UNIVERSITY IN NEPAL

The Tribhuvan University, Kathmandu.

APPENDIX I-A

List of qualifications recognised for admission to the examination (vide Rule 8).

1. Shastri of Kashi Vidyapith, Varanasi.

2. French Examination "Propedeutique".

3. Diploma in Rural Services of the National Council of Rural Higher Education.

4. Diploma in Rural Services of the Vaisya Bharati University.

5. National Diploma in Commerce of All India Council for Technical Education.

6. National Diploma in Engineering or Technology of the All India Council for Technical Education, recognised by the Government for recruitment to superior Services and posts under the Central Government.

7. 'Higher Course' of Sri Aurobindo International Centre of Education, Pondicherry, provided that the Course has been successfully completed as a "full student".

8. Diploma in Mining Engineering of the Indian School of Mines, Dhanbad.

9. Diploma in the field of Humanities and Natural Sciences attesting graduation from a Higher Educational Establishment in the U.S.S.R. without defending first scientific thesis but having passed the State Examinations.

10. Shastri (with English) or Old Shastri or Samnurna Shastri examination with special examination in additional subjects with English as one of the subjects, i.e., Varishta Shastri of Varanaseya Sanskrit Vishwa Vidyalaya, Varanasi.

11. Alankar degree of Gurukul Vishwa Vidyalaya, Kangri, Hardwar.

APPENDIX II**SECTION I****Plan of the Examination**

The competitive examination comprises :—

(A) Written examination in—

(i) three compulsory subjects (for all Services). Essay, General English, and General Knowledge each with a maximum of 150 marks [see Sub-Section (a) of Section II below];

(ii) a selection from the optional subjects set out in Sub-Section (b) of Section II below. Subject to the provisions of that Sub-section, candidates may take optional subjects up to a total of 600 marks for all Services except the Services under Category II (cf. Rules 1 & 4) for which optional subjects up to a total of 400 marks only may be taken. The standard of these papers will be approximately that of an Honours Degree Examination of an Indian University; and

(iii) a selection from the additional subjects set out in Sub-Section (c) of Section II below. Subject to the provisions of that Sub-Section, candidates may take additional subjects up to a total of 400 marks for the Indian Administrative Service and Indian Foreign Service (Category I). The standard of these papers will be higher than that prescribed for the optional subjects under Sub-Section (A) (ii) above.

(B) Interview for Personality Test (vide Part D of the Schedule to this Appendix) of such candidates as may be called by the Commission, carrying maximum marks as follows:

Category I:

Indian Foreign Service 400

Indian Administrative Service 300

Category II and III

All Services. 200

SECTION II**Examination Subjects**

(a) Compulsory Subjects (vide Sub-Section A(i) of Section I above :—

	Maximum Marks
(1) Essay	150
(2) General English	150
(3) General Knowledge	150

NOTE—The syllabi of the Subjects mentioned above are given in part A of the schedule to this Appendix.

(b) Optional subjects (vide Sub-Section A(ii) of Section I above).

Candidates for Services under Category II (of Rules 1 and 4) may offer any two, and for all other Services any three of the following subjects:—

	Maximum Marks
(1) Pure Mathematics	200
(2) Applied Mathematics	200
(3) Statistics	200
(4) Physics	200
(5) Chemistry	200
(6) Botany	200
(7) Zoology	200
(8) Geology	200
(9) Geography	200
(10) English Literature	200
(11) One of the following— Assamese, Bengali, Gujarati, Hindi, Kannada, Kashmiri, Malayalam, Marathi, Oriya, Pun- jabi, Sindhi, Tamil, Telugu and Urdu	200
(12) One of the following— Arabic, Chinese, French, German, Pali, Per- sian, Russian and Sanskrit	200
(13) Indian History	200
(14) British History	200
(15) European History	200
(16) World History	200
(17) General Economics	200
(18) Political Science	200
(19) Philosophy	200
(20) Psychology	200
(21) Law-I	200
(22) Law-II	200
(23) Law-III	200
(24) Applied Mechanics	200
(25) Sociology	200

Provided that the following restrictions shall apply to particular optional subjects.

- (i) Of the subjects 1, 2 and 3, not more than two can be offered for any Service.
- (ii) Candidates for Services other than the Indian Foreign Service may not offer more than one of the languages mentioned under item 12 above. For the Indian Foreign Service only, candidates are allowed to offer any two of these languages; but no candidate shall be allowed to offer both Pali and Sanskrit.
- (iii) Of the History subjects 13, 14, 15 and 16, not more than two can be offered for any Service but no candidate shall be allowed to offer both World History and European History.
- (iv) Of the subjects 19 and 20, not more than one can be offered for any Service.
- (v) Of the law subjects 21, 22 and 23, not more than two can be offered for any Service.
- (vi) Subject 24 must not be offered for the Services under Category II.

NOTE.—The Syllabi of the subjects mentioned above are given in Part B of the Schedule to this Appendix.

(c) Additional Subjects [Vide Sub-Section A (iii) of Section I above].

Candidates competing for the Indian Administrative Service/Indian Foreign Service (Category I), must also select any two of the following subjects:—

	Maximum Marks
(1) (a) Higher Pure Mathematics or (b) Higher Applied Mathematics	200
(2) Higher Physics	200
(3) Higher Chemistry	200
(4) Higher Botany	200
(5) Higher Zoology	200
(6) Higher Geology	200
(7) Higher Geography	200
(8) English Literature (1798—1935)	200
(9) (a) Indian History I (From Chandragupta Mau- rya to Harsha) or (b) Indian History II (The Great Mughals 1526—1707)	200
(c) Indian History III (From 1772 to 1950) or (d) British Constitutional History (From 1603 to 1950) or (e) European History (From 1871 to 1945)	200
(10) (a) Advanced Economics or (b) Advanced Indian Economics	200
(11) (a) Political Theory from Hobbes to the present day or (b) Political Organisation and Public Ad- ministration or (c) International Relations	200
(12) (a) Advanced Metaphysics including Episte- mology or (b) Advanced Psychology including Experi- mental Psychology	200
(13) (a) Constitutional Law of India or (b) Jurisprudence	200
(14) (a) Medieval Civilisation as reflected in Arabic Literature (570 A.D.—1650 A.D.) or (b) Medieval Civilisation as reflected in Per- sian Literature (570 A.D.—1650 A.D.) or (c) Ancient Indian Civilisation and Philo- sophy	200
(15) Anthropology	200
(16) Advanced Sociology	200

Provided that the following restrictions shall apply to particular additional subjects.

- (1) No candidate shall be allowed to offer both Indian History I[9(a)] and Ancient Indian Civilisation and Philosophy [14(c)].
- (2) No candidate shall be allowed to offer both European History [9(e)] and International Relations [11(c)].

NOTE.—The syllabi of the subjects mentioned above are given in Part C of the Schedule to this Appendix.

SECTION III

General

1. (a) The question papers in 'Essay' and 'General Knowledge', vide items (1) and (3) respectively of sub-section (a) or Section II above, may be answered in English, or in any one of the languages mentioned in the Eighth Schedule to the Constitution, viz., Assamese, Bengali, Gujarati, Hindi, Kannada, Kashmiri, Malayalam, Marathi, Oriya, Punjabi, Sanskrit, Sindhi, Tamil, Telegu and Urdu. Candidates exercising the option to answer both the papers in a language other than English must choose the same language for both the papers. The option will apply to a complete paper and not to a part thereof.

(b) Question papers in all other subjects must be answered in English, except question papers in languages, vide items (11) and (12) of sub-section (b) of Section II above, which, unless specifically required otherwise, may be answered in English or in the language concerned.

NOTE I.—A candidate desirous of answering the question paper(s) mentioned in para 1(a) above in a language other than English must clearly indicate, in column 32 of the Application Form, the name of that language against the paper(s) concerned. If no entry is made in the said column in respect of either or both of the papers, it will be assumed that the paper/papers will be answered in English. *The option once exercised shall be treated as final; and no request for alteration or addition in the said column shall be entertained.*

NOTE II.—Candidates exercising the option to answer the paper(s) in para 1(a) above in any of the languages mentioned in the Eighth Schedule to the Constitution will be required to write their answers in the respective script indicated below:

Language Script

1. Assamese—Assamese.
2. Bengali—Bengali.
3. Gujarati—Gujarati.
4. Hindi—Devanagari.
5. Kannada—Kannada.
6. Kashmiri—Persian.
7. Malayalam—Malayalam.
8. Marathi—Devanagari.
9. Oriya—Oriya.
10. Punjabi—Gurmukhi.
11. Sanskrit—Devanagari.
- *12. Sindhi—Devanagari or Arabic.
13. Tamil—Tamil.
14. Telegu—Telegu.
15. Urdu—Persian.

*Candidates exercising the option to answer the paper(s) referred to in para (a) above in Sindhi, must also indicate in column 32 of the application form, the name of the particular script (Devanagari or Arabic) which they will adopt.

2. The duration of each of the papers referred to in Sub-Sections (a), (b) and (c) of Section II above will be 3 hours.

3. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances, will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them.

4. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects of the examination.

5. For the Indian Administrative Service and the Indian Foreign Service (Category I), the two additional papers of only such candidates will be examined and marked as attain such minimum standard as may be fixed by the Commission in their discretion at the written examination in all the other subjects.

6. If a candidate's handwriting is not easily legible, a deduction will be made on this account from the total marks otherwise accruing to him.

7. Marks will not be allotted for mere superficial knowledge.

8. Credit will be given for orderly, effective and exact expression combined with due economy of words in all subjects of the examination.

9. Candidates are expected to be familiar with the metric system of weights and measures. In the question papers, wherever necessary, questions involving the use of metric system of weights and measures may be set.

SCHEDULE

Part A

[Wide Sub-Section (a) of Section II of Appendix II]

1. *Essay*.—Candidates will be required to write an essay. A choice of subjects will be given. They will be expected to keep closely to the subject of the essay to arrange their ideas in orderly fashion, and to write concisely. Credit will be given for effective and exact expression.

2. *General English*.—Candidates will be required to answer questions designed to test their understanding of English and workmanlike use of words. Some of the questions will be devised to test also their reasoning power, their capacity to perceive implications and their ability to distinguish between the important and the less important. Passages will usually be set for summary or précis. Credit will be given for concise and effective expression.

3. *General Knowledge*.—Including knowledge of current events and of such matters of everyday observation and experience in their scientific aspects as may be expected of an educated person who has not made a special study of any scientific subject. The paper will also include questions on history of India and Geography of a nature which candidates should be able to answer without special study, and questions on the teachings of Mahatma Gandhi.

PART B

[Wide Sub-Section (b) of Section II of Appendix II]

1. Pure Mathematics:

The subjects included will be (1) Algebra, (2) Infinite Sequences and Series, (3) Trigonometry, (4) Theory of equations, (5) Analytic Geometry of two and three dimensions, (6) Analysis and (7) Differential Equations.

(1) *Algebra*: Sets, Union, Intersection, difference and complementation properties, Venn Diagram. Properties of natural numbers, Real numbers and their representation by decimals. Complex numbers, Argand Diagram, Cartesian Product, Relation, Mapping, Function as a mapping. Equivalence relation. Groups, Isomorphism of groups. Subgroups, Normal subgroups. Lagrange's Theorem. Frobenius theorem.

The definitions and illustrations of Rings and Fields. Divisors of Zero and Homomorphisms. Vector spaces.

Determinants. Addition, subtraction, multiplication and inversion of matrix. Linear homogeneous and non-homogeneous equations. Cayley-Hamilton theorem.

Elementary number theory. Fundamental theorem of arithmetic. Congruences. Theorems of Fermat and Wilson.

Inequalities. Arithmetical and Geometrical means. Inequalities of Cauchy, Schwarz, Holder and Minkowsky.

(2) *Infinite Sequence and Series*. Concept of limit. Infinite series, Convergent, divergent and Oscillatory series. Cauchy's general principle of convergence. Comparison and ratio tests, Gauss' test. Absolute convergence and derangement of series.

(3) *Trigonometry*: De Moivre's theorem for rational index and its applications. Inverse Circular and hyperbolic functions. Expansions and summation of trigonometrical series. Expressions for sine and Cosine in terms of infinite products.

(4) *Theory of Equations*: General properties of polynomial equations. Transformation of equations. Nature of the roots of cubic and biquadratic. Cardan's solution of the cubic. Resolution of biquadratic into quadratic factors. Location of roots and Newton's method of divisors.

(5) *Analytic Geometry of two and three dimensions*: Straight line, Pair of straight lines, circle, system of circles, Ellipse, Parabola, Hyperbola, Reduction of a second degree equation to a standard form.

Planes, straight lines, sphere, cone, conicoids and their tangent and normal properties. (Vector methods will be permissible.)

(6) *Analysis* : Concepts of Limit, Continuity, Derivation, differentiability of a function of one real variable, Properties of continuous functions, Characterisation of discontinuities, Mean value theorems, Evaluation of indeterminate forms, Taylor's and MacLaurin's theorems with Lagrange's and Cauchy's forms of remainders, Maxima and minima of function of one variable, Plane curves, singular points, curvature, curve tracing, Envelopes, Partial Differentiation, Differentiability of a function of more than one real variable.

Standard methods of integration, Riemann's definition of definite integral of continuous function, Fundamental theorem of integral calculus, First mean value theorem of integral calculus, Rectification, quadrature, volumes and surfaces of solids of revolution and their applications.

(7) *Differential Equations* : Formation of ordinary differential equation, Order and degree, Geometrical demonstration of the existence theorem for $\frac{dy}{dx} = f(x, y)$, First order linear and non-linear equations, Singular points, Singular solutions, Linear differential equations and their important properties, Linear Differential Equations with constant coefficients, Cauchy-Euler type of equations, Exact differential equations and equations admitting integrating factor, Second order equations, Changing of dependent and independent variables, Solution when one integral is known, Variation of parameters.

2. Applied Mathematics :

The subjects included will be (1) Vector Analysis (2) Statics (3) Dynamics and (4) Hydrostatics.

(1) *Vector Analysis* : Vector Algebra, Differentiation of vector function of a scalar variable, Gradient, divergence and curl in cartesian, cylindrical and spherical coordinates and their physical interpretations, Higher order derivatives, Vector identities and Vector equations, Gauss and Stokes theorems.

(2) *Statics* : Fundamental laws of Newtonian Mechanics, Theory of Dimensions, Plane statics, Equilibrium of system of particles, Work and Potential Energy, Centre of mass and centre of gravity, Friction, Common Catenary, Principle of virtual work, Stability of equilibrium, Equilibrium of forces in three dimensions.

Attraction and Potential of rods, rectangular and circular discs, spherical shells, sphere, Equipotential surfaces and their properties, Properties of potentials, Green's equivalent stratum, Laplace's and Poisson's equations.

(3) *Dynamics* : Velocity vector, Relative velocity, Acceleration, Angular velocity, Degrees of freedom and constraints, Rectilinear motion, Simple harmonic motion, Motion in a plane, Projectiles, Constrained motion, Work and energy, Motion under impulsive forces, Kepler's laws, Orbits under central forces, Motion of varying mass, Motion under resistance, Moments and products of inertia, Two dimensional motion of a rigid body under finite and impulsive forces, Compound pendulum.

(4) *Hydrostatics* : Pressure of heavy fluids, Equilibrium of fluids under given system of forces, Centre of pressure, Thrust on curved surfaces, Equilibrium of floating bodies, Stability of equilibrium, Pressure of gases and problems relating to atmosphere.

3. Statistics :

I. Probability

Classical and Statistical definitions of probability, Simple theorems on probability with examples, Conditional probability and statistical independence, Baye's theorem, Random variables—Discrete and Continuous, Probability functions and probability density functions, Probability distributions in one or more variates, Mathematical expectations, Techebycheff's inequality, Weak law of large numbers, Simple form of Central Limit theorem.

II. Statistical Methods

Compilation, classification, tabulation and diagrammatic representation of various types of statistical data.

Concepts of statistical population, and frequency curve, Measures of Central tendency and dispersion, Moments and cumulants, Measures of skewness and Kurtosis Moment-generating functions.

Study of standard probability distributions—Binomial, Poisson, Hypergeometric, Normal, Negative—Binomial, Rectangular and log normal distributions, General description of the Pearsonian system of curves.

General properties of a bivariate distribution, bivariate normal distribution, Measures of association and continuity, Correlation and Linear regression involving two or more variables, Correlation ratio, Intraclass correlation, Rank correlation, Nonlinear regression analysis.

Curvening by methods of free-hand curves, moving averages, group averages, least squares and moments, Orthogonal polynomials and their uses.

III. Sampling distribution and statistical inference

Random sample, statistics, concepts of sampling distribution and standard error.

Derivation of sampling distribution of mean of independent normal variates, χ^2 , t and F Statistics; their properties and uses, Derivation of sampling distributions of sample means, variances and correlation coefficient from a bivariate normal population, Derivation (in large samples) and uses of Pearsonian χ^2 .

Theory of Estimation : Requirements of a good estimate—unbiasedness, consistency, efficiency and sufficiency, Cramer-Rao lower bound to variance of estimates, Best linear unbiased estimates.

Methods of estimation—general descriptions of the methods of moments, method of maximum likelihood, method of least squares and method of minimum χ^2 , Properties of maximum likelihood estimators (without proof), Theory of confidence intervals—simple problems of setting confidence limits.

Theory of Testing of Hypotheses : Simple and composite hypotheses, Statistical tests and critical regions, Two kinds of error, level of significance and power of a test.

Optimum critical regions for simple hypotheses concerning one parameter, Construction of such regions for simple hypotheses relating to a normal Population.

Likelihood ratio tests, Tests involving mean, variance correlation and regression coefficients in univariate and bivariate normal populations, Simple non-parametric tests—sign, run, median, rank and randomisation tests.

Sequential test of a simple hypotheses against a simple alternative (without derivation).

IV. Sampling techniques

Sampling versus complete enumeration, Principles of sampling, Frames and sampling units, Sampling and non-sampling errors, Simple random sampling, Stratified sampling, Cluster sampling, Systematic Sampling, Description of multi-stage and multiphase sampling, Ratio and regression methods of estimation, Designing of sample surveys with reference to recent large-scale surveys in India.

V. Design of Experiments

Analysis of variance and covariance with equal number of observations in the cells.

Transformation of variates to stabilise variance.

Principles of experimental designs, Completely randomised, randomised block and latin square designs, Missing plot technique, Factorial experiments with confounding in 2^k [$k=2(1)5$], 3^2 and 3^3 designs, Splitplot design, Balanced incomplete designs and simple lattice.

4. Physics :

General Properties of Matter and Mechanics.—Units and dimensions, Rotational motion and moments of inertia, Gravity, Gravitation, planetary motion, Stress and Strain relationship, elastic moduli and their interrelations, Surface tension, capillarity, Flow of incompressible fluids, Viscosity of liquids and gases.

Sound.—Forced vibrations and resonance, Wave motion, Doppler effect, Vibration of strings and air columns, Measurement of frequency, velocity and intensity of sound, Musical scales, Acoustics of halls, Ultrasonics.

Heat and Thermodynamics.—Elements of the kinetic theory of gases, Brownian motion, Van der Waals equation of state, Measurement of temperature, specific heat and thermal conductivity, Joule-Thomson effect and liquefaction of gases, Laws of thermodynamics, Heat engines, Black body radiation.

Light.—Geometrical optics, and simple optical systems. Telescope and microscope. Defects in optical images and their corrections. Wave theory of light. Measurement of velocity of light. Interference diffraction and polarization of light. Simple interferometers. Elements of spectroscopy. Raman effect.

Electricity and Magnetism.—Calculation of field and potential in simple cases. Gauss's theorem. Electrometers. Electrical and magnetic properties of matter and their measurement. Magnetic field due to electric current. Galvanometers. Measurement of current and quantity of electricity. Potentiometer. Resistance, inductance and capacitance; and their measurement. Thermoelectricity. Elements of alternating currents. Dynamos and motors. Electrolysis. Electromagnetic waves. Radio valves and their simple applications, transmission and reception of wireless waves. Television.

Elements of Modern Physics.—Elementary properties of electron, proton and neutron. Planck's constant and its measurement. Bohr's theory of the atom. X-rays and their properties. Elements of radio-activity, and properties of alpha, beta and gamma rays. Nuclei of atoms. Elements of the special theory of relativity, mass and energy. Fission and fusion. Cosmic rays.

5. Chemistry :

Inorganic Chemistry.—Structure of the atom. The Periodic Law. Radioactivity. Isotopes. Artificial transmutations of elements. Nuclear fission. Nature of chemical bonds. The inert gases of the atmosphere. Chemistry of the more common and useful elements and their compounds. Rare earth elements. Hydrides, oxides, oxyacids, peracids and persalts, and carbides. Inorganic complexes. Basic principles of chemical analysis.

Organic Chemistry.—Petroleum and petroleum products. Chemistry of the following classes of aliphatic compounds : Saturated and unsaturated hydrocarbons, alcohols, ethers, aldehydes. Ketones, mono and dicarboxylic acid, esters, substituted carboxylic acids; thio, nitro and cyano compounds; amines urea and ureides, organometallic compounds, monosaccharides (including structures) carbohydrates and proteins (general ideas). Simple alicyclic compounds. Strain theory.

Aromatic.—Benzene, naphthalene and anthracene and their principal derivatives; coal-tar distillation, phenols, aromatic alcohols, aldehydes, ketones. Aromatic acids and hydroxyacids. Steric hindrance, Arylamines, Diazo, azo and hydrazo compounds. Quinones. Heterocyclic compounds. Pyrole pyridine, quinoline, indole and indigo. Azo, triphenylmethane and phthalic dyes.

Simple molecular re-arrangements. Isomerism, stereoisomerism and tautomerism polymerisation.

Physical Chemistry.—The kinetic theory. Properties of gases. Equations of state (Van der Waals, Dieterici). The critical state. Liquefaction of gases. Physical properties of liquids in relation to their chemical constitution. Elementary Crystallography.

The first and second laws of thermodynamics and their application to simple physical and chemical processes. Chemical equilibrium and Law of Mass Action. Le Chatelier's Principle. The Phase Rule and its application to one-component systems and to the iron-carbon system.

Rate and order of a reaction. First and second order reactions. Chain reactions. Photochemical reactions. Catalysis. Adsorption.

Electrolytic dissociation, Ionic equilibria. Acid-base equilibria and indicators. Study of electrolytic conductance and its applications. Electrode potentials, E.M.F. of cells. Measurements of E.M.F. and their applications.

6. Botany :

Form, structure, habit, economic importance, life histories and inter-relationships of the important representatives of the various groups and sub-groups or families and sub-families of cryptogams (including bacteria with viruses) and phanerogams, with special reference to Indian plants.

The fundamental principles and processes of plant physiology.

A general knowledge of important diseases of crop plants in India and methods of their control and eradication.

The basic facts relating to ecology and plant geography, with special reference to Indian flora and the botanical regions of India.

Basic knowledge about evolution, cytology, genetics and plant breeding.

Economic uses of plants, specially flowering plants, in relation to human welfare, particularly with reference to such vegetable products as food grains, pulses, fruits, sugars and starches, oil-seeds, spices, beverages, fibres, woods, rubber, drugs and essential oils.

A general familiarity with the development of knowledge relating to the botanical science.

7. Zoology :

The classification, bionomics, morphology, life-history, and relationships of non-chordates and chordates, with special reference to Indian forms.

Functional morphology (form, structure and function) of the integument, endoskeleton, locomotion, feeding, blood-circulation, respiration, osmoregulation, nervous system, receptors and reproduction. Elements of vertebrate embryology.

Evolution : evidences, theories and their modern interpretations, Mendelian inheritance; mutation. Structure of animal cell; basic principles of cytology & genetics. Adaptation and distribution.

8. Geology :

Physical Geology and Geomorphology.—Origin, structure, interior and age of the Earth. Geosynclines and mountains. Isostasy. Origin of continents and oceans. Continental drift. Seismology, Volcanology. Geological action of surface agencies.

Structural and Field Geology.—Common structures of igneous, sedimentary and metamorphic rocks. Study of folds, faults, unconformities, joints and thrusts. Elementary ideas of methods of geological Surveying and Mapping.

Crystallography and Mineralogy.—Elements of crystal forms and symmetry. Laws of Crystallography; Crystal systems and classes; Crystal habits; twinning. Stereographic projections. Physical, chemical and optical properties of minerals. Study of more important rock-forming and economic minerals regarding their chemical and physical properties, crystallographic and optical characters, alterations, occurrence, and commercial uses.

Stratigraphy and Palaeontology.—Principles of Stratigraphy. Indian Stratigraphy. Lithological and Chronological sub-divisions of Geological record. Fossils—nature and mode of preservation; bearing on Organic evolution. Invertebrate and plant fossils.

Economic Geology.—Theories of Ore genesis; Classification, geology, occurrence, localities and resources of chieftly metallic and non-metallic minerals of India. Mineral industries in India. Principles of Geophysical prospecting and ore dressing.

Petrology.—Origin, constitution, structure and classification of igneous, sedimentary and metamorphic rocks. Study of common Indian Rock types.

9. Geography.—Physical and Human Geography of the world with special reference to India. Principles of Physical Geography comprising a detailed study of the lithosphere, hydrosphere and atmosphere leading up to the modern views regarding cycle concepts, isostasy, processes of mountain formation, weather phenomena, surface and sub-surface movement of ocean waters, etc.

Principles of Human Geography comprising a detailed study of the distribution of man on the basis of culture, race, religion, etc., environment and mode of life, population trends, population movements.

Candidates are expected to have a detailed knowledge of physical, human and economic geography of India.

10. English Literature.—Candidates will be expected to show a general knowledge of the history of English Literature from the time of Chaucer to the end of the reign of Queen Victoria, with special reference to the works of the following authors :—

Shakespeare, Milton, Dryden, Johnson, Wordsworth, Keats, Dickens Tennyson, Arnold and Hardy.

Evidence of first-hand reading will be required. The paper will be designed also to test the candidates' critical ability.

11. Assamese, Bengali, Gujarati, Hindi, Kannada, Kashmiri, Malayalam, Marathi, Oriya, Punjabi, Sindhi, Tamil, Telugu and Urdu.—Candidates will be expected to show a knowledge of the language and its literature. They must have first hand knowledge of the best known works with which they deal though questions on works of lesser importance may also be set. They will also be expected to possess such knowledge of the historical and cultural background, of intellectual and artistic movements, and of linguistic developments as will enable them to understand the literature. Questions may be set on literary history and on language. Candidates will be required to translate/explain, and may be asked to comment on passages.

NOTE—A candidate offering any of the subjects mentioned under item (11) may be required to answer some or all the questions in the language concerned. The scripts required to be used for these languages are indicated below :

Language Script

1. Assamese—Assamese.
2. Bengali—Bengali.
3. Gujarati—Gujarati.
4. Hindi—Devanagari.
5. Kannada—Kannada.
6. Kashmiri—Persian.
7. Malayalam—Malayalam.
8. Marathi—Devanagari.
9. Oriya—Oriya.
10. Punjabi—Gurmukhi.
11. Sindhi—Devanagari or Arabic.
12. Tamil—Tamil.
13. Telugu—Telugu.
14. Urdu—Persian.
15. **Arabic, Chinese, French, German, Pali, Persian, Russian and Sanskrit.**—Candidates will be expected to show a knowledge of the principal classical authors and to be able to translate from and compose in the language.

NOTE—Candidates for Arabic, Persian and Sanskrit may be asked to answer some questions in Arabic, Persian or Sanskrit as the case may be. Answers required to be written in Sanskrit must be written in the Devanagari script.

13. Indian History.—From the beginning of the reign of Chandragupta Maurya to the establishment of Indian Republic. The paper will include questions on political, constitutional, economic and cultural developments.

14. British History.—The period of study will be from 1485 to 1945. The paper will include questions on political, constitutional, economic and cultural developments.

15. European History.—The period of study will be from 1789 to 1945. The paper will include questions on political, diplomatic, economic and cultural developments.

16. World History.—(From 1789 to 1945). Candidates will be expected to possess sound knowledge of the major political and economic developments in world, with special reference to Europe, the U.S.A., the far East, the Middle East and the African continent. There will be special emphasis on international events of world importance.

Candidates will also be expected to be familiar with cultural developments as reflected in contributions to civilization as a whole, in the fields of science, literature and art.

17. General Economics.—Candidates will be expected to have a general knowledge of (a) the principles of economic analysis; and (b) the history of economic doctrines.

They should be able to apply their knowledge of theory to an analysis of the current economic problems of India.

18. Political Science.—Candidates will be expected to show a knowledge of political theory and its history, political theory being understood to mean not only the theory of legislation but also the general theory of the State. Questions may also be set on constitutional forms, (Representative Government, Federalism, etc.) and Public Administration, Central and Local. Candidates will be expected to have knowledge of the origin and development of existing institutions.

19. Philosophy.—The candidates will be expected to be familiar with History and Theory of Ethics. Eastern and Western, with special reference to the problems of Moral Standards and their application. Moral Judgement, Determinism and Free Will, Moral Order and Progress, relation between Individual, Society and the State, theories of Crime and Punishment, and relation of Ethics to Religion.

They will also be expected to be familiar with History of Western Philosophy, with special reference to nature of philosophy and its relation to Science and Religion, theories of Matter and Spirit, Space and Time, Causation and Evolution, and Value and God, and with History of Indian Philosophy (including orthodox and heterodox systems), with special reference to theories of God, Self and Liberation, and causation, Evolution and Appearance.

20. Psychology.—

Psychology : its nature, scope and methods; experimental method in psychology.

Factors in human development heredity and environment.

Motivation, feelings and emotions; their nature and development; theories of emotions; development of character.

The cognitive processes; sensation, perception, learning, memory and forgetting, and thinking.

Intelligence and abilities—concepts and measurement. Personality—nature, determinants, theories, and assessment.

Group processes and group effect; crowd behaviour; leadership and morale; attitudes and prejudice; social change.

Concept of abnormality, symptoms and etiology of the main forms of psychoneurotic and psychotic disorders; social pathology and juvenile delinquency—causes and prevention; Main forms of therapeutic techniques.

21. LAW I.—

1. Jurisprudence : Concept of law; Kinds of law; Positive law; Administration of justice; Sources of law; Elements of law including legal rights, and duties; Liability Ownership, possession; Legal personality; Property.

2. Constitutional Law; Constitutional Law of India including Administrative Law; basic principles of the English Constitution.

3. Law of Torts including State liability for Torts.

4. Law of Crimes (Indian Penal Code).

5. Law of evidence : Relevancy and presumptions; Kinds of Evidence—oral and documentary evidence, primary and secondary evidence; Burden of proof; Estoppel; Judicial notice.

22. Law II.—

1. General Principles of the Law of Contract (Sec. 1 to 75 of the Indian Contract Act).

2. Law of Indemnity, Guarantee, Bailment, Pledge and Agency, with special reference to the Indian Contract Act.

3. Law of Sale of Goods, Law of Partnership, and Negotiable Instruments and Banking (General Principles), with special reference to the Indian Law.

4. Company Law.

23. Law III.—

Nature and Sources of International Law. History of International Law. The School of International Law. International Law and Municipal Law.

States as persons of International Law. Acquisition and loss of international personality. State recognition, State succession.

Rights and duties of States. Principle of equality. Jurisdiction of States.

Treaties

Agents of International intercourse. Privileges and immunities of diplomatic agents. The individual and International Law. Aliens. Nationality. Naturalisation. Statelessness. Extradition. War Criminals.

Modes of settlement of International disputes.

War : Declaration ; effects.

Laws of land, sea and aerial warfare.

War in self-defence. Collective security. Regional pacts. Outlawry of war. Laws of belligerent occupation. Belligerency and insurgency.

Methods of warfare. Prisoners of war. Right of visit and search. Prize courts.

Blockade and contraband.

Neutrality and neutralisation. Rights and duties of neutral states in war. Unneutral service. Neutrality under the Charter of the U.N.

The Charter of the U.N. and covenant of the League of Nations. Principal organs of the United Nations. Specialised International Organisations.

Candidates will be expected to show familiarity with cases, including the pronouncements of the International Court of Justice.

24. Applied Mechanics.—

BUILDINGS

Consideration of materials used in the construction of roof-trusses. Steel and Timber. Determination of stresses in trusses by various methods. Dead-loads and wind pressure. Factors of safety and working stresses.

Designs of roof-trusses. Various types of roof-trusses and roof-coverings; collar beam and hammer beam trusses.

Use of Euler's, Gordon's, Rankine's, Fidler's, Johnson's and straight line formulae in the design of struts. Buckling factor of struts; curves showing comparative strength of struts obtained by various formulae. Choice of size of sections. Finish of steel work. Joints. Design of end-bearings; methods of fixing and supporting ends.

Application of circles and ellipse of stress and Clayepron's theorem to design of structures.

Cast Iron and Steel Columns.—Flange and web connections to steel Columns; caps, bases; transverse bracing of columns.

Foundations.—Safe pressures; foundations for columns. Slab foundations, cantilever foundations; grillage foundations. Wells. Piles.

Retaining Walls and Earth Pressures.—Rankine's theory, Wedge theory. Winkler's and Riebt's graphical constructions, with corrections. Design of various types of retaining walls in masonry.

Tall Masonry and Steel Chimneys.—Theory and design.

Design of Steel and Masonry Reservoirs; with considerations of wind-pressures.

Deflection of framed structures and determination of stresses etc., in redundant frames.

Influence diagrams for bending moment and shear for uniformly distributed and irregular loads on trusses, built in beams, and three pinned parabolic; semi-elliptic and semi-circular arches.

General principles of dome design.

Principles of Building Design: consideration of loads on buildings; Steel-works, girders, etc., for buildings.

BRIDGES

Design of superstructure. Determination by graphical and analytical methods of bending moment due to moving loads, wind pressures.

Design of masonry bridges and culverts.

Plate-webb girders. Analysis of stresses.

Warren and lattice girders.

Three pinned arches; doubly pinned and rigid arches.

General considerations on the design of suspension, cantilevers and tubular bridges.

Steel arched bridges.

Swing bridges.

REINFORCED CONCRETE

Shear, bond and diagonal tension, its nature, evaluation and location of reinforcement.

Design of simple and doubly reinforced beams and continuous beams.

Theory and design of reinforced concrete columns and piles.

Design of slab foundations.

Design of simple cantilever and counterfort retaining walls.

Equivalent moments of inertia for reinforced concrete sections.

Theory of elastic deflections and outline of investigation of stresses in reinforced concrete arches.

GENERAL

Analysis of stress, analysis of strain, elastic limit and ultimate strength. Relation between the elastic constants. Launhardt-Weyrauch formula for working stresses in a structural member and determination of its cross sectional area. Repetition of stresses. Bending moment and shearing force diagrams for dead loads. Graphical determination of stresses in frames; effect of wind pressure; method of sections. Stress in the cross-section of a beam due to bending ($M/I = F/Y = E/R$); compound and conjugated stresses. Rankine's theory of earth-pressure; depth of foundations strength of footings. Grillage foundations; Coulomb's theory of earth-pressure, modification due to Rebahn.

Bending moment and shearing force diagrams for live loads. Analysis of uniform and uniformly varying stress; Elastic theory of bending of beams; bending and shear stresses in beams. Modulus of section and equivalent areas. Maximum and minimum stresses in a joint due to eccentric loading. Stresses in dams and chimneys. Stability of block, work structures. Design of rivetted joints and stresses in boiler shells. Euler's theory concerning struts, modifications due to Rankine, Gordon and others. Torsion, Combined torsion and bending deflections. Encastre beams. Continuous beams and theorem of three moments. Elastic theory of arches. Masonry arches.

25. Sociology :

Nature and Scope of Sociology and its relation to other social sciences; Society, its nature and structure : Individual and Society; Social inter-action; Groups; Group behaviour; Culture; Culture and Personality; Crowd Behaviour; Leadership; Socialisation. Social Change and Planning; Urbanisation and Urbanism; Village Community; Theories of Social Change; Institutions and Associations—Family and Kinship—Social Stratification—Caste and Class; Social Values—Traditions. Customs and Mores : Religion; Social Control; Social Disorganisation; Society and Adjustments; Human Ecology and Population—Growth of Population and Population Control.

The candidates will be expected to illustrate theory by facts, and to analyse problems with the help of theory. They will be expected to be particularly conversant with Indian problems.

PART C

[Vide Sub-Section (c) of Section II of Appendix III]

1.(a) Higher Pure Mathematics :

The subjects included will be (1) Modern Algebra and Topology, (2) Analysis of functions of real variables, (3) Functions of a complex variable, (4) Geometry and (5) Differential Equations.

(1) *Modern Algebra* : Groups, Sub-groups, Normal Sub-groups, Factor groups. Homomorphism and isomorphism. Theorems on isomorphism. Permutation groups. Groups of transformation. Groups of automorphism. Inner automorphism. Normaliser, Centre and Commutator. Theorems of Cayley and Sylow. Decomposition theorem for finitely generated abelian groups. Invariants. Normal series. Composition series. Jordan-Hölder theorem. Rings. Integral domains. Division ring. Fields. Ideals. Prime, primary and maximal ideals. Sums and products of ideals. Quotient ring. Isomorphism theorems for rings. The field of quotients of an integral domain. Euclidean domains. Principal ideal domains. Unique factorisation domains. Ring of polynomials over a commutative ring. Polynomials with co-efficients from a unique factorisation domain. Noetherian rings.

Vector spaces. Basis of a vector space. Dimension. Orthogonality. Scalar product. Orthonormal basis.

Field extension. Splitting fields. Separable and inseparable extension. Galois theory of finite extensions. Application to solution of equations by radicals. Finite fields.

Topological space, maps and neighbourhoods, closed sets, open sets (base for a topological space, subspaces, quotient spaces. Different ways of defining a topology and strength of topologies. Metric spaces. Euclidean spaces, and other examples of metric spaces. Connectivity. Cartesian product of two topological spaces, local connectivity. Pathwise connectivity. Compact spaces. Product of compact spaces, locally compact spaces. Separation axioms. Hausdorff, normal and regular spaces.

(2) *Analysis of functions of real variables*: Dedekind's theory of real numbers. Bounds and limits. Sequences. Continuity and uniform continuity. Differentiability. Implicit functions. Maxima and minima of functions. Riemann integration. Mean value theorems. Improper integrals. Line, surface and multiple integrals Green's and Stokes theorems.

Uniform convergence of series and properties of uniformly convergent series. Convergence of infinite products. Orthonormality and completeness of sets of functions. Fourier series and Fourier theorem. Weierstrass approximation theorem. Lebesgue measure. Measurable functions and Lebesgue integral of bounded functions.

(3) *Functions of a complex variable*: Representation of complex numbers on Gauss' plane and on Riemann's sphere. Bilinear transformations. Analytic functions. Cauchy's theorem and its converse. Cauchy's integral formula. Taylor's and Laurent's series. Liouville's theorem. Singularities. Zeros. Theory of Residues and its application to evaluation of integrals. Fundamental theorem of algebra and roots of algebraic equations. Conformal representation. Analytic continuation Mittag-Leffler's theorem. Weierstrass' factorisation Theorem. The maximum modulus principle. Hadamard's three-circle theorem.

(4) *Geometry*: Plane sections and generating lines of quadrics. The quadric surface and its analysis. Confocal quadrics. Elementary theory of pencils of quadrics. Curves in space. Curvature and torsion. Frenet's formulae Envelopes. Developable surfaces. Developable associated with a curve. Ruled surfaces. Curvature of surfaces. Lines of curvature. Conjugate lines. Asymptotic lines. Geodesics.

(5) *Differential Equations*:

Ordinary differential Equations: Picard's existence theorem. Initial and Boundary conditions. Linear differential equations with variable coefficients. Integration in series. Bessel and Legendre functions. Total and simultaneous differential equations.

Partial Differential Equations: Formation of partial differential equations. Types of integrals of partial differential equations. Partial differential equations of first order. Charpit's method. Partial differential equations with constant coefficients. Monge's method. Classification of partial differential equations of second order. Laplace Equation and its boundary value problems. Solution of wave equation and equation of heat conduction.

1(b) *Higher Applied Mathematics*:

The subjects included will be (1) Dynamics, (2) Hydrodynamics, (3) Elasticity, (4) Electricity and Magnetism, (5) Special theory of Relativity.

(1) *Dynamics*: Particle Dynamics: Motion in three dimensions. Rigid Dynamics: Motion in two dimensions. Momentum and Energy. Motion relative to the moving earth. Foucault's pendulum. Generalized coordinates. Holonomic and non-holonomic systems. Lagrange's equations of motion for holonomic systems. Small oscillations. Euler's geometrical and dynamical equations. Motion of a top. Hamilton's principle of least action. Hamilton's canonical equations and their integral invariants. Contact transformations.

(2) *Hydrodynamics*:

General: Equation of continuity, momentum and energy.

Inviscid Flow Theory: Two-dimensional motion. Streamline motion. Sources and sinks. Methods of images and its application. Motion of cylinder and sphere in a fluid. Vortex motion. Waves.

Viscous Flow Theory: Stress and Strain analysis. Navier-Stokes Equations. Vorticity Dissipation of energy. Flow between parallel plates. Flow through pipe. Slow streaming motion past a sphere. Boundary layer concept. Boundary layer equations for two dimensional flows. Boundary layer along a plate. Similarity solutions. Momentum and energy integrals. Method of Karman and Pohlhausen.

(3) *Elasticity*: Cartesian Tensors. Stress and strain analysis. Work and energy. Saint Venant's principle. Bending of beams and plates. Torsion.

(4) *Electricity and Magnetism*: Electrostatics. Conductors and condensers. Systems of conductors. Dielectrics. Method of images and its application. Flow of electric currents in networks. Magnetism. Electromagnetism Induction. Alternating currents. Maxwell's equations. Oscillatory circuits.

(5) *Special Theory of Relativity*: Galilean principle. Michelson-Morley experiment. The principles of theory of relativity. Lorentz transformation and its consequences. Lorentz invariance of Maxwell's equations. Electrodynamics of a Vacuum. Matter and energy.

2. *Higher Physics*:

General Properties of Matter and Sound: Mechanics of deformable bodies. Helical springs. Capillary phenomena. Viscosity. Acoustical measurements. Ultrasonics.

Heat and Thermodynamics: Brownian motion. Kinetic theory of gases. Transport phenomena in gases at low pressures. Thermodynamic functions and their applications. Specific heat of solids and gases. Production and measurement of low temperatures. Radiation of Planck's law of energy distribution.

Optics: Theory of co-axial symmetrical optical systems. Experimental spectroscopy. Electro-magnetic theory. Scattering of light. Raman effect. Diffraction. Polarisation.

Electricity and Magnetism: Gauss's theorem. Electrometers. Magnetic hysteresis. Theory of permanent magnets. Measurement of electrical quantities. Alternating current theory. Cyclotron and other methods for production of high voltages. Transmission and reception of wireless waves. Television.

Modern Physics: Special theory of relativity. Dual nature of light and matter. Schrodinger's equation and its solution in simple cases Hydrogen and helium spectra Zeeman & Stark effects. Pauli's principle and periodic classification of elements. X-Rays and X-Ray spectroscopy. Compton effect. Conduction in metals. Superconductivity. Thermionics Thermal ionization. Properties of atomic nuclei. Mass spectroscopy. Elementary particles and their properties. Nuclear reactions. Cosmic rays. Nuclear fission and fusion.

3. *Higher Chemistry*:

Inorganic Chemistry.—The structure of the atom. Radioactivity, natural and artificial. Fission and fusion of nuclei. Isotones. Radioactive indicators. Radioactive series. Transuranic elements.

Chemistry of the elements and their principle compounds with special reference to Be, W, Ti, V, Mo, Hf, Zr and rare earth elements.

Co-ordination compounds. Interstitial and non-stoichiometric compounds. Free radicals. Advanced Physico-chemical methods of analysis.

Organic Chemistry.—Theories of organic chemistry, including resonance and hydrogen bond formation. Mechanism of important organic reactions. Stereochemistry, including conformation.

Chemistry of different classes of organic compounds with special reference to the following: Polysaccharides, terpenes, natural colouring matters, alkaloids, vitamins important hormones, anti-malarials, chlorine insecticides principal antibiotics and synthetic polymers.

Physical Chemistry.—The kinetic molecular theory. The three laws of thermodynamics and their application to physical chemical processes. Physico-chemical properties in relation to and elucidating molecular structure. Quantum theory and its application to chemistry.

The mechanism and kinetics of chemical and photo-chemical reactions. Catalysis. Adsorption. Surface chemistry. Colloids. Electrochemistry.

4. Higher Botany :

Plant kingdom.—Advanced knowledge of the main groups of the vegetable kingdom both living and extinct (*viz.* Algae, Fungi, Bryophyta, Pteridophyta, Gymnosperms and Angiosperms) with special reference to the Indian flora.

Systematic botany.—Principles of classification and a general knowledge of the more important families of angiosperms.

Anatomy.—Origin, nature and development of plant tissues and their distribution from the ecological and physiological points of view.

Plant pathology.—An advanced knowledge of the important diseases of plants caused by bacteria, fungi, viruses, and physiological diseases. Methods of control.

Physiology.—An advanced knowledge of the important physiological processes in plants, including plant bio-chemistry.

Ecology.—Principal types of vegetation of India, their distribution and the importance of eco-physiological studies. Principles of plant geography.

Economic botany.—A study of the important economic plants of tropical and sub-tropical areas, with special reference to India.

General Biology.—Knowledge of the fundamentals of and recent developments in variation, heredity, evolution, cytology, genetics and principles of plant breeding.

5. Higher Zoology :

The classification, bionomics, morphology, life-history and relationships of non-chordates and chordates, with special reference to Indian fauna.

Functional morphology (form, structure and function) of the organ systems. Outlines of vertebrate embryology.

The classification, ontogeny, phylogeny adaptive divergence and convergence of animals, animal ecology, migration and colouration.

Evolution: evidences, theories, and their modern interpretations. Adaptation; distribution of animals in space.

Recent advances in the knowledge of the cell, cytology, genetics, sex determination and endocrinology.

Modern concept of the environment as a complex of physical, chemical and biological factors, and of the organisms as individuals, populations and communities.

An essay relating to any of the following topics : Protozoa and disease; Insect and man; Parasitology; Freshwater and marine biology; Limnology and fishery biology; Contribution of great biologists to knowledge and civilization.

6. Higher Geology :

General Geology.—History and development of the Science of Geology, its different branches and contacts with other sciences. Origin, evolution, structure, constitution, interior and age of the Earth. Geomorphology; Radioactivity and its applications to Geology; Siesmology; Volcanology; Geomorphology; Isostasy. Evolution of continents and ocean basins. Geological action of surface and subterranean agencies. Continental drift.

Structural and Field Geology.—Diastrophism; Rock deformation; Origin of mountains; Structures in relation to topography and mining. Tectonic history of India. Methods of Geological Surveying and Mapping.

Stratigraphy and Palaeontology.—Principles of Stratigraphy, and correlation. Detailed study of Indian Stratigraphy and outline of World Stratigraphy. Distribution of land, sea, faunas and floras in different periods. Theories of organic evolution. Fossils—their importance. Index fossils and correlation. Detailed study and geological history of the invertebrate fossils and the principal groups of vertebrate and plant fossils with special reference to India.

Crystallography and Mineralogy.—Crystal morphology. Laws of crystallography; crystal systems and classes; habits, twinning. Goniometric and X-ray study of crystals. Atomic structure. Detailed study of rock-forming minerals and of economic minerals with special reference to their occurrence in India.

Petrology.—Origin and evolution, structure, mineral constituents, texture and classification of igneous, sedimentary and metamorphic rocks. Petrogenesis including metamorphism.

Petrochemistry, Study of meteorites, Important Indian rock-types.

Economic Geology.—Ore-genesis; classification of economic minerals and controls of ore localization. Geology of economic mineral deposits with particular reference to India. Location of mineral industries. Evaluation of properties; Mineral economics; conservation and utilisation of minerals. National mineral policy. Strategic minerals. Geological, geo-physical and geochemical prospecting techniques and their applications. Principal methods of mining, sampling, ore dressing and ore beneficiation. Soils and ground water. Application of Geology to common engineering problems.

7. Higher Geography.—The paper will consist of two parts :—

The first part will comprise an advanced study of Physical Human and Economic Geography, with special reference to India.

The second part will comprise advanced study of the following special subjects, and a candidate will be expected to have knowledge of at least two of these subjects :

Geomorphology. Climatology (including modern methods of weather forecasting and analysis). Cartography (including solution of right-angled spherical triangles, use of Theodolite, advance projections like the oblique zenithal nets, etc.) Historical geography. Political geography. History of geographical thought and discoveries.

8. English Literature (1798—1935).—The paper will cover the study of English Literature from 1798 to 1935, with special reference to the works of Wordsworth; Coleridge, Shelley, Keats, Lamb, Jane Austen, Carlyle, Ruskin, Thackeray, Robert Browning, George Eliot, G. M. Hopkins, Shaw, W. B. Yeats Galsworthy, J. M. Synge, E. M. Forster and T. S. Eliot.

Evidence of first hand reading will be required. The paper will be designed to test not only the knowledge but also critical evaluation of the main literary trends during the period. Questions having a bearing on the social and cultural background of the period may be included.

9(a). Indian History I (From Chandra Gupta Maurya to Harsha).—

The Mauryas. The rise and consolidation of the empire. Administration and economy. Decline of the empire.

The eclipse of Magadha. The Shungas and the Kanvas.

The Cholas, Cheras and Pandyas.

Contacts with the West. North India—the Indo-Greeks. South India—Roman trade.

Central Asia and India. The Shakas. The Kushanas. The Satavahanas.

Indian contacts with Asian countries—The spread of Buddhism.

The Imperial Guptas—The Creation of Classical Indian Culture. Further Indian contacts overseas. The decline of the Guptas. The Hunas.

Changing economic patterns in north India and their impact on politics.

The rise of the Vakatakas and the Chalukyas.

The emergency of the Pallavas.

Harshvardhana.

9(b). Indian History II [The Great Mughals (1526—1707)].—**Political History**

Establishment of the Mughal Empire in India; its consolidation and expansion. The Sur interregnum. Mughal Empire at its zenith. Akbar, Jehangir and Shahjahan. Mughal relations with Persia and Central Asia. The development of administrative system. Europeans at the Mughal Court; early Portuguese. French and English settlements. The beginning of the decline. Aurangzeb, his wars and policies. Cultural, Religious, Economic and Social Life.

Cultural life, and promotion of art, architecture and literature.

Religious movements : Bhakti Movement, Sufism, Dīn-i-Ilāhī, Religious policy of the Mughal Emperors.

Economic life : Agrarian life. Systems of land tenure. Industry. Trade and Commerce. Exports, imports. Means of transport. Wealth of India.

Social life : Court life; Urban life; Rural life. Dress, manners, customs, food and drink; amusements, recreations and festivals. Position of women.

9(c).—**Indian History III** (From 1772 to 1950).

Consolidation of British power in Bengal and South India. Expansion of British power in India. The East India Company and the British state. Evolution of the Civil Service, Judicial system, the police, and the army. Development of new land revenue system and agrarian relation. British Commercial policy. Economic impact of British rule in India. The revolt of 1857. Relations with Indian States. Foreign policy, and relations with Burma and Afghanistan. Development of modern industry, and means of communication. Development of modern education. Growth of the Press.

Indian Re-awakening : Raja Rammohan Roy, Brahmo Samaj and Vidya Sagar; the Arya Samaj, the Theosophists; Ramakrishna and Vivekananda; Syed Ahmed Khan. Social Reform. Development of modern Indian literature. The rise of Indian National Movement: The Indian National Congress (1885-1905), Dadabhai Naoroji, Ranade, and Gokhale. Growth of militant nationalism, anti-partition agitation. Swadeshi and Boycott. Tilak and Aurobindo Ghosh: the Home Rule League and the Lucknow Pact.

Constitutional Development : Acts of 1861 & 1892; Minto-Morley Reforms; the Montford Reforms, the 1935 Act.

Emergence of Mahatma Gandhi and the struggle for freedom. Transfer of Power: The Cripps Mission: the Cabinet Mission; Independence Act and Partition. The Constitution of 1950. Independent India: Foreign Policy. Non-alignment; Secularism; and Planning.

9(d). **British Constitutional History** (From 1603 to 1950).—

Crown versus Parliament.—

Relations between James I and Parliament. Petition of Rights. Charles I and the issue of prerogative *versus* common Law. Civil war.

The Constitution makers.—

Government by Long Parliament. The Little Parliament. The Protectorate. The Restoration. The Glorious Revolution. The Bill of Rights.

The Crown, the Executive and Parliament.—

The King and his Ministers. Influence of the Crown. The Cabinet and Parliament. The Monarchical Crisis of 1936.

The Reform of Parliament.—

Reforms Acts and the House of Commons. The House of Commons and the House of Lords. The Reforms of the House of Lords.

The Commonwealth.—

Origin and growth of the Commonwealth. The Statute of Westminster. The Machinery of Commonwealth Co-operation. The position of the Crown in the Commonwealth.

9(e). **European History** (1871—1945).

The Industrial Development of Europe—Growth of nationalism, and democratic and socialist movement.

The German Empire; the Third French Republic; the Habsburg Monarchy. Imperial Russia.

The policy of alignment and ententes.

The Eastern Question.

The rise of imperialism, and European imperial interests in the Near East, the Middle East, Africa and the Far East.

The origin and consequences of the First World War.

The Russian Revolution and its consequence.

The Versailles settlement; the League of Nations; efforts at World Disarmament; the search for security; rise of Fascism and Nazism and their international implications.

The Second World War.

10. (a) **Advanced Economics.**—

Functions of economic analysis.

The theory of price. The theory of consumption and demand. Organization of production. Theory of the firm and

industry. Imperfect competition. Theory of monopoly. Control of monopoly.

The theory of distribution. Rent. The theory of capital. The theory of money and interest. Savings and investments. Banking and credit regulation. The theory of wages and employment. Collective bargaining and industrial peace.

National income. Economic progress and distributive justice.

The theory of international trade. Foreign exchanges. Balance of payments.

Business cycles and their control. Economic role of Government. Economic welfare. Public utilities, pricing and regulation.

Theory of taxation. Incidence of taxation. Effects of Government taxation and expenditure. Deficit financing and inflation.

Planning for economic development.

10. (b) **Advanced Indian Economics.**—

Economic developments during the War and Post-War period. Natural resources. Social institutions. Agricultural Production and finance. Pricing and distribution of food-grains and other agricultural products. Land reform. Place of cottage and small scale industries in a developing economy. Growth of modern organized industry. Regulation of public companies. Industrial relations and problems of labour. Mixed economy. Scope and efficiency of the public sector. Indian monetary and credit system. Role of the Reserve Bank. Population problems and population policy. Unemployment and under-employment. Computation of Indian national income. Regulation of foreign trade. Balance of payments. Indian taxation system. Federal finance. Planning for economic development. Size and structure of successive plans. Problems of resources and of implementation.

11(a) **Political Theory from Hobbes to the present day.**—

Theories of Contract and Natural Rights—Hobbes, Locke and Rousseau. Development of the Idea of Sovereignty. The Historians—Vico, Montesquieu and Burke. The Utilitarians. The Evolutionists. The Idealists—Kant, Hegel, Green, Bradley and Bosanquet. Conservatism and Liberalism. Marxism and Schools of Socialism and Communism. Pluralism. Fascism. The Impact of Psychology. Trends in twentieth century thought in the East.

11 (b) **Political Organisation and Public Administration.**—

Political Institutions. The rise of Modern National States. Parliamentary and Presidential forms of Government. Unitary and Federal Governments. The Legislature. The Executive and the Judiciary. Methods of Representation. The Communistic and Totalitarian forms of Government.

Public Administration. Public Administration in the Modern State. The formulation of policy and higher control—the Legislature and the Executive. Organisation. Management, Methods and Tools. Regulatory Commissions and Public Corporations. Personnel Administration—The Civil Service and its Problems. The Budget and Financial Administration. Administrative Powers Control by the Courts. The Public Services and the Public.

11. (c) **International Relations.**—
Part I

Foundations and limitations of national power.

The place of power, ideology and ethics in International Relations.

The role of International Law in International Relations.

The role of national interest in the formulation of foreign policy.

The theory of Balance of Power.

The nature and functions of International Organisation.

The United Nations: purposes, structure and functioning. Part II

The origins of the First World War and the nature of the peace Settlement.

The League of Nations and the efforts for the establishment of a collective security system in the inter-war years.

The origins of the Second World War.

The Nuclear age and its impact on traditional International Relations.

The Cold War and its effect on World Politics.

The Birth of New Nations and the changes in the pattern of International Relations.

The Foreign Policies of the United States, the U.S.S.R., China, India and one of the following :

Great Britain, Japan, Germany and France.

12. (a) Advanced Metaphysics Including Epistemology.—

Candidates will be expected to be familiar with the views of prominent philosophers from Kant to the present day e.g., Kant, Hegel, Bradley, Royce, Croce, Moore, Russell, James, Schiller, Dewey, Bergson, Alexander Whitehead, Wittgenstein, Ayer, Heidegger and Marcel.

Questions may be set on any of the following topics.

The sources, materials, varieties, limits criteria and sociology of knowledge.

Truth, falsehood, error.

Theories of reality. Reality, subsistence and existence. Monism, dualism and pluralism. Naturalism, agnosticism, theism, absolutism and mysticism. Post-Hegelian idealism. New realism. Radical empiricism. Pragmatism.

Instrumentalism. Humanism—naturalistic and religious.

Logical positivism. Existentialism—atheistic and theistic. Recent trends of the philosophy of science in regard to the problems of induction, laws of nature, relativity, indeterminacy and God.

12. (b) Advanced Psychology including Experimental Psychology.—

Subject-matter scope and methods of psychology; its relation with other sciences.

Heredity and environment controversy—Experimental studies on the relative influence of the two on human development.

Problems of motivation, and emotion. Frustration and conflict; types of conflict; defence mechanisms—Studies in expressive movements; P.G.R., lie detection.

Sensation and Perception—Psychophysical methods; space perceptions, factors of perceptual organization; role of dynamic, personality and social factors; interpersonal perception. Experimental methods in the study of learning, memory, forgetting and thinking—Theories of learning and forgetting; theories of sign-process—nature of meaning.

Psychology of personality—determinants, traits, types, dimensions, and theories; assessment of personality—behavioural measures of personality—rating scales, nominating techniques, questionnaires and inventories, attitude scales, projective tests.

Individual differences; nature and measurement of intelligence and aptitudes. Test construction—Item analysis. Test scales and norms—Reliability and validity of measures—Factor analysis—Theories.

Schools and systems of psychology—Traditional Schools and the main contemporary systems of psychology; Freudians, neo-Freudians, neo-Behaviourists. Gestalt and field theories.

13. (a) Constitutional Law of India.—

Historical Background : The growth of the Indian Constitution with special reference to the development of representative and responsible Government from the Indian Councils Act of 1861 down to the Indian Constitution of 1950.

General Features : Welfare State Ideal : Preamble to the Indian Constitution and Directive Principles of State Policy : Concepts of Unitary and Federal Government, Cabinet System. Due Process of Law, Judicial Review, Constitutional Conventions; Comparison of the Salient Features of the Indian Constitution with those of the U.K. and the U.S.A., Canada and Australia.

Division of Powers : Theory of separation of powers.

The Legislature—Legislative procedure; Privileges of Legislature; Delegation of legislative power.

The Executive.—Presidential and Parliamentary Executives; Provisions relating to Services and Public Service Commissions; The doctrine of Rule of Law.

The Judiciary.—Judicial control of administrative and quasi-judicial authorities; Scope of Writ Jurisdiction; Independence of the Judiciary.

Distribution of Legislative Powers : Principles of distribution of powers with special reference to Treaty Power; Commerce Power, Taxing Power, Constituent (Constitution-Amending) Power and Residual Power, Judicial doctrines relating to distribution of powers.

Fundamental Rights : Nature and scope of the various fundamental rights guaranteed under the Constitution.

NOTE.—Candidates will be expected to be conversant with the text of the Indian Constitution amendments thereto, and leading decisions of the Supreme Court.

13. (b) Jurisprudence.

Jurisprudence : Definition and scope; various Schools of Jurisprudence; Concepts and doctrine regarding Sovereignty.

Law : Law and Morals; Evolution of Law; Law of Nature, Law of the State; Imperative theory of Law; Pure theory of Law; Sociological theory of Law; Kinds of Law; Civil Law; Criminal Law; Substantive Law and Adjective Law; Private Law and Public Law; International Law; Law and Justice; Law and Equity; Justice according to Law; Administration of Justice.

Sources of Law : Customs, Judicial Precedent, Legislation; Codification.

Elements of Law : Analysis and classification of Juristic concepts : Personality; Right, Duty, Liberty, Power, immunity, Disability; Status, Possession, Ownership; Lease, Trust, Easement, Security; Wrong Liability, Obligation; Act, Intention, Motive, Negligence; Title : Prescription; Inheritance and Wills.

Evolution of Legal Concepts : Evolution of Contract, Tort, Crime, Property, and Wills. Current trends in Juristic thought.

14. (a) Medieval Civilisation as Reflected in Arabic Literature (570 A.D.—1650 A.D.).

The paper will test the candidate's knowledge of geography, history and social, political and religious evolution and developments.

14. (b) Medieval Civilisation as Reflected in Persian Literature (570 A.D.—1650 A.D.).

The paper will test the candidate's knowledge of geography, history and social, political and religious evolution and developments.

14. (c) Ancient Indian Civilization and Philosophy.—

The history of the Civilisation, Philosophy and Thought of India from 2000 B.C. to 1200 A.D.

NOTE.—The paper will test the knowledge of geography, history and social, political and religious evolution and developments. Questions may be set which require an acquaintance with archaeological discoveries.

15. Anthropology :

(A) Physical Anthropology.—Definition and scope. The relation of Physical Anthropology to other sciences. The evolution of Man, his exact place among the Primitive Group—his relationship to Prehuman and Protohuman forms from *Parapithecus* to *Australopithecus*. Early types of Man—*Palaeo-anthropus* man—*Pithecanthropus*, *Synanthropus* and *Neanderthal*, *Neanthropic man*—*Cro Magnon*, *Grimaldi* and *Chancelade*—*Homo Sapiens*.

Racial differentiation of Man and bases of racial classification—Morphological serological and genetic. Role of heredity and environment in the formation of Races. Principles of human genetics—Mendelian laws as applicable to Man.

Human Biology—The effects of nutrition, inbreeding and hybridisation.

History of distribution of Man in India from the lithic ages to the Indus Valley civilization and Megalithic cultures of Central and Southern India. Racial types and their distribution in India.

(B) **Social (Cultural) Anthropology.**—Scope and functions. Relation with Sociology, Social Psychology and Archaeology. Different schools of Cultural Anthropology—Evolutionary Historical, Functional and Kultur Kreis. The structure and development of Human society.

Economic Organisation.—Early stage of hunting and food gathering, domestication of animals, agriculture shifting cultivation, terracing, intensive cultivation, implements used.

Political Organization.—Clan, tribe, and dual organization, tribal council, function of headman or chief.

Social Organization.—Marriage and kinship forms, matriarchy, patriarchy, polygyny, polyandry, exogamy and endogamy. Position of women, inheritance and divorce.

Primitive religion.—Totemism, Taboo, magical and fertility rites, head hunting and human sacrifice.

Art, Music, Folk dance and sports.

Group relationship, adjudication of disputes, concept of Justice and punishment.

Intelligence level, special aptitudes and abilities, emotional needs underlying primitive behaviour and ethnocentrism.

Structure of personality and development of personality and its role in primitive society.

Acculturation and the effects of contact on primitive tribes. Depopulation and its causes. Economic and psychological frustration. Decline of primitive tribes in America, Africa and Oceania. Depopulation among Indian tribals and remedial measures.

(C) **Intensive study of any one of the ethnic divisions of tribal India :**

1. The tribes of the N.E.F.A. or North Eastern Frontiers of India.
2. The tribes of the Naga Hills—Tewansang Area.
3. The autonomous tribes of Assam—the Khasis, the Garos, Mikirs and the Lushai.
4. The Australoid tribes of Chotanagpur and Central India.
5. The tribes of Southern India including the tribes of the Nilgiri Hills.
6. The tribes of the Andaman and the Nicobar Islands.

Note.—Candidates will be required to answer questions on (C) and (A) or (B).

16. **Advanced Sociology :**

Nature of Sociological Inquiry : Sociology and Science; Society and Individual; Human Groups—their nature, types, formation and functions; Family and Kinship; Culture and Culture Traits; Culture and Personality; Role of Culture in Society; Socialisation and Social Deviation; Social Order; Social Stratification—caste and class; Institutions and Associations; Social Processes; Social Control—Public opinion, religion and morality, law, and education; Social Change; Social Evolution; Sanskritisation; Social Integration.

Crowd, Public Opinion, Propaganda, Communication and Leadership.

Sociological Concepts of Indian Social System; Development of Indian Social Thought with special reference in Manu, Buddha and Gandhi.

Recent Trends in Sociological Theory : Structural—Functional Approach; Historical Approach; Comparative Approach.

Applied Sociology.—Sociology, Social Policy and Social Planning; Social Demography; Social aspects of economic development in developing societies; Community Development.

Methodology of Social Research; Social Research and Social Welfare.

The candidates will be expected to illustrate theory by facts, and to analyse problems with the help of theory. They will be expected to be particularly conversant with Indian problems.

PART D

[Vide Sub-Section (B) of Section 1 of Appendix II]

Personality test.—The candidate will be interviewed by a Board who will have before them a record of his career. He will be asked questions on matters of general interest. The object of the interview is to assess the personal suitability of the candidate for the Service or Services for which he has applied by a Board of competent and unbiased observers. The test is intended to judge the mental calibre of a candidate. In broad terms, this is really an assessment of not only his intellectual qualities but also social traits and his interest in current affairs. Some of the qualities to be judged are mental alertness, critical powers of assimilation, clear and logical exposition, balance of judgment, variety and depth of interest, ability for social cohesion and leadership, intellectual and moral integrity.

2. The technique of the interview is not that of a strict cross examination but of a natural, though directed and purposive conversation which is intended to reveal the mental qualities of the candidate.

3. The personality test is not intended to be a test either of the specialised or general knowledge of the candidates which have been already tested through his written papers. Candidates are expected to have taken an intelligent interest not only in their special subject of academic study but also in the events which are happening around them both within and without their own state or country, as well as in modern currents of thought, and in new discoveries which should rouse the curiosity of well educated youth.

APPENDIX III

Brief particulars relating to the Services to which recruitment is being made through this Examination.

1. **Indian Administrative Service.**—(a) Appointments will be made on probation for a period of two years which may be extended. Successful candidates will be required to undergo probation at such place and in such manner and pass such examinations during the period of probation as the Government of India may determine.

(b) If, in the opinion of Government, the work or conduct of an officer on probation is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient, Government may discharge him forthwith.

(c) On the conclusion of this period of probation, Government may confirm the officer in his appointment or if his work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory, Government may either discharge him from the Service or may extend his period of probation for such further period as Government may think fit.

(d) If the power to make appointments in the Service is delegated by Government to any officer that officer may exercise any of the powers of Government under clause (b) and (c) above.

(e) An officer belonging to the Indian Administrative Service will be liable to serve anywhere in India or abroad either under the Central Government or under a State Government.

(f) **Scales of pay :—**

Junior Scale—Rs. 400—400—500—40—700—EB—30—1,000 (18 years).

Senior Scale :

(i) Time Scale—Rs. 900 (6th year or under)—50—1,000—60—1,600—50—1,800 (22 years).

(ii) Selection Grade—Rs. 1800—100—2,000.

In addition there are super-time scale posts carrying pay between Rs. 2,150 and Rs. 3,500 to which Indian Administrative Service Officers are eligible for promotion.

Dearness allowance will be admissible in accordance with the orders issued from time to time.

A probationer will start on the junior time scale and permitted to count the period spent on probation towards leave, pension or increment in the time scale.

(g) **Provident Fund.**—Officers of the Indian Administrative Service are governed by the All India Services (Provident Fund) Rules, 1955.

(b) *Leave*.—Officers of the Indian Administrative Service are governed by the All India Services (Leave) Rules, 1955.

(i) *Medical Attendance*.—Officers of the Indian Administrative Service are entitled to medical attendance benefits admissible under the All India Services Medical Attendance Rules, 1954.

(j) *Retirement Benefits*.—Officers of the Indian Administrative Service appointed on the basis of Competitive Examination are governed by the All India Services (Death-cum-Retirement Benefits) Rules, 1958.

2. Indian Foreign Service.—(a) Appointment will be made on probation for a period which will not ordinarily exceed 3 years. Successful candidates will be required to pursue a course of training in India for approximately twenty-one months. Thereafter they may be posted as Third Secretaries or Vice-Consuls in Indian Missions whose language are allotted to them as compulsory languages. During their period of training the probationers will be required to pass one or more departmental examination before they become eligible for confirmation in Service.

(b) On the conclusion of his period of probation to the satisfaction of Government and on his passing the prescribed examinations, the Probationer is confirmed in his appointment. If, however, his work or conduct has, in the opinion of the Government, been unsatisfactory, Government may either discharge him from the Service or may extend his period of probation for such period as they may think fit or may revert him to his substantive post, if any.

(c) If, in the opinion of Government, the work or conduct of an officer on probation is unsatisfactory or shows that he is not likely to prove suitable for the Foreign Service, Government may either discharge him forthwith or may revert him to his substantive post, if any.

(d) Scales of pay :—

Junior Scale.—Rs. 400—400—500—40—700—EB—30—1,000.

Senior Scale.—Rs. 900 (6th year or under)—50—1,000—60—1,600—50—1,800.

In addition there are super-time scale posts carrying pay between Rs. 1,800 and Rs. 3,500 to which I.F.S. Officers are eligible for promotion.

(e) A probationer will receive the following pay during probation :—

First Year—Rs. 400 per mensem.

Second Year—Rs. 400 per mensem.

Third Year—Rs. 500 per mensem.

NOTE 1.—A probationer will be permitted to count the periods spent on probation towards leave, pension or increment in the time-scale.

NOTE 2.—Annual increments during probation will be contingent on the probationer passing the prescribed tests, if any, and showing progress to the satisfaction of Government. Increments can also be earned in advance by passing the departmental examinations.

NOTE 3.—The pay of a Government servant who held a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment as a probationer will be regulated subject to the provision of F.R. 22-B(1).

(f) An officer belonging to the Indian Foreign Service will be liable to serve anywhere inside or outside India.

(g) During Service abroad I.F.S. officers are granted foreign allowances according to their status to compensate them for the increased cost of living and of servants and also to meet their special responsibilities in regard to entertainment. In addition, the following concessions are also admissible to I.F.S. officer during service abroad :—

(i) Free furnished accommodation according to status.

(ii) Medical attendance facilities under the Assisted Medical Attendance Scheme.

(iii) Return air passage to India up to a maximum of two, for special emergencies such as the death or serious illness of an immediate relation in India or marriage of daughter.

(iv) Annual return air passage for children between the ages of 8 and 21 studying in India to visit the parents during the long vacations, subject to certain conditions.

(v) An allowance for the education of children up to a maximum of two children between the ages of 5 and 18 at rates prescribed by Government from time to time.

(vi) Outfit allowance at the time of departure for training abroad and on confirmation in the service. Outfit allowance is also granted at various stages of an officer's career in accordance with the prescribed rules. Special outfit allowance is admissible in addition to the ordinary outfit allowance to officers posted in countries where abnormally hard climatic conditions exist.

(vii) Home leave passages for officers, their families and servants after a minimum of 2 years service abroad.

(h) The Revised Leave Rules, 1933, as amended from time to time will apply to Members of the Service subject to certain modifications. For Service abroad I.F.S. Officers are entitled under the I.F.S. (PLCA) Rules, 1961, to an additional credit of leave to the extent of 50 per cent of leave admissible under the Revised Leave Rules.

(i) *Provident Fund*.—Officers of the Indian Foreign Service are governed by the General Provident Fund (Central Services) Rules, 1960.

(j) *Retirement Benefits*.—Officers of the Indian Foreign Service appointed on the basis of competitive examination are governed by the Liberalised Pension Rules, 1950.

(k) While in India officers are entitled to such concessions as are admissible to other Government servants of equal and similar status.

3. Indian Police Service.—(a) Appointment will be made on probation for a period of two years which may be extended. Successful candidates will be required to undergo probation at such place and in such manner and pass such examinations during the period of probation as Government may determine.

(b) As in clauses (b), (c) and (d) for the Indian Administrative Service.

(c)

(d)

(e) An officer belonging to the Indian Police Service will be liable to serve anywhere in India or abroad either under the Central Government or under a State Government.

(f) Scales of pay :—

Junior Scale.—Rs. 400—400—450—30—600—35—670—EB—35—950. (18 years).

Senior Scale.—Rs. 740 (6th year or under)—40—1,100—50/2—1,250—50—1,300. (22 years).

Selection Grade.—Rs. 1,400.

Deputy Inspector General of Police.—Rs. 1,600—100—2,000.

Commissioners of Police, Calcutta and Bombay.—Rs. 1,800—100—2,000.

Inspector General of Police.—Rs. 2,500—125/2—2,750.

Director, Intelligence Bureau.—Rs. 3,000.

Dearness allowance will be admissible in accordance with the orders issued from time to time.

(g)

(h) As in clauses (g), (h), (i) and (j) for the Indian Administrative Service.

(i)

(j)

4. Delhi and Andaman & Nicobar Islands Police Service, Class II.—(a) Appointments will be made on probation for a period of two years which may be extended at the discretion of the competent authority. Candidates appointed on probation will be required to undergo such training and pass such departmental tests as the Central Government may prescribe.

(b) If in the opinion of Government the work or conduct of an officer on probation is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient, Government may discharge him forthwith.

(c) The officer who has been declared to have satisfactorily completed his period of probation may be confirmed in the service. If his work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory, Government may either discharge him from the Service or may extend his period of probation for such further period as Government may think fit.

(d) An officer belonging to the Service will be required to serve in Delhi or Andaman and Nicobar Islands under the Administration/Government of any of these territories. He may also be required to serve in any police-intelligence organisation of the Government of India.

(e) Scales of pay :—

Grade I (Selection Grade)—Rs. 1000—fixed.

Grade II—Time Scale—Rs. 350—25—500—30—590—EB—30—800.

A person recruited on the results of competitive examination shall, on appointment to the Service, draw pay at the minimum of the time-scale, provided that if he held a permanent post, other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment to the Service, his pay during the period of his probation in the Service shall be regulated under the proviso of Fundamental Rule 22 B(1). The pay and increments in the case of other persons appointed to the Service shall be regulated in accordance with the Fundamental Rules.

(f) Officers of the Service are entitled to get dearness allowance at the Central Government rates applicable to employees drawing pay in revised Central scales of pay.

(g) In addition to dearness allowance officers of the Service are entitled to draw compensatory (city) allowance, house rent allowance and allowances to compensate for higher cost of living in hill stations, expensiveness incidental in remote localities etc. if they are posted at places, either for training or on duty, where such allowances are admissible.

(h) Officers of the Service are governed by the Delhi, and Andaman & Nicobar Islands Police Service Rules, 1971, and such other regulations as may be made or instructions issued by the Central Government for the purpose of giving effect to those Rules. In regard to matters not specifically covered by the aforesaid Rules or by regulations or orders issued thereunder or by special orders, they are governed by the rules, regulations and orders applicable to corresponding officers serving in connection with the affairs of the Union.

5. Tripura Police Service, Class II.—(a) Appointments will be made on probation for a period of two years which may be extended at the discretion of the competent authority. Candidates appointed on probation will be required to undergo such training and pass such departmental tests as the administrator of the Union territory of Tripura may prescribe.

(b) If in the opinion of the administrator the work or conduct of an officer on probation is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient, the administrator may discharge him forthwith.

(c) The officer who has been declared to have satisfactorily completed his period of probation may be confirmed in the Service. If his work or conduct has in the opinion of the administrator been unsatisfactory, he may either discharge him from the Service or may extend his period of probation for such further period as the administrator may think fit.

(d) An officer belonging to the Service will be required to serve at any place in the Union territory of Tripura.

(e) Scales of pay.—Rs. 300—30—510—EB—30—750—EB—30—900.

A person recruited on the results of a competitive examination will start drawing pay at the minimum of the scale of pay of the Service.

Officers of the Service will be eligible for promotion to posts in the senior scale of the Indian Police Service in accordance with the Indian Police Service (Appointment by Promotion) Regulations, 1955.

(f) Officers of the Service are governed by Tripura Police Service Rules, 1967, and such other regulations as may be made or instructions issued by the administrator for the purpose of giving effect to those rules.

6. Indian Audit and Accounts Service.

7. Indian Customs and Central Excise Service.

8. Indian Defence Accounts Service.

9. Indian Defence Accounts Service.

(a) Appointments will be made on probation for a period of 2 years, provided that this period may be extended if the officer on probation has not qualified for confirmation by passing the prescribed departmental examinations. Repeated failure to pass the departmental examinations within a period of 3 years will involve loss of appointment.

(b) If, in the opinion of Government or the Comptroller and Auditor General, as the case may be, the work or conduct of an officer on probation is unsatisfactory, or shows that he is unlikely to become efficient, Government may discharge him forthwith.

(c) On the conclusion of his period of probation Government or the Comptroller and Auditor General as the case may be, may confirm the officer in his appointment or if his work or conduct has, in the opinion of Government or the Comptroller and Auditor General, as the case may be, been unsatisfactory, Government may either discharge him from the service or may extend his period of probation for such further period as Government may think fit, provided that in respect of appointments to temporary vacancies there will be no claim to confirmation.

(d) In view of the possibility of the separation of Audit from Accounts and other reforms the constitution of the Indian Audit and Accounts Service is liable to undergo changes and any candidate selected for that Service will have no claim for compensation in consequence of any such changes and will be liable to serve either in the separated Accounts Offices under the Central or State Government or in the Statutory Audit Offices under the Comptroller and Auditor General and to be absorbed finally if the exigencies of service require it in the cadre on which posts in the separated Accounts Offices under the Central or State Governments may be borne.

(e) The Indian Defence Accounts Service carries with it a definite liability for service in any part of India as well as for field Service in or out of India.

(f) Scales of Pay :—

Indian Audit and Accounts Service

Time Scale of I.A. & A.S.—Rs. 400—400—450—30—510
EB—700—40—1,100—50/2—1,250.

Junior Administrative Grade.—Rs. 1,300—60—1,600.

Accountants General.—Rs. 1,800—100—2,000—125—2,250.

Additional Deputy Comptroller & Auditor General's Grade.—Rs. 2,500—125/2—2,750.

NOTE 1.—Probationary Officers will start on the minimum of the time scale of I.A. & A.S. and will count their service for increments from the date of joining.

NOTE 2.—The officers on probation will not be allowed the pay above the stage of Rs. 400 unless they pass the departmental examination in accordance with the rules which will be prescribed from time to time.

NOTE 3.—In the case of probationers who do not pass the End-of-the-Course-Test at the National Academy of Administration, Mussoorie, the first increment raising their pay to Rs. 450 shall be postponed by one year from the date on

which they would have drawn it or upto the date on which, under the Departmental regulations, the second increment accrues to them, whichever is earlier. The failed candidates will not be required to take the test again.

NOTE 4.—The pay of a Government servant who held a permanent post, other than a tenure post, in a substantive capacity prior to his appointment as probationer will, however, be regulated subject to the provisions of F.R.-22(B)(1), *Indian Customs and Central Excise Service* :

Time Scale :—

Superintendent of Central Excise, Class I.	Rs. 400—400—450—30—510 —EB—700—40— —1,100—50/2—1,250.
Assistant Collector of Central Excise.	
Assistant Collector of Customs	
Deputy Collector of Customs	Rs. 1,300—60—1,600.
Deputy Collector of Central Excise.	
Additional Collector	
Appellate Collector	Rs. 1,800—100—2,000—125— —2,250.
Collector of Customs	
Collector of Central Excise	

(a) Appointments will be made on probation for a period of 2 years, provided that this period may be extended if the officer on probation has not qualified for confirmation by passing the prescribed departmental examinations. Repeated failures to pass the departmental examinations within a period of 2 years will involve loss of appointment.

(b) If, in the opinion of the Government, the work or conduct of an officer on probation is unsatisfactory, or shows that he is unlikely to become efficient, Government may discharge him forthwith.

(c) On the conclusion of his/her period of probation, Government may confirm the officer in his/her appointment or if his/her work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory, Government may either discharge him/her from the service or may extend his/her period of probation for such further period as Government may think fit, provided, that in respect of appointments to temporary vacancies there will be no claim to confirmation.

(d) The Indian Customs and Central Excise Service, Class I carries with it a definite liability for service in any part of India.

NOTE 1.—A probationary officer will start on the minimum of the time scale of pay of Rs. 400—400—450—30—510—EB—700—40—1,100—50/2—1,250, and will count his/her service for increments from the date of joining.

NOTE 2.—An Officer on probation will not be allowed pay in the time scale above the stage of Rs. 400/- unless he/she passes the prescribed departmental examinations in accordance with the rules which will be prescribed from time to time.

NOTE 3.—The pay of a Government servant who held a permanent post, other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment as a probationer in the Indian Customs and Central Excise Service, Cl. I will be regulated subject to the provisions of F.R. 22-B(1).

NOTE 4.—During the period of probation, an officer will be posted to Central Excise Department/Customs Department/Narcotics Department for departmental training and to the National Academy of Administration, Mussoorie for a Fundamental Course training. At the end of the training at Mussoorie, he/she will have to pass the 'end-of-the-course' test. He/she will have to pass part I and part II of the Departmental Examination. On passing the 'end of the course' test and one of the parts of the Departmental Examination, he/she will be granted a first advance increment raising his/her pay to Rs. 450. On passing both the parts of the Departmental Examination, he/she will be granted the second advance increment raising his/her pay to Rs. 480/-. His/Her pay beyond the stage of Rs. 480/- will not be allowed unless he/she has completed 4 years of service, subject to such other conditions as may be found necessary.

In case, a probationer does not pass the 'end-of-the-course' test at the Academy, his/her first advance increment will be postponed by one year from the date on which he/she would have drawn it or upto the date on which under the departmental regulations, the second advance increment accrues, whichever is earlier.

NOTE 5.—It should be clearly understood by the probationers that their appointment would be subject to any change in the constitution of the Indian Customs & Central Excise Service, Class I which the Government of India may think proper to make from time to time and that they would have no claim for compensation in consequence of any such change.

Indian Defence Accounts Service :

Time Scale :—

Rs. 400—400—450—480—510—EB—700—40—1,100— 1,100—1,150—1,150—1,200—1,200—1,250.
Junior Administrative Grade.
Rs. 1,300—60—1,600.
Rs. 1,600—100—1,800 (Selection Grade),
Senior Administrative Grade.
Rs. 1,800—100—2,000—125—2,250.
Controller General of Defence Accounts—Rs. 2,750 (fixed).

NOTE 1.—Probationary officers will start on the minimum of the time scale and will count their service for increments from the date of joining. The pay of a Government servant who held a permanent post, other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment as a probationer will, however, be regulated subject to the provisions of F.R. 22-B(1).

NOTE 2.—The Officers on probation will not be allowed the pay above the stage of Rs. 400 unless they pass the departmental examination in accordance with the rules in force from time to time; provided further that in the case of an officer who does not pass the 'end-of-the-course' test at the National Academy of Administration, Mussoorie, his first increment shall be postponed by one year from the date on which he would have drawn it on passing Part I of the Departmental Examination or up to the date on which the second increment accrues to him on passing Part II of the aforesaid examination, whichever is earlier.

9. Indian Income-tax Service, Class I.—(a) Appointments will be made on probation for a period of 2 years provided that this period may be extended if the officer on probation has not qualified for confirmation by passing the prescribed departmental examinations. Repeated failures to pass the departmental examinations within a period of 3 years will involve loss of appointment.

(b) If, in the opinion of Government, the work or conduct of an officer on probation is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become an efficient Income-tax Officer, the Government may discharge him forthwith.

(c) On the conclusion of his period of probation, Government may confirm the officer in his appointment or if his work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory Government may either discharge him from the service or may extend his period of probation for such further period as Government may think fit, provided that in respect of appointment to temporary vacancies there will be no claim to confirmation.

(d) If the power to make appointments in the service is delegated by Government to any officer, that officer may exercise any of the powers of Government described in the above clauses.

(e) Scales of Pay :—

Income-tax Officer, Class I.

Rs. 400—400—450—30—510—EB—700—40—1,100— 50/2—1,250.

Assistant Commissioner of Income-tax.

Rs. 1,300—60—1,600.

Additional Commissioner of Income-tax.

Rs. 1,600—100—1,800.

Commissioners of Income-tax.

Rs. 1,800—100—2,000—125—2,250.

(f) During the period of probation, an officer will undergo training at the National Academy of Administration, Mussoorie and the Indian Revenue Service (Direct Taxes) Staff College, Nagpur. At the end of training at Mussoorie, he/she will have to pass the 'end-of-the-course' test. In addition, I & II departmental examinations will also have to be passed during the period of probation. On passing the 'end-of-the-course' test and the I Departmental Examination, his/her pay will be raised to Rs. 450. On passing the 2nd departmental

examination, the pay will be raised to Rs. 480. The pay beyond the stage of Rs. 480 will not be allowed unless he/she is confirmed and has completed 4 years of service subject to such other conditions as may be found necessary.

In case, he/she does not pass the end-of-the-course test at the Academy, the first increment will be postponed by one year from the date on which he/she would have drawn it or up to the date on which under the departmental regulations, the second increment accrues, whichever is earlier.

NOTE 1.—The officer on probation will not be allowed the pay above the stage of Rs. 400 unless he passes the departmental examinations in accordance with the rules which will be prescribed from time to time.

NOTE 2.—It should be clearly understood by probationers that their appointment would be subject to any change in the constitution of the Income-tax Service, Class I, which the Government of India may think proper to make from time to time and that they would have no claim for compensation in consequences of any such changes.

10. Indian Ordnance Factories Service, Class I (Non-Technical Cadre)

(a) Selected candidates will be appointed as Assistant Managers (On Probation). The period of probation will be two years which may be reduced or extended by the Government on the recommendation of the Director General, Ordnance Factories. An Assistant Manager (on probation) will undergo such training as shall be provided by Government and may be required to pass such departmental and language tests as Government may prescribe. The language tests will include a test in Hindi.

On the conclusion of his period of probation, Government will confirm the officer in his appointment. If, however, during or at the end of the period of probation his work or conduct has, in the opinion of Government, been unsatisfactory Government may either discharge him or extend his period of probation for such period as Government may think fit, provided that before orders of discharge are passed, the officer shall be apprised by competent authority of the grounds on which it is proposed to discharge him and be given an opportunity to show cause against it.

(b) The Assistant Managers (On probation) in the Indian Ordnance Factories Service would draw pay in the prescribed scale of pay of Rs. 400—400—450—30—600—35—670—EB—35—950. During the period of probation, they will be required to undergo training in the various branches of the Department and in the National Academy of Administration, Mussoorie, in a foundational course of training. On passing the 'end-of-the-course-test' and the Departmental Examination, they will be entitled to grant of advance increment raising their pay to Rs. 450/- per month and 480/- per month from the date following the date on which the last paper of the 1st and 2nd Departmental examination, in which they pass, is held. Grant of further increment will be regulated according to their position in the time scale and after they have been confirmed in the grade.

In case any of the Assistant Managers (On probation) does not pass the 'end-of-the-course-test' at the National Academy of Administration, Mussoorie, his first increment will be postponed by one year from the date on which he would have drawn it or up to the date on which under the Departmental regulations, the second increment accrues, whichever is earlier.

(c) (i) Selected candidates shall, if so required, be liable to serve as Commissioned Officers in the Armed Forces for a period of not less than four years including the period spent on training, if any; provided that such person (i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment and (ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(ii) The candidates shall also be subject to Civilians in Defence Services (Field Service Liability) Rules 1957, published under S.R.O. No. 92, dated 9th March, 1957. They will be medically examined in accordance with the medical standards laid down therein.

(d) The following are the rates of pay admissible :—

Junior Scale :	
Assistant Manager	Rs. 400—400—450—30
Technical Staff Officer	600—35—670—EB—35 —950
Senior Scale :	
Deputy Manager/Deputy Assistant Director General, Ordnance Factories.	Rs. 700—40—1,100—50/2—1,250
Manager/Senior Deputy Assistant Director General, Ordnance Factories.	Rs. 1,100—50—1,400
Deputy General Manager/Assistant Director General, Ordnance Factories, Grade II	Rs. 1,300—60—1,600—100—1,800
Assistant Director General, Ordnance Factories, Grade I	Rs. 1,800—100—2,000
Deputy Director General, Ordnance Factories.	Rs. 2,000—125—2,250

11. Indian Postal Service.—(a) Selected candidates will be under training in this department for a period which will not ordinarily exceed two years. During this period they will be required to pass the prescribed departmental test.

(b) If in the opinion of Government, the work or conduct of an officer under training is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient, Government may discharge him forthwith.

(c) On the conclusion of his period of training Government may confirm the officer in his appointment or, if his work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory Government may either discharge him from the service or may extend his period of training for such further period as Government may think fit, provided that in respect of appointment to temporary vacancies there will be no claim to confirmation.

(d) If the power to make appointments in the Service is delegated by Government to any officer, that officer may exercise any of the powers of Government described in the above clauses.

(e) Scales of Pay :—

Time Scale :—Rs. 400—400—450—30—510—EB—700—40—1,100—50/2—1,250 (Officers under training will draw pay in this time scale).

Directors of Postal Services : Rs. 1,300—60—1,600.

Postmasters-General : Rs. 1,800—100—2,000—125—2,250.

Members, Posts and Telegraphs Board : Rs. 2,500—125/2—2,750.

Senior Member, Posts and Telegraphs Board : Rs. 3,000.

(f) The probationers in the Indian Postal Service, would draw pay in the prescribed pay scale of Rs. 400—400—450—30—480—510—EB—700—40—1,100—50/2—1,250. During the period of probation, they will be required to undergo training in the various branches of the Department and in the National Academy of Administration, Mussoorie, in a foundational course of training. At the end of training at Mussoorie, they will have to pass the 'end-of-the-course-test'. They will also have to pass the Departmental examination as prescribed under the Departmental Rules. On passing the 'end-of-the-course-test' and the Departmental examination, their pay will be raised to Rs. 450. On confirmation, if they are confirmed on completion of the probationary period of two years, their pay will be fixed at the stage of Rs. 480. Further regulation of their pay will, however, be determined by their position in the time scale.

In case, any of the probationers does not pass the 'end-of-the-course-test' at the National Academy of Administration, Mussoorie, his first increment will be postponed by one year from the date on which he would have drawn it or upto the date on which under the Departmental regulations, the second increment accrues, whichever is earlier.

Provided that the pay of a Government servant who held a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment as probationer will be regulated subject to the provisions of F.R. 22-B(I).

(g) It should be clearly understood by the officers on probation that their appointment would be subject to any change in the constitution of the Indian Postal Service, which Government of India may think proper to make from time to time and that they would have no claim for compensation in consequence of any such changes.

(h) Selected candidates will be liable to serve in the Army Postal Service in India or abroad as required by Government.

12. *Indian Railway Accounts Service.*—(a) Appointments will be made on probation for a period of 2 years during which the service will be liable to termination on three months' notice on either side. The period of probation may be extended if the officer on probation has not qualified for confirmation by passing the prescribed departmental examinations.

Government may terminate the appointment of a Probationary Officer who fails to pass all the Departmental Examinations within three years of the date of appointment.

(b) Probationers of the Indian Railway Accounts Service will also be required to undergo training in two phases at the Railway Staff College, Baroda, and to pass the tests prescribed by the College authorities. The tests in the College are compulsory and a second chance, in the event of failure will not be given except in exceptional circumstances and provided the record of the officer is such that such relaxation may be made. They may, however, be put on to a working post on satisfactory completion of two years' training but they may not be confirmed till they have passed the tests at the Railway Staff College, Baroda, and passed the higher and lower departmental examinations.

(c) Probationers should have already passed or should pass during the period of probation an examination in Hindi in the Devanagari script of an approved standard. This Examination may be the 'Praveen' Hindi Examination conducted by the Directorate of Education, Delhi, on behalf of the Ministry of Home Affairs or one of the equivalent Examinations recognized by the Central Government.

No probationary officer can be confirmed or his pay in the time scale raised to Rs. 450 p.m. unless he fulfils this requirement; and failure to do so will involve liability to termination of service. No exemption can be granted.

(d) Officers (including probationers) of the Indian Railway Accounts Service recruited under these rules—

(a) will be governed by the Railway Pension Rules; and

(b) shall subscribe to the State Railway Provident Fund (non-contributory) under the rules of that Fund; as amended from time to time.

(e) Officers recruited under these rules shall be eligible for leave in accordance with the liberalised leave rules as in force from time to time.

(f) If for any reason not beyond his control, a probationer in the Indian Railway Accounts Service wishes to withdraw from training or probation, he will be liable to refund the whole cost of his training and any other moneys paid to him during the period of his probation.

(g) If, in the opinion of Government, the work or conduct of an officer on probation is unsatisfactory, or shows that he is unlikely to become efficient, Government may discharge him forthwith.

(h) On the conclusion of his period of probation, Government may confirm the officer in his appointment or if his work or conduct has, in the opinion of Government, been unsatisfactory, Government may either discharge him from the service or may extend his period of probation for such further period as Government may think fit.

(i) Scales of pay:—

(a) Junior Scale:—Rs. 400-400-450-30-600-35-670-EB-35-950. (Authorised Scale).

Senior Scale:—Rs. 700 (6th year and under)-40-1,100-50/2-1,250 (Authorised Scale).

Junior Administrative Grade:—Rs. 1,300-60-1,600 (Authorised Scale).

Intermediate Administrative Grade:—Rs. 1,600-100-1,800.

Senior Administrative Grade:—Rs. 2,000-100-2,500.

(b) Increment from Rs. 400 to Rs. 450 will be stopped if they fail to pass the prescribed Departmental Examinations within the two years' probationary

period. The probationary period will be extended and on their passing the prescribed Departmental tests and being subsequently confirmed, their pay will, from the date following that on which the last departmental examination ends, be fixed at the stage in the time scale which they would have otherwise attained but no arrears of pay would be allowed to them. In such cases the date of future increments will not be affected.

Advance increments from Rs. 400 to Rs. 450 and from Rs. 450 to Rs. 480 in the Junior Scale of Rs. 400—950 may, however, be granted during the period of probation as soon as the probationary officer passes the prescribed examinations. After the grant of advance increments, the pay of the officer will be regulated according to his normal position in the pay scale with reference to the year of service.

In case, any of the probationers does not pass the 'end-of-the-course-test' at the National Academy of Administration, Mussoorie, his first increment will be postponed by one year from the date on which he would have drawn it or up to the date on which under the departmental regulations, the second increment accrues, whichever is earlier.

Note 1.—Probationary officers will start on the minimum of the Junior Scale and will count their service for increments from the date of joining. They will, however, be required to pass any departmental examination or examinations that may be prescribed before their pay can be raised from Rs. 400 p.m. to Rs. 450 p.m. in the time scale.

Note 2.—The pay of a Government servant who held a permanent post, other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment as probationer, will however, be regulated subject to the provisions of Rule 2018A-(1) R.II. [F.R. 22-B(1)].

13. Military Lands and Cantonments Service (Class I and Class II).

(a) (i) A candidate selected for appointment shall be required to be on probation for a period which shall not ordinarily exceed 2 years. During this period he shall be required to undergo such course of training as may be prescribed by Government.

(ii) The pay of a Government servant who held a permanent post, other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment as probationer will, however, be regulated subject to the provisions of F.R. 22-B(1).

(b) During the period of probation a candidate will be required to pass the prescribed departmental examination.

(c) (i) If in the opinion of Government, the work or conduct of an Officer on probation is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient, Government may discharge him after apprising him of the grounds on which it is proposed to do so, and after giving him an opportunity to show cause in writing before such order is passed.

(ii) If at the conclusion of the period of probation an Officer has not passed the Departmental Examination mentioned in sub-para (b) above, Government may, in its discretion, either discharge him from service, or if the circumstances of the case so warrant, extend the period of probation for such period not exceeding one year as Government may consider fit.

(iii) On the conclusion of the period of probation Government may confirm an officer in his appointment, or if his work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory, Government may either discharge him after apprising him of the grounds out of which it is proposed to do so and after giving him an opportunity to show cause in writing before such order is passed or extend the period of probation for such further period as Government may consider fit.

(d) If no action is taken by Government under Sub-para (c) above, the period after the prescribed period of probation shall be treated as an engagement from month to month, terminable on either side on the expiration of one calendar month's notice in writing, provided that the Officer shall have no claim to confirmation.

(e) No annual increment which may become due will be admissible to a member of the Service during his probation, unless he has passed the departmental examination. An increment which was not thus drawn will be allowed from the date of passing of the departmental examination.

(f) In case, any of the Probationers does not pass the 'end-of-the-course-test' at the National Academy of Administration, Mussoorie, his first increment will be postponed by one year from the date on which he would have drawn it or upto the date on which under the departmental regulations, the second increment accrues, whichever is earlier.

(g) The scales of pay are as under.—

Administrative Posts

(i) Director, Military Lands and Cantonments.	Rs. 1,800—100—2,000—125—2,250.
(ii) Joint Director, Military Lands and Cantonments.	Rs. 1,600—100—1,800
(iii) Deputy Director, Military Lands and Cantonments.	Rs. 1,300—60—1,600
(iv) Assistant Director, Military Lands and Cantonments.	Rs. 1,100—50—1,400

Class I

(v) Deputy Assistant Directors, Military Lands and Cantonments, Military Estates Officer and Executive Officers.	Rs. 400—400—450—30—510—EB—700—40—1,100—50/2—1,250.
------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	----------------------------------------------------

Class II

(vi) Executive Officers	Rs. 350—25—500—30—590—EB—30—800—EB—830—35—900
(vii) Assistant Military Estates Officers	Rs. 350—25—500—30—590—EB—30—800—EB—830—35—900.

(h) (i) Class I Officers will normally be appointed as Deputy Assistant Directors, Military Estates Officers, and as Executive Officer to Class I Cantonments and Class II Cantonments to which sub-clause (i) of clause (c) of sub-section (4) of Section 13 of the Cantonments Act, 1924 is applicable.

(ii) Class II Executive Officers will normally be appointed to Cantonments other than those mentioned in (i) above.

(i) (i) All promotions will be made by selection (seniority being considered only when the claims of two or more candidates are equal on merits) by Government on the recommendations of a Departmental Promotion Committee appointed in this behalf by the Government. On promotion from Class II to Class I, pay will be regulated under the Fundamental Rules.

(ii) No officer will normally be promoted to Class I unless he has completed three years of service in Class II.

(j) The Revised Leave Rules, 1933, as amended from time to time will apply.

(k) No member of the Service shall undertake any work not connected with his official duties without the previous sanction of Government.

(l) The Military Lands & Cantonments Service carries with it a definite liability for service in any part of India as well as for Field Service in India.

14. Indian Railway Traffic Service.

(a) Candidates selected for appointment will be appointed as probationary officers in the Indian Railway Traffic Service for a period of three years during which they will undergo the training as indicated in para. (m) and put in a minimum period of one year's probation in a working post. If the period of training has to be extended in any case due to the training having not been completed satisfactorily, the total period of probation will be correspondingly extended.

(b) If for any reasons not beyond his control a probationer in the Indian Railway Traffic Service wishes to withdraw from training or probation, he will be liable to refund the whole cost of his training and any other moneys paid to him during the period of his probation.

(c) Appointments to the service will be on a probation for a period of three years during which the service of the officers will be liable to termination by three months notice on either side. Probationary Officers will be required to undergo practical training for the first two years. Those who complete this training successfully and are otherwise considered suitable will be placed in charge of a working post, provided they have passed the prescribed departmental and other examinations. It must be noted that these examinations should, as a rule, be passed at the first chance and that save under exceptional circumstances a second chance will not be allowed. Failure to pass any of the examinations may result in the termination of service and will, in any case, involve stoppage of increment.

At the end of one year in a working post the Probationary Officers will be required to pass final examination, both practical and theoretical, and will as a rule, be confirmed if they are considered fit for appointment in all respects. In cases where the probationary period is extended for any reason, the drawal of the first and subsequent increments on their passing the departmental examinations, and on being confirmed, will be subject to the rules and orders in force from time to time.

(d) Probationers should have already passed or should pass during the period of probation an examination in Hindi in the Devanagari script of an approved standard. This Examination may be the 'Praveen' Hindi Examination conducted by the Directorate of Education, Delhi, on behalf of the Ministry of Home Affairs or one of the equivalent examinations recognised by the Central Government.

No probationary Officer can be confirmed or his pay in the time scale raised to Rs. 450 p.m. unless he fulfils the requirements; and failure to do so will involve liability to termination of service. No exemption can be granted.

(e) Officers (including probationers) of the Indian Railway Traffic Service recruited under these rules:—

(a) will be governed by the Railway Pension Rules; and

(b) shall subscribe to the State Railway Provident Fund (non-contributory) under the rules of that Fund;

as amended from time to time.

(f) Pay will commence from the date of joining service. Service for increments will also count from that date.

(g) Officers recruited under these rules shall be eligible for leave in accordance with the liberalised leave rules as in force from time to time.

(h) Officers will ordinarily be employed throughout their service on the railway to which they may be posted on first appointment and will have no claim as a matter of right to transfer to some other Railway. But the Government of India reserve the right to transfer such officers in the exigencies of service to any other railway or project in or out of India.

(i) The relative seniority of officers appointed will ordinarily be determined by their order of merit in the competitive examination; if the period of training and consequently the period of probation has to be extended in any particularly case due to the training having not been completed satisfactorily, the officer will be liable to lose in seniority. The Government of India, however reserve the right of fixing seniority at their discretion in individual cases. They also reserve the right of assigning to officers appointed otherwise than by a competitive examination positions in the seniority list at their discretion.

(j) Scales of pay:—

Junior Scale : Rs. 400—400—450—30—600—35—670—EB—35—950. (Authorised Scale).

Senior Scale : Rs. 700—(6th year and under)—40—1,100—50/2—1,250. (Authorised Scale).

Junior Administrative Grade : Rs. 1,300—60—1,600. (Authorised Scale).

Intermediate Administrative Grade : Rs. 1,600—100—1,800.
(Authorised Scale).

Senior Administrative Grade : Rs. 2,000—100—2,500.
(Authorised Scale).

NOTE 1.—Probationary officers will start on the minimum of the Junior Scale and will count their service for increments from the date of joining. They will, however, be required to pass any departmental examination or examinations that may be prescribed before their pay can be raised from Rs. 400 p.m. to Rs. 450 p.m. in the time scale.

Increment from Rs. 400 to Rs. 450 will be stopped if they fail to pass the Departmental Examination within the first two years of the training and probationary period. The probationary period will be extended and on their passing the prescribed Departmental tests and being subsequently confirmed, their pay will from the date following that on which the last departmental examination ends be fixed at the stage in the time scale which they would have otherwise attained but no arrears of pay would be allowed to them. In such cases the date of future increments will not be affected.

Advance increments from Rs. 400 to Rs. 450 and from Rs. 450 to 480 in the Junior Scale of Rs. 400—950 may, however, be granted during the period of probation as soon as the probationary officer passes the prescribed examinations. After the grant of advanced increments, the pay of the officer will be regulated according to his normal position in the pay scale, with reference to the year of service.

In case any of the probationers does not pass the 'end-of-the-course-test' at the National Academy of Administration, Mussoorie, his first increment will be postponed by one year from the date on which he would have drawn it or up to the date on which under the departmental regulations, the second increment accrues, whichever is earlier.

NOTE 2.—The pay of a Government servant who held a permanent post, other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment as probationer, will, however, be regulated subject to the provisions of Rule 2018A(1)-R.II.(F.R.22-B(1)).

(k) The increments will be given for approved service only and in accordance with rules of the Department.

(l) Promotions to the administrative grades are dependent on the occurrence of vacancies in the sanctioned establishment and are made wholly by selection; mere seniority does not confer any claim for such promotion.

(m) Courses of training for probationers in the Indian Railway Traffic Service.

NOTE 1.—The Government of India reserve the right to reduce at their discretion, the period of training in the case of candidates who have had previous training or experience either in India or elsewhere.

NOTE 2.—Probationers will also have to undergo training at the Railway Staff College, Baroda, in two phases. The test in the Staff College is compulsory and a second chance in the event of failure will not be given except in exceptional circumstances and provided the record of the Officer is such that such a relaxation may be made. Failure to pass the test may involve the termination of service and in any case, the officers will not be confirmed till they pass the tests, their period of training and/or probation being extended as necessary.

NOTE 3.—The programme of training given below has been drawn up chiefly for the purpose of guidance; it may be varied at the discretion of General Managers to suit particular cases provided that the total aggregate period of training is not ordinarily curtailed.

NOTE 4.—During the period of training, the probationer has to work as a Guard, Yard Master, Assistant Station Master, Station Master, Yard Foreman, Train Examiner, Assistant Loco Foreman, Assistant Controller etc. as detailed below. After completion of training when the probationer is posted against a working post, his duties involve travelling with no facilities for camping at way-side stations. He has to visit sites of accidents at odd hours and inspect Control offices and stations. The work is arduous and will involve night duties.

(1) Length of course—Two years.

S. No.	Item	Period (Weeks)
(1)	National Academy of Administrations Mussoorie	17
(2)	Baroda Staff College (First Phase)	13
(3)	Area School, Guard's duties	4.5
(4)	Working as Guard	3
(5)	Booking/Parcel Office, Goods Shed and Trans-shipment Shed	4.5
(6)	Traffic Accounts and Travelling Inspector of Accounts	4
(7)	Area School to qualify as Asstt. Station Master	4.5
(8)	Working as Yard Master, Asstt. Station Master, Station Master, Yard Foremen and Train Examiner	13
(9)	Working as Asst. Loco Foreman	2
(10)	Assistant Controller	9
(11)	(a) Training in Divisional Office	4.5
	(b) Training as Power Controller	2
(12)	Baroda Staff College (Second Phase)	6.5
(13)	Railway to which allotted Headquarters Office (operating)	5
(14)	Railway to which allotted Headquarters Office (Commercial)	5
(15)	Training in Computer Programming and System Design	4.5
	Period set apart for journey time for taking up various items for training and inescapable leave	2
	Total.	104 weeks or 24 months

NOTE.—Item (3) to (11) which will cover 1 year will be in Asansol Division.

(2) Provided he passes the examination at the end of his two years' training, a probationer will be given charge of a working post on probation for a further year.

(3) Examination will be held as may be required at the close of courses as well as at intervals during the period of training.

NOTE.—Before a probationer is put to work independently as a Guard, Assistant Station Master, Station Master, Yard Foreman, Assistant Locomotive Foreman or Assistant Controller, he must be examined by a responsible officer of the administration in the respective duties for each of these posts and declared qualified.

15. The Central Secretariat Service, Section Officers' Grade, Class II—

(a) The Central Secretariat Service has, at present, the following grades :—

Grade	scale of Pay
Selection Grade—Deputy	Rs. 1,100—50—1,300.
Secretary or equivalent	60—1,600—100—1,800.
Grade I—Under Secretary	Rs. 900—50—1,250.
Section Officer's Grade	Rs. 350—25—500—30—590—EB—30—800—EB—30—830—35—900.
Assistant's Grade.	Rs. 210—10—270—15—300—EB—15—450—EB—20—530.

Selection Grade and Grade I are controlled by the Cabinet Secretariat (Department of Personnel) on an all-Secretariat basis. Section Officers/Assistants' Grades, however are controlled by the Ministries.

Direct recruitment is made to the Section Officers' Grade and to the Assistants' Grade only.

(b) Direct recruits to the Section Officers' Grade will be on probation for 2 years during which they will undergo such training and pass such departmental tests as may be prescribed by Government. Failure to show sufficient progress in the course of training or to pass the tests will result in the discharge of the probationers from service.

(c) On the conclusion of his period of probation Government may confirm the officer in his appointment or if his work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory, Government may either discharge him from the Service or may extend his period of probation for such further period as Government may think fit.

(d) If the power to make appointments in the Service is delegated by Government to any officer, that officer may exercise any of the powers of Government described in the above clauses.

(e) Section Officers will normally be heads of 'Sections' while officers of Grade I will normally be incharge of Branches consisting of one or more sections.

(f) Section Officers will be eligible for promotion to Grade I in accordance with the rules in force from time to time in this behalf.

(g) Officers of Grade I of the Central Secretariat Service will be eligible for appointment to the Selection Grade of the Service and to other higher administrative posts in the Central Secretariat.

(h) As regards leave, pension and other conditions of service officers of the Central Secretariat Service will be treated similarly to other Class I and Class II Officers.

16. The Railway Board's Secretariat Service, Class II—

(a) The Railway Board Secretariat Service consists of the following:—

Service	Scale of Pay
(i) Selection Grade Joint Director/ Dy Secretary	Rs. 1100—50—1300— 60—1600—100—1800
(ii) Dy. Directors Grade	Rs. 900—50—1250+200 S.P. per month
(iii) Assistant Director/Under Sec- retary	Rs. 900—50—1,250.
(iv) Section Officer	Rs. 350—25—500—30— 590—EB—30—800 EB—30—830—35— 900.
(v) Assistant	Rs. 210—10—270—15— 300—EB—15—450— EB—20—530.

Direct recruitment is made to the posts of Section Officers and Assistants.

(b) Officers recruited direct as Section Officers will be on probation for two years during which they will undergo such training and pass such departmental test as may be prescribed by Government. Failure to show sufficient progress in the course of training or to pass the tests will result in the discharge of the Probationer from service.

(c) On the conclusion of his period of probation, the Government may confirm the officer in his appointment, or if his work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory, Government may either discharge him from the service or may extend his period of probation for such further period as Government may think fit.

(d) If the power to make appointments in the service is delegated by Government to any officer, that officer may exercise any of the powers of Government described in the above clauses.

(e) Section Officers will normally be heads of Sections while Assistant Director/Under Secretary will normally be incharge of branches consisting of one or more sections.

(f) Section Officers will be eligible for promotion as Assistant Director/Under Secretary in accordance with the rules in force from time to time in this behalf.

(g) Assistant Director/Under Secretary will be eligible for appointment to higher posts of Deputy Director and selection grade in the Railway Board's Secretariat.

(h) The Railway Board's Secretariat Service is confined to the Ministry of Railways and the staff are not liable to transfer to other Ministries as in the Central Secretariat Service.

(i) The staff employed in the Ministry of Railways are entitled to the privilege of passes and Privilege Ticket Orders on the same scale as admissible to Railway Officers.

(j) Officers including probationers of the Railway Board Secretariat Service recruited under these rules:—

(a) will be governed by the Railway Pension Rules; and

(b) shall subscribe to the State Railway Provident Fund (non-contributory) under the Rules of that fund as amended from time to time.

(k) As regards leave and other conditions of service, officers of the Railway Board Secretariat Service will be treated similar to other Class I and Class II Officers on Railways but in the matter of medical facilities they will be governed by the Rules applicable to other Central Government employees headquartered at New Delhi.

17. The Armed Forces Headquarters Civil Service, Superintendents' Grade, Class II—(a) The Armed Forces Headquarters Civil Service, has at present the following grades:—

Grade	Scale of Pay
Senior Civilian Staff Officer	Rs. 1,100—50—1,400.
Civilian Staff Officer	Rs. 740—30—800—50 —1,150
Superintendents' Grade	Rs. 350—25—500—30 —590—EB—30—800.
Assistants Grade	Rs. 210—10—270—15 —300—EB—15—450 —EB—20—530.

The above Service caters for the Armed Forces Headquarters and Inter-Services Organisations of the Ministry of Defence.

Direct recruitment is made to the Superintendents' Grade and to the Assistants' Grade only.

(b) Direct recruits to the Superintendents' Grade will be on probation for 2 years during which they will undergo such training and pass such departmental tests as may be prescribed by Government. Failure to show sufficient progress in the course of training or to pass the tests will result in the discharge of the probationers from service.

(c) On the conclusion of his period of probation, Government may confirm the officer in his appointment, or if his work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory, Government may either discharge him from the service or may extend his period of probation for such further periods as Government may think fit.

(d) If the power to make appointments in the Service is delegated by Government to any officer, that officer may exercise any of the powers of Government described in the above clauses.

(e) In the Armed Forces Headquarters and Inter-Service Organisations of the Ministry of Defence, Superintendents will normally be heads of Sections while Civilian Staff Officers will normally be incharge of one or more Sections.

(f) Superintendents will be eligible for promotion to the Grade of Civilian Staff Officer in accordance with the rules in force from time to time in this behalf.

(g) Civilian Staff Officers of the Armed Forces Headquarters Civil Service will be eligible for appointment to the Grade of Senior Civilian Staff Officer of the Service and to other administrative posts in accordance with the rules in force from time to time in this behalf.

(h) As regards leave, pension and other conditions of service, officers of the Armed Force Headquarters Civil Service will be governed by the rules, regulations and orders in force from time to time, in respect of civilians paid from the Defence Services Estimates.

18. Customs Appraisers' Service, Class II—

(a) Recruitment is made in the grade of Appraiser in the scale of Rs. 350—25—500—30—590—EB—30—800—EB—830—35—900. Appointments are made on probation for a period of two years which may be extended at the discretion of the competent authority. During the period of probation, the candidates will be required to undergo such training and pass such departmental tests as the Central Board of Excise and Customs may prescribe. They will not be allowed to draw pay above the stage of Rs. 375 unless they pass the prescribed departmental Examination in full.

(b) If on the expiration of the period of probation or any extension thereof the appointing authority is of the opinion that the selected candidate is not fit for permanent employment or if at any time during such period of probation or extension thereof he is satisfied that the candidate will not be fit for permanent appointment on the expiration of such period of probation he may discharge him from the service or pass such orders as he thinks fit.

(c) On the successful completion of the period of probation and after passing of the departmental examination the officers will be considered for confirmation in the grade.

(d) Appraisers will be eligible for promotion to the next higher grade of Assistant Collector in the Indian Customs and Central Excise Service, Class I (Rs. 400/1,250) in accordance with the rules in force.

(e) Regarding leave and pension the officers will be treated like other Class, II officers in Central Government department. As regards other terms and conditions of their service they will be governed by the provisions in the Recruitment Rules for the Custom Appraisers' Service, Class II. These rules particularly provide that the members of the Service will be liable to posting in any equivalent or higher posts under the Central Board of Excise and Customs anywhere in India.

19. Delhi and Andaman & Nicobar Islands Civil Service, Class II—

(a) Appointments will be made on probation for a period of two years which may be extended at the discretion of the competent authority. Candidates appointed on probation will be required to undergo such training and pass such departmental tests as the Central Government may prescribe.

(b) If in the opinion of Government the work or conduct of an officer on probation is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient, Government may discharge him forthwith.

(c) The officer who has been declared to have satisfactorily completed his period of probation may be confirmed in the Service. If his work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory, Government may either discharge him from the Service or may extend his period of probation for such further period as Government may think fit.

(d) An officer belonging to the Service will be required to serve in Delhi or Andaman and Nicobar Islands under the Administration/Government of any of these territories.

(e) Scales of pay

Grade I (Selection Grade) Rs. 900—50—1250.

Grade II—Time Scale—Rs. 400—25—500—30—590—EB—30—800—EB—30—830—35—900.

A person recruited on the results of competitive examination shall, on appointment to the Service, draw pay at the minimum of the time-scale, provided that if he held a permanent post, other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment to the Service, his pay during the period of his probation in the Service shall be regulated under the provisions of Fundamental Rule 22-B(1). The pay and increments in the case of other persons appointed to the Service shall be regulated in accordance with the Fundamental Rules.

(f) Officers of the Service are entitled to act dearness allowance at the Central Government rates applicable to employees drawing pay in revised Central scales of pay.

(g) In addition to dearness allowance officers of the Service are entitled to draw compensatory (city) allowance, house rent allowance and allowances to compensate for higher cost of living in hill stations, expensiveness incidental in remote localities etc. if they are posted at places either for training or on duty where such allowances are admissible.

(h) Officers of the Service are governed by the Delhi, Andaman & Nicobar Islands Civil Service Rules, 1971 and such other regulations as may be made or instructions issued by the Central Government for the purpose of giving effect to those Rules. In regard to matters not specially covered by the aforesaid Rules or by regulations or orders issued thereunder or by special orders they are governed by the rules, regulations and orders applicable to corresponding officers serving in connection with the affairs of the Union.

20. Goa, Daman and Diu Civil Service, Class II—

(a) Appointments will be made on probation for a period of two years which may be extended at the discretion of the competent authority. Candidates appointed on probation will be required to undergo such training and pass such departmental tests as the administrator of the Union territory of Goa, Daman and Diu may prescribe.

(b) If in the opinion of the administrator the work or conduct of an officer on probation is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient, the administrator may discharge him forthwith.

(c) The officer who has been declared to have satisfactorily completed his period of probation may be confirmed in the Service. If his work or conduct has in the opinion of the administrator been unsatisfactory he may either discharge him from the Service or may extend his period of probation for such further period as the administrator may think fit.

(d) An officer belonging to the Service will be required to serve at any place in the Union territory of Goa, Daman and Diu.

(e) Scales of pay—

Grade I (Selection Grade)—Rs. 700—40—1100—50/2—1250.

Grade II—Rs. 350—25—500—30—550—EB—30—800—EB—30—830—35—900.

A person recruited on the results of competitive examination shall, on appointment to the Service, draw pay at the minimum of the time-scale:

Provided that if he held a permanent post, other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment to the Service, his pay during the period of his probation in Service shall be regulated under the provisions of sub-rule (1) of rule 22-B of the Fundamental Rules. The pay and increments in the case of other persons appointed to the Service shall be regulated in accordance with the Fundamental Rules.

Officers of the Service will be eligible for promotion to posts in the senior scale of the Indian Administrative Service in accordance with the Indian Administrative Service (Appointment by Promotion) Regulations, 1955.

(f) Officers of the Service are governed by Goa, Daman and Diu Civil Service Rules, 1967, and such other regulations as may be made or instruction issued by the administrator for the purpose of giving effect to those rules.

21. Pondicherry Civil Service, Class II—

(a) Appointments will be made on probation for a period of two years which may be extended at the discretion of the competent authority. Candidates appointed on probation will be required to undergo such training and pass such departmental tests as the administrator of the Union territory of Pondicherry may prescribe.

(b) If in the opinion of the administrator the work or conduct of an officer on probation is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient, the administrator may discharge him forthwith.

(c) The officer who has been declared to have satisfactorily completed his period of probation may be confirmed in the Service. If his work or conduct has in the opinion of the administrator been unsatisfactory, he may either discharge him from the Service or may extend his period of probation for such further period as the administrator may think fit.

(d) An officer belonging to the Service will be required to serve at any place in the Union territory of Pondicherry.

(e) Scales of pay—Rs. 375—25—800.

A person recruited on the results of competitive examination shall, on appointment to the Service, draw pay at the minimum of the time-scale;

Provided that if he held a permanent post, other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment to the Service his pay during the period of his probation in service shall be regulated under the provisions of sub-rule (1) of rule 22-B of the Fundamental Rules. The pay and increments in the case of other persons appointed to the Service shall be regulated in accordance with the Fundamental Rules.

Officers of the Service will be eligible for promotion to posts in the senior scale of the Indian Administrative Service in accordance with the Indian Administrative Service (Appointment by Promotion) Regulations, 1955.

(f) Officers of the Service are governed by Pondicherry Civil Service Rules, 1967 and such other regulations as may be made or instruction issued by the administrator for the purpose of giving effect to those rules

22. Tripura Civil Service, Class II—

(a) Appointments will be made on probation for a period of two years which may be extended at the discretion of the competent authority. Candidates appointed on probation will be required to undergo such training and pass such departmental tests as the administrator of the Union territory of Tripura may prescribe.

(b) If in the opinion of the administrator the work or conduct of an officer on probation is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient, the administrator may discharge him forthwith.

(c) The officer who has been declared to have satisfactorily completed his period of probation may be confirmed in the Service. If his work or conduct has in the opinion of the administrator been unsatisfactory, he may either discharge him from the Service or may extend his period of probation for such further period as the administrator may think fit.

(d) An officer belonging to the Service will be required to serve at any place in the Union territory of Tripura.

(e) Scales of pay—Grade I—(Selection Grade)—Rs. fixed.

Grade II (Time-scale)—Rs. 325—30—475—35—545.—EB—35—825—EB—35—1000.

A person recruited on the results of a competitive examination will start drawing pay at the minimum of the scale of pay of Grade II.

Officers of the Service will be eligible for promotion to posts in the senior scale of the Indian Administrative Service in accordance with the Indian Administrative Service (Appointment by Promotion) Regulations, 1955

(f) Officers of the Service are governed by Tripura Civil Service Rules, 1967, and such other regulations as may be made or instruction issued by the administrator for the purpose of giving effect to those rules.

APPENDIX IV

REGULATIONS RELATING TO THE PHYSICAL EXAMINATION OF CANDIDATES

[These regulations are published for the convenience of candidates and in order to enable them to ascertain the probability of their coming up to the required physical standard. The regulations are also intended to provide guidelines to the medical examiners and a candidate who does not satisfy the minimum requirements prescribed in the regulations, cannot be declared fit by the medical examiners. However, while holding that a candidate is not fit according to the norms laid down in these regulations it would be permissible for a Medical Board to recommend to the Government of India for persons specifically recorded in writing that he may be admitted to service without disadvantage to Government.]

2. It should, however, be clearly understood that the Government of India, reserve to themselves absolute discretion to reject or accept any candidate after considering the report of the Medical Board].

The classification of various Services under the two categories namely "Technical" and "Non-technical" will be as under :

A. TECHNICAL

(1) Indian Railway Traffic Service,

(2) Indian Police Service and other Central Police Services, Class II.

B. NON-TECHNICAL

IAS, IFS, IA & AS, Indian Customs Service, Indian Railway Accounts Service, Railway Board Secretariat Service, Class II, Indian Defence Accounts Service, Income Tax Officers (Class I), Indian Postal Service, Military Lands and Cantonments Service Class I and II, and other Central Civil Services Class I & II.

1. To be passed as fit for appointment a candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient performance of the duties of his appointment.

2. (a) In the matter of the correlation of age, height and chest girth of candidates of Indian (including Anglo-Indian) race it is left to the Medical Board to use whatever correlation figures are considered most suitable as a guide in the examination of the candidates. If there be any disproportion with regard to height, weight and chest girth, the candidate should be hospitalised for investigation and X-ray of the chest taken before the candidate is declared fit or not fit by the Board.

(b) However, for certain services the minimum standard for height and chest girth without which candidates cannot be accepted, are as follows :—

	Height	Chest girth fully expanded	Expansion
Indian Railway Traffic Service.	152 cm	84 cm	5 cm (for men) 5 cm (for women)
Indian Police Service, Delhi, and Andaman & Nicobar Islands Police Service Class II, and Tripura Police Service, Class II.	165 cm	84 cm	5 cm (for men) 5 cm (for women)
	150 cm	79 cm	

The minimum height prescribed is relaxable in case of candidates belonging to races such as Gorkhas, Garwalis, Assamese, Nagaland Tribals, etc., whose average height is distinctly lower.

3. The candidate's height will be measured as follows :

He will remove his shoes and be placed against the standard with his feet together and the weight thrown on the heels and not on the toes or other sides of the feet. He will stand erect without rigidity and with the heels, calves, buttocks and shoulders touching the standard; the chin will be depressed to bring the vertex of the head level under the horizontal bar and the height will be recorded in centimetres and parts of a centimetre to halves.

4. The candidate's chest will be measured as follows :

He will be made to stand erect with his feet together and to raise his arms over his head. The tape will be so adjusted round the chest that its upper edge touches the inferior angles of the shoulder blades behind and lies in the same horizontal plane when the tape is taken round the chest. The arms will then be lowered to hang loosely by the side, and care will be taken that the shoulders are not thrown upwards or backwards so as to displace the tape. The candidate will then be directed to take a deep inspiration several times and the maximum expansion of the chest will be carefully noted and the minimum and maximum will then be recorded in centimetres, 84—89, 86—93.5 etc. In recording the measurements fractions of less than half a centimetre should not be noted.

N.B.—The height and chest of the candidates should be measured twice before coming to a final decision.

5. The candidates will also be weighed and his weight recorded in kilograms; fractions of half a kilogram should not be noted.

6. (a) The candidate's eye-sight will be tested in accordance with the following rules. The result of each test will be recorded.

(b) There shall be no limit for minimum naked eye vision but the naked eye vision of the candidates shall, however, be recorded by the Medical Board or other medical authority in every case, as it will furnish the basic information in regard to the condition of the eye.

(c) The following standards are prescribed for distant and near vision with or without glasses for different types of Services:

Class of Service	Distant vision		Near vision	
	Better eye	Worse eye (Corrected vision)	Better eye	Worse eye (Corrected vision)
I.A.S., J.P.S. and Central Services				
Class I & II				
(i) Technical	6/6	6/12 or 6/9	J.I	J.II
(ii) Non-Technical	6/9	6/12	J/I	J/II.

(d) (i) In respect of the Technical Services mentioned above and any other Services concerned with the safety of public, the total amount of myopia (including the cylinder) shall not exceed—4.00 D. Total amount of Hypermetropia (including the cylinder) shall not exceed +4.00 D.

(ii) In every case of myopia fundus examination should be carried out and the results recorded. In the event of pathological condition being present which is likely to be progressive and affect the efficiency of the candidate, he/she should be declared unfit.

(e) **Field of Vision:** The field of vision shall be tested in respect of all services by the confrontation method. When such test gives unsatisfactory or doubtful results, the field of vision should be determined on the perimeter.

(f) **Night Blindness:** Broadly there are two types of night blindness: (1) as a result of Vit. A deficiency and (2) as a result of Organic disease of Retina—a common cause being Retinitis pigmentosa. In (1) the fundus is normal, generally seen in younger age group and ill nourished persons and improves by large doses of Vit. A. In (2) the fundus is often involved and mere fundus examination will reveal the condition in majority of cases. The patient in this category is an adult and may not suffer from malnutrition. Persons seeking employment for higher posts in the Government will fail in this category. For both (1) and (2), dark adaptation test will reveal the condition. For (2) specially when fundus is not involved electro-Retinography is required to be done. Both these tests (dark adaptation and retinography) are time-consuming and require specialized set up and equipment; and thus are not possible as a routine test in a medical check up. Because of these technical considerations, it is for the Ministry/Department to indicate if these tests for night blindness are required to be done. This will depend upon the job requirement and nature of duties to be performed by the prospective Government employees.

(g) **Colour Vision:** The testing of colour vision shall be essential in respect of the Technical Services mentioned above. As regards the non-Technical Services/posts, the Ministry/Department concerned will have to inform the Medical Board that the candidate is for a service requiring colour vision examination or not.

Colour perception should be graded into a higher and lower grade depending upon the size of aperture in the lantern as described in the table below:

Grade	Higher grade of colour perception	Lower grade of colour perception
1. Distance between the lamp and candidate	16'	16'
2. Size of aperture	1.3 mm.	13 mm.
3. Time of exposure	5 seconds	5 seconds

For the Indian Railway Traffic Service and for other Services concerned with the safety of the public, higher grade of colour vision is essential but for others lower grade of colour vision should be considered sufficient.

Satisfactory colour vision constitutes recognition with ease and without hesitation of signal red, signal green and white colours. The use of Ishihara's plates, shown in good light and a suitable lantern like Edridge Green's shall be considered quite dependable for testing colour vision. While either of the two tests may ordinarily be considered sufficient in respect of the Services concerned with road, rail and air traffic, it is essential to carry out the lantern test. In doubtful cases where a candidate fails to qualify when tested by only one of the two tests, both the tests should be employed. However both the Ishihara's plates and Edridge's Green lantern shall be used for testing colour vision of candidates for appointment to the Indian Railway Traffic Service.

(h) **Ocular conditions other than visual acuity:**

(i) Any organic disease or a progressive refractive error, which is likely to result in lowering the visual acuity, should be considered a disqualification.

(ii) **Squint:** For technical services where the presence of binocular vision is essential, squint, even if the visual acuity in each eye is of the prescribed standard, should be considered a disqualification. For other services the presence of squint should not be considered as a disqualification if the visual acuity is of the prescribed standard.

(iii) **One eye:** The medical board may recommend one eyed persons for appointment to Class I & Class II posts if it is satisfied that he can perform all the functions for the particular job for which he is a candidate provided that the visual acuity in the functioning eye is 6/6 for distant vision and 0.6 for near vision and the refractive error is not more than plus or minus 4.00 D and the fundus of the functioning eye should reveal no abnormality. This relaxation in visual standards will be applicable to only one-eyed persons in view of their disability and not to persons with binocular vision.

(i) **Contact Lenses:** During the medical examination of a candidate, the use of contact lenses is not to be allowed. It is necessary that when conducting eye test the illumination of the type letters for distant vision should have an illumination of 15 foot-candles.

7. Blood Pressure

The Board will use its discretion regarding Blood Pressure.

A rough method of calculating normal maximum systolic pressure is as follows:

(i) With young subjects 15—25 years of age the average is about 100 plus the age.

(ii) With subjects over 25 years of age the general rule of 110 plus half the age seems quite satisfactory.

N.B.—As a general rule any systolic pressure over 140 mm. and diastolic over 90 mm should be regarded as suspicious the candidate should be hospitalized by the Board before giving their final opinion regarding the candidate's fitness or otherwise. The hospitalization report should indicate whether the rise in blood pressure is of a transient nature due to excitement etc., or whether it is due to any organic disease. In all such cases X-ray and electrocardiographic examinations of heart and blood urea clearance test should also be done as a routine. The final decision as to the fitness or otherwise of a candidate will, however, rest with the medical board only.

Method of taking Blood Pressure

The mercury manometer type of instrument should be used as a rule. The measurement should not be taken within fifteen minutes of any exercise or excitement. Provided the patient, and particularly his arm is relaxed, he may be either lying or sitting. The arm is supported comfortably at the patient's side in a more or less horizontal position. The arm should be freed from the clothes to the shoulder. The cuff completely deflated should be applied with the middle of the rubber over the inner side of the arm, and its lower edge 1½ inch or two above the band of the elbow. The following turns of cloth bandage should spread evenly over the bag to avoid bulging during inflation.

The brachial artery is located by palpitation at the bend of the elbow and the stethoscope is then applied lightly and centrally over it below, but not in contact with the cuff. The cuff is inflated to about 200 m.m. Hg. and then slowly deflated. The level at which the column stands when soft successive sounds are heard represents the Systolic Pressure. When more air is allowed to escape the sounds will be heard to increase in intensity. The level at which the well-heard clear sounds change to soft muffled fading sounds represents the diastolic pressure. The measurements should be taken in a fairly brief period of time as prolonged pressure of the cuff is irritating to the patient and will vitiate the readings. Rechecking if necessary, should be done only a few minutes after complete deflation of the cuff. (Sometimes, as the cuff is deflated sounds are heard at a certain level, they may disappear as pressure falls and reappear at a still lower level. This 'Silent Gap' may cause error in reading.)

8. The urine (passed in the presence of the examiner) should be examined and the results recorded. Where a Medical Board finds sugar present in a candidate's urine by the usual chemical tests the Board will proceed with the examination with all its other aspects and will also specially note any signs or symptoms suggestive of diabetes. If except for the glycosuria the Board finds the candidate conforms to the standard of medical fitness required they may pass the candidate "fit subject to the glycosuria being non-diabetic" and the Board will refer the case to a specified specialist Medicine who has hospital and laboratory facilities at his disposal. The Medical Specialist will carry out whatever examinations clinical and laboratory, he considers necessary including a standard blood sugar tolerance test, and will submit his opinion to the Medical Board, upon which the Medical Board will base its final opinion "fit" or "unfit". The candidate will not be required to appear in person before the Board on the second occasion. To exclude the effects of medication it may be necessary to retain a candidate for several days in hospital under strict supervision.

9. A woman candidate who as a result of tests is found to be pregnant of 12 weeks standing or over, should be declared temporarily unfit until the confinement is over. She should be re-examined for fitness certificate six weeks after the date of confinement, subject to the production of a medical certificate of fitness from a registered medical practitioner.

10. The following additional points should be observed :

- (a) that the candidate's hearing in each ear is good and that there is no sign of disease of the ear. In case it is defective the candidate should be examined by the ear specialist. Provided that if the defect in hearing is remediable by operation or by use of a hearing aid a candidate cannot be declared unfit on that account provided he has no progressive disease in the ear. This provision is not applicable in the case of Railway Services;
- (b) that his speech is without impediment;
- (c) that his teeth are in good order and that he is provided with dentures where necessary for effective mastication (well filled teeth will be considered as sound);
- (d) that the chest is well formed and his chest expansion sufficient; and that his heart and lungs are sound;
- (e) that there is no evidence of any abdominal disease;
- (f) that he is not ruptured;
- (g) that he does not suffer from hydrocele, a severe degree of varicocele, varicose veins or piles;

(h) that his limbs, hands and feet are well formed and developed and that there is free and perfect motion of all his joints;

(i) that he does not suffer from any inveterate skin disease;

(j) that there is no congenital malformation or defect;

(k) that he does not bear traces of acute or chronic disease pointing to an impaired constitution;

(l) that he bears marks of efficient vaccination; and

(m) that he is free from communicable disease.

11. Radiographic examination of the chest should be done as a routine in all cases for detecting any abnormality of the heart and lungs, which may not be apparent by ordinary physical examination.

When any defect is found it must be noted in the certificate and the medical examiner should state his opinion whether or not it is likely to interfere with the efficient performance of the duties which will be required of the candidate.

12. The candidates filing an appeal against the decision of the Medical Board have to deposit an appeal fee of Rs. 50.00 in such manner as may be prescribed by the Government of India in this behalf. This fee would be refunded if the candidate is declared fit by the Appellate Medical Board. The candidates may, if they like enclose medical certificate in support of their claim of being fit. Appeals should be submitted within 21 days of the date of the communication in which the decision of the Medical Board is communicated to the candidates; otherwise, requests for second medical examination by an Appellate Medical Board, will not be entertained. The medical examination by the Appellate Medical Boards would be arranged at New Delhi only and no travelling allowance or daily allowance will be admissible for the journeys performed in connection with the medical examination. Necessary action to arrange medical examination by Appellate Medical Boards would be taken by the Cabinet Secretariat (Department of Personnel) on receipt of appeals accompanied by the prescribed fee.

MEDICAL BOARD'S REPORT

The following intimation is made for the guidance of the Medical Examiner :

1. The standard of physical fitness to be adopted should make due allowance for the age and length of service, if any, of the candidate concerned.

No person will be deemed qualified for admission to the Public Service who shall not satisfy Government, or the appointing authority, as the case may be, that he has no disease constitutional affection, or bodily infirmity, unfitting him or likely to unfit him for that service.

It should be understood that the question of fitness involves the future as well as the present and that one of the main objects of medical examination is to secure continuous effective service, and in the case of candidates for permanent appointment to prevent early pension or payments in case of premature death. It is at the same time to be noted that the question is one of the likelihood of continuous effective service, and that rejection of a candidate need not be advised on account of the presence of a defect which in only a small proportion of cases is found to interfere with continuous effective service.

A lady doctor will be co-opted as a member of the Medical Board whenever a woman candidate is to be examined.

Candidates appointed to the Indian Defence Accounts Service are liable for field service in or out of India. In the case of such a candidate, the Medical Board should specially record their opinion as to his fitness or otherwise of field service.

The report of the Medical Board should be treated as confidential.

In case where a candidate is declared unfit for appointment in the Government Service, the grounds for rejection may be communicated to the candidate in broad terms without giving minute details regarding the defects pointed out by the Medical Board.

In cases where the Medical Board considers that a Minor disability disqualifying a candidate for Government service can be cured by treatment (medical or surgical) a statement to that effect should be recorded by the Medical Board. There is no objection to a candidate being informed of the Board's opinion to this effect by the appointing authority and when a cure has been effected it will be open to the authority concerned to ask for another Medical Board.

In the case of candidates who are to be declared "Temporarily Unfit" the period specified for re-examination should not ordinarily exceed six months at the maximum. On re-examination after the specified period these candidates should not be declared temporarily unfit for a further period but a final decision in regard to their fitness for appointment or otherwise should be given.

(a) *Candidate's statement and declaration*

The candidate must make the statement required below prior to his Medical Examination and must sign the Declaration appended thereto. His attention is specially directed to the warning contained in the Note below:-

1. State your name in full (in block letters)
2. State your age and birth place
- 2.(a) Do you belong to races such as Gorkhas, Garwalis, Assamese Nagaland Tribals etc. whose average height is distinctly over? Answer 'Yes' or 'No' and if the answer is "Yes", the name of the race.
- 3.(a) Have you ever had small-pox intermittent or any other fever enlargement or suppuration glands, spitting of blood, asthma, heart disease, lung disease, fainting attacks, rheumatism, appendicitis?
- (b) any other disease accident requiring confinement to bed and medical or surgical treatment?
4. When were you last vaccinated
5. Have you suffered from any form of nervous due to over work or any other causes?
6. Furnish the following particulars concerning your family:

Father's age if living and state of health	Father's age at death and cause of death	No. of brothers living, their ages and state of health	No. of brothers dead, their ages at, and cause of the death
--------------------------------------------	------------------------------------------	--------------------------------------------------------	-------------------------------------------------------------

Mother's age if living and state of health	Mother's age at death and cause of death	No. of sisters living, their ages and state of health	No. of sisters dead, their ages and cause of death
--------------------------------------------	------------------------------------------	-------------------------------------------------------	----------------------------------------------------

7. Have you been examined by a Medical Board before?
8. If answer to the above is 'Yes', please state what Service/Services you were examined for?
9. Who was the examining authority?
10. When and where was the Medical Board held?
11. Result of the Medical Board's examination, if communicated to you or if known?

I declare all the above answers to be, to the best of my belief true and correct.

Candidate's Signature

Signed in my presence.

Signature of the Chairman of the Board.

NOTE—The candidate will be held responsible for the accuracy of the above statements. By wilfully suppressing any information he will incur the risk of losing the appointment and, if appointed, of forfeiting all claims to Superannuation Allowance or Gratuity.

(b) Report of Medical Board on (name of candidate) physical examination.

1. General development: Good.....Fair.....Poor.....
- Nutrition: Thin.....Average.....Obese.....
- Height (Without shoes).....Weight.....
- Best Weight.....When?.....Any recent change in weight.....Temperature.....
- Girth of Chest.
- (1) After full inspiration.
- (2) After full expiration;
2. Skin : Any obvious disease.....
3. Eyes :
 - (1) Any disease.....
 - (2) Night blindness.....
 - (3) Defect in colour vision.....
 - (4) Field of vision.....
 - (5) Visual acuity.....
 - (6) Fundus examination.....

Acuity of vision	Nake eye	With glasses	Strength of glass Sph. Cyl. Axis
Distant vision	R.E.		
	L.E.		
Near vision.	R.E.		
	L.E.		
Hypermetroptia (Manifest)	R.E.		
	L.E.		

4. Ears : Inspection.....Hearing Right Ear.....Left Ear.....
5. Glands.....Thyroid.....
6. Condition of teeth
7. Respiratory System : Does physical examination reveal anything abnormal in the respiratory organs?.....If yes, explain fully.....
8. Circulatory System :
 - (a) Heart : Any organic lesions?.....Rate Standing.....After hopping 25 times.....2 minutes after hopping.....
 - (b) Blood pressure: Systolic.....Diastolic.....

9. Abdomen : Girth.....Tenderness.....
Hernia.....
- (a) Palpable : Liver.....Spleen
KidneysTumours.....
- (b) Hemorrhoids..... Fistula
10. Nervous System : Indication of nervous or mental disabilities
11. Loco-Motor System : Any abnormality
12. Genito Urinary System : Any evidence of Hydrocele, varicocele etc.
Urine Analysis:
(a) Physical appearance
(b) Sp. Gr
(c) Albumen
(d) Sugar
(e) Castes
(f) Cells
13. Report of X-ray Examination of Chest.
- 14 Is there anything in the health of the candidate likely to render him unfit for the efficient discharge of his duties in the service for which he is a candidate ?
15. (i) State the Service for which the candidate has been examined:
(a) I.A.S & I.F.S.
(b) I.P.S. Delhi, and Andaman & Nicobar Islands Police Service, and Tripura police Service
(c) Central Services, Class I&II
- (ii) has he been found qualified in all respects for the efficient and continuous discharge of his duties in:
(a) I.A.S. & I.F.S.....
(b) I.P.S. Delhi, and Andaman & Nicobar Islands Police Service, and Tripura Police Service:—
(see especially height, chest girth, eye sight, colour blindness and locomotive system).
(c) Indian Railway Traffic Service.
(see especially height, chest, eye sight, colour blindness)
(d) Other Central Service Class I/II
- (iii) Is the candidate fit for FIELD SERVICE

NOTE.—The Board should record their findings under one of the following three categories:—

- (i) Fit.
(ii) Unfit on account of
(iii) Temporarily unfit on account of
Place
Date

Chairman.
Member
Member

PLANNING COMMISSION

New Delhi, the 17th February 1971

RESOLUTION

Advisory Committee of Experts on Social Legislation

No. PC/SW/1/2/70.—Planning Commission, having decided to revise, enlarge and bring up-to-date the publication "SOCIAL LEGISLATION—ITS ROLE IN SOCIAL WELFARE" published by the Planning Commission in 1956, has set up an Advisory Committee of Experts as follows :

Chairman

- (a) Dr. (Mrs.) Durgabai Deshmukh.

Members

- (b) Shri T. R. Jayaraman, Joint Secretary, Ministry of Education & Youth Services.
(c) Shri S. Balakrishnan, Joint Secretary, Ministry of Home Affairs.
(d) Shri M. C. Nanavatty, Adviser (SW), Department of Social Welfare.
(e) Shri A. K. Srinivasamurthy, Deputy Legislative Counsel, Ministry of Law.
(f) Dr. (Miss) E. V. Sebastian, Asstt. Commissioner (MCH), Ministry of Health and Family Planning.
(g) Prof. V. Jagannatham, The Indian Institute of Public Administration, New Delhi.
(h) Shri S. N. Ranade, Principal, Delhi School of Social Work, Delhi-7.

Member-Secretary

- (i) Shri D. P. Nayar, Senior Specialist (Edn. & SP), Planning Commission.

2. The term of reference of the Committee shall be to advise on the revision, enlargement and bringing up-to-date of the said publication.

3. The Committee may co-opt members and constitute Sub-Committees.

4. The Committee may meet as often as may be necessary at New Delhi or any other place.

ORDER

ORDERED that a copy of this Resolution be published in the Gazette of India and communicated to all concerned.

S. HAMID Jt. Secy.
Planning Commission

MINISTRY OF FINANCE (Department of Economic Affairs)

New Delhi, the 12th February 1971

No. F.3(8)-NS/70.—The President hereby makes the following rules to further amend the Post Office (Recurring Deposits) Rules, 1970, published with the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Economic Affairs) No. F.3(8)-NS/70, dated the 28th February, 1970, namely :—

1. (1) These rules may be called the Post Office (Recurring Deposits) (Second Amendment) Rules, 1971.
- (2) They shall be deemed to have come into force on the 1st April, 1970.
2. In rule 6 of the Post Office (Recurring Deposits) Rules, 1970, in clause (a) of sub-rule (2), for sub-clause (ii), the following sub-clause shall be substituted, namely :—

"(ii) 5 paise for every Rs. 10 of the instalment plus 2 paise for fraction of Rs. 10 thereof, if any, for each month of default in an account of any other denomination specified in rule 5."

P. N. MALAVIYA, Under Secy.

MINISTRY OF FOREIGN TRADE
(Handicrafts Section)

New Delhi, the 9th February 1971

RESOLUTION

No. 1/8/70-HC.—In partial modification of this Ministry's Resolution No. 1/8/70-HC, dated the 7th January, 1971 the Government of India have decided to nominate Shri Jugal Kishore Jha, Secretary, District Harijan Sevak Sangh, Bihar, as a member of the All India Handicrafts Board, New Delhi with immediate effect.

ORDER

ORDERED that a copy of this Resolution be communicated to all concerned and that it be published in the Gazette of India.

T. S. PARAMESWARAN, Under Secy.

**MINISTRY OF PETROLEUM AND CHEMICALS,
MINES AND METALS**
(Department of Petroleum)

New Delhi, the 20th February 1971

RESOLUTION

No. 28(11)/70-OR.—In partial modification of the Ministry of Petroleum and Chemicals and Mines and Metals (Department of Petroleum) Resolution No. 28(11)/70-OR, dated the 22nd August, 1970, for paragraph 4, the following shall be substituted :—

"The Commission will submit its report by 31st August, 1971".

ORDER

ORDERED that the Resolution be published in the Gazette of India, Part I, Section 1.

ORDERED also that a copy of the Resolution be communicated to all Ministries/Departments of Government of India, Government of West Bengal and all others concerned.

E. N. MANGAT RAI, Spl. Secy.

**MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT AND
INTERNAL TRADE**

(Department of Industrial Development)

New Delhi, the 16th February 1971

No. SSI(A)-17(3)/70.—In the Ministry of Industrial Development & Internal Trade Resolution No. SSI(A)-17(3)/70, dated 25-8-1970, under which the Small Scale Industries Board was reconstituted, the following amendment may be made in the list of members of the Board :—

For "62. President, Guindy Small Scale Industries Association, Madras."

Read "62. The President, Industrial Estate Manufacturers Association Guindy, Madras-32."

O. R. PADMANABHAN, Under Secy.

DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS
(Company Law Board)

New Delhi-1, the 20th February 1971

ORDER

No. 53(1)/70-CL.II.—In pursuance of sub-clause (ii) of clause (b) sub-section (4) of Section 209 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) the Company Law Board hereby authorises Shri S. V. Jaganathan, Inspecting Officer, Madras, an officer of the Government of India, Department of Company Affairs for the purposes of the said Section 209.

M. K. BANERJEE, Under Secy.
Company Law Board

**MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY PLANNING AND
WORKS, HOUSING & URBAN DEVELOPMENT**

(Department of Health)

New Delhi, the 22nd February 1971

RESOLUTION

No. F.14-10/69-PHE.—The Committee on Air Pollution Control in the country set up vide Resolution No. F.14-10/69-PHE, dated the 19th May, 1970, is reconstituted by the Government of India with immediate effect. The Committee shall now consist of :—

Chairman

1. Dr. M. N. Rao, Formerly Director, All India Institute of Hygiene and Public Health, Calcutta.

Members

2. Shri A. K. Roy, Chief Engineer, P.H.E. Department, Government of Uttar Pradesh, Lucknow.
3. Dr. M. N. Gupta, Director, Occupational Health Research Institute, Ahmedabad.
4. Shri V. V. Shrivaiakar (S.E.), Health Physics Division, Bhabha Atomic Research Centre, Bombay.
5. Dr. J. K. Sinha, Scientist "E", Central Mining Research Station, Dhanbad.
6. Dr. S. S. Ramaswamy, Director (Research), Central Labour Institute, Sion, Bombay-22.
7. Shri S. K. Sudhakar, Under Secretary, Department of Health, Nirman Bhawan, New Delhi.
8. Shri T. Durairaj, Deputy Adviser (PHE), Central Public Health Engineering Organisation, Nirman Bhawan, New Delhi.

Member-Secretary

9. Shri I. M. Dave, Deputy Director, Central Public Health Engineering Research Institute, Nehru Marg, Nagpur-3.

2. The terms of reference of the Committee will remain the same as indicated in Resolution No. F.14-10/69-PHE, dated the 19th May, 1970.

3. The Committee will hold its meetings as and when necessary and at such places as the Chairman may consider necessary. The Committee may also co-opt such other persons as may be considered necessary.

4. The Government of India also extend the period for submission of the report of the Committee up to the end of June, 1971, to enable the Committee to give full consideration to the various points included in its terms of reference.

ORDER

ORDERED that this Resolution be communicated to—(i) Lok Sabha Secretariat, (ii) Rajya Sabha Secretariat, (iii) Prime Minister's Secretariat, (iv) Cabinet Secretariat, (v) Planning Commission, (vi) Private and Military Secretaries to the President, (vii) Comptroller and Auditor General of India, (viii) All Ministries and Departments of the Government of India, (ix) All the State Governments/Union Territories, (x) A.G.C.R., New Delhi, (xi) Department of Atomic Affairs, (xii) Indian Council of Medical Research, New Delhi, (xiii) Council of Scientific and Industrial Research, New Delhi (xiv) Central Public Health Engineering Research Institute, Nagpur (xv) Bhabha Atomic Research Centre, Bombay, (xvi) Occupational Health Research Institute, Ahmedabad, (xvii) Central Labour Institute, Bombay, (xviii) Central Mining Research Centre, Dhanbad, (xix) All India Institute of Hygiene and Public Health, Calcutta, (xx) Central Public Health Engineering Organisation; and (xxi) Director General of Health Services, New Delhi.

ORDERED that the Resolution be published in the Gazette of India.

A. B. MALIK, Jt. Secy.

(Department of Family Planning)

New Delhi, the 30th December 1970

RESOLUTION

No. 2-36/68-IDC.—In supersession of this Ministry's Resolution No. 17-9/66-C&C(FP), dated the 19th November, 1968 in terms of which the Committee to consider and advise

Government on all technical problems connected with the Family Planning Programme in the field with particular reference to IUCD and Sterilization procedures was reconstituted, the Government of India have decided to reconstitute the said committee with the following members :

Chairman

1. Dr. (Mrs.) L. V. Phatak, Commissioner (Family Planning), Ministry of Health, Family Planning, Works Housing & Urban Development, New Delhi.

Members

2. Additional Director General of Health Services, New Delhi.
3. Director General, Indian Council of Medical Research, New Delhi.
4. President, Indian Medical Association, New Delhi.
5. General Secretary, Association of Gynaecologists of India.
6. Director, Central Family Planning Institute, New Delhi.
7. Dr. Tarachand J. Agarwal, Gen. Surgeon, 73, Sunder Nagar, New Delhi.
8. Dr. V. N. Shirodhkar, Patel Chamber, French Bridge, Bombay-7.
9. Dr. Kumar Kanti Ghosh, Surgeon, Calcutta.
10. Dr. (Smt.) L. K. Goswami, Goswami Clinic, Tezpur (Assam).
11. Dr. Nawal Kishore, Gynaecologist, Agra Medical College, Agra.
12. Dr. Venu Gopal, Secretary of the Association of Surgeons.
13. Dr. R. M. Nandkarani, Radha Nursing Home, (behind Indian Bank, Mission Road, Bhadra, Ahmedabad-1.
14. Dr. Ramesh Pai, Kasturba Medical College, Manipal.

Member-Secretary

15. Dy. C.F.P. (Services), Deptt. of Family Planning.
2. The terms of reference of the reconstituted Committee will be to consider and advise Government on all technical problems including administrative, Organisational and Community health aspects, connected with the Family Planning Programme in the field with particular reference to IUCD and Sterilization procedures.
3. The Committee shall have the powers to co-opt/invite experts of concerned aspects to attend its meetings.
4. Non-official members of the Committee shall be entitled to grant of travelling and daily allowances for attending the meetings of the Committee as are admissible to an officer of the highest grade in class I of the Central Services. Members of the Committee who are Government servants will draw travelling and daily allowance as admissible to them from the same source which they get their pay.
5. The expenditure involved is to be met from within the sanctioned budget grant under Major Head-30-B, Public Health B.5-Miscellaneous B.5 (4)-expenditure on Family Planning B.5(4)(5)-Technical Advise & Supervision, B.5(4)(5)(1)-Technical Wing at Hqrs. B.5(4)(5)(1)(2) T.A.

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all the State Governments.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

R. N. MADHOK, Jt. Secy.

**MINISTRY OF FOOD, AGRICULTURE, COMMUNITY
DEVELOPMENT AND COOPERATION**
(Department of Agriculture)

New Delhi, the 2nd February 1971

RESOLUTION

No. 30-1/71-L.D.III.—In continuation of this Ministry's Resolution No. 20-20/69-L.D.III, dated the 7th July, 1970, and in partial modification of this Ministry's Resolution No. 20-20/69-L.D.III, dated the 26th/29th November, 1969, the

Government of India have decided that the date up to which the Director of Administration, Directorate of Extension may operate on the current account of the Central Council of Gosamvardhana be extended from the 30th September, 1970, to 31st March, 1971, or till all the Contributory Provident Fund are closed whichever is earlier.

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all the State Governments Administration of Union Territories and the Departments of the Ministries of the Government of India, Planning Commission, Cabinet Secretariat, Prime Minister's Secretariat, Lok Sabha Secretariat and Rajya Sabha Secretariat.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

V. P. GULATI, Dy. Secy.

RESOLUTION

New Delhi, the 15th February 1971

F. No. 4-30/70-FR.—In the Resolution No. 27-4/69-FR. dated 15-7-69, para 2 may be modified as under :—

2. "The Government have decided to transfer to the State Farms Corporation of India Ltd. the movable and immovable property, excluding agricultural lands, owned or held on lease by the Government; other assets including actionable claims and debts and liabilities of the Central State Farms by a formal deed or deeds of transfer to be executed later. The nature and the form of the deeds would be determined later."

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all the State Governments, Administrations of Union Territories and Ministries and Departments of the Government of India, Planning Commission, Cabinet Secretariat, Prime Minister's Secretariat, Lok Sabha Secretariat and Rajya Sabha Secretariat.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

T. P. SINGH, Secy.

(ICAR)

The 19th February 1971

No. 28-1/70-CDN(1)-ICAR.—Under the provision of Rule 75 of the Rules of the Indian Council of Agricultural Research, the President of the Council (Minister for Food and Agriculture has been pleased to appoint a representative of the Planning Commission, New Delhi, as a member of the Standing Committee for Agricultural, Economic, Statistical and Marketing Research of the Indian Council of Agricultural Research for the period from 8-2-1971 to 18-11-1972.

M. R. KOLHATKAR, Dy. Secy.

MINISTRY OF EDUCATION & YOUTH SERVICES

RESOLUTION

New Delhi, the 15th February 1971

SUBJECT :—*Constitution of the Accreditation Committee of the National Youth Board.*

No. F.3/1/71-YS-II(2).—One of the functions of the National Youth Board constituted under Resolution No. F. 2/9/70-YSI(3), dated 15th July, 1970, is the accreditation of organisations engaged in Youth Welfare/Youth Service programmes. In its meeting held in December 1970, the National Youth Board have suggested certain criteria to be specified by youth welfare/service organisations and also the procedure to be adopted for accreditation of such organisations. According to the recommendations of the National Youth Board, organisations, which according to their constitution are non-political and non-communal in character and whose resources come from within the country except for occasional aids that may be acquired from foreign countries for specific purposes in accordance with the Government procedure for receipt of funds from abroad and appear in their accounts, can be considered for accreditation. The National Youth Board also recommend that only such youth welfare/service organisations as function at the national level, i.e.

whose activities cover four or more States, will be considered for accreditation at the national level by the National Youth Board. Youth welfare/youth service organisations functioning at State or regional level i.e. covering not more than three adjoining States will be considered for accreditation by the State Youth Board of the State in which the Headquarters Office of the organisation is located. Once the State Youth Board accredits such an organisation, the organisation should be deemed to have been accredited by the National Youth Board. Organisations duly accredited by the National Youth Board at the national level, or at State level would be eligible for assistance from the National and State Youth Boards and can mention in their correspondence that they are accredited by the National Youth Board. The National Youth Board also recommended that information relating to the constitution, finance and functioning of applicant youth welfare/youth service organisations will be first examined by an Official Committee consisting of representatives of Ministries of Education & Youth Services, External Affairs, Home Affairs and the Department of Economic Affairs, whose recommendations will be considered by the Accreditation Committee of the National Youth Board, which will take the final decision regarding accreditation of the organisations.

2. The Government of India have accepted the recommendations of the National Youth Board and have decided to constitute an Accreditation Committee of the National Youth Board (hereinafter referred to as the Accreditation Committee) with the following composition :

Chairman

Deputy Minister in the Ministry of Education and Youth Services.

Members

- 2&3. One Representative each from the Department of Social Welfare and the Department of Labour and Employment.
4. Miss Ivy Khan, National General Secretary, Y.W.C.A., Parliament Street, New Delhi.
5. Shri R. G. Padki, National Secretary, Youth Hostels Association of India, 2-East Park Road, Karol Bagh, New Delhi.
6. Shri Radha Krishna, Secretary, Gandhi Peace Foundation, 221 Deen Dayal Upadhaya Marg, New Delhi.

Member-Secretary

7. Deputy Secretary in the Ministry of Education & Youth Services incharge of the Non-Student youth programmes.

3. The Official Members will remain members of the Accreditation Committee so long as they hold their offices. The term of office of non-official members of the Accreditation Committee will be co-terminous with their membership in the National Youth Board. The Accreditation Committee shall meet as often as necessary.

4. The functions of the Accreditation Committee will be to consider applications for accreditation from voluntary youth welfare/service organisation functioning at the national level on the basis of the assessment reports made by the Official Committee and give its decision regarding the accreditation or otherwise of the youth welfare/youth service organisation concerned.

5. The non-official members will be entitled to travelling allowance not exceeding Rs. 10/- for attending meetings of the Accreditation Committee. Secretarial assistance for this Committee will be provided by the Youth Service Division of the Ministry of Education and Youth Services.

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all State Governments and Union Territory Administrations, all Ministries of the Government of India, University Grants Commission, Planning Commission, Prime Minister's Secretariat, Cabinet Secretariat.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information

KANTI CHAUDHURI, Jt. Secy.

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT
(Transport Wing)

LIGHTHOUSES AND LIGHTSHIPS

New Delhi, the 16th February 1971

No. 11-ML(36)/70.—The President is pleased to appoint Shri Gopinath Vasu Savant as Assistant Executive Engineer (Civil) in the Department of Lighthouses and Lightships at Cochin with effect from the forenoon of 19th January, 1971 until further orders.

M. K. RAMASWAMY, Under Secy.

RESOLUTION

New Delhi, the 18th February 1971

No. 17-PG(3)/71.—The Government of India have received the Administration Report of the Visakhapatnam Port for the year 1969-70. The following are the noteworthy features of the Report :

1. Financial Results

The total income of the Port during the year 1969-70 amounted to Rs. 847.68 lakhs on the basis of the revised accounting system, as against Rs. 703.67 lakhs during the previous year calculated on the same basis. The increase in income was mainly due to more income on account of cargo handling and storage charges, Railway earnings and Estate rentals.

The total expenditure during the year under review amounted to Rs. 590.24 lakhs on the revised basis of accounting as against Rs. 515.90 lakhs during the previous year calculated on the same basis. The increase in expenditure was mainly due to increase in salaries and wages on account of the Wage Board award, increase in cost of stores, increase in staff and additions to craft and equipment etc.

2. Traffic

(a) *Trade* : The imports during the year report amounted to 2.33 million tonnes as against 2.69 million tonnes during the previous year. Imports consisted mainly of Fertilisers and other chemicals, Foodgrains, Petroleum and Petroleum products, Iron and Steel manufacturers, Electrical goods, Machinery, Ship-building material etc.

The exports during the year under review amounted to 5.98 million tonnes as against 5.36 million tonnes during the previous year. The main items of exports were Iron Ore, Chrome Ore, Railway materials, manufactured Iron and Steel, Myrobalans, Rice bran extractions, Jute and Hemp products etc.

(b) *Shipping* : The number of foreign-going vessels, which entered the port during 1969-70 was 511 with a total tonnage of 35,69,215. The corresponding figures for the previous year were 532 and 35,42,245. As regards coastal vessels, 100 of them with a total tonnage of 4,60,730 visited the port during the year as against 94 with a total tonnage of 4,22,733 during 1968-69.

3. Labour

The labour situation remained satisfactory during the year. Different welfare measures were continued.

4. Capital Works

Capital works of an aggregate value of Rs. 344.74 lakhs were carried out during the year including expenditure on Outer Harbour Project. All this expenditure was incurred from the Port's own resources. The ancillary works in connection with the Additional Four Berths Scheme were completed. The work relating to construction of Reception-cum-Despatch Yard and extension of North Holding Yard was also completed. The other major works in hand were in progress.

5. Acknowledgement

Government note with satisfaction the work done by the Port Trust Board during the year.

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all concerned.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

K. NARAYANAN, Jt. Secy.

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING*New Delhi-1, the 16th February 1971**National Awards for Films—1970*

No. 7/62/70-NA(F).—Entries for the National Awards for Films are hereby invited in respect of the following categories of Indian films certified for public exhibition during the calendar year 1970 :—

I. Film as Art

- (1) Best feature film of the year.
- (2) Best feature film on national integration.
- (3) Best children's film of the year.

II. Film as Communication

- (4) Best information film (documentary).
- (5) Best educational/instructional film.
- (6) Best social documentation film :
(dealing with an objective analysis and presentation of a contemporary social problem).
- (7) Best promotion film :
(i) Commercial,
(ii) Non-commercial.

III. Special Short Films Category

- (8) Best experimental film.
- (9) Best animation film.

2. The National Film Awards Rules are under revision. Also, enhancement of cash content of awards for the producers and directors of the best feature film of the year, best feature film on national integration and the second best feature film of the year is under consideration. These will be notified later.

3. The entries in respect of feature films as mentioned above as well as in other categories may be made by the producer(s) or any other person(s) duly authorised by him (them) in this behalf, up to March 15, 1971. The last date for filing the entries will not be extended under any circumstances. The entries should be made in duplicate in the form prescribed for the purpose and available with the Regional Officers, Central Board of Film Censors, Bombay, Calcutta and Madras. The entry forms in respect of feature films and short films shall be accompanied by a treasury chalan of Rs. 100/- in the case of films exceeding 1000 metres in length in 35 mm and 400 metres in 16 mm and of Rs. 50/- in the case of films shorter in length than the above mentioned limit respectively. The above amount should be credited to Central Government Account under the Major Head "L II. Miscellaneous".

4. Entries in respect of the various categories of films should be addressed to the authorities indicated below :—

(a) The Regional Officer, Central Board of Film Censors, 91, Walkeshwar Road, Bombay-6

(i) Feature films in Hindi (including Urdu, Hindustani and connected dialects like Bhojpuri, Rajasthani and Maithili), Punjabi, Kashmiri, Gujarati, Marathi (including Konkani) Sindhi and English.

(ii) Documentary films in all languages.

(iii) Promotion films (commercial and non-commercial).

(iv) Children's films in all languages.

(v) Educational/instructional films in all languages.

(vi) Social documentation films in all languages.

(vii) Experimental films in all languages.

(viii) Animation films in all languages.

(b) The Regional Officer, Central Board of Film Censors, All India Radio Building, Eden Gardens, Calcutta.

Feature films in Bengali, Oriya and Assamese.

(c) Regional Officer, Central Board of Film Censors, Block III, V. Floor, Central Building, 35-Haddows Road, Madras-6.

Feature films in Tamil, Telugu, Kannada and Malayalam.

The prints will be delivered at such places as advised by the Regional Officer concerned.

5. The entrant of a film selected for viewing by the Central Committee will submit, at his cost, the required number of copies of the detailed dialogue, 6 stills, script in English and Hindi as well as publicity material relating thereto, in addition to the print and 15 additional copies of the synopsis complete with cast and song books both in English and Hindi.

6. The maximum length of a children's film for the purpose of entry for the award shall be 3,400 metres in 35 mm or 1,360 metres in 16 mm. The maximum length of a film to be entered under the broad categories "Film as Communication and "Special Short Films" shall be 100 metres in 35 mm or 400 metres in 16 mm except in the case of information Film (Documentary). A film entered as a children's film will not be eligible for entry as a feature film or vice-versa.

7. The films winning the Awards are likely to be exhibited at a festival of films to be organised by Government following the announcement of the Awards.

K. K. KHAN, Under Secy.

